1. श्रम विभाजन और जाति प्रथा

लेखक – डॉ. भीमराव अंबेडकर

लेखक परिचय- मानव मुक्ति के पुरोधा भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 ई0 में मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। ये प्रारंभिक शिक्षा के बाद बड़ौदा नरेश से प्रोत्साहन पाकर उच्च शिक्षा के लिए न्यूयॉर्क (अमेरिका) फिर वहाँ से लंदन गये। कुछ दिनों तक वकालत करने के बाद राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते हुए इन्होंने अछूतों, स्त्रियों तथा मजदूरों को मानवीय अधिकार तथा सम्मान दिलाने के लिए अथक (न थकने वाला) संघर्ष किया। इनका निधन 6 दिसम्बर 1956 ई० में हुआ।

प्रमुख रचनाएँ- द कास्ट्स इन इंडिया, देयर मेकेनिज्म, जेनेसिस एंड डेवलपमेंट, हू आर शूद्राजः बुद्धा एंड हिज धम्मा, एनी हिलेशन ऑफ कास्ट, द अनटचेबल्स, हू आर दे, द एबोलुशन ऑफ प्रोबिंशियल फाइनांस, द राइज एंड फॉल ऑफ हिन्दू वीमैन आदि।

पाठ परिचय- प्रस्तुत पाठ 'श्रम विभाजन और जाति-प्रथा' लेखक के विख्यात भाषण 'एनिहिलेशन ऑफ कास्ट' का अंश है। यह भाषण लाहौर में जाति-पाँति तोड़क मंडल के वार्षिक सम्मेलन के लिए तैयार किया गया था। आयोजकों की सहमति न बनने के कारण सम्मेलन स्थगित हो गया और यह पढ़ा न जा सका। लेखक ने जातिवाद के आधार पर की जाने वाली असानता का विरोध किया है। इस आलेख के माध्यम से लोगों में मानवीयता, सामाजिक सद्भावना, भाई-चारा जैसे मानवीय गुणों का विकास करने का प्रयत्न किया गया है। लेखक का मानना है कि आर्दश समाज में समानता, स्वतंत्रता और भाई-चारा का होना आवश्यक है।

पाठ का सारांश

प्रस्तुत पाठ **'श्रम विभाजन और जाति प्रथा'** में लेखक ने जातीय आधार पर की जाने वाली असमानता के खिलाफ अपना विचार प्रकट किया है। लेखक का कहना है कि आज के परिवेश में भी कुछ लोग 'जातिवाद' के कटु समर्थक हैं, उनके अनुसार कार्यकुशलता के लिए श्रम विभाजन आवश्यक है, क्योंकि जाति प्रथा श्रमविभाजन का ही दूसरा रूप है। लेकिन लेखक की आपत्ति है कि जातिवाद श्रमविभाजन के साथ-साथ श्रमिक विभाजन का रूप लिए हुए है। श्रम विभाजन किसी भी सभ्य समाज के लिए आवश्यक है। परन्तु भारत की जाति-प्रथा श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन करती है और इन विभिन्न वर्गों को एक-दूसरे की अपेक्षा ऊँच-नीच भी करार देती है।

लेखक कहते हैं कि जाति के आधार पर श्रम विभाजन विश्व के किसी भी समाज में नहीं पाया जाता है।

जाति-प्रथा को यदि श्रम-विभाजन मान भी लिया जाए तो यह स्वभाविक नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रूचि पर आधारित नहीं है। इसलिए सक्षम समाज का कर्त्तव्य है कि वह व्यक्तियों को अपने रूचि या क्षमता के अनुसार पेशा अथवा कार्य चुनने के योग्य बनाए। इस सिद्धांत के विपरित जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि इससे मनुष्य के माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार पेशा अपनाने के लिए मजबुर होना पड़ता है। जाति प्रथा में गर्भधारण के समय ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है, जो अन्यायपूर्ण है।

जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण निर्धारण ही नहीं करती, बल्कि जीवन भर के लिए मनुष्य को एक ही पेशे में बाँध भी देती है। इसके कारण यदि किसी उद्योग धंधे या तकनीक में परिवर्तन हो जाता है तो लोगों को भूखे मरने के अलावा कोई चारा नहीं रह जाता है, क्योंकि खास पेशे में बंधे होने के कारण वह बेरोजगार हो जाता है। हिंदू धर्म की जाति प्रथा किसी भी व्यक्ति को उसका ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले वह उसमें माहिर या पारंगत ही क्यों न हो। अर्थात आप किसी कार्य में कितना भी अच्छा होते हैं, तो क्या हुआ जाति प्रथा के अनुसार अपने पिता का ही पेशा अपनाना पड़ता है।

लेखक कहते हैं कि भारत में पेशा परिवर्तन की अनुमति न होने के कारण बेरोजगारी होती है।

जाति-प्रथा से किया गया श्रम-विभाजन किसी की स्वेच्छा पर निर्भर नहीं होता। जिसके कारण लोग निर्धारित कार्य को अरूचि के साथ विवशतावश करते हैं। इस प्रकार जाति-प्रथा व्यक्ति की स्वभाविक प्रेरणारुचि व आत्म-शक्ति को दबाकर उन्हें स्वभाविक नियमों में जकड़कर निष्क्रिय बना देती है।

जाति प्रथा में श्रम विभाजन मनुष्य की इच्छा पर निर्भर नहीं करता है, बल्कि वह अपने पिता के पेशा में बँध जाना पड़ता है। ऐसी स्थिति में जहाँ काम करनेवाले का न दिल लगता है न दिमाग। कोई कुशलता भी प्राप्त नहीं की जा सकती है।

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrez Alam

इसलिए, लेखक कहते हैं कि आर्थिक पहलू से भी जाति प्रथा एक हानिकारक प्रथा है।

समाज के रचनात्मक पहलू पर विचार करते हुए लेखक कहते हैं कि आदर्श समाज वह है, जिसमें स्वतंत्रता, समता, भाई-चारा को महत्व दिया जा रहा हो।

लेखक भाई-चारे की तुलना दूध-पानी के मिश्रण से किया है। ये भाई-चारे को दूसरा लोकतंत्र कहते हैं।

लेखक अंत में कहते हैं कि समाज में एक-दूसरे के प्रति श्रद्धा और सम्मान की भावना रखना चाहिए। ताकि समाज में जाति प्रथा का अंत किया जा सके।

श्रम विभाजन और जाति प्रथा Subjectives

प्रश्न 1. लेखक किस विडंबना की बात करते हैं ? विडंबना का स्वरूप क्या है? (2012C)

उत्तर- आधुनिक युग में भी जातिवाद का पोषण होना, इसके पोषकों की कमी नहीं होना, इस तरह की प्रथा को बढ़ावा देना, लेखक के विचार से विडंबना माना गया है।

प्रश्न 2. जाति भारतीय समाज में श्रम-विभाजन का स्वाभाविक रूप क्यों नहीं कही जा सकती? (2014A, 2016A)

उत्तर- भारतीय समाज में जाति प्रथा, श्रम-विभाजन का स्वाभाविक रूप नहीं कही जा सकती, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है। इसमें मनुष्य की निजी क्षमता का विचार किए बिना उसका पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

प्रश्न 3. सच्चे लोकतंत्र की स्थापना के लिए लेखक ने किन विशेषताओं को आवश्यक माना है? (2016A)

उत्तर- लोकतंत्र मूलतः सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति तथा समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम है। सच्चे लोकतंत्र की स्थापना के लिए समानता, भाईचारा एवं स्वतंत्रता आवश्यक है।

प्रश्न 5. अम्बेदकर के अनुसार जाति-प्रथा के पोषक उसके पक्ष में क्या तर्क देते हैं? (2014A)

उत्तर- जातिवाद के पक्ष में इसके पोषकों का तर्क है कि आधुनिक सभ्य समाज 'कार्य-कुशलता' के लिए श्रम-विभाजन को आवश्यक मानता है और चूँकि जाति प्रथा भी श्रम-विभाजन का ही दूसरा रूप है, इसलिए इसमें कोई बुराई नहीं है।

प्रश्न 4. लेखक ने पाठ में किन प्रमुख पहलुओं से जाति प्रथा को एक हानिकारक प्रथा के रूप में दिखाया है? (2015A)

उत्तर- जाति प्रथा में श्रम-विभाजन मनुष्य की स्वेच्छा पर निर्भर नहीं रहता। इसमें मानवीय कार्यकुशलता की वृद्धि नहीं हो पाती। इसमें स्वभावतः मनुष्य को दुर्भावना से ग्रस्त रहकर कम और टालू कार्य करने को विवश होना पड़ता है।

प्रश्न 6. जातिवाद के पक्ष में दिए गए तर्कों पर लेखक की प्रमुख आपत्तियाँ क्या हैं? (2016C)

उत्तर-(क) जाति प्रथा श्रम-विभाजन के साथ-साथ श्रमिक विभाजन का भी रूप लिए हुए है।

(ख) इस प्रथा में श्रमिकों को अस्वाभाविक रूप से विभिन्न वर्गों में विभाजित किया जाता है।

(ग) इसमें विभाजित वर्गों को एक-दूसरे की अपेक्षा ऊँच-नीच भी करार दिया जाता है।

(घ) जाति प्रथा पर आधारित विभाजन मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है।

1. श्रम विभाजन और जाति प्रथा Objectives

प्रश्न 1.मानव मुक्ति के पुरोधा किसे कहा गया है?

(क) अमरकांत (ख) नलिन विलोचन शर्मा

(ग) भीमराव अम्बेडकर (घ) पंडित बिरजू महाराज

उत्तर- (ग) भीमराव अम्बेडकर

प्रश्न 2.भारत में जाति-प्रथा का मुख्य कारण क्या हैं?

(क) बेरोजगारी (ख) गरीबी

(ग) उधोग धंधो की कमी (घ) अमीरी

उत्तर-(क) बेरोजगारी

प्रश्न 3.जाती प्रथा स्वाभाविक विभाजन नही है, क्यों?

(क) भेदभाव के कारण (ख) शोषण के कारण

(ग) गरीबी के कारण (घ) रूची पर आधारित नही होने के कारण

उत्तर- (घ) रूची पर आधारित नही होने के कारण

प्रश्न 4.'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' के लेखक कौन हैं ?

(क) डॉ0 राममनोहर लोहिया (ख) महात्मा गाँधी

(ग) भीमराव अम्बेदकर (घ) डॉ0 सम्पूर्णानंद

उत्तर- (ग) भीमराव अम्बेदकर

प्रश्न 5.लेखक बेरोजगारी का प्रमुख और प्रत्यक्ष कारण किसे मानते हैं ?

Excellence Coaching Institute Guided By- Tabrej Alam

(क) आशिक्षा को (ख) जनसंख्या को
(ग) जाति प्रथा को (घ) उधोग धंधो की कमी को
उत्तर- (ग) जाति प्रथा को

प्रश्न 6.आधुनिक सभ्य समाज श्रम विभाजन को आश्चयक क्यों मानता हैं ?
(क) कार्य कुशलता के लिए (ख) भाई चारे के लिए
(ग) रूढिवादिता के लिए (घ) इनमें से कोई नही
उत्तर- (क) कार्य कुशलता के लिए

प्रश्न 7.'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ बाबा साहेब के किस भाषण का संपादित अंश हैं ?
(क) द कास्ट्स इन इडिया : देयर मैकेनिज्म
(ख) जैनेसिस एण्ड डेवपलमेंट
(ग) एनिहिलेशल ऑफ कास्ट
(घ) हू इज सुद्राज
उत्तर- (ग) एनिहिलेशल ऑफ कास्ट

प्रश्न 8.अम्बेदकर का जन्म किस परिवार में हुआ था ?
(क) ब्राहमण (ख) क्षत्रिय
(ग) दलित (घ) कायस्थ
उत्तर- (ग) दलित

प्रश्न 9.'आदर्श समाज स्वतंत्रता, समानता, भातृत्व पर आधारित होगा ?
(क) मैक्स मूलर (ख) भीमराव अम्बेदकर
(ग) बिरजू महाराज (घ) अज्ञेय
उत्तर- (ख) भीमराव अम्बेदकर

प्रश्न 10.डॉ0 भीमराव अम्बेदकर का जन्म कब हुआ ?
(क) 14 अप्रैल, 1988 (ख) 14 अप्रैल, 1989
(ग) 14 अप्रैल, 1890 (घ) 14 अप्रैल, 1891
उत्तर- (घ) 14 अप्रैल, 1891

प्रश्न 11.डॉ0 भीमराव अम्बेदकर का जन्म कहॉ हुआ ?
(क) महू, मध्यप्रदेश (ख) गोरखपूर, उत्तर प्रदेश
(ग) डुमरॉव, बिहार (घ) दानकुनी, पश्चिम बंगाल
उत्तर- (क) महू, मध्यप्रदेश

प्रश्न 12.जाति प्रथा श्रम विभाजन के साथ-साथ किसका रूप लिए हुए हैं ?
(क) स्वतंत्रता का (ख) भातृत्व का
(ग) श्रमिक विभाजन का (घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ख) भातृत्व का

प्रश्न 13.डॉ0 भीमराव अम्बेदकर ने किस प्रथा को आर्थिक पहलू से खतरनाक माना हैं ?
(क) सती प्रथा (ख) दहेज प्रथा
(ग) बाल विवाह प्रथा (घ) जाति प्रथा
उत्तर- (घ) जाति प्रथा

2. विष के दाँत

लेखक परिचय—
लेखक- नलिन विचोलन शर्मा
जन्म- 18 फरवरी 1916 ई0 (पटना के बदरघाट)
निधन- 12 सितम्बर 1961 ई0
वे विख्यात विद्वान पं0 रामावतार शर्मा के ज्येष्ठ पुत्र थे। माता का नाम रत्नावती शर्मा था। उन्होनें स्कुल की पढ़ाई पटना कॉलेजिएट से पूरी की तथा संस्कृत और हिन्दी में एम0 ए0 पटना विश्वविद्यालय से किया।
प्रमुख रचनाएँ- दृष्टिकोण, साहित्य का इतिहास दर्शन, मानदंड, साहित्य तत्व और आलोचना, विष के दाँत तथा संत परम्परा और साहित्य आदि।

पाठ परिचय- प्रस्तुत कहानी 'विष के दाँत' में मध्यमवर्गीय अन्तर्विरोधों को उजागर किया गया है। आर्थिक कारणों से मध्यवर्ग के भीतर ही एक ओर सेन साहब जैसे महत्वाकांक्षी तथा सफेदपोशी अपने भीतर लिंग-भेद जैसे कुसंस्कार छिपाए हुए हैं तो दूसरी ओर गिरधर जैसे नौकरीपेशा निम्न मध्यवर्गीय है जो अनेक तरह के थोपी गई बंदिशों के बीच भी अपने अस्तित्व को बहादुरी एवं साहस के साथ बचाए रखने के लिए संघर्षरत है।
यह कहानी समाजिक भेदभाव, लिंग-भेद, आक्रामक स्वार्थ की छाया में पलते हुए प्यार दुलार के कुपरिणामों को उभरती हुई सामाजिक समानता एवं मानवाधिकार की महत्वपूर्ण नमूना पेश करती है।

पाठ का सारांश

सेन साहब एक अमीर आदमी थे। उनकी पाँच लड़कियाँ थी, एक लड़का था। लड़कियाँ क्या थी कठपुतलियाँ। वे किसी चीझ को तोड़ती-फोड़ती न थी। दौड़ती और खेलती भी थी, तो केवल शाम के वक्त। सेन साहब नयी मोटरकार ली थी- स्ट्रीमलैण्ड। काली चमकती हुई, खुबसूरत गाड़ी थी। सेन साहब को उस पर नाज था। एक धब्बा भी न लगने पाये- क्लिनर (सफाई वाला) और शोफर (ड्राइवर) को सेन साहब

Excellence Coaching Institute Guided By - Nasar Alam

की सख्त ताकीद थी। चूँकि खोखा सबसे छोटा और सेन साहब के नाउम्मीद बुढ़ापे की आँखों का तारा था इसलिए मोटर को कोई खतरा था तो खोखा से ही।

एक दिन की बात है कि सेन साहब का शोफर एक औरत से उलझ पड़ा बात यह थी कि उसका पाँच-छः साल का बच्चा मदन गाड़ी को छुकर गंदा कर रहा था और शोफर ने जब मना किया तो वह उल्टे शोफर से ही उलझ पड़ी।

वह मामला अभी सिमटा ही था कि इस बीच खोखे ने मोटर की पिछली बती का लाल शीशा चकनाचुर कर दिया। लकिन सेन साहब ने इसका बुरा नहीं माना और अपने मित्रों से कहा- 'देखा, आपलोगों ने ? बड़ा शरारती हो गया है काशु। मोटर के पिछे हरदम पड़ा रहता है।' काशु ने मिस्टर सिंह साहब के अगले तथा पिछले पहीयां के हवा निकाल दी थी। जब मिस्टर सिंह विदा हो गये तो सेन साहब ने मदन के पिता गिरधर लाल को जो उनके फैक्ट्री में किरानी था को बुलाया। उसे सेन साहब ने खुब खरी-खोटी सुनाई और कहा कि बच्चों को सम्भाल कर रखो। उस रात गिरधारी लाल ने अपने बेटे मदन की खुब पिटाई की।

दूसरे दिन शाम को मदन, कुछ लड़कों के साथ लट्टू नचा रहा था। खोखा ने भी लट्टू नचाने के लिए, माँगा लेकिन मदन ने उसे फटकार दिया- 'अबे, भाग जा यहाँ से ! बड़ा आया है लट्टू नचाने, जा अपने बाबा की मोटर पर बैठ।'

काशु को गुस्सा आ गया, वह इसी उम्र में अपनी बहनों पर, नौकरों पर हाथ चला देता था और क्या मजाल उसे कोई कुछ कह दे। उसने न आव देखा न ताव, मदन को एक घुस्सा कस दिया। मदन ने काशु पर टूट पड़ा। उसकी मरम्मत जमकर कर दी। काशु रोता हुआ घर चला गया। लेकिन मदन घर नहीं लौटा। आठ-नौ बजे रात को मदन इधर-उधर घूमते हुए गली के दरवाजे से घर में घुसा। डर तो यही है कि आज अन्य दिनों की अपेक्षा मार अधिक लगेगी। रसोई घर में घुसा। भरपेट खाना खाया। फिर बगल वाले कमरे के दरवाजे पर जाकर अन्दर की बात सुनने लगा।

उसे इस बात का ताज्जुब (आश्चर्य) हो रहा था कि उसके पिता क्यों गरज-तरज नहीं रहे हैं, जबकि उसने काशु के दो-दो दाँत तोड़ डाले थे। इसका कारण यह था कि उसके पिता को नौकरी से हटा दिया गया था और मकान खाली करने का आदेश दिया जा चूका था। वह दबे पाँव बरामदे पर रखी चरपाई की तरफ सोने के लिए चला कि अँधेरे में उसका पैर लोटे पर लग गया, ठन्-ठन् की आवाज सुनकर गिरधर बाहर निकला।

और मदन की ओर बढ़ा, उसके चेहरे से नाराजगी के बादल छँट गए। उसने मदन को अपनी गोद में उठाकर बेपरवाही, उल्लास और गर्व के साथ बोल उठा, जो किसी के लिए भी नौकरी से निकाले जाने पर ही मुमकिन हो सकता है, शाबाश बेटा ! एक तेरा बाप है, और तु ने तो, खोखा के दो-दो दाँत तोड़ डाले। लेखक के कहने का तात्पर्य है कि कोई व्यक्ति स्वार्थवश ही किसी का अपमान सहन करता है, स्वार्थरहित ईंट का जवाब पत्थर से देता है। इसी मजबुरी के कारण गिरधर अपने पुत्र को निर्दोष होते हुए भी पीटता था, क्योंकि विष के दाँत लगे हुए थे, इसे टूटते ही दुत्कार प्यार में बदल जाता है।

Subjective Questions

प्रश्न 1. सेन साहब के परिवार में बच्चों के पालन-पोषण में किए जा रहे लिंग-आधारित भेद भाव का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

(पाठ्य पुस्तक) (2012C)

उत्तर- सेन साहब अमीर आदमी थे। उनकी पाँच लड़कियाँ थीं एवं एक लड़का था। उस परिवार में लड़कियों के लिए घर में अलग नियम तथा शिक्षा थी। लेकिन लड़का के लिए अलग नियम एवं अलग शिक्षा। लड़का को पूरी स्वतंत्रता थी, लेकिन लड़कीयों को नहीं। लड़कियों के खेलने और बाहर निकलने का भी समय तय कर दिया गया था। वह एक दम कठपुतली के जैसी थी। जबकि उस परिवार में लड़का को पूरी आजादी थी।

प्रश्न 2. सेन साहब काशु को विद्यालय पढ़ने के लिए क्यों नहीं भेजते हैं? (2018C)

उत्तर-सेन साहब काशु को बिजनेसमैन और इंजीनियर बनाना चाहते हैं। इसके लिए वे आजकल की पढ़ाई-लिखाई को बेकार समझते हैं और अपने घर पर ही बढ़ई मिस्त्री के साथ कुछ ठोक-पीट करने का इन्तजाम कर दिया है।

प्रश्न 3. विष के दाँत शीर्षक कहानी का नायक कौन है? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। (2014A,2017C)

उत्तर- 'विष के दाँत' कहानी में मदन ऐसा पात्र है जो अहंकारी के अहंकार को नहीं सहन करता है बल्कि उसका स्वाभिमान

Excellence Coaching Institute Created By - Tabrej Alam

जाग्रत होता है और वह खोखा जैसे बालक को ठोकर देकर वर्षों से दबे अपने पिता की आँखें भी खोल देता है। सम्पूर्ण कहानी में मदन की क्रांतिकारी भूमिका है। अतः इसका नायक मदन है।

प्रश्न 4. काशू का चरित-चित्रण करें।

उत्तर- काशू समृद्ध पिता का लड़का है। माता-पिता और बहनों का अत्यधिक प्रेम पाकर उसके स्वभाव में एक प्रकार का जिद भरा हुआ है। वह जिद्दी स्वभाव का है, उसके मन में जो आता है, वही करता है। उसमें अहंकार भी है।

प्रश्न 5. आपकी दृष्टि में कहानी का नायक कौन है? तर्कपूर्ण उत्तर दें। (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- हमारी दृष्टि में 'विष के दांत' शीर्षक कहानी का नायक मदन है। इसमें मदन का ही चरित्र है जो सबसे अधिक प्रभावशाली है। पूरी कथा में इसी के चरित्र का महत्त्व है। खोखे के विष के दाँत तोड़ने की महत्त्वपूर्ण घटना का भी वही संचालक है। वह काशु के अत्याचार को सहन नहीं करता है। वह निर्भीक और निडर रहता है।

प्रश्न 7. खोखा किन मामलों में अपवाद था? (2011A,2014C)

उत्तर- सेन साहब एक अमीर आदमी थे। खोखा उनके बुढ़ापे की आँखों का तारा था। इसीलिए सेन साहब ने उसे काफी छुट दे रखी थी। पाँच बहनों में एक खोखा था। घर में बहनों के लिए विभिन्न प्रकार के नियम थे। लेकिन खोखा के लिए कोई नियम नहीं था। इसलिए खोखा अपवाद था।

प्रश्न 8. मदन और ड्राइवर के बीच के विवाद के द्वारा कहानीकार क्या बताना चाहता है? (2016A)

उत्तर- मदन और ड्राइवर के बीच विवाद के द्वारा कहानीकार बताना चाहते हैं कि अपने पर किये गये अत्याचार का विरोध करना पाप नहीं है। सेन साहब की नयी चमकती काली गाड़ी को मदन द्वारा केवल छूने पर ड्राइवर द्वारा घसीटा जाता है। यह गरीब बालक पर अत्याचार है। मदन द्वारा उसका मुकाबला करना अत्याचारियों पर विजय प्राप्त करने का प्रयास है।

प्रश्न 9. 'विष के दाँत' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। (2016A)

उत्तर- 'विष के दाँत' शीर्षक महल और झोपड़ी की लडाई की कहानी है ।। मदन द्वारा पिटे जाने पर खोखा के जो दाँत टूट जाते हैं वह गरीबों पर उनके अत्याचार के विरुद्ध एक चेतावनी है। यही इस कहानी का लक्ष्य है। अतः निसंदेह कहा जा सकता है कि 'विष के दाँत' इस दृष्टि से बड़ा ही सार्थक शीर्षक है।

विष के दाँत Objectives Questions

प्रश्न 1.ऐसे ही लड़के आगे चलकर गुण्डे, चोर, डाकू बनते हैं यह पंक्ति कहानी के किस पात्र ने कही है ?

(क) सेनसाहब की धर्मपत्नी (ख) गिरधर
(ग) सेन साहब (घ) शोफर

उत्तर- (घ) शोफर

प्रश्न 2.विष के दॉत शीर्षक कहानी के कहानीकार कौन हैं ?

(क) मोहन राकेश (ख) कम्लेश्वर
(ग) प्रेमचंद्र (घ) नलिन विलोचन शर्मा

उत्तर- (घ) नलिन विलोचन शर्मा

प्रश्न 3.सेन साहब अपने पुत्र (खोखा) को बनाना चाहते थे ?

(क) बिजनेसमैन या इंजिनियर (ख) वकिल
(ग) प्रोफेसर (घ) डॉक्टर

उत्तर- (क) बिजनेसमैन या इंजिनियर

प्रश्न 4. विष के दाँत पाठ की विधा हैं ?

(क) निबंध (ख) गिरधर (ग) कविता (घ) कहानी

उत्तर- (घ) कहानी

प्रश्न 5.सेन साहब की कार की किमत हैं ?

(क) साढे सात हजार (ख) साढे आठ हजार
(ग) साढे नौ हजार (घ) साढे सात लाख

उत्तर- (क) साढे सात हजार

प्रश्न 6.नलीन विलोचन शर्मा का जन्म कब हुआ ?

(क) 14 जनवरी, 1915 (ख) 18 फरवरी, 1916
(ग) 22 मार्च, 1917 (घ) 14 अप्रैल 1918

उत्तर- (ख) 18 फरवरी, 1916

प्रश्न 7.मोटरकार को किससे खतरा हो सकता था ?

(क) काशू से (ख) मदन से
(ग) खोखा से (घ) इंजिनियर से

उत्तर- (ग) खोखा से

प्रश्न 8.सेन साहब की ऑखो का तारा है ?

(क) कार (ख) खोखा (ग) खोखी (घ) उपयुक्त सभी

उत्तर- (ख) खोखा

प्रश्न 9.खोखा के दाँत किसने तोड़े?

(क)मदन (ख) मदन के दोस्त

Excellence Coaching Institute Guided By:- Tabrej Alam

(ग)सेन साहब (घ) गिरधर

उत्तर- (क) मदन

प्रश्न 10.महल और झोपड़ी वालों की लड़ाई में अक्सर महल वाले ही जीतते हैं पर उसी हाल में जब दूसरे झोपड़ी वाले उनकी मदद अपने ही खिलाफ करते हैं किस पाठ की पंक्ति है?

(क) बहादुर (ख) शिक्षा और संस्कृति

(ग) मछली (घ) विष के दाँत

उत्तर- (घ) विष के दाँत

प्रश्न 11.सीमा, रजनी, आलो, सेफाली, आरती - पाँचों किसकी बहनें थी?

(क) मदन की (ख) खोखा की

(ग) लेखक की (घ) सेन साहब की

उत्तर- (ख) खोखा की

प्रश्न 12.मैं तो खोखा को इंजीनियर बनाने जा रहा हुँ यह कथन किसका है?

(क) सेन साहब (ख) मिस्टर सिंह

(ग) गिरधर ला (घ) मुखर्जि साहब

उत्तर- (क) सेन साहब

प्रश्न 13.मदन के लिए क्या खाना मामुली बात थी?

(क) दुतकार (ख) मार

(ग) प्यार (घ) फटकार

उत्तर- (ख) मार

३. भारत से हम क्या सीखें

लेखक परिचय

लेखक का नाम- फ्रेड्रिक मैक्समूलर

जन्म- 6 दिसम्बर, 1823 ई0, आधुनिक जर्मनी के डेसाउ नामक नगर में

मृत्यु- 28 अक्टूबर, 1900 ई0

पिता- विल्हेम मूलर

माता- एडेल्हेड मूलर

मैक्समूलर जब चार वर्ष के हुए, तो इनके पिता की मृत्यु हो गई। पिता के निधन के बाद उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत ही दयनीय हो गई, फिर भी मैक्समूलर की शिक्षा-दीक्षा बाधित नहीं हुई। बचपन से ही वे संगीत के अतिरिक्त ग्रीक और लैटिन भाषा में निपुण हो गये थे तथा लैटिन में कविताएँ भी लिखने लगे थे। 18 वर्ष की उम्र में लिपजिंग विश्वविद्यालय में उन्होंने संस्कृत का अध्ययन आरंभ कर दिया।

साहित्यिक रचनाएँ- 1841 ई0 में उन्होंने 'हितोपदेश' का जर्मन भाषा में अनुवाद प्रकाशित करवाया। 'कठ' और 'केन' आदि उपन्यासों का भी जर्मन भाषा में अनुवाद प्रस्तुत किया। 'मेघदूत' महाकाव्य का भी जर्मन पद्य में अनुवाद कर यश का भी काम किया।

पाठ परिचय

प्रस्तुत पाठ 'भारत से हम क्या सिखें' भारतीय सेवा हेतु चयनित युवा अंग्रेज अधिकारियों के आगमन के अवसर पर संबोधित भाषणों की श्रृंखला की एक कड़ी है। प्रथम भाषण का यह संक्षिप्त एवं संपादित अंश है। इसका भाषांतरण डॉ0 भावानी शंकर त्रिवेदी ने किया है। इसमें लेखक ने भारतीय सभ्यता की प्राचीनता एवं विलक्षणता के विषय में नवागंतुक अधिकारियों को बताया है कि विश्व भारत की सभ्यता से बहुत कुछ सीखती तथा ग्रहण करती आई है। यह एक विलक्षण देश है। इसकी सभ्यता और संस्कृति से बहुत कुछ सीखा जा सकता है, नई पीढ़ी अपने देश तथा इसकी प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति, ज्ञान-साधना, प्राकृतिक वैभव आदि की महता का प्रामाणिक ज्ञान प्रस्तुत भाषण से प्राप्त कर सकेगी।

पाठ का सारांश

प्रस्तुत पाठ 'भारत से हम क्या सिखें' महान चिन्तक एवं साहित्यकार मैक्समूलर द्वारा लिखित है। इसमें लेखक ने भारत की विशेषताओं पर प्रकाश डाला है।

लेखक का मानना है कि संसार में भारत एक ऐसा देश है जो सर्वविध संपदा प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। भूतल पर स्वर्ग की छटा यहीं देखने को मिलती है। प्लेटो तथा काण्ट जैसे दार्शनिकों ने भी भारत के महत्व को सहर्ष स्वीकार किया है। यूनानी, रोमन तथा सेमेटिक जाति के यहूदियों की विचारधारा में ही सदा अवगाहन करते रहने वाले यूरोपीयनों के विश्वव्यापी एवं सम्पूर्ण मानवता के विकास का ज्ञान भारतीय साहित्य में ही मिला। लेखक के अनुसार, सच्चे भारत के दर्शन गाँवों में ही संभव है न कि कलकत्ता, मुम्बई जैसे शहरों में। यहाँ प्राकृतिक सुषमा है। खनिज भंडार है। कृषि की महत्ता है। यह तपस्वियों की साधना भूमि, जन्मभूमि, कर्मभूमि रही है।

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

भारत में अनेक विदेशी सिक्कों का विपूल भंडार था- ईरानी, केरियन, थ्रेसियन, पार्थियन, यूनानी, मेकेडेलियन, शकों, रोमन और मुस्लिम शासकों के सिक्के यहाँ प्रचुर मात्रा में मिले थे।

दैवत विज्ञान, कहावतों, कथाओं का महासागर रूप भारत में देखने को मिलता है। शब्द निर्माण और वृहद् शब्द भंडार भी भारत के पास चिरकाल से व्यवहृत है।

विधिशास्त्र, धर्मशास्त्र और राजनितिशास्त्र की जड़े भी भारत में ही हैं। भारतीय वाङ्मय और संस्कृत की महŸ्ा को सभी विदेशी स्वीकार करते हैं।

संस्कृत का संबंध लैटिन से भी है। इस प्रकार संस्कृत, लैटिन, ग्रीक तीनों भाषाएँ एक ही उद्गम स्थल की है। हिन्दू, ग्रीक आदि जातियों में भी अनेकता के बावजूद एकता के बीज छिपे हुए हैं।

भारत विद्या, योग, धर्म-दर्शन का उद्गम स्थल है। पूरे विश्व को बुद्ध ने अपने विचारों से आलोकित किया था।

इस प्रकार भारतीय सभ्यता, संस्कृति ज्ञान-विज्ञान, प्राकृतिक सुन्दरता, भाषा और साहित्य में विशेष अभिरुचि रखने वालों के लिए भारत भ्रमण आवश्यक है।

वारेन हेस्टिंग्स जब भारत का गवर्नर जनरल था तो उसे वाराणसी के पास 172 दारिस नामक सोने के सिक्कों से भरा एक घड़ा मिला था। वारेन हेस्टिंग्स ने अपने मालिक ईस्ट इंडिया कंपनी के निदेशक मंडल की सेवा में भेजवा दिया। कंपनी के निदेशक ने उन सोने के सिक्कों के महत्व को नहीं समझ पाये और उन्होनें उन मुद्राओं को गला डाला। जब वारेन हेस्टिंग्स इंगलैंड लौटा तो वे मुद्राएँ नष्ट हो चूकी थीं। वारेन हेस्टिंग्स को इस दुर्घटना से बहुत अफसोस हुआ।

कंपनी के निदेशक ने उन सिक्कों के ऐतिहासिक महत्व को समझ हीं नहीं पाये और अनायास यह दुर्घटना घट गई।

वारेन हेस्टिंग्स उन सिक्कों के महत्ता ऐतिहासिकता को समझते थे। कंपनी के निदेशक की नासमझी पर वारेन हेस्टिंग्स दुखित थे।

अंत में, लेखक अपने हार्दिक उद्गार प्रकट करते हुए कहता है कि भारत की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक सौन्दर्य सम्पन्नता को जानने के लिए अभी न जाने कितने स्वप्नदर्शियों की आवश्यकता है। सर जोन्स ने जब सूर्य को अरब सागर में डुबते देखा तो उनके पिछे इंगलैंड की मधुर स्मृतियाँ तथा उनके सामने भारत की आशा जगमगा रही थी तथा अरब सागर के शीतल मंद हवा के झोंखें उन्हें झुला रहे थे। इस प्रकार सर विलियम ने कलकत्ता पहुँचने के बाद पूर्वी देश के इतिहास और साहित्य के क्षेत्र में एक-से-बढ़कर एक शान्दार कार्य किए। फिर भी यह सोचकर निराश नहीं होना चाहिए कि गंगा और सिंधु के मैदानों में अब उनकी खोज के लिए कुछ भी शेष नहीं है।

प्रश्न 1. लेखक ने किन विशेष क्षेत्रों में अभिरुचि रखने वालों के लिए भारत का प्रत्यक्ष ज्ञान आवश्यक बताया है? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- लेखक ने बताया है कि जिन्हें भू-विज्ञान में, वनस्पति जगत में, जीवों के अध्ययन में, पुरातत्त्व के ज्ञान में एवं नीतिशास्त्र जैसे विषयों में विशेष अभिरुचि है उन्हें भारत का प्रत्यक्ष ज्ञान आवश्यक है।

प्रश्न 2. लेखक ने नीति कथाओं के क्षेत्र में किस तरह भारतीय अवदान को रेखांकित किया है? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- लेखक ने बताया है कि नीति कथाओं के अध्ययन-क्षेत्र में नवजीवन का संचार हुआ है। समय-समय पर विविध साधनों और मार्गों द्वारा अनेक नीति कथाएँ पूर्व से पश्चिम की ओर प्रवाहित रही हैं।

प्रश्न 3. भारत को पहचान सकने वाली दृष्टि की आवश्यकता किनके लिए वांछनीय है और क्यों? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- भारत को पहचान सकनेवाली दृष्टि की आवश्यकता यूरोपियन लोगों के लिए वांछनीय है, क्योंकि भारत ऐसी अनेक समस्याओं से भरपूर है जिनका समाधान होने पर यूरोपियन लोगों की अनेक समस्याओं का निदान संभव है।

प्रश्न 3. लेखक ने वारेन हेस्टिंग्स से संबंधित किस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना का हवाला दिया है और क्यों? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- लेखक ने वारेन हेस्टिंग्स द्वारा 172 दारिस नामक सोने के सिक्के ईस्ट इंडिया कंपनी के निदेशक मंडल की सेवा में भेजे जाने पर कम्पनी के मालिक द्वारा उसका महत्त्व नहीं समझना एवं मुद्राओं को गला देना दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना कहा है। क्योंकि, वह एक धरोहर था।

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

प्रश्न 7. लेखक ने नया सिकंदर किसे कहा है ? ऐसा कहना क्या उचित है? लेखक का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए। (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- लेखक ने नया सिकंदर भारत को समझने, जानने एवं सम्पूर्ण लाभ प्राप्त करने हेतु भारत आनेवाले नवागंतुक अन्वेषकों, पर्यटकों एवं अधिकारियों को कहा है। उसी प्रकार आज भी भारतीयता को निकट से जानने के नवीन स्वप्नदर्शी को आज का सिकंदर कहना अतिशयोक्ति नहीं है, यह उचित है।

प्रश्न 8. मैक्समूलर ने संस्कृत की कौन-सी विशेषताएँ और महत्त्व बतलाए। (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- मैक्समूलर के अनुसार संस्कृत की पहली विशेषता इसकी प्राचीनता है। इसके वर्तमान रूप में भी अत्यन्त प्राचीन तत्त्व भलीभाँति सुरक्षित है। संस्कृत की मदद से, ग्रीक-लैटिन, गॉथिक और एंग्लो-सैक्सन जैसी ट्यूटानिक भाषाओं केल्टिक तथा स्लाव भाषाओं में विद्यमान समानता की समस्या को आसानी से हल किया जा सका।

प्रश्न 9. भारत किस तरह अतीत और सुदूर भविष्य को जोड़ता है ? स्पष्ट करें। (2011C,2012C, 2016A)

उत्तर- भारत अतीत और भविष्य को जोड़ता है। यहाँ मानवीय जीवन का प्राचीनतम ज्ञान विद्यमान है। यहाँ की भूमि प्राचीन इतिहास से जुड़ी रही है। यहाँ की संस्कृत भाषा के द्वारा विश्व को चिंतन की ऐसी धारा में अवगाहन का अवसर मिलता है जो अभी तक अज्ञात थी। अतः यह बीते हुए काल और आने वाले समय के लिए सेतु के रूप में मान्य है।

प्रश्न 10. समस्त भूमंडल में सर्वविद सम्पदा और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण देश भारत है। लेखक ने ऐसा क्यों कहा है? (पाठ्य पुस्तक, 2012A)

उत्तर- भारत ऐसा देश है, जहाँ मानव मस्तिष्क की उत्कृष्टतम उपलब्धियाँ का सर्वप्रथम साक्षात्कार हुआ है। यहाँ जीवन की बड़ी-से-बड़ी समस्याओं के ऐसे समाधान ढूँढ़ निकाले गये हैं जो विश्व के दार्शनिकों के लिए चिन्तन का विषय है। यहाँ जीवन को सुखद बनाने के लिए उपयुक्त ज्ञान एवं वातावरण का मिश्रण मिलता है जो विश्व में अन्य जगह नहीं है।

प्रश्न 11. धर्मों की दृष्टि से भारत का क्या महत्त्व है? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- भारत प्राचीन काल से ही धार्मिक विकास का केन्द्र रहा है। यहाँ धर्म के वास्तविक उद्भव और उसके प्राकृतिक विकास का प्रत्यक्ष परिचय मिलता है। भारत वैदिक धर्म की भूमि है. बौद्ध धर्म की यह जन्मभूमि है, पारसियों के जरथुस्त्र धर्म की यह शरण स्थली है। आज भी यहाँ नित्य नये मत मतान्तर प्रकट एवं विकसित होते रहते हैं। इस तरह से भारत धार्मिक क्षेत्र में विश्व को आलोकित करनेवाला एक महत्त्वपूर्ण देश है।

प्रश्न 12. भारत के साथ यूरोप के व्यापारिक संबंध के प्राचीन प्रमाण लेखक ने क्या दिखाए हैं? (पाठ्य पुस्तक, 2013C)

उत्तर- लेखक के अनुसार सोलोमन के समय में ही भारत, सीरिया और फिलीस्तीन के मध्य आवागमन के साधन सुलभ हो चुके थे। साथ ही इन देशों के व्यापारिक अध्ययन के आधार पर प्रमाणित होता है कि हाथी दाँत, बन्दर, मोर और चन्दन आदि जिन वस्तुओं के ओफिर से निर्यात की बात बाइबिल में कही गयी है, वे वस्तुएँ भारत के सिवा किसी अन्य देश से नहीं लाई जा सकती।

3. भारत से हम क्या सीखें Objectives

प्रश्न 1.मैक्समुलर को विदांतियों का वेदांति किसने कहा?
(क) गाँधी जी (ख) स्वामी विवेकानन्द
(ग) अम्बेडकर (घ) गुणाकर मूले
उत्तर- (ख) स्वामी विवेकानन्द

प्रश्न 2.नृवंश विद्या का संबंध किससे है?
(क) वनस्पति विज्ञान से (ख) प्राणि विज्ञान से
(ग) मानव विज्ञान से (घ) अंतरिक्ष विज्ञान से
उत्तर- (ग) मानव विज्ञान से

प्रश्न 3.सर विलियम जोन्स ने भारत की यात्रा कब की थी?
(क) 1957 (ख) 1750 (ग) 1790 (घ) 1783
उत्तर- (घ) 1783

प्रश्न 4.सब पूराने अच्छे नहीं होते, सब नये खराब नहीं होते यह उक्ति है ?
(क) विवेकानन्द की (ख) रामकृष्ण की
(ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी की (घ) कालीदास की
उत्तर- (घ) कालीदास की

प्रश्न 5.स्वामी विवेकानन्द ने वेदांतियों का वेदांति किसे कहा है?

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

(क) रामप्रसाद विस्मिल को (ख) स्वामी दयानन्द को
(ग) मैक्समूलर को (घ) राजा राममोहन राय को
उत्तर- (घ) राजा राममोहन राय को

प्रश्न 6.मैक्समूलर ने.... वर्ष की अवस्था में लिपजिंग विश्वविद्यालय में संस्कृत का अध्ययन प्रारंभ किया?
(क) 15 (ख) 16 (ग) 17 (घ) 18
उत्तर- (घ) 18

प्रश्न 7.मैक्समूलर का जन्म कब हुआ?
(क) 6 सितम्बर 1823 (ख) 6 अक्टूबर 1883
(ग) 6 नवम्बर 1883 (घ) 6 दिसम्बर 1883
उत्तर- (घ) 6 दिसम्बर 1883

प्रश्न 8. किसके अध्ययन क्षेत्र में भारत के कारण नवजीवन का संचार हो चूका था?
(क) विधि शास्त्र (ख) नीति कथा
(ग) भाषा विज्ञान (घ) दैवत् विज्ञान
उत्तर- (ख) नीति कथा

प्रश्न 9.दारिस नामक सोने के सिक्कों से भरा घड़ा किसे मिला था?
(क) लार्ड रिपन (ख) विलियम वैंटिग
(ग) वारेन हेंस्टिगस (घ) विलियम जोंस
उत्तर- (ग) वारेन हेंस्टिगस

प्रश्न 10. मेघदूत का जर्मन में अनुवाद किसने किया?
(क) ईश्वर पेटलीकर (ख) रूसो
(ग) मैक्समूलर (घ) सांवर दईया
उत्तर- (ग) मैक्समूलर

प्रश्न 11.भारत से हम क्या सीखें क्या है?
(क) निबंध (ख) कहानी (ग) भाषण (घ) यात्रा वृतांत
उत्तर- (ग) भाषण

प्रश्न 12.मैक्समूलर के अनुसार सच्चे भारत के दर्शन कहाँ हो सकते हैं?
(क) मुम्बई में (ख) दिल्ली में
(ग) ग्रामीण भारत में (घ) चेन्नई में
उत्तर- (ग) ग्रामीण भारत में

प्रश्न 13.प्लेटो और कान्ट थे महान ?
(क) वीर (ख) दार्शनिक (ग) नाविक (घ) सिपाही
उत्तर- (ख) दार्शनिक

प्रश्न 14.हितोपदेश का जर्मन भाषा में अनुवाद किसने प्रकाशित करवाया?
(क) महात्मा गाँधी (ख) मैक्समूलर
(ग) अमरकांत (घ) हजारी प्रसाद द्विवेदी
उत्तर- (ख) मैक्समूलर

प्रश्न 15.मैक्समूलर ने कालीदास की किस पुस्तक का जर्मन भाषा में अनुवाद किया?
(क) मालाविकाग्नीमित्रम् (ख) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(ग) मेघदूत का (घ) रघुवंशम् का
उत्तर- (ग) मेघदूत का

4. नाखून क्यां बढ़ते हैं

लेखक परिचय

लेखक का नाम- हजारी प्रसाद द्विवेदी
जन्म- 19 अगस्त 1907 ई0, उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के 'आरत दूबे का छपरा' नामक गाँव में हुआ था।
मृत्यु- 19 मई 1979 ई0
पिता- श्री अनमोल द्विवेदी
माता- श्रीमति ज्योतिष्मती
इनकी प्रारंभिक शिक्षा घर पर ही संस्कृत के माध्यम से हुई। उच्च शिक्षा के लिए ये काशी हिन्दु विश्वविद्यालय गए। वहाँ से इन्होनें ज्योतिषाचार्य की उपाधि प्राप्त की। कबीर पर गहन अध्ययन करने करने के कारण 1949 ई0 में लखनऊ विश्वविद्यालय ने इन्हें पी० एच० डी० की मानक उपाधि से सम्मानित किया। 1957 ई0 में भारत सरकार के द्वारा इन्हें पद्मभूषण की उपाधि से सम्मानित किया गया।
साहित्यिक रचनाएँ- अशोक के फूल, कुटज, कल्पलता, वाणभट्ट की आत्म कथा, पुर्ननवा, चारुचन्द्रलेख, अनामदास का पोथा, हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकाश, हिन्दी साहित्य की भूमिका आदि।

पाठ परिचय- प्रस्तुत निबंध 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' में मनुष्य की मनुष्यता का साक्षात्कार कराया गया है। लेखक के अनुसार नाखुनों का बढ़ना मनुष्य की पाशवी वृति का प्रतिक है और उन्हें काटना या न बढ़ने देना उसमें निहित मानवता का। आज से कुछ ही लाख वर्ष पहले मनुष्य जब वनमानुष की तरह जंगली था, उस समय नख ही उसके अस्त्र थे। आधुनिक मनुष्य ने अनेक विनाशकारी अस्त्र-शस्त्रों का निमार्ण कर लिया है। अतः नाखून बढ़ते हैं तो कोई बात नहीं,

Excellence Coaching Institute Guided By - Manoj Aram

पर उन्हें काटना मनुष्यता की निशानी है। हमें चाहिए कि हम अपने भीतर रह गए पशुता के चिन्हों को त्याग दें और उसके स्थान पर मनुष्यता को अपनाएँ।

पाठ का सारांश

प्रस्तुत पाठ 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' हजारी प्रसाद द्विवेदी के द्वारा लिखा गया है। इसमें लेखक ने नाखूनों के माध्यम से मनुष्य के आदिम बर्बर प्रवृति का वर्णन करते हुए उसे बर्बरता त्यागकर मानवीय गुणों को अपनाने का संदेश दिया है। एक दिन लेखक की पुत्री ने प्रश्न पूछा कि नाखून क्यों बढ़ते हैं ? बालिका के इस प्रश्न से लेखक हतप्रभ हो गए। प्रतिक्रिया स्वरूप लेखक ने इस विषय पर मानव-सभ्यता के विकास पर अपना विचार प्रकट करते हुए आज से लाखों वर्ष पूर्व जब मनुष्य जंगली अवस्था में था, तब उसे अपनी रक्षा के लिए हथियारों की आवश्यकता थी। इसके लिए मनुष्य ने अपनी नाखूनों को हथियार स्वरूप प्रयोग करने के लिए बढ़ाना शुरू किया, क्योंकि अपने प्रतिद्वन्द्वियों से जूझने के लिए नाखून ही उसके अस्त्र थे। इसके बाद पत्थर, पेड़ की डाल आदि का व्यवहार होने लगा। इस प्रकार जैसे-जैसे मानव सभ्यता का विकास होता गया, मनुष्य अपने हथियारों में भी विकास करने लगा।

उसे इस बात पर हैरानी होती है कि आज मनुष्य नाखून न काटने पर अपने बच्चों को डाँटता है, किन्तु प्रकृति उसे फिर भी नाखून बढ़ाने को विवश करती है। मनुष्य को अब इससे कई गुना शक्तिशाली अस्त्र-शस्त्र मिल चूके हैं, इसी कारण मनुष्य अब नाखून नहीं चाहता है।

लेखक सोचता है कि मनुष्य किस ओर बढ़ रहा है ? मनुष्यता की ओर अथवा पशुता की ओर । अस्त्र-शस्त्र बढ़ाने की ओर अथवा अस्त्र-शस्त्र घटाने की ओर। आज के युग में नाखून पशुता के अवशेष हैं तथा अस्त्र-शस्त्र पशुता के निशानी है।

इसी प्रकार भाषा में विभिन्न शब्द विभिन्न रूपों के प्रतिक हैं। जैसे- इंडिपेंडेंस शब्द का अर्थ होता है अन-धीनता या किसी की अधीनता की अभाव, किंतु इसका अर्थ हमने स्वाधीनता, स्वतंत्रता तथा स्वराज ग्रहण किया है।

यह सच है कि आज परिस्थितियाँ बदल गई हैं। उपकरण नए हो गए हैं, उलझनों की मात्रा भी बढ़ गई है, परंतु मूल समस्याएँ बहुत अधिक नहीं बदली है। लेकिन पुराने के मोह के बंधन में रहना भी सब समय जरूरी नहीं होता। इसलिए हमें भी नएपन को अपनाना चाहिए। लेकिन इसके साथ हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि नये की खोज में हम अपना सर्वस्व न खो दें। क्योंकि कालिदास ने कहा है कि 'सब पुराने अच्छे नहीं होते और सब नए खराब नहीं होते।' अतएव दोनों को जाँचकर जो हितकर हो उसे ही स्वीकार करना चाहिए।

मनुष्य किस बात में पशु से भिन्न है और किस बात में एक ? आहार-निद्रा आदि की दृष्टि से मनुष्य तथा पशु में समानता है, फिर भी मनुष्य पशु से भिन्न है। मनुष्य में संयम, श्रद्धा, त्याग, तपस्या तथा दूसरे के सुख-दुःख के प्रति संवेदना का भाव है जो पशु में नहीं है। मनुष्य लड़ाई-झगड़ा को अपना आर्दश नहीं मानता है। वह क्रोधी एवं अविवेकी को बुरा समझता है।

लेखक सोचता है कि ऐसी स्थिति में मनुष्य को कैसे सुख मिलेगा, क्योंकि देश के नेता वस्तुओं के कमी के कारण उत्पादन बढ़ाने की सलाह देता है लेकिन बूढ़े आत्मावलोकन की ओर ध्यान दिलातें है। उनका कहना है कि प्रेम बड़ी चीझ है, जो हमारे भीतर है।

इस निबंध में लेखक ने मानवीता पर बल दिया है। महाविनाश से मुक्ति की ओर ध्यान खींचा है।

प्रश्न 1. नाखून क्यों बढ़ते हैं ? यह प्रश्न लेखक के आगे कैसे उपस्थित हुआ ? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- नाखून क्यों बढ़ते हैं ? यह प्रश्न एक दिन लेखक की छोटी लड़की ने उनसे पूछ दिया । उस दिन से यह प्रश्न लेखक के सोचने का विषय बन गया।

प्रश्न 2. 'स्वाधीनता' शब्द की सार्थकता लेखक क्या बताता है? (पाठ्य पुस्तक, 2013C)

उत्तर- लेखक कहते हैं कि स्वाधीनता शब्द का अर्थ है अपने ही अधीन रहना। क्योंकि यहाँ के लोगों ने अपनी आजादी के जितने भी नामकरण किये उनमें हैं। स्वतंत्रता, स्वराज, स्वाधीनता । उनमें स्व का बंधन अवश्य है।

प्रश्न 3. लेखक के अनुसार सफलता और चरितार्थता क्या है? (2018A)

उत्तर- सफलता और चरितार्थ में लेखक ने अंतर होने की बात बताया है। किसी भी प्रकार से बल, छल या बुद्धि से सफल हो जाना सफलता है लेकिन प्रेम, मैत्री, त्याग एवं जनकल्याण का भाव रखते हुए जीवन में आगे बढ़ना चरितार्थता है ।

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

प्रश्न 4. लेखक की दृष्टि में हमारी संस्कृति की बड़ी भारी विशेषता क्या है? स्पष्ट कीजिए।

(पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- लेखक की दृष्टि में हमारी संस्कति की बड़ी भारी विशेषता है आप पर अपने आपके द्वारा लगाया हुआ बंधन। भारतीय चित्त जो आज की अनधीनता के रूप में न सोचकर स्वाधीनता के रूप में सोचता है। यह भारताय सस्कृति की विशेषता का ही फल है। यह विशेषता हमारे दीर्घकालीन संस्कारों से आयी है, इसलिए स्व के बंधन को आसानी से नहीं छोड़ा जा सकता है।

प्रश्न 5. मनुष्य की पूँछ की तरह उसके नाखून भी एक दिन झड़ जाएंगे। प्राणिशास्त्रियों के इस अनुमान से लेखक के मन में कैसी आशा जगती है? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- प्राणीशास्त्रियों का ऐसा अनुमान है कि एक दिन मनुष्य की पूँछ की तरह उसके नाखुन भी झड़ जायेंगे। इस तथ्य के आधार पर ही लेखक के मन में यह आशा जगती है कि भविष्य में मनुष्य के नाखूनों का बढ़ना बंद हो जायेगा और मनुष्य का अनावश्यक अंग उसी प्रकार झड़ जायेगा जिस प्रकार उसकी पूँछ झड़ गयी है अर्थात् मनुष्य पशुता को पूर्णतः त्याग कर पूर्णरूप से मानवता को प्राप्त कर लेगा।

प्रश्न 6.लेखक द्वारा नाखनों को अस्त्र के रूप में देखना कहाँ तक संगत है ? (2013A,2016A)

उत्तर- कुछ लाख वर्षों पहले मनुष्य जब जंगली था, उसे नाखून की जरूरत थी। वनमानुष के समान मनुष्य के लिए नाखून अस्त्र था क्योंकि आत्मरक्षा एवं भोजन हेतु नख की महत्ता अधिक थी। उन दिनों प्रतिद्वंदियों को पछाड़ने के लिए नाखून आवश्यक था। असल में वही उसके अस्त्र थे। उस समय उसके पास लोहे या कारतूस वाले अस्त्र नहीं थे, इसलिए नाखून को अस्त्र कहा जाना उपयुक्त है, तर्कसंगत है।

प्रश्न 7. लेखक ने किस प्रसंग में कहा है कि बंदरिया मनुष्य का आदर्श नहीं बन सकती? लेखक का अभिप्राय स्पष्ट करें। (पाठ्य पुस्तक, 2013C)

उत्तर- लेखक ने रूढ़िवादी विचारधारा और प्राचीन संवेदनाओं से हटकर जीवनयापन करने के प्रसंग में कहा है कि बंदरिया मनुष्य का आदर्श नहीं बन सकती। लेखक के कहने का अभिप्राय है कि मरे बच्चे को गोद में दबाये रहनेवाली बंदरियाँ मनुष्य का आदर्श कभी नहीं बन सकती। यानी केवल प्राचीन विचारधारा या रूढ़िवादी विचारधारा विकासवाद के लिए उपयुक्त नहीं हो सकती। मनुष्य को एक बुद्धिजीवी होने के नाते परिस्थिति के अनुसार साधन का प्रयोग करना चाहिए।

प्रश्न 8. मनुष्य बार-बार नाखूनों को क्यों काटता है?

(पाठ्य पुस्तक, 2015A)

उत्तर- मनुष्य निरंतर सभ्य होने के लिए प्रयासरत रहा है। प्रारंभिक काल में मानव एवं पशु एकसमान थे। नाखून अस्त्र थे। लेकिन जैसे-जैसे मानवीय विकास की धारा अग्रसर होती गई मनुष्य पशु से भिन्न होता गया। उसके अस्त्र-शस्त्र, आहार-विहार, सभ्यता-संस्कृति में निरंतर नवीनता आती गयी। वह पुरानी जीवन-शैली को परिवर्तित करता गया। जो नाखून अस्त्र थे उसे अब सौंदर्य का रूप देने लगा। इसमें नयापन लाने, इसे सँवारने एवं पशु से भिन्न दिखने हेतु नाखूनों को मनुष्य काट देता है।

प्रश्न 9. निबंध में लेखक ने किस बूढ़े का जिक्र किया है ? लेखक की दृष्टि में बूढ़े के कथनों की सार्थकता क्या है? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- लेखक ने महात्मा गाँधी को बूढ़े के प्रतीक रूप में जिक्र किया है। लेखक की दृष्टि से महात्मा गाँधी के कथनों की सार्थकता उभरकर इस प्रकार आती है-आज मनुष्य में जो पाशविक प्रवृत्ति है उसमें सत्यता, सौंदर्यबोध एवं विश्वसनीयता का लेशमात्र भी स्थान नहीं है। महात्मा गाँधी ने समस्त जनसमुदाय को हिंसा, क्रोध, मोह और लोभ से दूर रहने की सलाह दी। गंभीरता को धारण करने की सलाह दी लेकिन इनके सारे उपदेश बुद्धिजीवी वर्ग के लिए उपेक्षित रहा।

प्रश्न 10. बढ़ते नाखूनों द्वारा प्रकृति मनुष्य को क्या याद दिलाती है? (पाठ्य पुस्तक, 2015C)

उत्तर- प्राचीन काल में मनुष्य जंगली था। वह वनमानुष की तरह था। उस समय वह अपने नाखून की सहायता से जीवन की रक्षा करता था। आज नखधर मनुष्य अत्याधुनिक हथियार पर भरोसा करके आगे की ओर चल पड़ा है। पर उसके नाखून अब भी बढ़ रहे हैं। बढ़ते नाखूनों द्वारा प्रकृति मनुष्य को याद दिलाती है कि तुम भीतर वाले अस्त्र से अब भी वंचित नहीं हो। तुम्हारे नाखून को भुलाया नहीं जा सकता। तुम वही प्राचीनतम नख एवं दंत पर आश्रित रहने वाला जीव हो। पशु की समानता तुममें अब भी विद्यमान है।

Excellence Coaching Institute Guided by - Nabeel Alam

प्रश्न 11. सुकुमार विनोदों के लिए नाखून को उपयोग में लाना मनुष्य ने कैसे शुरू किया? लेखक ने इस संबंध में क्या बताया है ? (पाठ्य पुस्तक,2012C)

उत्तर-लेखक ने कहा है कि पशवत् मानव जब धीरे-धीरे विकसित हुआ, सभ्य बना तब पशुता की पहचान को कायम रखनेवाले नाखून को काटने की प्रवृत्ति पनपी। यही प्रवृत्ति कलात्मक रूप लेने लगी । वात्स्यायन के कामसूत्र से पता चलता है कि भारतवासियों में नाखूनों को जम के सँवारने की परिपाटी आज से दो हजार वर्ष पहले विकसित हुई। उसे काटने की कला काफी मनोरंजक बताई गई है। त्रिकोण, वर्तुलाकार, चंद्राकार, दंतल आदि विविध आकतियों के नाखुन उन दिनों विलासी नागरिकों के मनोविनोद का साधन बना।

प्रश्न 12. नख बढ़ाना और उन्हें काटना कैसे मनुष्य की सहजात वृत्तियाँ हैं? इनका क्या अभिप्राय है? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- मानव शरीर में.बहुत-सी अभ्यास-जन्य सहज वृत्तियाँ अंतर्निहित हैं। दीर्घकालीन आवश्यकता बनकर मानव शरीर में विद्यमान रही सहज वृत्तियाँ ऐसे गुण हैं जो अनायास ही अनजाने में अपने आप काम करती हैं। नाखून का बढ़ना उनमें से एक है। वास्तव में सहजात वृत्तियाँ अनजान स्मृतियों को कहा जाता है। नख बढ़ाने की सहजात वृत्ति मनुष्य में निहित पशुत्व का प्रमाण है। उन्हें काटने की जो प्रवृति है वह मनुष्यता की निशानी है। मनुष्य के भीतर पशुत्व है लेकिन वह उसे बढ़ाना नहीं चाहता है । मानव पशुता को छोड़ चुका है क्योंकि पशु बनकर वह आगे नहीं बढ़ सकता। इसलिए पशुता की पहचान नाखून को मनुष्य काट देता है।

4. नाखून क्यों बढ़ते हैं

प्रश्न 1.सब पूराने अच्छे नहीं होते और सब नये खराब नहीं होते ऐसा किसने कहा?

(क) पतंजली ने (ख) कालीदास ने

(ग) वात्स्यायन ने (घ) कबीर ने

उत्तर- (ख) कालीदास ने

प्रश्न 2.द्विवेदी जी ने निर्लज्ज अपराधी किसे कहा है?

(क) नाखून को (ख) चोर

(ग) गुण्डा (घ) बदमाश

उत्तर- (क) नाखून को

प्रश्न3.हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित पाठ है?

(क) नाखून क्यों बढ़ते हैं (ख) मछली

(ग) बहादुर (घ) आविन्यों

उत्तर- (क) नाखून क्यों बढ़ते हैं

प्रश्न 4.ललित निबंध है?

(क) मछली (ख) नाखून क्यों बढ़ते हैं

(ग) बहादुर (घ) जनतंत्र का जन्म

उत्तर- (ख) नाखून क्यों बढ़ते हैं

प्रश्न 5.पुराने का मोह सब समय वांछनिय ही नही होता किस लेखक की पंक्ति है?

(क) मैक्समूलर (ख) रामविलाश शर्मा

(ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी (घ) महात्मा गाँधी

उत्तर- (ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी

प्रश्न 6.दधीचि की हड्डी से क्या बना था?

(क) तलवार (ख) त्रिशुल

(ग) इंद्र का वज्र (घ) इनमें कोई नहीं

उत्तर- (ग) इंद्र का वज्र

प्रश्न 7.हजारी प्रसाद द्विवेदी का जन्म कब हुआ?

(क) 1905 (ख) 1907

(ग) 1909 (घ) 1911

उत्तर- (ख) 1907

प्रश्न 8.नख (नाखून) किसका प्रतिक है?

(क) मानव का (ख) पशुता का

(ग) दोनों (घ) इनमें कोई नहीं

उत्तर- (ख) पशुता का

प्रश्न 9.लेखक के अनुसार मनुष्य के नाखून किसके जीवंत प्रतिक है?

(क) मनुष्यता के (ख) सभ्यता के

(ग) पाशवी वृति के (घ) सौंदर्य के

उत्तर- (ग) पाशवी वृति के

प्रश्न 10. सहजात वृतियाँ किसे कहते हैं?

(क) अस्त्रों के संचयन को (ख) अनजान स्मृतियों को

(ग) स्व के बंधन को (घ) उपयुक्त सभी

उत्तर- (ख) अनजान स्मृतियों को

प्रश्न 11.द्विवेदी से किसने पूछा था नाखून क्यों बढ़ते हैं?

(क) लड़के ने (ख) लड़की ने

(ग) पत्नी ने (घ) नौकर ने

Excellence Coaching Institute Guide By - Tabrej Alam

उत्तर- (ख) लड़की ने

प्रश्न 12.नाखून क्यों बढ़ते हैं पाठ में बुढ़े ने सबसे बड़ी चीज किसे माना है?

(क) प्रेम (ख) क्रोध

(ग) भय (घ) घृणा

उत्तर- (क) प्रेम

प्रश्न 13.किस देश के लोग बड़े-बड़े नख पसंद करते हैं?

(क) अंगदेश के (ख) गंधार के

(ग) कैकय देश के (घ) गौर देश के

उत्तर- (घ) गौर देश के

प्रश्न 14.अनामदास का पोथा उपन्यास किस लेखक की कृति है?

(क) हजारी प्रसाद द्विवेदी (ख) अमरकांत

(ग) यतीन्द्र मिश्र (घ) रामधारी सिंह दिनकर

उत्तर- (क) हजारी प्रसाद द्विवेदी

5. नागरी लिपि

लेखक परिचय

लेखक का नाम- गुणाकर मुले

जन्म- 3 जनवरी, 1935 ई0, महाराष्ट्र के अमरावती जिला में

मृत्यु- 16 अक्टूबर, 2009 ई0

इन्होनें अपनी शिक्षा-दीक्षा ग्रामीण परिवेश और माराठी भाषा में पाई। मिडिल स्तर तक मराठी में पढ़ाई करने के बाद ये वर्धा चले गये और वहाँ उन्होनें दो वर्षों तक नौकरी की तथा हिन्दी और अंग्रेजी का अध्ययन किया। इसके बाद इलाहाबाद में गणित विषय से एम0 ए0 किया।

रचनाएँ- अक्षरों की कहानी, भारतः इतिहास और संस्कृति, प्राचीन भारत के महान वैज्ञानिक, सौर मंडल, सूर्य, नक्षत्र लोक, भारतीय लिपियों की कहानी, भारतीय विज्ञान की कहानी आदि ।

पाठ परिचय- प्रस्तुत पाठ गुणाकर मुले की पुस्तक 'भारतीय लिपियों की कहानी' से लिया गया है। इसमें हिन्दी की लिपि नागरी या देवनागरी के ऐतिहासिक रूपरेखा के बारे में बताया गया है।

पाठ का सारांश

प्रस्तुत पाठ 'नागरी लिपि' गुणाकर मुले के द्वारा लिखित है। इसमें लेखक ने देवनागरी लिपि की उत्पति, विकास एवं व्यवहार पर अपना विचार व्यक्त किया गया है। लेखक का कहना है कि जिस लिपि में यह पुस्तक छपी है, उसे नागरी या देवनागरी लिपि कहते हैं। इस लिपि की टाइप लगभग 250 वर्ष पहले बनी। इसके विकास से अक्षरों में स्थिरता आ गई।

हिन्दी तथा इसकी विविध बोलियाँ, संस्कृत एवं नेपाली आदि इसी लिपि में लिखी जाती है। देवनागरी के संबंध में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि विश्व में संस्कृत एवं प्राकृत की पुस्तकें प्रायः इसी लिपि में छपती है।

देश में बोली जाने वाली भिन्न-भिन्न भाषाएँ तथा बोलियाँ भी इसी लिपि में लिखी जाती है। तमिल, मलयालम, तेलुगु एवं कन्नड़ की लिपियों में भिन्नता दिखाई पड़ती है, लेकिन ये लिपियाँ भी नागरी की तरह ही प्राचीन ब्राह्मी लिपि से विकसित हुई है।

लेखक का कहना है कि नागरी लिपि के आरंभिक लेख हमें दक्षिण भारत से ही मिले हैं। यह लिपि नंदिनागरी लिपि कहलाती थी। दक्षिण भारत में तमिल-मलयालम और तेलुगु-कन्नड़ लिपियों का स्वतंत्र विकास हो रहा है, फिर भी कई शासकों ने नागरी लिपि का प्रयोग किया है। जैसे- ग्यारहवीं सदी में राजराज और राजेन्द्र जैसे प्रतापी चोल राजाओं के सिक्कों पर नागरी अक्षर अंकित है तो बारहवीं सदी में केरल के शासकों के सिक्कों पर "विर केरलस्य'।

इसी प्रकार नौवीं सदी के वरगुण का पलियम ताम्रपत्र नागरी लिपि में है तो ग्यारहवीं सदी में इस्लामी शासन की नींव डालने वाले महमूद गजनवी के चाँदी के सिक्कों पर भी नागरी लिपि के शब्द मिलते हैं।

गजनवी के बाद मुहम्मद गोरी, अलाउदीन खिलजी, शेरशाह आदि शासकों ने भी सिक्कों पर नागरी शब्द खुदवाए। अकबर के सिक्कों पर तो नागरी लिपि में 'रामसीय' शब्द अंकित है। तात्पर्य है कि नागरी लिपि का प्रचलन ईसा की आठवीं-नौवीं सदी से आरंभ हो गया था।

लेखक ने लिपि के पहचान में कहा है कि ब्राह्मी तथा सिद्धम् लिपि अक्षर तिकोन है जबकि नागरी लिपि के अक्षरों के सिरों पर लकिर की लम्बाई और चौड़ाई एक समान है।

प्राचीन नागरी लिपि के अक्षर आधुनिक नागरी लिपि से मिलते-जुलते हैं। इस प्रकार दक्षिण भारत में नागरी लिपि के लेख आठवीं सदी से तथा उत्तर भारत में नौवीं सदी से मिलने लग जाते हैं।

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

अब प्रश्न यह उठता है कि इस नई लिपि को नागरी, देवनागरी तथा नंदिनागरी क्यों कहते हैं ? ---नागरी शब्द के उत्पति के संबंध में विद्वानों का मत एक नहीं है। कुछ विद्वानों का मत है कि गुजरात के नागर ब्राह्मण ने इस लिपि का सर्वप्रथम प्रयोग किया था, इसलिए इसका नाम नागरी पड़ा, किंतु कुछ विद्वानों के मत के अनुसार अन्य नगर तो मात्र नगर है, परन्तु काशी को देवनगरी माना जाता है, इसलिए इसका नाम देवनागरी पड़ा।

अल्बेरूनी के अनुसार 1000 ई० के आसपास नागरी शब्द अस्तित्व में आया। इतना निश्चित है कि नागरी शब्द किसी नगर अथवा शहर से संबंधित है। दूसरी बात यह है कि उत्तर भारत की स्थापत्य-कला की विशेष शैली को 'नागर शैली' कहा जाता था। यह नागर या नागरी उत्तर भारत के किसी बड़े नगर से संबंध रखता था। उस समय उत्तर भारत में प्राचीन पटना सबसे बड़ा नगर था। साथ ही गुप्त शासक चन्द्रगुप्त (द्वितीय) 'विक्रमादित्य' का व्यक्तिगत नाम 'देव' था, संभव है कि गुप्तों की राजधानी पटना को 'देवनगर कहा गया हो और देवनगर की लिपि होने के कारण देवनागरी नाम दिया गया हो।

अन्ततः लेखक इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि ईसा के आठवीं से ग्यारहवीं सदी तक यह लिपि सार्वदेशिक हो गई थी, इसलिए इसके नामकरण के विषय में कुछ कहना संभव नहीं लगता।

मिहिर भोज की ग्वालियर प्रशस्ति नागरी लिपि में है। धारा नगरी का परमार शासक भोज अपने विद्यानुराग के लिए इतिहास प्रसिद्ध है। 12वीं सदी के बाद भारत के सभी हिंदू शासक तथा कुछ इस्लामी शासकों ने अपने सिक्कों पर नागरी लिपि अंकित किए हैं।

प्रश्न 1.लेखक ने किन भारतीय लिपियों से देवनागरी का संबंध बताया है ? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- लेखक ने गुजराती, बांग्ला और ब्राह्मी लिपियों से देवनागरी का संबंध बताया है।

प्रश्न 2. देवनागरी लिपि में कौन-कौन सी भाषाएँ लिखी जाती हैं ? (पाठ्य पुस्तक, 2011C,2016A)

उत्तर- देवनागरी लिपि में मुख्यतः गुजराती, नेपाली, मराठी, संस्कृत, प्राकृत और हिन्दी भाषाएँ लिखी जाती हैं।

प्रश्न 3. नागरी लिपि के आरंभिक लेख कहाँ प्राप्त हुए हैं ? उनके विवरण दें।

उत्तर- विद्वानों के अनुसार नागरी लिपि के आरंभिक लेख विंध्य पर्वत के नीचे के दक्कन प्रदेश से प्राप्त हुए हैं।

प्रश्न 4. नागरी लिपि कब एक सार्वदेशिक लिपि थी? (Text Book,2012A,2013C)

उत्तर- ईसा की 8वीं-11वीं सदियों में नागरी लिपि पूरे देश में व्याप्त थी। अतः उस समय यह एक सार्वदेशिक लिपि थी।

प्रश्न 5. उत्तर भारत में किन शासकों के प्राचीन नागरी लेख प्राप्त होते हैं? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- विद्वानों का विचार है कि उत्तर भारत में मिहिरभोज, महेन्द्रपाल आदि गुर्जर प्रतिहार राजाओं के अभिलेख में पहले-पहल नागरी लिपि के लेख प्राप्त होते हैं।

प्रश्न 6. देवनागरी लिपि के अक्षरों में स्थिरता कैसे आयी है ? (Text Book,2015A)

उत्तर- करीब दो सदी पहले पहली बार देवनागरी लिपि के टाइप बने और इसमें पुस्तकें छपने लगी। इस प्रकार ही देवनागरी लिपि के अक्षरों में स्थिरता आयी है।

प्रश्न 7.गुर्जर प्रतिहार कौन थे? (Text Book)

उत्तर- विद्वानों का विचार है कि गुर्जर-प्रतिहार बाहर से भारत आए थे। ईसा की आठवीं सदी के पूवार्द्ध में अवंती प्रदेश में इन्होंने अपना शासन स्थापित किया और बाद में कन्नौज पर भी अधिकार कर लिया था। मिहिरभोज, महेन्द्रपाल आदि प्रख्यात प्रतिहार शासक हुए।

प्रश्न 8. ब्राह्मी और सिद्धम लिपि की तुलना में नागरी लिपि की मुख्य पहचान क्या है? (Text Book)

उत्तर- गुप्तकाल की ब्राह्मी लिपि तथा उसके बाद की सिद्धम लिपि के अक्षरों के सिरों पर छोटी आड़ी लकीरें या छोटे ठोस तिकोन हैं। लेकिन नागरी लिपि की मुख्य पहचान यह है कि इसके अक्षरों के सिरों पर पूरी लकीरें बन जाती हैं और ये सिरां रेखाएँ उतनी ही लम्बी रहती हैं जितनी की अक्षरों की चौड़ाई होती है।

प्रश्न 9, नागरी को देवनागरी क्यों कहते हैं ? लेखक इस संबंध में क्या बताता है? (Text Book,2013C,2015C)

उत्तर- नागरी नाम की उत्पत्ति तथा इसके अर्थ के बारे में विद्वानों में बड़ा मतभेद है। एक मत के अनुसार गुजरात के नागर ब्राह्मणों ने पहले-पहल नागरी लिपि का इस्तेमाल किया। इसलिए इसका नाम नागरी पड़ा। एक दूसरे मत के

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrez Alam

अनुसार बाकी नगर सिर्फ नगर है, परन्तु काशी देवनगरी है। इसलिए काशी में प्रयुक्त लिपि का नाम देवनागरी पड़ा।

प्रश्न 10. नागरी लिपि के साथ-साथ किसका जन्म होता है ? इस संबंध में लेखक क्या जानकारी देता है ? (Text Book)

उत्तर- नागरी लिपि के साथ-साथ अनेक प्रादेशिक भाषाओं ने भी जन्म लिया है। 8वीं-9वीं सदी से आरंभिक हिन्दी का साहित्य मिलने लग जाता है। इसी काल में आर्य भाषा परिवार की आधुनिक भाषाएँ मराठी, बँगला आदि जन्म ले रही थीं।

प्रश्न 11. नंदिनागरी किसे कहते हैं ? किस प्रसंग में लेखक ने उसका उल्लेख किया है? (Text Book)

उत्तर- दक्षिण भारत की यह नागरी लिपि नदिनागरी कहलाती थी। कोंकण के शिलाहार, मान्यखेत के राष्ट्रकूट, देवगिरि के यादव तथा विजयनगर के शासकों के लेख नंदिनागरी लिपि में है। पहले-पहल विजयनगर के राजाओं के लेखों की लिपि को ही नंदिनागरी लिपि नाम दिया गया था।

प्रश्न 12. लेखक ने पटना से नागरी का क्या संबंध बताया है? (2018A)

उत्तर- पादताडितकम् नामक एक नाटक से जानकारी मिलती है कि पाटलिपुत्र (पटना) को नगर कहते थे। यह असंभव नहीं कि यह बड़ा नगर प्राचीन गुप्तों की राजधानी पटना को देवनगर चंद्रगुप्त (द्वितीय) विक्रमादित्य का व्यक्तिगत नाम देव पर आधारित था। देवनगर की लिपि होने से भारत की प्रमुख लिपि को बाद में देवनागरी नाम दिया गया होगा।

5. नागरी लिपि

प्रश्न 1.केरल के शासको के द्वारा सिक्कों पर वीर केरलस्य शब्द किस लिपि में लिखी गई है ?
(क) नागर लिपि में (ख) ब्राहमी लिपि में
(ग) नंदिनागरी लिपि में (घ) गुरूमुखी लिपि में
उत्तर- (क) नागर लिपि में

प्रश्न 2.नागरी लिपि शीर्षक निबंध के निबंधकार हैं ?
(क) गुणाकर मुले (ख) रामचंद्र शुक्ल
(ग) डॉ0 भोलानाथ तिवारी (घ) बाबूराम सक्सेना
उत्तर- (ग) डॉ0 भोलानाथ तिवारी

प्रश्न 3.ईसा की चौदहवी-पंद्रहवी सदी के विजयनगर के शासको ने अपने लेखों की लिपि को कहा है ?
(क) नंदिनागरी (ख) देवनागरी
(ग) गुजराती (घ) ब्राह्मी लिपि
उत्तर- (क) नंदिनागरी

प्रश्न 4.हिन्दी लिखी जाती है ?
(क) देवनागरी लिपि में (ख) खरोष्ठी लिपि में
(ग) गुजराती लिपि में (घ) ब्राहमी लिपि में
उत्तर- (क) देवनागरी लिपि में

प्रश्न 5.विजयनगर के राजाओं के लेखों की लिपि को क्या नाम दिया ?
(क) ब्राहमी लिपि (ख) सिद्धम लिपि
(ग) नंदिनागरी लिपि (घ) नागरी लिपि
उत्तर- (ग) नंदिनागरी लिपि

प्रश्न 6.भारत लिपियों की कहानी किनकी प्रसिद्ध रचना है ?
(क) गुणाकर मुले (ख) नलिन विलोचन शर्मा
(ग) महादेवी वर्मा (घ) सुमित्रानन्दन पंत
उत्तर- (क) गुणाकर मुले

प्रश्न 7.नागरी लिपि के आरंभिक लेख हमें कहा से मिलते है ?
(क) पूर्वी भारत (ख) पश्चिमी भारत
(ग) दक्षिणी भारत (घ) उत्तरी भारत
उत्तर- (ग) दक्षिणी भारत

प्रश्न 8.बेतमा दानपत्र किस समय का है ?
(क) 1020 (ख) 1021
(ग) 1022 (घ) 1023
उत्तर- (क) 1020

प्रश्न 9.उत्तर भारत से नागरी लिपि के लेख कब से मिलने लगते हैं ?
(क) आठवी सदी (ख) छठी सदी
(ग) नौवी सदी (घ) चौथी सदी
उत्तर- (क) आठवीं सदी

प्रश्न 10.निबंध के लेखक हैं ?
(क) गुणाकर मुले (ख) अज्ञेय
(ग) पंत (घ) प्रसाद
उत्तर- (क) गुणाकर मुले

प्रश्न 11.तमिल, मलयालम, तेलगू, कन्नड़ भाषाएँ हैं ?
(क) उत्तर भारत की (ख) पश्चिम भारत की
(ग) पूर्वी भारत की (घ) दक्षिण भारत की
उत्तर- (घ) दक्षिण भारत की

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrez Alam

प्रश्न 12.रामायण की रचना किस भाषा में है ?
(क) संस्कृत (ख) हिन्दी
(ग) उर्दू (घ) अंग्रेजी
उत्तर- (क) संस्कृत

प्रश्न 13.नागरी लिपि शिर्षक पाठ साहित्य की कौन विधा है ?
(क) साक्षात्कार (ख) निबंध
(ग) भाषण (घ) कहानी
उत्तर- (ख) निबंध

प्रश्न 14.दक्षिण भारत की नागरी लिपि क्या कहलाती है?
(क) देवनागरी (ख) ब्रहमनागरी
(ग) नंदिनागरी (घ) विजयनागरी
उत्तर- (ग) नंदिनागरी

प्रश्न 15.दसवीं-ग्यारहवीं सदी में किस रचना ने भारत यूरोप के बीच व्यापार संबंध के बारे में बताया है ?
(क) अकबरनामा (ख) शाहनामा
(ग) पद्मावत (घ) रामचरित मानस
उत्तर- (ग) पद्मावत

प्रश्न 16.दक्षिण भारत में द्रविड़ भाषा परिवार की कौन सी भाषा सबसे अधिक प्राचीन है ?
(क) तमिल (ख) तेलुगू
(ग) मराठी (घ) कन्नड़
उत्तर- (क) तमिल

प्रश्न 17.सरहपाद की कृति है ?
(क) दोहाकोश (ख) पृथ्वीराज रासो
(ग) मृच्छकटिकम् (घ) मेघदूतम्
उत्तर- (क) दोहाकोश

प्रश्न 18.दोहा-कोश किसकी रचना है ?
(क) सरहपाद (ख) रसखान
(ग) जीवनानंद दास (घ) गुरू नानक
उत्तर- (क) सरहपाद

प्रश्न 19.हिन्दी के आदि कवि कौन है ?
(क) चंदबरदाई (ख) अमिर खुसरो
(ग) बिहारी लाल (घ) सरहपाद
उत्तर- (घ) सरहपाद

प्रश्न 20.सूर्य नामक पुस्तक किसकी रचना हैं ?
(क) मैक्समूलर (ख) बिरजू महाराज
(ग) गुणाकर मूले (घ) महात्मा गाँधी
उत्तर- (ग) गुणाकर मूले

प्रश्न 21.नेवारी भाषाएँ किस लिपि में लिखी जाती है ?
(क) देवनागरी (ख) खरोष्ठी
(ग) शौरसेनी (घ) ब्राह्मी
उत्तर- (क) देवनागरी

6. बहादुर

लेखक परिचय

लेखक का नाम- अमरकान्त

जन्म- 1 जुलाई 1925 ई०, बलिया जिले के नगरा गाँव में
मृत्यु- 17 फरवरी 2014 ई0 (उम्र 89 वर्ष), इलाहाबाद

इन्होंनें हाई स्कुल की शिक्षा बलिया में पाई। स्वाधीनता संग्राम में हाथ बटाने के कारण 1946 ई० में सतीशचन्द्र कॉलेज बलिया से इंटरमीडिएट किया। इसके बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बी० ए० की परीक्षा पास करने के बाद आगरा के दैनिक पत्र 'सैनिक' के संपादकीय विभागों से संबंध रहे।

रचनाएँ- जिन्दगी और जोंक, देश के लोग, मौत का नगर, मित्र-मिलन, कुहासा, सूखा पत्ता, आकाशपक्षी, कोले उजले दिन, सुखजीवी, बीच की दीवार, ग्राम सेविका । इन्होंनं 'वानरसेना' नामक एक बाल उपन्यास भी लिखा है।

पाठ परिचय- प्रस्तुत कहानी 'बहादुर' में शहर के एक निम्न-मध्यमवर्गीय परिवार में काम करने वाले एक नेपाली गँवई गोरखे बहादुर की कहानी वर्णित है। बहादुर एक नौकरी पेशा परिवार में आत्मीयता के साथ सेवाएँ देने के बाद परिवार के सदस्यों के दुर्व्यवहार के कारण अपने स्वच्छंद निश्छल स्वभाववश स्वच्छंदता के साथ नौकरी छोड़ देता है। उसकी आत्मीयता तथा त्याग परिवार के हर सदस्य में एक कसकती अन्तर्व्यथा पैदा कर देती है, क्योंकि घर के मुखिया के झूठी सान तथा क्रूर व्यवहार का पोल खुल जाता है।

पाठ का सारांश

प्रस्तुत पाठ 'बहादुर' अमरकान्त के द्वारा लिखा है। इसमें लेखक ने बहादुर नामक एक नेपाली लड़का के रूप-रंग, स्वभाव कर्मनिष्ठा, त्याग तथा स्वाभिमान का मार्मिक वर्णन किया है।

एक दिन लेखक ने बारह-तेरह वर्ष की उम्र के ठिगना चकइठ शरीर, गोरे रंग तथा चपटा मुँह वाले लड़के को देखा। वह सफेद नेकर, आधी बाँह की सफेद कमीज और भूरे रंग का पुराना जूता पहने था। उसके गले में स्काउटों की तरह एक रूमाल बँधा था। परिवार के सभी सदस्य उसे पैनी दृष्टि से देख रहे थे। लेखक को नौकर रखना अति आवश्यक हो गया था। क्योंकि उनके भाई तथा रिश्तेदारों के घर नौकर थे।

उनकी भाभियाँ रानी की तरह चारपाइयाँ तोड़ती थी, जबकि उनकी पत्नी निर्मला दिन से लेकर रात तक परेशान रहती थी। इसलिए लेखक के साले ने उनके घर नौकर के लिए लाया था। वह नेपाल तथा बिहार की सीमा पर रहता था। उसका बाप युद्ध में मारा गया था। माँ ही सारे परिवार का भरण-पोषण करती थी। वह गुस्सैल स्वभाव की थी। वह चाहती थी कि उसका बेटा घर के काम में हाथ बटाए, किंतु काम करने के नाम पर वह जंगलों में भाग जाता था, जिस कारण माँ उसे मारती थी।

एक दिन चराने ले गये पशुओं में से उस भैंस को उसने बहुत मारा, जिसको उसकी माँ उसे बहुत प्यार करती थी। मार खाकर भैंस भागीदृभागी उसकी माँ के पास पहुंच गई। भैंस के मार का काल्पनिक अनुमान करके माँ ने उसकी निर्दयता से पिटाई कर दी।

लड़के का मन माँ से फट गया। उसने माँ के रखे रूपयों में से दो रूपये निकाल लिये और वहाँ से भाग गया तथा छः मील दूर बस-स्टेशन पहुँच गया। वहाँ उसकी भेंट लेखक से होती है। लेखक ने उसका नाम पूछा। उसने अपना नाम दिलबहादुर बताया। लेखक तथा उसकी पत्नी ने उसे काम के ढंग के बारे में बताया, साथ ही, मीठे वचनों से उसका दिल भर दिया। निर्मला ने उसके नाम से 'दिल' हटा दिया। वह अब दिल बहादुर से बहादुर बन गया।

बहादुर अति हँसमुख तथा मेहनती लड़का था। वह हर काम हँसते हुए कर लेता था। लेखक की पत्नी निर्मला भी उसका पूरा ख्याल रखती थी। उसकी वजह से घर का उत्साहपूर्ण वातावरण था।

निर्मला ऐसे नौकर पाकर अपने-आप के धन्य समझती थी। इसलिए वह आँगन में खड़ी होकर पड़ोसियों को सुनाते हुए कहती थी, बहादुर आकर नास्ता क्यों नहीं कर लेते ? मैं दूसरी औरतों की भाँति नहीं हुँ। मैं तो नौकर-चाकर को अपने बच्चों की तरह रखती हूँ।

बहादुर भी घर का सारा काम करने लगा, जैसे- सवेरे उठ कर नीम के पेड़ से दातुन तोड़ना, घर की सफाई करना, कमरों में पोंछा लगाना, चाय बनाना तथा पिलाना, दोपहर में कपड़े धोना, बर्तन मलना आदि।

बहादुर सिधा-साधा तथा रहमदिल बालक था। अपनी मालकिन की तबीयत ठीक नहीं रहने पर काम न करने का आग्रह करता था और दवा खाने का समय होने पर वह भालू की तरह दौड़ता हुआ कमरे में जाता और दवाई का डिब्बा निर्मला के सामने लाकर रख देता था।

वह कृतज्ञ बालक था। निर्मला के पूछने पर उसने कहा कि माँ बहुत मारती थी, इसलिए माँ की याद नहीं आती है, परन्तु माँ के पास पैसा भेजने के संबंध में उसका उत्तर था- माँ-बाप का कर्जा तो जन्म भर भरा जाता है। इससे स्पष्ट होता है कि वह मस्त और नेक इन्सान था।

उसकी मस्ती का पता तब चलता था जब रात का काम समाप्त करने के बाद एक टूटी खाट पर बैठ जाता तथा नेपाली टोपी पहनकर आइना में बंदर की तरह मुँह देखता और कुछ देर तक खेलने के बाद वह धीमे स्वर में गुनगुनाने लगता था। उसके पहाड़ी गाने से घर में मीठी उदासी फैल जाती थी। उसकी गीत को सुनकर लेखक को लगता कि जैसे कोई पहाड़ की निर्जनता में अपने किसी बिछड़े हुए साथी को बुला रहा हो।

लेखक अपने को ऊँचा तथा मोहल्ले के लोगों को तुच्छ मानने लगे, क्योंकि उनके यहाँ नौकर था। बहादुर की वजह से घर के सभी लोग आलसी हो गए। मामूली काम के लिए बहादुर की पुकार होने लगी। जिससे बहादुर को घर में हमेशा नाचना पड़ता था। बड़ा लड़का किशोर ने अपना सारा काम बहादुर को सौंप दिए। वह नौकर को बड़े अनुशासन में रखना चाहता था। इसलिए काम में कोई गड़बड़ी होती तो उसको बुरी-बुरी गालियाँ देता और मारता भी था।

समय बीतने के साथ ही लेखक के मनोस्थिति भी बदल जाती है। अब बहादुर को नौकर की दृष्टि से देखा जाता है। उसे अपना भोजन स्वयं बनाने के लिए मजबूर किया जाता है। रोटी बनाने से इंकार करने पर निर्मला से मार खाता है।

इतना हि नहीं, कभी-कभी एक गलती के लिए निर्मला तथा किशोर दोनों मारते थे, जिस कारण बहादुर से अधिक

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

गलतियाँ होने लगी। लेखक यह सोचकर चुप रहने लगे कि नौकर-चाकर के साथ मारपीट होना स्वभाविक है।

इसी बीच एक दूसरी घटना घट जाती है। लेखक के घर कोई रिश्तेदार आता है। उनके भोजन के लिए रोहु मछली और देहरादूनी चावल मंगाया जाता है। नास्ता- पानी के बाद बातों की जलेबी छनने लगती है। अचानक उस रिश्तेदार की पत्नी रूपये गुम होने की बात कहकर घर में भूचाल उत्पन्न कर देती है। बहादुर के सिर दोष मढ़ा जाता है।

लेखक को विश्वास नहीं होता, क्योंकी बहादुर ने जब इधर-उधर पैसे पड़ा देखता तो उठाकर निर्मला के हाथ में दे दिया करता था।

किंतु रिश्तेदार के यह कहने पर की नौकर-चाकर चोर होते हैं, लेखक ने उससे कड़े स्वर में पुछा- तुमने यहाँ से रूपये उठाये थे ? उसने निर्भीकतापूर्वक उत्तर दिया, 'नहीं बाबुजी'। बहादुर का मुँह काला पड़ गया, लेखक ने उसके गाल पर एक तमाचा जड़ दिया कि ऐसा करने से बता देगा। उसकी आँखों से आँसु गिरने लगे। इसी समय रिश्तेदार साहब ने बहादुर का हाथ पकड़कर दरवाजे की ओर घसीट कर ले गए, जैसे पुलिस को देने जा रहे हों। फिर भी उसने पैसे लेने की बात स्वीकार नहीं की तो निर्मला भी अपना रोब जमाने के लिए दो-चार तमाचे जड़ दिए।

इस घटना के बाद बहादुर काफी डाँट-मार खाने लगा। किशोर उसकी जान के पिछे पड़ गया था। एक दिन बहादुर वहाँ से भाग निकला।

लेखक जब दफ्तर से लौटा तो घर में उदासी छाई हुई थी। निर्मला चुपचाप आँगन में सिर पर हाथ रख कर बैठी थी। आँगन गंदा पड़ा था। बर्तन बिना मले रखे हुए थे। सारा घर अस्त-व्यस्त था। बहादुर के जाते ही सबके होश उड़ गये थे। निर्मला अपने बदकिस्मती का रोना रो रही थी।

लेखक बहादुर का त्याग देखकर भौंचक्का रह जाता है, क्योंकि उसने अपना तनख्वाह, वस्त्र, विस्तर तथा जुते सब कुछ वहीं छोड़ गया था, जिससे बहादुर के अंदर के दर्द का पता चलता है। वह गरीब होते हुए भी आत्म अभिमानी था। मार तथा गाली-गलौज के कारण ही वह माँ से दुखी था तथा उसने घर का त्याग किया था।

प्रश्न 1. बहादुर के आने से लेखक के घर और परिवार के सदस्यों पर कैसा प्रभाव पड़ा? (Text Book,2013C)

उत्तर- बहादुर के आने से घर के सदस्यों को आराम मिल रहा था। घर खूब साफ और चिकना रहता। सभी कपड़े चमाचम सफेद दिखाई देते। निर्मला की तबीयत काफी सुधर गई।

प्रश्न 2. अपने शब्दों में पहली बार दिखे बहादुर का वर्णन कीजिए। (पाठ्य पुस्तक, 2011A)

उत्तर- पहली बार दिखे बहादुर की उम्र बारह-तेरह वर्ष की थी। उसका रंग गोरा, मुँह चपटा एवं शरीर ठिगना चकैठ था । वह सफेद नेकर, आधी बाँह की सफेद कमीज और भूरे रंग का पुराना जूता पहने था।

प्रश्न 3. निर्मला को बहादुर के चले जाने पर किस बात का अफसोस हुआ? (पाठ्य पुस्तक, 2011A)

उत्तर- जब रिश्तेदार की सच्चाई का आभास हुआ और यह बात समझ में आ गई कि बहादुर निर्दोष था तब निर्मला को अफसोस हुआ। वह यह सोचकर अफसोस कर रही थी कि वह बिना बताये क्यों चला गया।

प्रश्न 4. साले साहब से लेखक को कौन-सा किस्सा असाधारण विस्तार से सुनना पड़ा? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- लेखक को साले साहब से एक दुखी लड़का का किस्सा असाधारण विस्तार से सुनना पड़ा। किस्सा था कि बहादुर नेपाली था, उसका बाप युद्ध में मारा गया था और उसकी माँ सारे परिवार का भरण-पोषण करती थी।

प्रश्न 5. बहादुर पर ही चोरी का आरोप क्यों लगाया जाता है और उस पर इस आरोप का क्या असर पड़ता है? (Text Book,2017A)

उत्तर- रिश्तेदार ने सोचा कि नौकर पर आरोप लगाने से लोगों को लगेगा कि ऐसा हो सकता है। बहादुर इस आरोप से बहुत दुःखी होता है। उसके अंतरात्मा पर गहरी चोट लगती है। उस दिन से वह उदास रहने लगता है।

प्रश्न 6, बहादुर अपने घर से क्यों भाग गया था? (Text Book, 2017A)

उत्तर- एक बार बहादुर ने अपनी माँ की प्यारी भैंस को बहुत मारा। माँ ने भैंस की मार का काल्पनिक अनुमान करके एक डंडे से उसकी दुगुनी पिटाई की। लड़के का मन माँ से फट गया और वह चुपके से कुछ रुपया लिया और घर से भाग गया।

प्रश्न 7. 'बहादुर' का चरित-चित्रण करें।

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

उत्तर- 'बहादुर' कहानी का नायक है। उम्र तेरह-चौदह है। ठिगना कद, गोरा शरीर और चपटे मुंह वाला बहादुर अपनी माँ की उपेक्षा और प्रताड़ना का शिकार है। अपने काम में चुस्त-दुरुस्त और फुर्तीला है। मानवीय भावनाएँ हैं, सबसे बड़ी बात है कि वह स्वाभिमानी और ईमानदार है।

प्रश्न 8. किन कारणों से बहादुर ने एक दिन लेखक का घर छोड़ दिया? (Text Book,2016C)

उत्तर- लेखक के घर में प्रारंभ में बहादुर को अच्छा से रखा गया। कुछ समय पश्चात् पत्नी एवं पुत्र दोनों उसकी पिटाई बात-बात पर कर देते थे। एक रिश्तेदार के कारण लेखक ने भी बहादुर की पिराई कर दी। बार-बार प्रताड़ित होने से एवं मार खाने के कारण एक दिन अचानक बहादुर भाग गया।

प्रश्न 9. कहानीकार 'अमरकान्त' को क्यों लगता है कि नौकर रखना बहुत जरूरी हो गया था? (Text Book,2012C)

उत्तर- लेखक की पत्नी निर्मला सबेरे से शाम तक खटती रहती थीं। सभी रिश्तेदारों के यहाँ नौकर देखकर लेखक को उनसे जलन भी हुई थी। नौकर नहीं होने के कारण लेखक और उसकी पत्नी लगभग अपने को अभागे समझने लगे थे। इन परिस्थितियों में नौकर रखना बहुत जरूरी हो गया था।

प्रश्न 10. लेखक को क्यों लगता है कि जैसे उस पर एक भारी दायित्व आ गया हो? (Text Book)

उत्तर- लेखक के घर में ऐसा वातावरण उपस्थित हो गया था जिससे लगता था कि लेखक को नौकर रखना अब बहुत जरूरी है। लेकिन नौकर कैसा हो और कहाँ मिलेगा यही प्रश्न लेखक को एक भारी दायित्व के रूप में आ गया था।

प्रश्न 11. बहादुर के नाम से 'दिल' शब्द क्यों उड़ा दिया गया ? विचार करें। (Text Book)

उत्तर- प्रथम बार नाम पुछने में बहादुर ने अपना नाम दिलबहादुर बताया। यहाँ दिल शब्द का अभिप्राय भावात्मक परिवेश में है। बहादुर को उदारता से दूर कराकर मन और मस्तिष्क से केवल अपने घर के कार्यों में लीन रहने का उपदेश दिया गया। इस प्रकार से निर्मला द्वारा उसके नाम से दिल शब्द उड़ा दिया गया।

प्रश्न 12, घर आए रिश्तेदारों ने कैसा प्रपंच रचा और उसका क्या परिणाम निकला? (Text Book)

उत्तर- लेखक के घर आए रिश्तेदारों ने अपनी झूठी प्रतिष्ठा कायम करने के लिए रुपया चोरी का प्रपंच रचा। उन्होंने बहादुर पर इस चोरी का दोषारोपण किया। इस आरोप से बहादुर को पिटाई लगी। रिश्तेदार के प्रपंच के चलते लेखक के घर का काम करने वाले बहादुर के जाने की घटना घटी और घर अस्त-व्यस्त हो गया।

प्रश्न 13. बहादुर के चले जाने पर सबका पछतावा क्यों होता है? (Text Book,2011C,2013C)

उत्तर- बहादुर घर के सभी कार्य को कुशलतापूर्वक करता था। घर के सभी सदस्य को आराम मिलता था। किसी भी कार्य हेतु हर सदस्य बहादुर को पुकारते रहते थे। वह घर के कार्य से सभी को मुक्त रखता था। साथ रहते रहते सबसे हिलमिल गया था। डाट फटकार के बावजूद काम करते रहता था। यही सब कारणों से उसके चले जाने पर सबको पछतावा होता है।

प्रश्न 13. बहादुर के चले जाने पर सबका पछतावा क्यों होता है? (Text Book,2011C,2013C)

उत्तर- बहादुर घर के सभी कार्य को कुशलतापूर्वक करता था। घर के सभी सदस्य को आराम मिलता था। किसी भी कार्य हेतु हर सदस्य बहादुर को पुकारते रहते थे। वह घर के कार्य से सभी को मुक्त रखता था। साथ रहते रहते सबसे हिलमिल गया था। डाट फटकार के बावजूद काम करते रहता था। यही सब कारणों से उसके चले जाने पर सबको पछतावा होता है।

बहादुर वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.बहादुर का पुरा नाम क्या था?

(क) खुश बहादुर (ख) दिल बहादुर

(ग) कुल बहादुर (घ) नूर बहादुर

उत्तर- (ख) दिल बहादुर

प्रश्न 2.निरमला कौन थी?

(क) कहानीकार की नौकरानी

(ख) कहानीकार की अम्मा

(ग) कहानीकार की पत्नी

(घ) कहानीकार की दादी

उत्तर- (ग) कहानीकार की पत्नी

प्रश्न 3.बहादुर कहाँ से भाग कर आया था?

(क) पूना से (ख) लखनउ से

(ग) दिल्ली (घ) नेपाल

उत्तर- (घ) नेपाल

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

प्रश्न 4.बहादुर अपने घर से क्यों भाग गया था?
(क) गरीबी के कारण (ख) माँ की मार के कारण
(ग) शहर घुमने के लिए (घ) कमाने के लिए
उत्तर- (ख) माँ की मार के कारण
प्रश्न 5.बहादुर कहाँ का रहनेवाला था?
(क) बिहार (ख) नेपाल
(ग) उत्तरप्रदेश (घ) भूटान
उत्तर- (ग) उत्तरप्रदेश
प्रश्न 6.लेखक के रिश्तेदार ने बहादुर पर क्या आरोप लगाया?
(क) पैसे चूराने का (ख) गहना चूराने का
(ग) अंगूठी चूराने का (घ) माला चूराने का
उत्तर- (क) पैसे चूराने का
प्रश्न 7.बहादुर लेखक को क्या कहकर सम्बोधित करता था?
(क) मालिक (ख) साहब
(ग) बाबूजी (घ) साव जी
उत्तर- (ग) बाबूजी
प्रश्न 8.बहादुर लेखक के घर से अचानक क्यों चल गया?
(क) दूसरी नौकरी मिल जाने के कारण
(ख) माँ की याद आ जाने के कारण
(ग) स्वं के प्रति लेखक तथा उसके घरवालों की व्यव्हार में आए परिवर्तन के कारण
(घ) उपर्युक्त सभी
उत्तर- (ग) स्वं के प्रति लेखक तथा उसके घरवालों की व्यव्हार में आए परिवर्तन के कारण
प्रश्न 9.बहादुर पर कितने रूपये के चोरी का आरोप लगा था?
(क) 10 रूपये (ख) 11 रूपये
(ग) 12 रूपये (घ) 13 रूपये
उत्तर- (ख) 11 रूपये
प्रश्न 10.बहादुर से मार खाकर भैंस भागी-भागी किसके पास चली आई ?
(क) बहन के (ख) माँ के
(ग) भाई के (घ) नानी के
उत्तर- (ख) माँ के
प्रश्न 11.बहादुर का बाप कहाँ मारा गया था?
(क) युद्ध में (ख) चोरी में
(ग) हिंसा में (घ) आंदोलन में
उत्तर- (क) युद्ध में
प्रश्न 12.अमरकांत के द्वारा लिखी हुई कहानी का नाम है?
(क) इदगाह (ख) ठेस
(ग) विष के दाँत (घ) बहादुर
उत्तर- (घ) बहादुर
प्रश्न 13.जिन्दगी और जोंक किस लेखक की रचना है?
(क) भीमराव अम्बेडकर (ख) महात्मा गाँधी
(ग) अशोक वाजपेयी (घ) अमरकांत
उत्तर- (घ) अमरकांत
प्रश्न 14.बहादुर को लेकर कौन आया था?
(क) लेखक का भाई (ख) लेखक का शाला
(ग) लेखक की माँ (घ) लेखक की बहन
उत्तर- (ख) लेखक का शाला
प्रश्न 15.लेखक अमरकांत ने हाई स्कूल की शिक्षा कहाँ से प्राप्त की?
(क) बलिया से (ख) छपरा से
(ग) आरा से (घ) बक्सर से
उत्तर- (क) बलिया से
प्रश्न 16.बहादुर शिर्षक कहानी में किशोर कौन था?
(क) लेखक का पुत्र
(ख) लेखक के साले का पुत्र
(ग) लेखक के भाई का पुत्र
(घ) लेखक का चचेरा भाई
उत्तर- (क) लेखक का पुत्र

7.परंपरा का मूल्यांकन

लेखक परिचय

ले खक का नाम- रामविलास शर्मा
जन्म- 10 अक्टूबर 1912 ई०, उन्नाव जिला के ऊँचा गाँव सानी में
मृत्यु- 30 मई 2000 ई०

इन्होनें अंग्रजी विषय में लखनऊ विश्वविद्यालय से अंग्रेजी विषय में एम० ए० तथा पी० एच० डी० की उपाधि प्राप्त की। इन्होनें कुछ समय तक कन्हैया लाल, माणिकलाल मुंशी हिंदी विद्यापीठ, आगरा में निदेशक पद को सुशोभित किया।
रचनाएँ- निराला की साहित्यसाधना, भारतेन्दु हरिश्चंद्र, प्रेमचंद और उनका युग, भाषा और समाज, भारत में अंग्रेजी और मार्क्सवाद, इतिहास दर्शन, घर की बात आदि।

Excellence Coaching Institute Guided By - Tanveer Alam

पाठ परिचय- प्रस्तुत पाठ 'परम्परा का मूल्यांकन' इसी नाम की पुस्तक से संकलित है। इसमें लेखक ने समाज, साहित्य तथा परंपरा से संबंधों की सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक मीमांसा पर विचार किया है। यह निबंध परंपरा के ज्ञान, समझ और मूल्यांकन का विवेक जगाता साहित्य की सामाजिक विकास में क्रांतिकारी भूमिका को भी स्पष्ट करता चलता है। अतः यह निबंध नई पीढ़ी में परंपरा और आधुनिकता को युग के अनुकूल नई समझ विकसित करने में सराहनीय सहयोग करता है।

पाठ का सारांश

प्रस्तुत पाठ 'परम्परा का मूल्यांकन' ख्यातिप्राप्त आलोचक रामविलास शर्मा द्वारा लिखित है। इसमें लेखक ने प्रगतिशील रचनाकारों के विषय में अपना विचार प्रकट किया है।

लेखक का मानना है कि क्रांतिकारी साहित्य-रचना करनेवालों के लिए साहित्य की परम्परा का ज्ञान होना अति आवश्यक है क्योंकि साहित्यिक-परम्परा के ज्ञान से ही प्रगतिशील आलोचना का विकास होता है और साहित्य की धारा बदली जा सकती है। तथा नए प्रगतिशील साहित्य का निर्माण किया जा सकता है।

मनुष्य आर्थिक जीवन के अलावा एक प्राणि के रूप में भी जीवन व्यतीत करता है। साहित्य विचारधारा मात्र नहीं है।

साहित्य में विकास प्रक्रिया चलती रहती है। जैसे-जैसे समाज का विकास होता है वैसे-वैसे साहित्य का भी। व्यवहार में देखा जाता है कि 19 वीं तथा 20 वीं सदी के कवि क्या भारत के, क्या यूरोप के, ये तमाम कवि अपने पूर्ववर्ती कवियों की रचनाओं का मनन करते हैं, उनसे सिखते हैं और नई परम्पराओं को जन्म देते हैं।

दूसरों को नकल करके लिखा गया साहित्य अधम कोटि का होता है और सांस्कृतिक असमर्थता का सूचक होता है। लेकिन उतम कोटि का साहित्य दूसरी भाषा में अनुवाद किए जाने पर अपना कलात्मक-सौन्दर्य खो देता है। तात्पर्य यह कि ऐसे साहित्य से कला की आवृति नहीं हो सकती। जैसे- अमेरिका अथवा रूस ने एटम बम बनाए, लेकिन शेक्सपियर के नाटकों जैसी चीज दुबारा लेखन इंगलैड में भी नहीं हुआ।

19वीं सदी में शेली तथा वायरन ने अपनी स्वाधीनता के लिए लड़ने वाले यूनानीयों को एकात्मकता की पहचान करने में सहयोग किया था। भारतीयों ने भी अपनी स्वाधीनता संग्राम के दौरान इस एकात्मकता को पहचाना।

मानव समाज बदलता है और अपनी अस्मिता कायम रखता है, क्योंकि जो तत्व मानव समुदाय को एक जाति के रूप में संगठित करता है। साहित्य पंरपरा के ज्ञान के कारण ही पूर्वी एवं पश्चिमी बंगाल के लोग सांस्कृतिक रूप से एक हैं। कोई भी देश बहुजातिय तथा बहुभाषी होने के बावजूद जब उस देश पर कोई मुसीबत आती है तो उस समय वह राष्ट्रीय अस्मिता समर्थ प्रेरक बनकर लोगों को मुसीबत से लड़ने में सहयोग करती है।

जैसे- हिटलर के आक्रमण के समय रूसी जाति ने बार-बार अपने साहित्य परंपरा का स्मरण किया। टॉल्स्टाय सोवियत समाज में पढ़े जाने वाले साहित्य के महान साहित्यकार हैं तो रूसी जाति के अस्मिता को सुदृढ़ एवं पुष्ट करने वाले साहित्यकार भी हैं।

1917 ई0 के रूसी क्रांति के पहले वहाँ रूसी तथा गैर-रूसी थे, किन्तु इस क्रांति के बाद रूसी तथा गैर रूसी जातियों के संबंधों में बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ। सभी जातियाँ एक हो गई। फिर भी जातियों का मिला-जुला इतिहास जैसा भारत का है, वैसा सोवियत संघ का नहीं है।

यूरोप के लोग यूरोपियन संस्कृति की बात करते हैं, लेकिन यूरोप कभी राष्ट्र नहीं बना।

राष्ट्रीयता की दृष्टी से भारत ही एक ऐसा देश है जहाँ राष्ट्रीय एक जाति द्वारा दूसरी जाति पर थोपी नहीं गई, बल्कि वह संस्कृति तथा इतिहास की देन है।

इस संस्कृति के निर्माण में देश के कवियों का महान योगदान है। रामायण एवं महाभारत इस देश की संस्कृति की एक कड़ी है। जिसके बिना भारतीय साहित्य की एकता भंग हो जाएगी।

लेखक का तर्क है कि यदि जारशाही रूस समाजवादी व्यवस्था कायम होने पर नवीन राष्ट्र के रूप में पुनर्गठित हो सकता है तो भारत में समाजवादी व्यवस्था कायम होने पर यहाँ की राष्ट्रीय अस्मिता पहले से कितना पुष्ट होगी, इसकी कल्पना की जा सकती है। अतः समाजवाद हमारी राष्ट्रीय आवश्यकता है।

पूँजीवादी व्यवस्था में शक्ति का अपवाह होता है। देश के साधनों का समुचित उपयोग समाजवादी व्यवस्था में ही होता है।

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrez Alam

देश की निरक्षर निर्धन जनता जब साक्षर होगी तो वह रामायण तथा महाभारत का ही अध्ययन नहीं करेगी, अपितु उत्तर भारत के लोग दक्षिण भारत की कविताएँ तथा दक्षिण भारत के लोग उत्तर भारत की कविताएँ बड़े चाव से पढ़ेंगे। दोनों में बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक आदान-प्रदान होगा। तब अंग्रेजी भाषा प्रभुत्व जमाने की भाषा न होकर ज्ञानार्जन की भाषा होगी।

हम अंग्रेजी ही नहीं, यूरोप की अनेक भाषाओं का अध्ययन करेंगे। एशिया के भाषाओं के साहित्य से हमारा गहरा परिचय होगा, तब मानव संस्कृति की विशाल धारा में भारतीय साहित्य की गौरवशाली परम्परा का नवीन योगदान होगा।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)____दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. साहित्य सापेक्ष रूप से स्वाधीन क्यों होता है? (2018C)

उत्तर- साहित्य सापेक्ष रूप में स्वाधीन इसलिए होता है क्योंकि यह मनुष्य और परिस्थितियों के द्वन्द्वात्मक सम्बन्ध पर निर्भर करता है, किसी एक पर नहीं।

प्रश्न 2. लेखक के अनुसार आदर्श समाज में किस प्रकार की गतिशीलता होनी चाहिए ? (2018A)

उत्तर- लेखक के अनुसार आदर्श समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिसमें कोई भी वांछित परिवर्तन समाज में एक छोर से दूसरे छोर तक संचारित हो सके।

प्रश्न 3. परंपरा का ज्ञान किनके लिए सबसे ज्यादा आवश्यक है और क्यों ? (पाठ्य पुस्तक, 2015A,2015C,2016C,2014C)

उत्तर- जो लोग साहित्य में युग परिवर्तन करना चाहते हैं, क्रांतिकारी साहित्य रचना चाहते हैं, उनके लिए साहित्य की परंपरा का ज्ञान आवश्यक है। क्योंकि साहित्य की परंपरा से प्रगतिशील आलोचना का ज्ञान होता है जिससे साहित्य की धारा को मोड़कर नए प्रगतिशील साहित्य का निर्माण किया जा सकता है।

प्रश्न 4. किस तरह समाजवाद हमारी राष्ट्रीय आवश्यकता है? इस प्रसंग में लेखक के विचारों पर प्रकाश डालें। (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- लेखक के अनुसार पूँजीवादी व्यवस्था में शक्ति का अपव्यय होता है। देश के साधनों का सबसे अच्छा उपयोग समाजवादी व्यवस्था में ही सम्भव है। अनेक छोटे-बड़े राष्ट्र समाजवादी व्यवस्था कायम करने के बाद पहले की अपेक्षा अधिक शक्तिशाली हो गए। भारत की राष्ट्रीय क्षमता का पूर्ण विकास समाजवादी व्यवस्था में ही संभव है। वास्तव में समाजवाद हमारी राष्ट्रीय आवश्यकता है।

प्रश्न 5. परंपरा के मूल्यांकन में साहित्य के वर्गीय आधार का विवेक लेखक क्यों महत्वपूर्ण मानता है? (Text Book)

उत्तर- लेखक के अनुसार परंपरा के मूल्यांकन में साहित्य के वर्गीय आधार का ज्ञान महत्वपूर्ण है। इसका मूल्यांकन करते हुए सबसे पहले हम उस साहित्य का मूल्य निर्धारित करते हैं जो शोषक वर्गों के विरुद्ध जनता के हितों को प्रतिविम्बित करता है। इसके साथ हम उस साहित्य पर ध्यान देते हैं जिसकी रचना का आधार शोषित जनता का श्रम है।

प्रश्न 5. परंपरा के मूल्यांकन में साहित्य के वर्गीय आधार का विवेक लेखक क्यों महत्वपूर्ण मानता है? (Text Book)

उत्तर- लेखक के अनुसार परंपरा के मूल्यांकन में साहित्य के वर्गीय आधार का ज्ञान महत्वपूर्ण है। इसका मूल्यांकन करते हुए सबसे पहले हम उस साहित्य का मूल्य निर्धारित करते हैं जो शोषक वर्गों के विरुद्ध जनता के हितों को प्रतिविम्बित करता है। इसके साथ हम उस साहित्य पर ध्यान देते हैं जिसकी रचना का आधार शोषित जनता का श्रम है।

प्रश्न 6. साहित्य का कौन सा पक्ष अपेक्षाकृत स्थायी होता है ? इस संबंध में लेखक की राय स्पष्ट करें। (Text Book,2011C)

उत्तर- साहित्य मनुष्य के सम्पूर्ण जीवन से संबद्ध है। आर्थिक जीवन के अलावा मनुष्य एक प्राणी के रूप में भी अपना जीवन बिताता है। साहित्य में उसकी बहुत-सी आदिम भावनाएँ प्रतिफलित होती हैं जो उसे प्राणी मात्र से जोड़ती हैं। इस बात को बार-बार कहने में कोई हानि नहीं है कि साहित्य विचारधारा मात्र नहीं है। उसमें मनुष्य का इन्द्रिय बोध, उसकी भावनाएँ भी व्यंजित होती हैं। साहित्य का यह पक्ष अपेक्षाकृत स्थायी होता है।

प्रश्न 7. - बहुजातीय राष्ट्र की हैसियत से कोई भी देश भारत का मुकाबला क्यों नहीं कर सकता? (Text Book,2017C)

Excellence Coaching Institute
Guided By - Tabrej Alam

उत्तर- संसार का कोई भी देश, बहुजातीय राष्ट्र की हैसियत से, इतिहास को ध्यान में रखें, तो भारत का मुकाबला नहीं कर सकता। यहाँ राष्ट्रीयता एक जाति द्वारा दूसरी जातियों पर राजनीतिक प्रभुत्व कायम करके स्थापित नहीं हुई। वह मुख्यतः संस्कृति और इतिहास की देन है। इस देश की तरह अन्य जगह साहित्य परंपरा का मूल्यांकन महत्वपूर्ण नहीं है। अन्य देश की तुलना में इस राष्ट्र के सामाजिक विकास में कवियों की विशिष्ट भूमिका है।

प्रश्न 8. राजनीतिक मूल्यों से साहित्य के मूल्य अधिक स्थायी कैसे होते हैं ? (Text Book)

उत्तर- लेखक कहते हैं कि साहित्य के मूल्य राजनीतिक मूल्यों की अपेक्षा अधिक स्थायी हैं। इसकी पुष्टि में अंग्रेज कवि टेनिसन द्वारा लैटिन कवि वजिल पर रचित उस कविता की चर्चा करते हैं जिसमें कहा गया है कि रोमन साम्राज्य का वैभव समाप्त हो गया पर वर्जिल के काव्य सागर की ध्वनि तरंगें हमें आज भी सुनाई देती हैं और हदय को आनन्दित कर देती है।

प्रश्न 9. भारत की बहुजातीयता मुख्यतः संस्कृति और इतिहास की देन है। कैसे? (Text Book)

उत्तर- भारतीय सामाजिक विकास में व्यास और वाल्मीकि जैसे कवियों की विशेष भूमिका रही है। महाभारत और रामायण भारतीय साहित्य की एकता स्थापित करती है। इस देश के कवियों ने अनेक जाति को अस्मिता के सहारे यहाँ की संस्कृति का निर्माण किया है। भारत में विभिन्न जातियों का मिला-जुला इतिहास रहा है। समरसता स्थापित करना सिखाया है। यही भाव राष्ट्रीयता की जड़ को मजबूत किया है।

7. परम्परा का मूल्यांकन वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1.निराला की साहित्य साधना किसकी रचना है?
(क) अमरकांत (ख) रघुवीर सहाय
(ग) रामविलास शर्मा (घ) हजारी प्रसाद द्विवेदी
उत्तर- (ग) रामविलास शर्मा

प्रश्न 2.इस कहानी के लेखक रामविलास शर्मा का जन्म कब हुआ?
(क) 10 अक्टूबर 1912 (ख) 12 अक्टूबर 1914
(ग) 14 अक्टूबर 1916 (घ) 16 अक्टूबर 1918
उत्तर- (क) 10 अक्टूबर 1912

प्रश्न 3.इस कहानी के लेखक रामविलास शर्मा का जन्म कहाँ हुआ था?
(क) नन्द गाँव, मथुरा (ख) हरनौत बिहार
(ग) उच्च गाँव, सानी (घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ग) उच्च गाँव, सानी

प्रश्न 4.रामविलास शर्मा को किस कृति के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ है?
(क) प्रेमचंद और उनका युग
(ख) नयी कविता और अस्तित्ववाद
(ग) निराला की साहित्य साधना
(घ) भारतेन्दु हरिश्चन्द
उत्तर- (ग) निराला की साहित्य साधना

प्रश्न 5.साहित्य की परम्परा का पूर्ण ज्ञान किस व्यवस्था में संभव है?
(क) सामंतवादी व्यवस्था (ख) पूँजीवादी व्यवस्था
(ग) समाजवादी व्यवस्था (घ) इनमें सभी
उत्तर- (ग) समाजवादी व्यवस्था

प्रश्न 6.परम्परा का ज्ञान किनके लिए आवश्यक है?
(क) जो लकीर के फकीर है
(ख) जो उपयोगी साहित्य की रचना करे
(ग) जो लकीर के फकीर न होकर क्रांतिकारी साहित्य की रचना करें
(घ) जो उपयोगी साहित्य की रचना ना करें
उत्तर- (ग) जो लकीर के फकीर न होकर क्रांतिकारी साहित्य की रचना करें

प्रश्न 7.भारती के राष्ट्रीय क्षमता का पूर्ण विकास किस व्यवस्था में संभव है?
(क) सामंतवादी व्यवस्था (ख) पूँजीवादी व्यवस्था
(ग) समाजवादी व्यवस्था (घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ख) पूँजीवादी व्यवस्था

प्रश्न 8.लेखक रामविलास शर्मा के गाँव का क्या नाम था?
(क) ऊँचका सानी (ख) ऊँचगाँव सानी
(ग) उचका गाँव सैनी (घ) उच्चा गाँव सैनी
उत्तर- (ख) ऊँचगाँव सानी

प्रश्न 9.भौतिकवाद का अर्थ भाग्यवाद नहीं है किस निबंध की पंक्ति है?
(क) नागरी लिपि

Excellence Coaching Institute Guided By - Zahid Alam

(ख) परम्परा का मूल्यांकण
(ग) श्रम-विभाजन और जाति प्रथा
(घ) भारत से हम क्या सींखें
उत्तर- (ख) परम्परा का मूल्यांकण

प्रश्न 10.परम्परा का मूल्यांकन शिर्षक पाठ साहित्य की कौन विधा है?
(क) कहानी (ख) निबंध
(ग) व्यंग्य (घ) रेखाचित्र
उत्तर- (ख) निबंध

8. जित-जित मैं निरखत हूँ
(पंडित बिरजू महाराज से एक साक्षात्कार)

लेखक परिचय

लेखक का नाम- पंडित बिरजू महाराज
जन्म-4 फरवरी 1938 ई0, लखनऊ
यह अपने माता-पिता के अंतिम संतान थे। तीन बहनों के लम्बे अंतराल के बाद इनका जन्म हुआ था।

पाठ परिचय- प्रस्तुत पाठ 'जित-जित मैं निरखत हुँ' पंडित बिरजू महाराज की शिष्या रश्मि वाजपेयी से हुई बातचीत का संपादित अंश है।

पाठ का सारांश

प्रस्तुत पाठ "जित-जित मैं निरखत हूँ" में साक्षात्कार के माध्यम से पंडित बिरजू महाराज की जीवनी, उनका कला-प्रेम तथा नृत्यकला के क्षेत्र में उनकी महान उपलब्धि पर प्रकाश डाला गया है।

बिरजू महाराज का जन्म 4 फरवरी,1938 ई० को लखनऊ के जफरीन अस्पताल में हुआ था । ये अपने माता-पिता के अंतिम संतान थे। इनका जन्म तीन बहनों के लम्बे अंतराल के बाद हुआ था। इनके जन्म के समय इनके माता की उम्र 28 वर्ष के करीब थी तथा बड़ी बहन 15 साल की थी। इनके पिता प्रख्यात नर्तक थे। इन्हें नृत्यकला विरासत में मिली थी। ये अपने पिताजी के साथ रामपुर के नवाब के दरबार में नृत्य-कार्यक्रम में जाया करते थे।

छः साल के उम्र में ही बिरजूजी नवाब साहब के प्रिय हो गये। इसलिए इन्हें अपने पिता के साथ वहाँ जाना पड़ता था तथा नाचना पड़ता था। इतनी कम उम्र में ही इनकी तनख्वाह निश्चित कर दी गई थी। इस नौकरी से छुट्टी पाने की इच्छा प्रकट की तो नवाब साहब ने फरमान जारी कर दिया कि यदि लड़का नहीं रहेगा तो पिता को भी नौकरी से हटा दिया जायेगा।

इस आदेश से पिताजी ने खुश होकर हनुमान जी को प्रसाद चढ़ाया-- तथा मिठाइयाँ भी बाँटी।

बिरजू महारज कहते हैं कि उन्हें नृत्य कला की तालीम कुछ क्लास में, कुछ लोगों द्वारा कहते, सुनते तथा देखकर सिखा। इसके साथ ही जहाँ- जहाँ पिताजी जाते थे, उनके साथ जाया करता था और कार्यक्रम में भाग लेता था।

पिता की मृत्यु 54 साल की उम्र में लु लगने के कारण हो गई। वे सहनशील व्यक्ति थे। अपना दुःख किसी को कहना पसंद नहीं करते थे। वे अतिप्रिय व्यक्ति थे।

पिता की मृत्यु के बाद माँ को दुःखी देखकर उदास रहने लगा, क्योंकि उनके मरते ही खराब दीन शुरु हो गये। भोजन-वस्त्र का घोर अभाव हो गया। शम्भू चाचा के शौकिया मिजाज के कारण कर्ज में डुब गये। उसी समय चाचा जी के दो बच्चों की मृत्यु भी हो गई। बच्चों की इस मृत्यु से हताश होकर वे अम्मा को डाइन कहने लगे। इसलिए मैं माँ को लेकर नेपाल चला गया। इसके बाद मुजफ्फरपुर गया। फिर अम्मा बाँस बरेली इसलिए ले गई कि वहाँ नाचेगा तो इनाम मिलेगा।

ऐसी हालत में आर्यानगर में 50 रुपये के दो ट्यूशन की। इस प्रकार 50 रुपये में काम करके किसी तरह पढ़ता रहा। सीताराम नामक लड़के को डांस सिखाता और वह उन्हें पढ़ा देता था। अर्थाभाव में ठीक ढंग से पढ़ाई नहीं हो पाई। नौकरी भी नहीं मिलती थी। पिताजी के समय से ही चाचाजी अलग रहते थे। दादी के साथ उनका अच्छा व्यवहार नहीं था।

चौदह साल की उम्र में पुनः लखनऊ आ गया और कपिला जी के सहयोग से संगीत भारती में काम करना आरंभ कर दिया। वहाँ निर्मला जी से मुलाकात हुई। उन्होनें कथक डांस करने की सलाह दी। मैंने नौकरी छोड़कर भारतीय कला मंदिर में क्लास करने लगा। वहाँ पूरे मन से तालीम सिखी। मेरी तालीम देखकर महाराज की तरफ वहाँ की लड़कीयाँ आकर्षित होने लगी।

ऑल बंगाल म्यूजिक कांफ्रेंस, कलकत्ता के नाच मेरे भाग्योदय की। वहाँ काफी प्रसंशा मिली। तमाम अखबारों ने मेरे कार्यक्रम की प्रसंशा की। ईश्वर की कृपा से कलकत्ता, बम्बई, मद्रास सभी जगह मेरी इज्जत होने लगी।

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

27 साल की उम्र में संगीत नाटक अकादमी अवार्ड मिला। मैं जर्मनी, जापान, हांगकांग, लाओस, बर्मा की यात्रा की, लेकिन एक बार अमेरिका में दो-चार जगह कार्यक्रम प्रस्तुत किया तो एक जगह वहाँ हाँफते हुए एक आदमी ने मेरे पास आया। मैंने कहा- मेरे साथ फोटो खिंचाना है क्या तुम्हें ? यस-यस अब लड़का बेहाल हो गया। इस प्रकार पाकिस्तान में कोई खातून थीं पूरे हॉल में उनकी आवाज आई सुब्हान अल्लाह। मतलब मेरे नाच के आशिक बहुत हैं। मेरे आशिक भी हैं।

बिरजू महाराज कहते हैं कि मुझे ऊँचाई तक ले जाने में अम्मा का बहुत बड़ा हाथ है। वहीं बुजुर्गों की तारीफ करके मुझे उत्साहित करती थीं। वहीं वाकई में गुरु और माँ थी।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)____दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. बिरजू महाराज कौन-कौन से वाद्य बजाते थे? (Text Book)

उत्तर-बिरजू महाराज सितार, गिटार, हारमोनियम, बाँसुरी इत्यादि वाद्य यंत्र बजाते थे।

प्रश्न 2. किनके साथ नाचते हुए बिरजू महाराज को पहली बार प्रथम पुरस्कार मिला? (Text Book)

उत्तर- शम्भू महाराज चाचाजी एवं बाबूजी के साथ नाचते हुए बिरजू महाराज को पहली बार प्रथम पुरस्कार मिला।

प्रश्न 3. लखनऊ और रामपुर से बिरजू महाराज का क्या संबंध है? (पाठ्य पुस्तक, 2012A)

उत्तर- बिरजू महाराज का जन्म लखनऊ में हुआ था । रामपुर में महाराज जी का अत्यधिक समय व्यतीत हुआ था एवं वहाँ विकास का सुअवसर मिला था।

प्रश्न 4. नृत्य की शिक्षा के लिए पहले-पहल बिरजू महाराज किस संस्था से जुड़े और वहाँ किनके संपर्क में आए? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- नृत्य की शिक्षा के लिए पहले-पहल बिरजू महाराज जी दिल्ली में हिन्दुस्तानी डान्स म्यूजिक से जुड़े और वहाँ निर्मला जी जोशी के संपर्क में आए।

प्रश्न 5. कलकत्ते के दर्शकों की प्रशंसा का बिरजू महाराज के नर्तक जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा? (पाठ्य पुस्तक,2013C)

उत्तर- कलकत्ते के एक कांफ्रेंस में महाराज जी नाचे। उस नाच की कलकत्ते की ऑडियन्स ने प्रशंसा की। तमाम अखबारों में छा गये। वहाँ से इनके जीवन में एक मोड़ आया। उस समय से निरंतर आगे बढ़ते गये।

प्रश्न 6. बिरजू महाराज अपना सबसे बड़ा जज किसको मानते थे? अथवा, बिरजू महाराज अपना सबसे बड़ा जज अपनी माँ को क्यों मानते थे? (Text Book,2018A)

उत्तर- बिरजू महाराज अपना सबसे बड़ा जज अपनी अम्मा को मानते थे। जब वे नाचते थे और अम्मा देखती थी तब वे अम्मा से अपनी कमी या अच्छाई के बारे में पूछा करते थे। उसने बाबूजी से तुलना करके इनमें निखार लाने का काम किया।

7. संगीत भारती में बिरजू महाराज की दिनचर्या क्या थी? (Text Book)

उत्तर- संगीत भारती में प्रारंभ में 250 रु० मिलते थे। उस समय दरियागंज में रहते थे। वहाँ से प्रत्येक दिन पाँच या नौ नंबर का बस पकड़कर संगीत भारती पहुँचते थे। संगीत भारती में इन्हें प्रदर्शन का अवसर कम मिलता था। अंततः दुःखी होकर नौकरी छोड़ दी।

प्रश्न 8. अपने विवाह के बारे में बिरजू महाराज क्या बताते हैं? (Text Book)

उत्तर- बिरजू महाराज की शादी 18 साल की उम्र में हुई थी। उस समय विवाह करना महाराज अपनी गलती मानते हैं। लेकिन बाबूजी की मृत्यु के बाद माँ घबराकर जल्दी में शादी कर दी। शादी को नुकसानदेह मानते हैं। विवाह की वजह से नौकरी करते रहे।

प्रश्न 9. बिरजू महाराज के गुरु कौन थे? उनका संक्षिप्त परिचय दें। (Text Book,2013A,2014A)

उत्तर- बिरजू महाराज के गुरु उनके बाबूजी थे। वे अच्छे स्वभाव के थे। वे अपने दुःख को व्यक्त नहीं करते थे। उन्हें कला से बेहद प्रेम था। जब बिरजू महाराज साढ़े नौ साल के थे, उसी समय बाबूजी की मृत्यु हो गई। महाराज को तालीम बाबूजी ने ही दिया।

प्रश्न 10. शम्भू महाराज के साथ बिरजू महाराज के संबंध पर प्रकाश डालिए। ((Text Book, 2013C)

उत्तर- शंभू महाराज के साथ बिरजू महाराज बचपन में नाचा करते थे। आगे भारतीय कला केन्द्र में उनका सान्निध्य मिला।

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

शम्भू महाराज के साथ सहायक रहकर कला के क्षेत्र में विकास किया। शम्भू महाराज उनके चाचा थे। बचपन से महाराज को उनका मार्गदर्शन मिला।

प्रश्न 11. बिरजू महाराज की कला के बारे में आप क्या जानते हैं? (2016C)

उत्तर- बिरजू महाराज नृत्य की कला में माहिर थे। वे नाचने की कला के मर्मज्ञ थे। बचपन से नाचने का अभ्यास करते थे और कला का सम्मान करते थे। इसलिए, उनका नृत्य देशभर में सम्मानित था। वे सिर्फ कमाई के लिए नृत्य नहीं करते थे बल्कि कला-प्रदर्शन उनका सही लक्ष्य था।

प्रश्न 12. रामपुर के नवाब की नौकरी छुटने पर हनुमान जी को प्रसाद क्यों चढ़ाया? (Text Book)

उत्तर- रामपुर के नवाब की नौकरी छुटने पर हनुमान जी को प्रसाद चढ़ाया क्योंकि महाराज जी छह साल की उम्र में नवाब साहब के यहाँ नाचते थे। अम्मा परेशान थी। बाबूजी नौकरी छूटने के लिए हनुमान जी का प्रसाद माँगते थे। नौकरी से जान छुटी इसलिए हनुमान जी को प्रसाद चढ़ाया गया।

प्रश्न 13. बिरजू महाराज की अपने शार्गिदों के बारे में क्या राय है? (Text Book2014A)

उत्तर- बिरजू महाराज अपने शिष्या रश्मि वाजपेयी को भी अपना शार्गिद बताते हैं। वे उन्हें शाश्वती कहते हैं। इसके साथ ही वैरोनिक, फिलिप, मेक्लीन, टॉक, तीरथ प्रताप, प्रदीप, दुर्गा इत्यादि को प्रमुख शार्गिद बताए हैं। वे लोग तरक्की कर रहे हैं, प्रगतिशील बने हुए हैं, इसकी भी चर्चा किये हैं।

प्रश्न 14. पुराने और आज के नर्तकों के बीच बिरजू महाराज क्या फर्क पाते हैं? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- पुराने नर्तक कला प्रदर्शन करते थे। कला प्रदर्शन शौक था। साधन के अभाव में भी उत्साह होता था। कम जगह में गलीचे पर गड्ढा, खाँचा इत्यादि होने के बावजूद बेपरवाह होकर कला प्रदर्शन करते थे। लेकिन आज के कलाकार मंच की छोटी-छोटी गलतियों को ढूँढ़ते हैं। चर्चा का विषय बनाते हैं।

प्रश्न 15. बिरजू महाराज के जीवन में सबसे दुःखद समय कब आया? उससे संबंधित प्रसंग का वर्णन कीजिए। (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- जब महाराज जी के बाबूजी की मृत्यु हुई तब उनके लिए बहुत दुखदायी समय व्यतीत हुआ। घर में इतना भी पैसा नहीं था कि दसवाँ किया जा सके। इन्होंने दस दिन के अन्दर दो प्रोग्राम किए। उन दो प्रोग्राम से 500 रु० इकट्ठे हुए तब दसवाँ और तेरह की गई। ऐसी हालत में नाचना एवं पैसा इकट्ठा करना महाराजजी के जीवन में दुःखद समय आया ।।

8. जित-जित मैं निरखत हुँ

प्रश्न 1.बिरजू कितने साल के थे, जब उनकी पिताजी की मृत्यु हुई थी?

(क) आठ (ख) साढ़े नौ (ग) दस (घ) साढ़े दस

उत्तर- (ख) साढ़े नौ

प्रश्न 2.बिरजू ने अपने पिता के साथ आखरी प्रोग्राम कहाँ किया था?

(क) मैनपूरी में (ख) जोधपूर में

(ग) जौनपूर में (घ) उदयपूर में

उत्तर- (क) मैनपूरी में

प्रश्न 3.जब पंडित बिरजू महाराज को संगीत नाटक अकादमी अवार्ड मिला तब उनकी उम्र क्या थी?

(क) 27 वर्ष (ख) 26 वर्ष

(ग) 25 वर्ष (घ) 24 वर्ष

उत्तर- (क) 27 वर्ष

प्रश्न 4.बिरजू महाराज की ख्याति किस रूप में है?

(क) शहनाई वादक (ख) नर्तक

(ग) संगीतकार (घ) तबलावादक

उत्तर- (क) शहनाई वादक

प्रश्न 5.बिरजू महाराज किस शैली का नर्तक हैं?

(क) कथक (ख) मणिपूरी

(ग) कुच्चीपूरी (घ) कारबा

उत्तर- (क) कथक

प्रश्न 6.बिरजू महाराज का संबंध किस घराने से है?

(क) लखनउ (ख) डुमराव

(ग) बनारस (घ) इनमें कोई नहीं

उत्तर- (क) लखनउ

प्रश्न 7.पंडित बिरजू महाराज का जन्म कब हुआ था?

(क) 4 जनवरी 1938 (ख) 4 फरवरी 1938

(ग) 4 मार्च 1938 (घ) 4 अप्रैल 1938

उत्तर- (ख) 4 फरवरी 1938

Excellence Coaching Institute Guided By:- Tabrej Alam

प्रश्न 8.बिरजू महाराज का संबंध है-?
(क) बाँसुरी वादन से (ख) सितार वादन से
(ग) तबला वादन से (घ) कत्थक नृत्य से
उत्तर- (ग) तबला वादन से
प्रश्न 9.इबादत का अर्थ है?
(क) उपासना (ख) इठलाना
(ग) ईंट (घ) खाना खाना
उत्तर-(क) उपासना
प्रश्न 10.पंडित बिरजू महाराज लखनऊ घराने के किस पीढ़ी के कलाकार थे?
(क) छठी (ख) सातवीं
(ग) नौवीं (घ) आठवीं
उत्तर-(ख) सातवीं
प्रश्न 11.बिरजू महाराज के चाचा का क्या नाम था?
(क) संभु महाराज (ख) गोदई महाराज
(ग) श्री महाराज (घ) विष्णु महाराज
उत्तर-(क) संभु महाराज
प्रश्न 12.शंभु महाराज बिरजू महाराज के कौन थे?
(क) मौसा (ख) पिता (ग) चाचा (घ) मामा
उत्तर-(ग) चाचा
प्रश्न 13.बिरजू महाराज ने ठुमरियाँ किससे सीखीं?
(क) अम्मा से (ख) बाबुजी से
(ग) चाचा से (घ) मामा से
उत्तर-(क) अम्मा से
प्रश्न 14.बिरजू महाराज ने कितने प्रोग्राम करके बाबुजी की दसवीं और 13वीं करवाई?
(क) दो (ख) तीन (ग) चार (घ) पाँच
उत्तर-(क) दो
प्रश्न 15.बिरजू महाराज को तालिम किससे मिली?
(क) दादा से (ख) बाबुजी से (ग) नाना से (घ)चाचा से
उत्तर-(ख) बाबुजी से
प्रश्न 16.जित-जित मैं निरखत हुँ पाठ के लेखक कौन है?
(क) यतीन्द्र मिश्र (ख) महात्मा गाँधी
(ग) अमरकांत (घ)पंडित बिरजु महाराज
उत्तर-(घ) पंडित बिरजु महाराज

प्रश्न 11.जित-जित मैं निरखत हुँ है-?
(क) कहानी (ख) निबंध
(ग) ललित रचना (घ) साक्षात्कार
उत्तर- (ख) निबंध

9. आविन्यों

लेखक परिचय

लेखक का नाम- अशोक वाजपेयी
जन्म- 16 फरवरी 1941 ई0, मध्य प्रदेश के दुर्ग नामक स्थान पर
पिता- परमानन्द वाजपेयी
माता- निर्मला देवी
इन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा गवर्नमेंट हायर सेकेंड्री स्कूल, सागर में पाई तथा सागर विश्वविद्यालय से बी० ए० और स्टीफेंस महाविद्यालय दिल्ली से अंग्रेजी विषय में एम० ए० किया।
रचनाएँ- शहर, अब भी संभावना है, एक पतंग अनंत में, अगर इतने से, तत्पुरुष, बहुरी अकेला, थोड़ी सी जगह, घास में दुबका आकाश, आविन्यों, अभी कुछ और समय के पास समय, इबादत से गिरी मात्राएँ, उम्मीद का दूसरा नाम, विवक्षा, दुःख चिट्ठी रसा आदि।
पाठ परिचय- प्रस्तुत पाठ 'आविन्यों' इसी नाम के गद्य एवं कविता के सर्जनात्मक संग्रह से संकलित है। आविन्यों दक्षिण फ्रांस का एक मध्ययुगीन ईसाई मठ हैं जहाँ लेखक ने इक्कीस दिनों तक एकान्त रचनात्मक प्रवास का अवसर पाया था। प्रवास के दौरान प्रतिदिन गद्य एवं कविताएँ लिखी थी।

पाठ का सारांश

प्रस्तुत पाठ 'आविन्यों' में अशोक वाजपेयी ने अपनी यात्रा आविन्यों के क्रम में हुए अनुभवों का वर्णन किया है।
दक्षिण फ्रांस में रोन नदी के किनारे अवस्थित आविन्यों नामक एक पुरानी शहर है, जो कभी पोप की राजधानी थी। अब गर्मियों में फ्रांस तथा यूरोप का एक प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय रंग-समारोह का आयोजन हर वर्ष होता है।
रोन नदी के दूसरी ओर एक नई बस्ती है, जहाँ फ्रेंच शासकों ने पोप की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए एक किला बनवाया था। बाद में, वहाँ 'ला शत्रूज' काथूसियन सम्प्रदाय का एक ईसाई मठ बना, जिसका धार्मिक उपयोग चौदहवीं शताब्दी से फ्रेंच क्रांति तक होता रहा।

यह सम्प्रदाय मौन में विश्वास करता है, इसलिए सारा स्थापत्य मौन का ही स्थापत्य था। इन इमारतों पर साधारण लोगों ने कब्जा कर लिया था और रहने लगे थे।

यह केन्द्र आजकल रंगमंच और लेखन से जुड़ा हुआ है। वहाँ संगीतकार, अभिनेता तथा नाटककार पुराने-ईसाई चैम्बर्स में रचनात्मक कार्य करते हैं।

सप्ताह के पाँच दिनों में शाम को सबको एक स्थान पर रात का भोजन करने की व्यवस्था है। अन्य दिन नास्ता एवं भोजन खुद बनाकर खाते हैं। यह बेहद शांत स्थान है। लेखक को फ्रेंच सरकार के सौजन्य से 'ला शत्रूज' में रहकर कुछ काम करने का मौका मिला था। इसलिए यह अपने साथ हिंदी का एक टाइपराइटर, तीन-चार किताबें तथा कुछ संगीत के टेप्स लेते गये थे।

उन्नीस दिनों के प्रवास में इन्होंने 35 कविताएँ तथा 27 गद्य रचना रचनाएँ लिखी। लेखक को यह स्थान काव्य की दृष्टी से अति उपयुक्त लगा। इसी विशेषता के कारण उसने इतने कम समय में इतने अधिक लिख लिया।

उसने यह अनुभव किया कि यहाँ की हर चीझों में अद्भुत सजीवता है। इसी सजीवता, मनोरमता के फलस्वरूप इतनी कम अवधि में 35 कविताएँ तथा 27 गद्य की रचनाएँ की।

'नदी के किनारे नदी है' तात्पर्य यह है कि एक तरफ एक छोटा सा गाँव 'वीरनब्ब' और दूसरी तरफ आविन्यों अपनी सहजता, सुन्दरता, नीरवता तथा संवेदनशीलता पर्यटकों को इस प्रकार भाव-विभोर करते हैं कि रोन नदी का कल-कल, छल-छल धारा स्थिर किंतु किनारा शांतिमान् प्रतित होता है।

लेखक स्वयं स्वीकार करता है कि नदी के समान ही कविता सदियों से हमारे साथ रही है। जिस प्रकार जहाँ-तहाँ से जल आकर नदि में मिलते रहते हैं और सागर में समाहित होते रहते हैं, उसी प्रकार कवि के हृदय में भिन्न-भिन्न प्रकार के भाव उठते रहते हैं और वहीं भाव काव्य रूप में परिणत होते रहते हैं।

निष्कर्षतः न तो नदी रिक्त होती है और न ही कविता शब्द रिक्त होती है । तात्पर्य यह कि सहृदय व्यक्ति प्राकृतिक सुन्दरता के आकर्षण से बच नहीं सकते।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)____दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. आविन्यों क्या है और वह कहाँ अवस्थित है? हर बरस आविन्यों में कब और कैसा समारोह हुआ करता है? (Text Book)

अथवा, प्रत्येक वर्ष आविन्यों में कब और कैसा समारोह हुआ करता है ? (2014A)

उत्तर- आविन्यों मध्ययुगीन ईसाई मठ है। यह दक्षिणी फ्रांस में रोन नदी के किनारे अवस्थित है। आविन्यों फ्रांस का एक प्रमुख कलाकेंद्र रहा है। यहाँ गर्मियों में फ्रांस और यूरोप का एक अत्यंत प्रसिद्ध और लोकप्रिय रंग-समारोह प्रतिवर्ष होता है।

प्रश्न 2. नदी के तट पर बैठे हुए लेखक को क्या अनुभव होता है? (Text Book)

उत्तर- नदी के तट पर बैठे हुए लेखक को लगता है कि जल स्थिर है और तट ही बह रहा है। उन्हें अनुभव हो रहा है कि वे नदी के साथ बह रहे हैं। नदी के पास रहने से लगता है कि स्वयं नदी हो गये हैं। स्वयं में नदी की झलक देखते हैं।

प्रश्न 3, नदी तट पर लेखक को किसकी याद आती है और क्यों ? (पाठ्य पुस्तक)

अथवा, आविन्यों पाठ के लेखक को नदी तट पर किसकी याद आती है और क्यों? (2014C)

उत्तर- नदी तट पर लेखक को विनोद कुमार शुक्ल की एक कविता याद आती है। क्योंकि लेखक नदी तट पर बैठकर अनुभव करते हैं कि वे स्वयं नदी हो गये हैं। इसी बात की पुष्टि करते हुए शुक्ल जी ने "नदी-चेहरा लोगों" से मिलने जाने की बात कहते हैं।

प्रश्न 4. किसके पास तटस्थ रह पाना संभव नहीं हो पाता और क्यों? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- नदी के किनारे और कविता के पास तटस्थ रह पाना संभव नहीं हो पाता। क्योंकि दोनों की अभिभूति से बची नहीं जा सकती। नदी और कविता में हम बरबस ही शामिल हो जाते हैं। निरन्तरता नदी और कविता दोनों में हमारी नश्वरता का अनन्त से अभिषेक करती है।

प्रश्न 5. लेखक आविन्यों क्या साथ लेकर गए थे और वहाँ कितने दिनों तक रहे? लेखक की उपलब्धि क्या रही। (पाठ्य पुस्तक 2015C)

उत्तर- लेखक आविन्यों में उन्नीस दिनों तक रहे । वे वहाँ अपने साथ हिंदी का टाइपराइटर, तीन-चार पुस्तकें और कुछ

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

संगीत के टेप्स ही ले गए थे। वे उस स्पष्ट एकांत में अपने में और लेखन में डूबे रहे। लेखक की उपलब्धि यही रही कि उन्होंने उन्नीस दिनों में पैंतीस कविताएँ और सत्ताईस गद्य रचनाएँ लिखी।

प्रश्न 6. मनुष्य जीवन से पत्थर की क्या समानता और विषमता है?

उत्तर- मानवीय जीवन में सुख और दुःख के समय व्यतीत होते हैं। जीवन परिवर्तनशील पथ पर अग्रसर होता है। मानव उतार-चढ़ाव देखता है। पत्थर भी मानव की तरह परिवर्तनशील समय का सामना करता है। पत्थर भी शीत और ताप दोनों का सान्निध्य पाता है। मानव अपनी प्राचीन गाथा को गाता है। पत्थर भी प्राचीनता को अपने में सहेजे रखता है। मानव अपनी भावनाओं को प्रकट करता है। परन्तु पत्थर मूक रहता है।

9. आविन्यों

प्रश्न 1.आविन्यों कहाँ स्थित है?
(क) इटली (ख) जर्मनी
(ग) जापान (घ) दक्षिणी फ्रांस
उत्तर-(घ) दक्षिणी फ्रांस

प्रश्न 2.लाशत्रुज क्या है?
(क) इमारत (ख) पर्वत
(ग) इसाई मठ (घ) मंदिर
उत्तर-(ग) इसाई मठ

प्रश्न 3.प्रगतिशील साहित्य का संबंध है?
(क) बौध दर्शन से (ख) वेदांत दर्शन से
(ग) मार्क्स के विचारों से (घ)इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(ख) वेदांत दर्शन से

प्रश्न 4.जारशाही .... में थी?
(क) सोवियत रूस (ख) फ्रांस
(ग) नेपाल (घ) चीन
उत्तर-(क) सोवियत रूस

प्रश्न 5. आन्द्रे ब्रेताँ, रेने शॉ और पाल एलुआर ने आविन्यों में रहकर संयुक्त रूप से लगभग कितनी कविताओं की रचना की?
(क) 20 (ख) 25
(ग) 30 (घ) 35
उत्तर-(ग) 30

प्रश्न 6.ल मादामोजेल द आविन्यों किसकी रचना है?
(क) लियानार्दो द विंची (ख) पिकासो
(ग) रवीन्द्रनाथ टैगोर (घ) विन्सेंट वैन गो
उत्तर-(ख) पिकासो

प्रश्न 7.'ला शत्रूज का धार्मिक उपयोग कब से कब तक होता रहा?
(क) ग्यारहवीं सदी से फ्रेंच क्रांति तक
(ख) बारहवीं सदी से फ्रेंच क्रांति तक
(ग) तेरहवीं सदी से फ्रेंच क्रांति तक
(घ) चौदहवीं सदी से फ्रेंच क्रांति तक
उत्तर-(घ) चौदहवीं सदी से फ्रेंच क्रांति तक

प्रश्न 8.आविन्यों में 19 दिनों के प्रवास के दौरान लेखक ने कितने गद्य की रचना की?
(क) 27 (ख) 28
(ग) 29 (घ) 30
उत्तर-(क) 27

प्रश्न 9.फ्रांस का प्रमुख केन्द्र रहा हैं ?
(क) एफिल टावर (ख) आविन्यो
(ग) दोनो (घ)इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(ख) आविन्यो

प्रश्न 10. पिकासो का प्रसिद्ध रचना का शीर्षक है ?
(क) ल मादामोजेल द अविन्यों
(ख) वीलनव्व ल अविन्यों
(ग) नदी के किनारे भी नदी हैं
(घ) ला शत्रूज
उत्तर-(क) ल मादामोजेल द अविन्यों

प्रश्न 11.अविन्यों किस नदी पर स्थित हैं ?
(क) रोन नदी पर (ख) सीन नदी पर
(ग) टेम्स नदी पर (घ) टोन नदी पर
उत्तर-(क) रोन नदी पर

प्रश्न 12.वील नव्व क्या है ?
(क) एक शहर (ख) एक छोटा सा गाँव
(ग) एक नदी (घ)एक झील
उत्तर-(ख) एक छोटा सा गाँव

प्रश्न 13.प्रत्येक वर्ष अविन्यों में कैसा समारोह आयोजित होता है ?

(क) रंग समारोह (ख) धार्मिक
(ग) विश्वकप (घ) राष्ट्रमंडल खेल
उत्तर-(क) रंग समारोह

प्रश्न 14.रोन नदी के किनारे बसे शहर का नाम है ?
(क) लंदन (ख) लाहौर
(ग) अविन्यों (घ) लखनऊ
उत्तर-(ग) अविन्यों

प्रश्न 15.लेखक कितने वर्ष पहले पहली बार अविन्यों गए थे ?
(क) 15 (ख) 5
(ग) 10 (घ) 12
उत्तर-(ग) 10

प्रश्न 16.लेखक अविन्यों क्या साथ लेकर आए थें ?
(क) कुर्सी (ख) पुस्तक, टाइपराइटर और टेप्स
(ग) मेज (घ) डंडा
उत्तर-(ख) पुस्तक, टाइपराइटर और टेप्स

प्रश्न 17.उगते हुए सूरज का देश किसे कहा जाता है ?
(क) जापान को (ख) नेपाल को
(ग) भूटान को (घ) इरान को
उत्तर-(क) जापान को

10. मछली

लेखक परिचय

लेखक का नाम- विनोद कुमार शुक्ल
जन्म- 1 जनवरी 1937 ई0 (83 वर्ष), राजनांदगाँव, छत्तीसगढ़
इन्होंने शिक्षा समाप्ति के बाद पेशा के रूप में प्राध्यापन को अपनाया। ये इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर थे। इन्हें 1990 ई० में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
रचनाएँ- जयहिंद, वह आदमी नया कोट पहनकर चला गया विचार की तरह, नौकर की कमीज, खिलेगा तो देखेंगे, दीवार में एक खिड़की रहती थी, पेड़ पर कमरा, महाविद्यालय आदि।
पाठ परिचय- प्रस्तुत पाठ 'मछली' कहानी संकलन 'महाविद्यालय' से ली गई है। इस कहानी में एक छोटे शहर के निम्न मध्यमवर्गीय परिवार के भीतर के वातावरण, जीवन यर्थाथ तथा संबंधों को आलोकित करती हुई लिंग-भेद को भी स्पर्श करती है।

पाठ का सारांश

प्रस्तुत पाठ 'मछली' संवेदना पूर्ण कहानी है। इसमें मछली के माध्यम से लोगों के मनोभाव को व्यक्त किया गया है।
बच्चे अपने पिता के साथ मछली खरीदने बाजार जाते हैं। तीन मछलीयाँ खरीदी जाती है, जिनमें एक खरीदने के वक्त ही मर गई थी। बच्चे झोले में मछलीयों को रखकर गली से होकर घर वापस लौटते हैं। बूंदे पड़ने के कारण बाजार में भीड़ घट रही थी। बच्चे भी इसलिए दौड़ रहे थे कि मछलीयाँ बिना पानी के झोले में ही न मर जाएँ। झोले में रखी तीन मछलीयों में से दो जीवित थी, उनकी तड़प के झटके बच्चे महसुस कर रहे थे।
अचानक जोरों से वर्षा होने लगी। बच्चे झोले के मुँह इसलिए फैला दिए कि मछलीयों में थोड़ा जान आ जाए, क्योंकि उनकी इच्छा थी की उनमें से एक मछली कुएँ मे पाली जाए और उसके साथ खेली जाए।
वर्षा में दोनों भाई भींगने से थर्र-थर कांपने लगे। स्नानघर का दरवाजा बंद करके तीनों मछलीयों को बाल्टी में डाल दिया। संतू ठंड से कांप रहा था। माँ की मार के भय से दोनों भाई कमीज एवं पेंट निचोड़कर बाल्टी के पास बैठ गये। संतु बड़े प्यार से मछली की ओर देख रहा था।
बड़े भाई ने कहा इसमें से जीवित एक मछली पिताजी से मांग लेंगे। संतू मछली को छूना चाहता था, किंतु काटने के डर से नहीं छूता था। तभी लेखक ने उसे छूने को कहा। उसने सहमते हुए एक मछली को छूआ, लेकिन डर कर अपना हाथ खींच लिया।
लेखक ने बाल्टी से मछली निकाली और पुनः बाल्टी में डाल दी। इस क्रम में मछली उछली तो पानी के छींटे उन पर पड़े। संतु चौककर पीछे हट गया।
लेखक मछली की आँखों में अपना छाया देखना चाहता था क्योंकि दीदी का कहना था कि मरी हुई मछली की आँखों में झाँकने से अपनी परछाई नहीं दिखती। इसलिए पहले संतु का झाँकने को कहा, किंतु उससे कोई जवाब नहीं मिला तो लेखक मछली को अपने चेहरे के समीप लाकर देखा तो उसे उसकी आँख में धुंधली-सी परछाई दिखी, लेकिन ये परछाई थी कि मछली के आँखों का रंग था, यह समझ नहीं पाया। इसके बाद दीदी को बुलाने को कहा, लेकिन दीदी के सोने की बात सुनकर वह आश्चर्य में पड़ गया। माँ को मसाला पीसते

हुए देखकर दुःखी हो गया कि मछली आज ही कट जाएगी। संतु भी उदास हो गया।

वर्षा बंद हो गई तब लेखक ने आँगन में जहाँ मछली काटी जाती थी, वहाँ धुला हुआ लकड़ी का तख्ता देखा। पास में थोड़ी चूल्हे की राख थी। स्नानघर का दरवाजा खुला हुआ था। माँ को मछली बनाना अच्छा नहीं लगता था। घर में पिताजी ही केवल मछली खाते थे। भग्गु ही मछली काटता तथा बनाता था। स्नानघर से भग्गु का मछली लाते देखकर लेखक के मन में उदासी छा गई, क्योंकि कुएँ में मछली पालने का उत्साह बुझ-सा रहा था। दीदी ने हम दोनों भाईयों को कपड़े पहनाए, बाल संवारे।

लेखक ने दीदी से कहा- ’दीदी ! आज मछली आई है। तीन हैं। एक शायद मर गयी है। उन्हें अभी भग्गु काटेगा। पहले दीदी चुप रही, फिर कमरे का दरवाजा बन्द करने की बात कहकर सो गई। भग्गु ने मछली के पूरे शरीर में राख मलकर फिर उसकी गर्दन काट डाली। तभी संतु एक मछली लेकर सरपट बाहर भागा।

भग्गु भी संतु से मछली छीनने दौड़ पड़ा। संतु दोनों हाथों से मछली को अपने पेट में छिपाए हुए था और भग्गु उससे मछली छीनने की कोशिश कर रहा था। उसे डर का था कि संतु कहीं मछली कुएँ में न डाल दें। वह पिताजी के डाँट के भय से परेशान था।

एक तरफ घर के अंदर पिताजी जोर-जोर से चिल्ला रहे थे, दूसरी ओर दीदी की सिसकियाँ बढ़ गई थी। पिताजी दहाड़कर कह रहे थे- ’भग्गु! अगर नहान घर में घुसे तो साले के हाथ-पैर तोड़कर बाहर फेंक देना। बाद में जो होगा मैं भुगत लूँगा।

भग्गु चुपचाप सिर हिलाकर चला गया। संतु डर से सहमा हुआ था और उसके कपड़े कीचड़ से गंदे हो गये थे। स्नानघर में ही नहीं, पूरे घर में मछलीयों जैसी गंध आ रही थी।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)____दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. मछली को छूते हुए संतू क्यों हिचक रहा था? (Text Book 2015A)

उत्तर- संतू मछलियों को छूते हुए हिचक रहा था, क्योंकि उसे डर था कि मछली काट लेगी।

प्रश्न 2. संतू मछली लेकर क्यों भागा? (2018A)

उत्तर- संतु मछली लेकर कुएँ में डालने के लिए भागा ताकि मछली जिन्दा होकर बड़ी हो जाए।

प्रश्न 3. मछलियाँ लिए घर आने के बाद बच्चों ने क्या किया? (Text Book)

उत्तर- मछलियों घर लाने के बाद बच्चों ने नहानघर में भरी हुई बाल्टी को आधी करके उसमें मछलियों को रख दिया।

प्रश्न 4. मछलियों को लेकर बच्चों की अभिलाषा क्या थी ? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- मछलियों को लेकर बच्चों के मन में अभिलाषा थी कि एक मछली पिताजी से माँगकर उसे कुएँ में डालकर बहुत बड़ी करेंगे।

प्रश्न 5. झोले में मछलियाँ लेकर बच्चे दौड़ते हुए पतली गली में क्यों घुस गए? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- झोले में मछलियाँ लेकर बच्चे दौड़ते हुए पतली गली में घुस गए, क्योंकि इस गली में घर नजदीक पड़ता था। दूसरे रास्तों में बहुत भीड़ थी।

प्रश्न 6. दीदी कहाँ थी और क्या कर रही थी? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- दीदी घर के एक कमरे में थी । वह लेटी हुई थी और सिसक-सिसककर रो रही थी। वह बार-बार हिचकी ले रही थी जिससे उसका शरीर सिहर उठता था।

प्रश्न 7, मछली के बारे में दीदी ने क्या जानकारी दी थी? बच्चों ने उसकी परख कैसे की? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- मछली के बारे में दीदी ने जानकारी दी थी कि मरी हुई मछली की आँख में अपनी परछाई नहीं दिखती है। बच्चों ने उसकी परख एक मृत मछली की आँख में झाँककर की।

प्रश्न 8, संतू क्यों उदास हो गया ? (Text Book)

उत्तर- संतू यह जानकर उदास हो गया था कि मछली कुछ देर बाद कट जायेगी। वह मछली को जीवित पालना चाहता था। मछली को विछुड़ते हुए जानकर वह दुःखी हो गया।

प्रश्न 9. अरे-अरे कहता हुआ भग्गू किसके पीछे भागा और क्यों ? (Text Book)

उत्तर- अरे अरे कहता हुआ भग्गू संतू के पीछे भागा क्योंकि संतू एक मछली को लेकर भाग रहा था। भग्गू को डर था कि संतु मछली को कुओं में डाल देगा जिसके चलते उसे डांट पड़ेगी। संतू से मछली लेने के लिए वह उसके पीछे भागा ।

प्रश्न 10. घर में मछली कौन खाता था और वह कैसे बनायी जाती थी? (Text Book)

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

उत्तर- घर में मछली केवल पिताजी खाते थे। मछली को उस घर का नौकर काटता था। उसे काटने के लिए अलग पाया था। पहले मछली को पत्थर पर पटककर मार दिया जाता था, फिर राख से मलने के बाद पाटा पर रखकर चाकु से काटा जाता था। मछली बनाने का कार्य नहानघर में होता था।

प्रश्न 11. मछली और दीदी में क्या समानता दिखलाई पड़ी? स्पष्ट करें। (Text Book 2013,C2014A)

उत्तर- आदमी के चंगुल में आकर मछली कटने को विवश थी। पानी के अभाव में अंगोछा में लिपटी मछली लहरा रही थी। दीदी कमरा में करवट लिए, पहनी हुई साड़ी को सर तक ओड़े, सिसक-सिसक कर रो रही थी। हिचकी लेते ही दीदी का पूरा शरीर सिहर उठता था। दीदी का सिहरना एवं मछली का लहराना दोनों में समानता दिखलाई पड़ी।

प्रश्न 12. पिताजी किससे नाराज थे और क्यों? (Text Book 2013C)

उत्तर- पिताजी नरेन से नाराज थे। क्योंकि, बच्चों मछलियों के चलते स्वयं परेशान रहे साथ ही भग्गू को भी परेशान किया। बच्चे मछली को पालना चाहते थे, कोमल मछली को कटते देख विह्वल हो उठा और बच्चा एक मछली को लेकर भाग गया। पीछे-पीछे भग्गू को भागना पड़ा। छीना-झपटी की स्थिति आई। पिताजी इन हरकतों के कारण नाराज हुए।

10. मछली

प्रश्न 1.नौकर की कमीज नामक उपन्यास किसकी रचना है ?
(क) कैलास वाजपेयी की
(ख) विनोद कुमार शुक्ल की
(ग) अशोक वाजपेयी की
(घ) अमरकांत की
उत्तर-(ख) विनोद कुमार शुक्ल की

प्रश्न 2.पेड पर कमरा किसकी रचना है ?
(क) विनोद कुमार शुक्ल (ख) अशोक वाजपेयी
(ग) अमरकांत (घ)यतीन्द्र मिश्र
उत्तर-(क) विनोद कुमार शुक्ल

प्रश्न 3. मछली कौन खाता था ?
(क) मम्मी (ख) पापा
(ग) दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(ख) पापा

प्रश्न 4.पीताजी ने बाजार से कितनी मछलियाँ खरीदी थी ?
(क) 3 (ख) 4 (ग) 2 (घ)5
उत्तर-(क) 3

प्रश्न 5.मछली कहानी में किस वर्ग का जीवन वर्णित है ?
(क) उच्च वर्ग का (ख) मध्यम वर्ग का
(ग) निम्न मध्यम वर्ग का (घ) निम्न वर्ग का
उत्तर-(ग) निम्न मध्यम वर्ग का

प्रश्न 6.लेखक अपनें पिता से क्या माँगना चाहता था ?
(क) खिलौने (ख) किताब
(ग) पैसे (घ) मछली
उत्तर-(घ) मछली

प्रश्न 7.लेखक को मछली खाने से किसने मना किया ?
(क) पिता (ख) माँ
(ग) भाई (घ) बहन
उत्तर-(ख) माँ

प्रश्न 8.मछली लेकर कौन भाग गया था ?
(क) संतू (ख) बंतू
(ग) भग्गू (घ) जग्गू
उत्तर-(क) संतू

प्रश्न 9.मछली कहानी के लेखक कौन है ?
(क) विजय कुमार शुक्ल
(ख) विनय कुमार शुक्ल
(ग) विनोद कुमार शुक्ल
(घ) विकास कुमार शुक्ल
उत्तर-(ग) विनोद कुमार शुक्ल

प्रश्न 10.मछली के लिए मसाला कौन पीस रही थी ?
(क) दादी (ख) नानी
(ग) दीदी (घ) माँ
उत्तर-(घ) माँ

प्रश्न 11.विनोद कुमार शुक्ल किस कृषि विश्वविधालय में एसोसिट प्रोफेसर थें ?
(क) संजय गाँधी (ख) राजीव गाँधी
(ग) इंदिरा गाँधी (घ) फिरोज गाँधी
उत्तर-(ग) इंदिरा गाँधी

प्रश्न 12.मछली शिर्षक कहानी में दीदी के प्रेमी का क्या नाम था ?

(क) संतू (ख) महेन्द्र
(ग) भग्गू (घ) नरेन
उत्तर-(घ) नरेन

प्रश्न 13.मछली पानी में रहती है इस वाक्य में 'में' किस कारक की विभक्ति है ?
(क) कर्ता (ख) कर्म
(ग) अधिकरण (घ) करण
उत्तर-(ग) अधिकरण

प्रश्न 14.संतू अचानक क्या लेकर भाग गया ?
(क) मछली (ख) खिलौना
(ग) रूमाल (घ) घड़ी
उत्तर-(क) मछली

प्रश्न 15.मछली किस प्रकार की कहानी है ?
(क) मनोवैज्ञानिक (ख) सामाजिक
(ग) ऐतिहासिक (घ) सांस्कृतिक
उत्तर-(ख) सामाजिक

प्रश्न 16.मछली शीर्षक पाठ में खरीदी गई मछली में कितनी मछली जिन्दा थी ?
(क) दो (ख) तीन (ग) चार (घ) पाँच
उत्तर-(क) दो

11. नौबतखाने में इबादत

लेखक परिचय

लेखक का नाम- यतीन्द्र मिश्र

जन्म- 12 अप्रैल 1977 ई0, (43 वर्ष), अयोध्या, उत्तर प्रदेश इन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ से हिंदी भाषा में एम० ए० किया। इस समय ये अर्द्धवार्षिक पत्रिका 'सहित' का संपादन कर रहे हैं। ये साहित्य और कलाओं के संवर्द्धन एवं अनुशीलन के लिए 'विमला देवी फाउंडेशन' का संचालन 1999 ई0 से कर रहे हैं।

रचनाएँ- इनके तीन काव्य-संग्रह प्रकाशित हुए हैं- यदा-कदा, अयोध्या तथा अन्य कविताएँ और ड्योढ़ी का आलाप । इन्होंने प्रख्यात शास्त्रीय गायिका गिरिजा देवी के जीवन और संगीत साधना पर एक पुस्तक 'गिरीजा' लिखी ।

पाठ परिचय- प्रस्तुत पाठ 'नौबतखाने में इबादत' प्रसिद्ध शहनाई वादक भारतरत्न उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ पर रोचक शैली में लिखा गया व्यक्तिचित्र है। इस पाठ में बिस्मिल्ला खाँ का जीवन- उनकी रुचियाँ, अंतर्मन की बुनावट, संगीत की साधना आदि गहरे जीवनानुराग और संवेदना के साथ प्रकट हुए हैं।

पाठ का सारांश

प्रस्तुत पाठ 'नौबतखाने में इबादत' में शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ की जीवनचर्या का उत्कृष्ट वर्णन किया गया है। इन्होंने किस प्रकार शहनाई वादन में बादशाहत हासिल की, इसी का लेखा-जोखा इस पाठ में है। 1916 ई० से 1922 ई० के आसपास काशी के पंचगंगा घाट स्थित बालाजी मंदिर के ड्योढ़ी के उपासना-भवन से शहनाई की मंगलध्वनि निकलती है। उस समय बिस्मिल्ला खाँ छः साल के थे। उनके बड़े भाई शम्सुद्दीन के दोनों मामा अलीबख्श तथा सादिक हुसैन देश के प्रसिद्ध सहनाई वादक थे।

उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ का जन्म डुमराँव (बिहार) में एक संगीत-प्रमी परिवार में 1916 ई0 में हुआ। इनके बचपन का नाम कमरूद्दीन था। वह छोटी उम्र में ही अपने ननिहाल काशी चले गये और वहीं अपना अभ्यास शुरू किया। 14 साल की उम्र में जब वह बालाजी के मंदिर के नौबतखाने में रियाज के लिए जाते थे, तो रास्ते में रसूलनबाई और बतूलनबाई का घर था। इन्होंने अनेक साक्षात्कारों में कहा है कि इन्ही दोनों गायिकी-बहनों के गीत से हमें संगीत के प्रति आसक्ति हुई।

शहनाई को 'शाहनेय' अर्थात् 'सुषिर वाद्यों में शाह' की उपाधि दी गई है। अवधी पारंपरिक लोकगीतों और चैती में शहनाई का उल्लेख बार-बार मिलता

बिस्मिल्ला खाँ 80 वर्षों से सच्चे सुर की नेमत माँग रहें हैं तथा इसी की प्राप्ति के लिए पाँचों वक्त नमाज और लाखों सजदे में खुदा के नजदिक गिड़गिड़ाते हैं। उनका मानना है कि जिस प्रकार हिरण अपनी नाभि की कस्तूरी की महक को जंगलों में खोजता फिरता है, उसी प्रकार कमरूद्दीन भी यहीं सोचते आया है कि सातों सुरों को बरतने की तमीज उन्हें सलीके से अभी तक क्यों नहीं आई।

बिस्मिल्ला खाँ और शहनाई के साथ जिस मुस्लिम पर्व का नाम जुड़ा है, वह मुहर्रम है। इस पर्व के अवसर पर हजरत इमाम हुसैन और उनके कुछ वंशजों के प्रति दस दिनों तक शोक मनाया जाता है। इस शोक के समय बिस्मिल्ला खाँ के खानदान का कोई भी व्यक्ति न तो शहनाई बजाता है और न ही किसी संगीत कार्यक्रम में भाग लेता है।

आठवीं तारीख खाँ साहब के लिए खास महत्त्व की होती थी। इस दिन वे खड़े होकर शहनाई बजाते और दालमंडी से फातमान के करीब आठ किलोमीटर की दूरी तक पैदल रोते हुए, नौहा बजाते थे।

बिस्मिल्ला खाँ अपनी पुरानी यादों का स्मरण करके खिल उठते थे। बचपन में वे फिल्म देखने के लिए मामू, मौसी तथा नानी से दो-दो पैसे लेकर सुलोचना की नई फिल्म देखने निकल पड़ते थे।

बिस्मिल्ला खाँ मुस्लमान होते हुए भी सभी धर्मों के साथ समान भाव रखते थे। उन्हें काशी विश्वनाथ तथा बालाजी के प्रति अपार श्रद्धा थी। काशी के संकटमोचन मन्दिर में हनुमान जयन्ती के अवसर पर वे शहनाई अवश्य बजाते थे। काशी से बाहर रहने पर वे कुछ क्षण काशी की दिशा में मुँह करके अवश्य बजाते थे।

उनका कहना था - 'क्या करें मियाँ, काशी छोड़कर कहाँ जाएँ, गंगा मइया यहाँ, बाबा विश्वनाथ यहाँ, बालाजी का मन्दिर यहाँ ।' काशी को संगीत और नृत्य का गढ़ माना जाता है। काशी में संगीत, भक्ति, धर्म, कला तथा लोकगीत का अद्भुत समन्वय है। काशी में हजारों सालों का इतिहास है जिसमें पंडित कंठे महाराज, विद्याधरी, बड़े रामदास जी और मौजद्दिन खाँ थे।

बिस्मिल्ला खाँ और शहनाई एक दुसरे के पर्याय हैं। बिस्मिल्ला खाँ का मतलब बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई।

एक शिष्या ने उनसे डरते-डरते कहा- 'बाबा आपको भारतरत्न मिल चूका है, अब आप फटी लुंगी न पहना करें।' तो उन्होंने कहा- 'भारतरत्न हमको शहनाई पर मिला है न कि लुंगी पर। लुंगीया का क्या है, आज फटी है तो कल सिल जाएगी। मालिक मुझे फटा सूर न बक्शें।

निष्कर्षतः बिस्मिल्ला खाँ काशी के गौरव थे। उनके मरते ही काशी में । संगीत, साहित्य और अदब की बहुत सारी परम्पराएँ लुप्त हो चुकी हैं। वे दो कौमों के आपसी भाईचारे के मिसाल थे। खाँ साहब शहनाई के बादशाह थे। यही कारण है कि इन्हें भारत रत्न, पद्मभूषण, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार तथा अनेक विश्वविद्यालय की मानद उपाधियाँ मिलीं। वे नब्बे वर्ष की आयु में 21 अगस्त, 2006 को खुदा के प्यारे हो गए।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)____दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. बिस्मिल्ला खाँ सजदे में किस चीज के लिए गिड़गिड़ाते थे? इससे उनके व्यक्तित्व का कौन-सा पक्ष उद्घाटित होता है? (Text Book)

उत्तर- बिस्मिल्ला खाँ जब इबादत में खुदा के समाने झुकते तो सजदे में गिड़गिड़ाकर खुदा से सच्चे सुर का वरदान माँगते । इससे पता चलता है कि खाँ साहब धार्मिक, संवेदनशील एवं निरभिमानी थे। संगीत-साधना हेतु समर्पित थे। अत्यन्त विनम्र थे ।

प्रश्न 2. सूषिर वाद्य किन्हें कहा जाता है? 'शहनाई' शब्द की व्यत्पत्ति किस प्रकार हुई है? (Text Book)

उत्तर- सुषिर वाद्य ऐसे वाद्य हैं, जिनमें नाड़ी (नरकट या रीड) होती है, जिन्हें फूंककर बजाया जाता है। अरब देशों में ऐसे वाद्यों को 'नय' कहा जाता है और उनमें शहनाई को 'शाहनेय' अर्थात् 'सूषिर वाद्यों में शाह' की उपाधि दी गई है, क्योंकि यह वाद्य मुरली, शृंगी जैसे अनेक वाद्यों से अधिक मोहक है।.

प्रश्न 3, 'संगीतमय कचौड़ी' का आप क्या अर्थ समझते हैं? (Text Book)

उत्तर- कुलसुम हलवाइन की कचौड़ी को संगीतमय कहा गया है। वह जब बहुत गरम घी में कचौड़ी डालती थी, तो उस समय छन्न से आवाज उठती थी जिसमें कमरुद्दीन को संगीत के आरोह-अवरोह की आवाज सुनाई देती थी। इसीलिए कचौड़ी को 'संगीतमय कचौड़ी' कहा गया है।

प्रश्न 4. डुमराँव की महत्ता किस कारण से है? (पाठ्य पुस्तक, 2012A,2015A)

उत्तर- डुमराँव की महत्ता शहनाई के कारण है। प्रसिद्ध शहनाईवादक बिस्मिल्ला खाँ का जन्म डुमराँव में हुआ था। शहनाई बजाने के लिए जिस 'रीड' का प्रयोग होता है, जो एक विशेष प्रकार की घास 'नरकट' से बनाई जाती है, वह डुमराँव में सोन नदी के किनारे पाई जाती है।

प्रश्न 5. बिस्मिल्ला खाँ जब काशी से बाहर प्रदर्शन करते थे तो क्या करते थे? इससे हमें क्या सीख मिलती है? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- बिस्मिल्ला खाँ जब कभी काशी से बाहर होते तब भी काशी विश्वनाथ को नहीं भूलते। काशी से बाहर रहने पर वे उस दिशा में मुँह करके थोड़ी देर तक शहनाई अवश्य बजाते

Excellence Coaching Institute Guided By - Nabeel Alam

थे। इससे हमें धार्मिक दृष्टि से उदारता एवं समन्वयता की सीख मिलती है। हमें धर्म को लेकर किसी प्रकार का भेद-भाव नहीं रखना चाहिए।

प्रश्न 4. डुमराँव की महत्ता किस कारण से है?
(पाठ्य पुस्तक, 2012A,2015A)

उत्तर- डुमराँव की महत्ता शहनाई के कारण है। प्रसिद्ध शहनाईवादक बिस्मिल्ला खाँ का जन्म डुमराँव में हुआ था। शहनाई बजाने के लिए जिस 'रीड' का प्रयोग होता है, जो एक विशेष प्रकार की घास 'नरकट' से बनाई जाती है, वह डुमराँव में सोन नदी के किनारे पाई जाती है।

प्रश्न 5. बिस्मिल्ला खाँ जब काशी से बाहर प्रदर्शन करते थे तो क्या करते थे? इससे हमें क्या सीख मिलती है? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- बिस्मिल्ला खाँ जब कभी काशी से बाहर होते तब भी काशी विश्वनाथ को नहीं भूलते। काशी से बाहर रहने पर वे उस दिशा में मुँह करके थोड़ी देर तक शहनाई अवश्य बजाते थे। इससे हमें धार्मिक दृष्टि से उदारता एवं समन्वयता की सीख मिलती है। हमें धर्म को लेकर किसी प्रकार का भेद-भाव नहीं रखना चाहिए।

प्रश्न 6. पठित पाठ के आधार पर बिस्मिल्ला खाँ के बचपन का वर्णन करें। (Text Book)

उत्तर- कमरुद्दीन यानी उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ चार साल की उम्र में ही नाना की शहनाई को सुनते और शहनाई को ढूँढते थे। उन्हें अपने मामा का सान्निध्य भी बचपन में शहनाईवादन की कौशल विकास में लाभान्वित किया। 14 साल की उम्र में वे बालाजी के मंदिर में रियाज़ करने के क्रम में संगीत साधना करते और आगे चलकर महान कलाकार हुए।

प्रश्न 8. पठित पाठ के आधार पर मुहर्रम पर्व से बिस्मिल्ला खाँ के जुड़ाव का परिचय दें। (Text Book)

उत्तर- मुहर्रम से बिस्मिल्ला खाँ का अत्यधिक जुड़ाव था । मुहर्रम के महीने में वे न तो शहनाई बजाते थे और न ही किसी संगीत-कार्यक्रम में सम्मिलित होते थे। मुहर्रम की आठवीं तारीख को बिस्मिल्ला खाँ खड़े होकर ही शहनाई बजाते थे। वे दालमंडी में फातमान के लगभग आठ किलोमीटर की दूरी तक रोते हुए नौहा बजाते पैदल ही जाते थे।

11. नौबतखाने में इबादत

प्रश्न 1.नौबतखाने में इबादत हैं ?
(क) ललित रचना (ख) साक्षात्कार
(ग) निबंध (घ) व्यक्ति चित्र
उत्तर-(घ) व्यक्ति चित्र

प्रश्न 2.सुषिर वाधो मे शाह की उपाधि प्राप्त है ?
(क) तबला (ख) बाँसुरी
(ग) ढोलक (घ) शहनाई
उत्तर-(घ) शहनाई

प्रश्न 3.बिस्मिल्लाह खाँ का संबंध है ?
(क) बाँसुरी से (ख) हारमोनियम से
(ग) तबला से (घ) शहनाई से
उत्तर-(घ) शहनाई से

प्रश्न 4.नौगतखाने में इबादत पाठ के केन्द्र में है ?
(क) बिरजू महाराज (ख) बिस्मिल्लाह खाँ
(ग) जाकिर हुसैन (घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(ख) बिस्मिल्लाह खाँ

प्रश्न 5.बिस्मिल्लाह खाँ के पिता का क्या नाम था ?
(क) सलार हुसैन खाँ (ख) पैगम्बर बक्स खाँ
(ग) अली बक्स खाँ (घ) सदिक हुसैन
उत्तर-(ख) पैगम्बर बक्स खाँ

प्रश्न 6.बिस्मिल्ला खाँ के बचपन का नाम क्या था?
(क) अजहर (ख) अमीरूद्दीन
(ग) शम्सुद्दीन (घ) गयासुद्दीन
उत्तर-(ख) अमीरूद्दीन

प्रश्न 7.रसूलनबाई थी ?
(क) नर्तकी (ख) गायिका (ग) कवयित्रि (घ) लेखिका
उत्तर-(ख) गायिका

प्रश्न 8.बिसमिल्लाह खाँ के शहनाई के साथ किस मुस्लिम पर्व का नाम जुडा हुआ है ?
(क) ईद (ख) बकरीद (ग) शबे बारात (घ) मुहर्रम
उत्तर-(घ) मुहर्रम

प्रश्न 9.काशी किसकी पाठशाला है ?
(क) संस्कृति की (ख) नृत्य की
(ग) नर्त्तन की (घ)वादन की
उत्तर-(क) संस्कृति की

प्रश्न 10.बिस्मिल्लाह खाँ दर्शको से कौन सी दूआ ईश्वर से माँग रहे है ?

(क) सुख सुविधा की (ख) सम्मान की
(ग) सच्चे सुर की नेमत की (घ) मुक्ति की
उत्तर-(ग) सच्चे सुर की नेमत की

प्रश्न 11.अमिरूद्दीन नाम किसका था ?
(क) मिट्ठन मियाँ का (ख) बिस्मिल्लाह खाँ का
(ग) अलीबक्स का (घ) जमाल शेख का
उत्तर-(ख) बिस्मिल्लाह खाँ का

12. शिक्षा और संस्कृति

लेखक परिचय

लेखक का नाम- महात्मा गाँधी
जन्म-2 अक्टूबर, 1869 ई० पोरबंदर, गुजरात
मृत्यु- 30 जनवरी, 1948 ई०, नई दिल्ली
पिता- करमचन्द गाँधी
माता- पुतली बाई

इन्होंने हाई स्कुल तक की शिक्षा स्थानीय स्कूलों में पाई तथा वकालत की पढ़ाई इंगलैंड से की। वहाँ से लौटने पर भारत में वकालत शुरू की। किंतु कुछ ही दिनों के बाद एक धनी व्यवसायी के मुकदमे के क्रम में दक्षिण अफ्रीका गए। वहाँ प्रवासी भारतीयों की दुर्दशा देखकर उनके उद्धार के लिए 'सत्याग्रह' आंदोलन चलाया।

1915 ई० में भारत आए तो इन्होंने देशवासियों को पराधीनता से मुक्ति दिलाने के लिए अहिंसा आधारित सत्याग्रह करने का मंत्र दिया। फलस्वरूप अंग्रेजों को अपना बोरिया-बिस्तर समेटकर यहाँ से जाना पड़ा। देश को 15 अगस्त, 1947 के दिन फिरंगियों से मुक्ति दिलाई। इनकी मृत्यु 30 जनवरी, 1948 ई० को गोली लगने से हुई।

रचनाएँ- गाँधी जी ने 'हिन्द स्वराज' तथा 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग' पुस्तकें लिखीं तथा हरिजन, यंग इंडिया आदि पत्रिकाओं का संपादन किया।

पाठ-परिचय- प्रस्तुत पाठ में शिक्षा और संस्कृति पर महात्मा गाँधी के विचार प्रस्तुत किया गया है। लेखक ने नैतिक शिक्षा पर जोर दिया है।

पाठ का सारांश

प्रस्तुत पाठ 'शिक्षा और संस्कृति' महात्मा गाँधी द्वारा लिखा गया है। इसमें लेखक ने सच्ची दिशा एवं भारतीय संस्कृति की विशेषताओं पर प्रकाश डाला है। लेखक वैसी शिक्षा को सच्ची शिक्षा मानता है जिसमें प्रेम से घृणा को, सत्य से असत्य को तथा कष्ट सहन से हिंसा को जीतने की शक्ति हो। लेखक की राय में सच्ची शिक्षा का अर्थ अपनी इन्द्रीयों का ठीक-ठीक उपयोग करना आनी चाहिए।

लेखक ऐसी शिक्षा प्रारंभ करने के हिमायती हैं जिसमें तालीम के साथ-साथ उत्पादन करने की क्षमता प्राप्त हो सके।

लेखक ने चरित्र निर्माण को शिक्षा का ध्येय माना है। उनका तर्क है कि इससे साहस, बल, सदाचार तथा आत्मोत्सर्ग की शक्ति का विकास करने में मदद मिलेगी। वह साक्षरता से ज्यादा महत्वपूर्ण है। लेखक का यह भी कहना है कि यदि व्यक्ति चरित्र निर्माण करने में सफल हो जाता है, तो समाज अपना दायित्व स्वयं संभाल लेगा।

संस्कृति संबंधी विषय में उनका तर्क था कि संसार की किसी भाषाओं में, जो ज्ञान का भंडार भरा है, उसे अपनी ही भाषा में प्राप्त करें।

लेखक का यह भी मानना है कि किसी दूसरी संस्कृति को जानने से पहले अपनी संस्कृति का ज्ञान होना आवश्यक है। तभी दूसरों की संस्कृति समझना उचित होगा, क्योंकि हमारी संस्कृति इतनी समृद्ध है कि दुनिया में कोई भी संस्कृति इतनी समृद्ध नहीं है।

देश के भावी संस्कृति के बारे में लेखक का कहना है कि यदि दूसरी संस्कृति का बहिष्कार किया जाता है तो अपनी संस्कृति जिंदा नहीं रह पाती। हमारी संस्कृति की विशेषता है कि हमारे पूर्वज एक-दूसरे के साथ बड़ी आजादी के साथ मिल गए। हमलोग उसी मिलावट की उपज हैं।

लेखक की सलाह है कि साहित्य में रुचि रखने वाले हमारे युवा स्त्री-पुरूष संसार की हर भाषाओं को सिखें तथा अपनी विद्वता का लाभ भारत और संसार को सुबाष चन्द्र बोस तथा रविन्द्र नाथ टैगोर की तरह दें। किंतु अपनी भाषा तथा धर्म का त्याग न करें। हमारी संस्कृति विविध संस्कृतियों के सामंजस्य की प्रतिक है। इसमें प्रत्येक संस्कृति के लिए उचित स्थान सुरक्षित है।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)___दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. इंद्रियों का बुद्धिपूर्वक उपयोग सीखना क्यों जरूरी है? (Text Book)

उत्तर- इन्द्रियों का बुद्धिपूर्वक उपयोग उसकी बुद्धि के विकास का जल्द-से-जल्द और उत्तम तरीका है।

प्रश्न 2. गाँधीजी बढ़िया शिक्षा किसे कहते हैं ?

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

(Text Book 2013A,2015A)

उत्तर- अहिंसक प्रतिरोध को गाँधीजी बढ़िया शिक्षा कहते हैं। यह शिक्षा अक्षर-ज्ञान से पूर्व मिलना चाहिए।

प्रश्न 3. गांधीजी के अनुसार शिक्षा का जरूरी अंग क्या होना चाहिए? (2018A)

उत्तर- गाँधीजी के अनुसार शिक्षा का जरूरी अंग यह होना चाहिए कि बालक जीवन-संग्राम में प्रेम से घृणा को, सत्य से असत्य को और कष्ट-सहन से हिंसा को आसानी के साथ जीतना सीखें।

प्रश्न 4. मस्तिष्क और आत्मा का उच्चतम विकास कैसे संभव है ? (Text Book)

उत्तर- शिक्षा का प्रारंभ इस तरह किया जाए कि बच्चे उपयोगी दस्तकारी सीखें और जिस क्षण से वह अपनी तालीम शुरु करें उसी क्षण उन्हें उत्पादन का काम करने योग्य बना दिया जाए। इस प्रकार की शिक्षा-पद्धति में मस्तिष्क और आत्मा का उच्चतम विकास संभव है।

प्रश्न 5. शिक्षा का ध्येय गाँधीजी क्या मानते थे और क्यों? (पाठ्य पुस्तक, 2012A,2014C)

उत्तर- शिक्षा का ध्येय गाँधीजी चरित्र-निर्माण करना मानते थे। उनके विचार से शिक्षा के माध्यम से मनुष्य में साहस, बल, सदाचार जैसे गुणों का विकास होना चाहिए, क्योंकि चरित्र-निर्माण होने से सामाजिक उत्थान स्वयं होगा । साहसी और सदाचारी व्यक्ति के हाथों में समाज के संगठन का काम आसानी से सौंपा जा सकता है।

प्रश्न 6. गांधीजी किस तरह के सामंजस्य को भारत के लिए बेहतर मानते हैं और क्यों? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- गाँधीजी भिन्न-भिन्न संस्कृतियों के सामंजस्य को भारत के लिए बेहतर मानते हैं, क्योंकि भिन्न-भिन्न संस्कृतियों के सामंजस्य भारतीय जीवन को प्रभावित किया है और स्वयं भी भारतीय जीवन से प्रभावित हुई है। यह सामंजस्य कुदरती तौर पर स्वदेशी ढंग का होगा, जिसमें प्रत्येक संस्कृति के लिए अपना उचित स्थान सुरक्षित होगा।

प्रश्न 7. गाँधीजी कताई और धुनाई जैसे ग्रामोद्योगों द्वारा सामाजिक क्रांति कैसे संभव मानते थे? (Text Book)

उत्तर- कताई और धुनाई जैसे ग्रामोद्योगों के संबंध में गाँधीजी की कल्पना थी कि यह एक ऐसी शांत सामाजिक क्रांति की अग्रदूत बने। जिसमें अत्यंत दूरगामी परिणाम भरे हुए हैं। इससे नगर और ग्राम के संबंधों का एक स्वास्थ्यप्रद और नैतिक आधार प्राप्त होगा और समाज की मौजूदा आरक्षित अवस्था और वर्गों के परस्पर विषाक्त संबंधों की कुछ बड़ी-से-बड़ी बुराइयों को दूर करने में बहुत सहायता मिलेगी। इससे ग्रामीण जन-जीवन विकसित होगा और गरीब-अमीर का अप्राकृतिक भेद नहीं रहेगा।

प्रश्न 8. अपनी संस्कृति और मातृभाषा की बुनियाद पर दूसरी संस्कृतियों और भाषाओं से संपर्क क्यों बनाया जाना चाहिए? गाँधीजी की राय स्पष्ट कीजिए। (Text Book)

उत्तर- गाँधीजी के विचारानुसार अपनी मातृभाषा के माध्यम बनाकर हम अत्यधिक विकास कर सकते हैं। अपनी संस्कृति के माध्यम से जीवन में तेज गति से उत्थान किया जा सकता है। दूसरी संस्कृति की अच्छी बातों को अपनाने में परहेज नहीं किया जाय । बल्कि अपनी संस्कृति एवं भाषा को आधार बनाकर अन्य भाषा एवं संस्कृति को भी अपने जीवन से युक्त करें।

प्रश्न 9. गाँधीजी देशी भाषाओं में बड़े पैमाने पर अनुवाद-कार्य क्यों आवश्यक मानते थे? (Text Book)

उत्तर- गाँधीजी का मानना था कि देशी भाषाओं में अनुवाद के माध्यम से किसी भी भाषा के विचारों को तथा ज्ञान को आसानी से ग्रहण किया जा सकता है। अंग्रेजी या संसार के अन्य भाषाओं में जो ज्ञान-भंडार पड़ा है, उसे अपनी ही मातृभाषा के द्वारा प्राप्त करना सरल है। सभी भाषाओं से प्राप्त ज्ञान के लिए अनुवाद की कला परमावश्यक है। अतः इसकी आवश्यकता बड़े पैमाने पर है।

प्रश्न 10. दूसरी संस्कृति से पहले अपनी संस्कृति की गहरी समझ क्यों जरूरी है? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- दूसरी संस्कृतियों की समझ और कद्र स्वयं अपनी संस्कृति की कद्र होने और उसे हजम कर लेने के बाद होनी चाहिए, पहले हरगिज नहीं। कोई संस्कृति इतने रत्न-भण्डार से भरी हुई नहीं है जितनी हमारी अपनी संस्कृति है। सर्वप्रथम हमें अपनी संस्कृति को जानकर उसमें निहित बातों को अपनाना होगा। इससे चरित्र-निर्माण होगा जो संसार के अन्य संस्कृति से कुछ सीखने की क्षमता प्रदान करेगा।

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

प्रश्न 11.गाँधीजी अफ्रिका से लौटकर कब आए थे ?
(क) 1916 ई0 में (ख) 1915 ई0 में
(ग) 1917 ई0 में (घ)1914 ई0 में
उत्तर-(ख) 1915 ई0 में
प्रश्न 2. शेक्यपीयर किस भाषा के कवि है ?
(क) ग्रीक (ख) अँग्रेजी
(ग) फ्रेंच (घ) संस्कृत
उत्तर-(ख) अँग्रेजी
प्रश्न 3.गाँधीजी की दृष्टि में उदात्त और बढिया शिक्षा क्या है ?
(क) अहिंसक प्रतिरोध (ख) अक्षर ज्ञान
(ग) अनुवाद (घ) अँग्रेजी की शिक्षा
उत्तर-(क) अहिंसक प्रतिरोध
प्रश्न 4.शिक्षा और संस्कृति के लेखक कौन है ?
(क) महात्मा गाँधी (ख) सेक्सपीयर
(ग) टॉल्स्टॉय (घ) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(क) महात्मा गाँधी
प्रश्न 5.गाँधीजी दक्षिण अफ्रिका में कब से कब तक रहे ?
(क) 1893 से 1914 तक
(ख) 1895 से 1916 तक
(ग) 1897 से 1918 तक
(घ)1899 से 1920 तक
उत्तर-(क) 1893 से 1914 तक
प्रश्न 6.आध्यात्मिक शिक्षा से गाँधीजी का क्या अभिप्राय है ?
(क) पुस्तक की शिक्षा (ख) यंत्रो की शिक्षा
(ग) बुद्धी की शिक्षा (घ) हृदय की शिक्षा
उत्तर-(घ) हृदय की शिक्षा
प्रश्न 7.महात्मा गाँधी के पिता का क्या नाम था ?
(क) धरमचंद गाँधी (ख) मीरचंद गाँधी
(ग) हरचंद गाँधी (घ) करमचंद गाँधी
उत्तर-(घ) करमचंद गाँधी
प्रश्न 8.कौन चाहते थे की सभी देशो की संस्कृति की हवा उनकी घर के पास बहती रहे ?
(क) राजेन्द्र प्रसद (ख) नेहरू
(ग) मेहात्मा गाँधी (घ)सरदार पटेल
उत्तर-(ग) मेहात्मा गाँधी
प्रश्न 9.मेरा धर्म कैदखाने का धर्म नही है यह पंक्ति किस शीर्षक पाठ की है ?
(क) नौबतखाने की दबादत (ख) अविन्यों
(ग) शिक्षा और संस्कृति (घ) जित-जित मे निरखत हूँ
उत्तर-(ग) शिक्षा और संस्कृति
प्रश्न 10.किनके जन्म दिवस को अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है ?
(क) महात्मा गाँधी (ख) डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद
(ग) जवाहरलाल नेहरू (घ) बाल गंगाधर तिलक
उत्तर-(क) महात्मा गाँधी

पद्य –खण्ड

1. पद

राम नाम बिनु बिरथे जगि जनमा
जो नर दुख में दुख नहीं माने

लेखक परिचय

जन्म- 15 अप्रैल 1469 ई0, नानकाना साहिब, पंजाब, पाकिस्तान
मृत्यु- 22 सितंबर 1539 ई०, करतारपुर
पिता- कालूचंद खत्री, माँ- तृप्ता
इनके पिता ने इन्हें व्यवसाय में लगाने का काफी प्रयास किया, लेकिन इनका मन सांसारिक कार्य में नहीं रमा। इन्होंने हिन्दु-मुस्लिम दोनों को समान धार्मिक उपासना पर बल दिया तथा वर्णाश्रम व्यवस्था एवं कर्मकाण्ड के विरोध करके निर्गुण भक्ति का प्रचार किया।
'सिख धर्म' के प्रवर्त्तक गुरुनानक ने मक्का-मदीना तक की यात्रा की। इन्होंनें 1539 ई० में वाहे गुरु कहते हुए अपना भौतिक शरीर का त्याग कर दिया।
पाठ परिचय— इस पाठ में सच्चे हृदय से राम नाम अर्थात् ईश्वर का जप करने की सलाह दी गई है तो बाह्य आडंबर, पूजा-पाठ और कर्म-काण्ड की कड़ी आलोचना की गई है। सुख-दुख में हमेशा एकसमान रहने की सलाह दी गई है।

प्रथम पद

राम नाम बिनु बिरथे जगि जनमा।
बिखु खावै बिखु बोलै बिनु नावै निहफलु मटि भ्रमना ।।
पुसतक पाठ व्याकरण बखाणै संधिया करम निकाल करै।
बिनु गुरुसबद मुकति कहा प्राणी राम नाम बिनु अरुझि मरै।।

अर्थ— गुरु नानक कहते हैं कि जो राम के नाम का स्मरण नहीं करता है, उसका संसार में आना और मानव शरीर पाना व्यर्थ चला जाता है। बिना कुछ बोले बिष का पान करता है तथा मयारूपी मृगतृष्णा में भटकता हुआ मर जाता है अर्थात् राम का गुणगान न करके मायाजाल में फँसा रहता है। शास्त्र-पुराण की चर्चा करता है, सुबह, शाम एवं दोपहर तीनों समय संध्या बंदना करता है। नानक लोगों से कहता है कि गुरु (भगवान) का भजन किए बिना व्यक्ति को संसार से मुक्ति नहीं मिल सकती तथा सांसारिक मायाजाल में उलझकर रह जाना पड़ता है।

डंड कमंडल सिखा सूत धोती तीरथ गबनु अति भ्रमनु करै।
राम नाम बिनु सांति न आवै जपि हरि-हरि नाम सु पारि परै।।
जटा मुकुट तन भसम लगाई वसन छोड़ि तन मगन भया।।
जेते जिअ जंत जल थल महिअल जत्र तत्र तू सरब जिआ।
गुरु परसादि राखिले जन कोउ हरिरस नामक झोलि पीया।

अर्थ— ऐसे प्राणी बाहरी दिखावा के लिए डंडा, कमंडल, शिखा, जनेऊ तथा गेरुआ वस्त्र धारण कर तीर्थ यात्रा करते रहते हैं, लेकिन राम नाम का भजन किए बिना जीवन में शांति नहीं मिलती है। भगवान का नाम ले लेकर पैर पुजाते हैं। वे अपने को संत कहलाने के लिए जटा को मुकुट बनाकर, शरीर में राख लगाकर, वस्त्रों को त्यागकर नग्न हो जाते हैं। संसार में जितने जीव-जन्तु हैं, उन जीवों में जन्म लेते रहते हैं। इसलिए लेखक कहते हैं कि भगवान की कृपा को ध्यान में रखकर नानक ने राम का घोल पी लिया, ताकि असार संसार से मुक्ति मिल जाए।

द्वितीय पद

जो नर दुख में दुख नहीं मानै।
सुख सनेह अरु भय नहिं जाके, कंचन माटी जानै।।
नहिं निंदा नहिं अस्तुति जाके, लोभ मोह अभिमाना।
हरष सोक तें रहै नियारो, नाहि मान अपमाना।।
आसा मनसा सकल त्यागि कै जग तें रहै निरासा।

अर्थ— गुरु नानक कहते हैं कि जो मनुष्य दुख को दुख नहीं मानता है, जिसे सुख-सुविधा के प्रति कोई आसक्ति नहीं है और न ही किसी प्रकार का भय है, जो सोना को मिट्टी जैसा मानता है। जो किसी की निंदा से न तो घबड़ाता है और न ही प्रशंसा सुनकर गौरवान्वित होता है। जो लाभ, मोह एवं अभिमान से परे है। जो हर्ष एवं विषाद दोनों में एक-सा रहता है, जिसके लिए मान-अपमान दोनों बराबर हैं। जो आशा-तृष्णा से मुक्त होकर सांसारिक विषय-वासनाओं से अनासक्त रहता है।

काम क्रोध जेहि परसे नाहिन तेहि घट ब्रह्म निवासा।।
गुरु कृपा जेहि नर पै कीन्हीं तिन्ह यह जुगति पिछानी।
नानक लीन भयो गोबिन्द सो ज्यों पानी संग पानी।।

जिसने काम-क्रोध को वश में कर लिया है, वैसे मनुष्य के हृदय में ब्रह्म का निवास होता है। अर्थात् जो मनुष्य राग-द्वेष, मान-अपमान, सुख-दुख, निंदा-स्तुति हर स्थिति में एक समान रहता है, वैसे मनुष्य के हृदय में ब्रह्म निवास करते हैं।

गुरु नानक का कहना है कि जिस मनुष्य पर ईश्वर की कृपा होती है, वह सांसारिक विषय-वासनाओं से स्वतः मुक्ति पा जाता है। इसीलिए नानक ईश्वर के चिंतन में लीन होकर उस प्रभु के साथ एकाकार हो गये। यानी आत्मा परमात्मा से मिल गई, जैसे पानी के साथ पानी मिलकर एकाकार हो जाता है।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)____दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. कवि किसके बिना जगत् में यह जन्म व्यर्थ मानता है? (Text Book, 2016A)

उत्तर- कवि राम नाम के बिना जगत् में यह जन्म व्यर्थ मानता है।

प्रश्न 2. वाणी कब विष के समान हो जाती है? (Text Book)

उत्तर- जिस वाणी से राम नाम का उच्चारण नहीं होता है, अर्थात भगवत् नाम के बिना वाणी विष के समान हो जाती है।

प्रश्न 3. हरि रस से कवि का अभिप्राय क्या है? (Text Book)

उत्तर- कवि राम नाम की महिमा का बखान करते हुए कहते हैं कि भगवान के नाम से बढ़कर अन्य कोई धर्मसाधना नहीं है। भगवत् कीर्तन से प्राप्त परम आनंद को हरि रस कहा गया है।

प्रश्न 4. नाम-कीर्तन के आगे कवि किन कर्मों की व्यर्थता सिद्ध करता है? (Text Book)

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

उत्तर- पुस्तक-पाठ, व्याकरण के ज्ञान का बखान, दंड कमण्डल धारण करना, शिखा बढ़ाना, तीर्थ-भ्रमण, जटा बढ़ाना, तन में भस्म लगाना, वस्त्रहीन होकर नग्न-रूप में घूमना इत्यादि कर्म कवि के अनुसार नाम कीर्तन के आगे व्यर्थ हैं।

प्रश्न 5. प्रथम पद के आधार पर बताएँ कि कवि ने अपने युग में धर्मसाधना के कैसे-कैसे रूप देखे थे? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- प्रथम पद में कवि के अनुसार शिखा बढ़ाना, ग्रंथों का पाठ करना, भस्म लगाकर साधुवेश धारण करना, तीर्थ करना, दंड कमण्डलधारी होना, वस्त्र त्याग करके नग्नरूप में घूमना कवि के युग में धर्म साधना के रूप रहे हैं।

प्रश्न 6. कवि की दृष्टि में ब्रह्म का निवास कहाँ है? अथवा, गुरुनानक की दृष्टि में ब्रह्म का निवास कहाँ है? (2016C)

उत्तर- जो प्राणी सांसारिक विषयों की आसक्ति से रहित है, जो मान-अपमान से परे है, हर्ष-शोक दोनों से जो दूर है, उन प्राणियों में ही ब्रह्म का निवास बताया गया है। काम, क्रोध, लोभ, मोह जिसे नहीं छूते वैसे प्राणियों में निश्चित ही ब्रह्म का निवास है।

प्रश्न 7. गुरु की कृपा से किस युक्ति की पहचान हो पाती है? (Text Book)

उत्तर- कवि कहते हैं कि ब्रह्म से साक्षात्कार करने हेतु लोभ, मोह, ईर्ष्या, द्वेष, निंदा आदि से दूर होना आवश्यक है। ब्रह्म की सान्निध्य के लिए सांसारिक विषयों से रहित होना अत्यन्त जरूरी है। ब्रह्म-प्राप्ति की इसी युक्ति की पहचान गुरुकृपा से हो पाती है।

प्रश्न 8. 'राम नाम बिनु बिरथे जगि जनमा' पद का मुख्य भाव क्या है? (2018A)

उत्तर- गुरुनानक ने इस पद में पूजा-पाठ, कर्मकांड और बाह्य वेश-भूषा की निरर्थकता सिद्ध करते हुए सच्चे हदय से राम-नाम के स्मरण और कीर्तन का महत्त्व प्रतिपादित किया है क्योंकि नाम कीर्तन से ही व्यक्ति को सच्ची शांति मिलती है और वह इस दुखमय जीवन के पार पहुँच पाता है।

प्रश्न 9. आधुनिक जीवन में उपासना के प्रचलित रूपों को देखते हुए नानक के इन पदों की क्या प्रासंगिकता है ? अपने शब्दों में विचार करें। (Text Book)

उत्तर- नानक के पद में वर्णित राम-नाम की महिमा आधुनिक जीवन में प्रासंगिक है। हरि-कीर्तन सरल मार्ग है जिसमें न अत्यधिक धन की आवश्यकता है. न ही कोई बाह्याडम्बर की। आज भगवत् नामरूपी रस का पान किया जाये तो जीवन में उल्लास, शांति, परमानन्द, सुख तथा ईश्वरीय अनुभूति को सरलता से प्राप्त किया जा सकता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. किसके बिना प्राणी को मुक्ति नहीं मिलती ?
(क) कर्म कांड के बिना
(ख) मूर्ति पूजन के बिना
(ग) चारो धाम की यात्रा के बिना
(घ) गुरू ज्ञान के बिना
उत्तर- (घ) गुरू ज्ञान के बिना

प्रश्न 2. राम नाम बिनु बिरथे जगि जन्मा पद में किसकी अलोचना की गई है ?
(क) बाह्याडंबर की (ख) राम नाम की
(ग) गुरू ज्ञान की (घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (क) बाह्याडंबर की

प्रश्न 3. गुरू नानक किस भक्तिधारा के कवि है ?
(क) सगुण भक्तिधारा (ख) निर्गुण भक्तिधारा
(ग) राम भक्तिधारा (घ) कृष्ण भक्तिधारा
उत्तर- (क) सगुण भक्तिधारा

प्रश्न 4. राम नाम बिनु बिरथे जगि जन्मा यह पंक्ति -----की है ?
(क) गुरूनानक (ख) रसखान
(ग) घनानंद (घ) प्रेमघन
उत्तर- (ख) रसखान

प्रश्न 5. वाणी कब विष के समान हो जाती है ?
(क) राम नाम के बिना (ख) तीर्थ यात्रा के बिना
(ग) ज्ञान के बिना (घ) इनमें से कोई नही
उत्तर- (क) राम नाम के बिना

प्रश्न 6. गुरू नानक का जन्म कब हुआ ?
(क) 1467 (ख) 1468 (ग) 1469 (घ) 1470
उत्तर- (ग) 1469

प्रश्न 7. गुरू नानक की पत्नी का क्या नाम था ?
(क) सुलक्षणी (ख) सुलोचना
(ग) सरला (घ) सुलोचनी

Excellence Coaching Guided By

उत्तर- (क) सुलक्षणी

प्रश्न 8. गुरू नानक पंजाबी के इलावे और किस भाषा के कविताएँ लिखें ?

(क) उडिया (ख) हिन्दी

(ग) बंगाली (घ) मराठी

उत्तर- (ख) हिन्दी

प्रश्न 9. आसादीवार किस कवि के रचना है ?

(क) रसखान (ख) कुँवर नारायण

(ग) रामधारी सिंह दिनकर (घ) गुरू नानक

उत्तर- (घ) गुरू नानक

प्रश्न 10. गुरू नानक ने किस धर्म का प्रवत्तन किया ?

(क) सिख धर्म का (ख) हिन्दू धर्म का

(ग) ईसाई धर्म का (घ) हिन्दू धर्म का

उत्तर- (क) सिख धर्म का

2. प्रेम-अयनि श्री राधिका

करील के कुजंन ऊपर वारौं

लेखक परिचय

लेखक- रसखान

पूरा नाम- सैय्यद इब्राहिम खान

इनका जन्म 1548 ई० में एक पठान परिवार में दिल्ली में हुआ था।

इनकी मृत्यु 1628 ई० में हो गई थी।

यह दिल्ली में पठान राजवंश में उत्पन्न हुए थे। दिल्ली पर जब मुगलों का अधिकार हो गया, तो यह दिल्ली भाग खड़े हुए और ब्रजभूमि में आकर कृष्णभक्ति में लीन हो गए। रसखान मूल रूप से मुसलमान थे, फिर भी इन्होंने जीवन भर कृष्णभक्ति का गान किया।

गोस्वामी विट्ठलनाथ जी ने कृष्ण के प्रति इनकी भक्ति देखकर अपना शिष्य बना लिया। बचपन से ही यह प्रेमी स्वभाव के थे। बाद में यहीं प्रेम ईश्वरीय (अलौकिक) प्रेम में बदल गया। कृष्ण भक्ति से उत्प्रेरित हो कर ब्रजभूमि में रहने लगे और मृत्यु तक वहीं रहे।

रसखान कृष्ण का लीला पदों में नहीं, बल्कि सवैयों (हिंदी का एक वार्णिक छंद जिसमें चार पंक्तियाँ होती हैं।) में किया है।

प्रमुख रचनाएँ- सुजान रसखान तथा प्रेमवाटिका

पाठ परिचय— प्रस्तुत पाठ हिंदी के लोकप्रिय कवि रसखान द्वारा रचित है। प्रथम पद दोहा और सोरठा में संकलित है और द्वितीय छंद सवैयों में संकलित है। प्रथम पद में कवि राधा-कृष्ण के प्रेममय जोड़ी को दिखाया है तथा द्वितीय पद सवैया में कृष्ण और उपने ब्रज पर अपना सबकुछ न्योछावर करने की बात करते हैं। कवि ब्रज में जीना चाहता है। इसमें कवि ब्रज के प्रति अपना समर्पण व्यक्त करता है।

प्रथम पद

प्रेम-अयनि श्री राधिका, प्रेम-बरन नँदनंद।
प्रेम-बाटिका के दोऊ, माली-मालिन-द्वन्द्व।।
मोहन छबि रसखानि लखि अब दृग अपने नाहिं।
अँचे आवत धनुस से छूटे सर से जाहिं।।

रसखान कवि कहते हैं कि राधिका प्रेम का खजाना और श्रीकृष्ण (नंद के बेटा) प्रेम का रूप है। प्रेम रूपी बाग में दोनों माली-मालीन के समान है। एक बार मोहन (श्रीकृष्ण) का रूप देखने के बाद दूसरारूप देखने का मन नहीं करता है। अर्थात आँखें इन्हीं दोनों को देखती रहती है। रसखान ने जब से कृष्ण के छवि को देखा है। उसका नयन अपना नहीं है। क्षण भर के लिए आते हैं और जैसे धनुष से बाण छूटता है, उसी प्रकार आते-जाते रहते हैं।

मो मन मानिक लै गयो चितै चोर नँदनंद।
अब बे मन मैं का करूँ परी फेर के फंद।।
प्रीतम नन्दकिशोर, जा दिन तै नैननि लग्यौ।
मन पावन चितचोर, पलक ओट नहिं करि सकौं।

अर्थ— मेने मन को श्रीकृष्ण ने चूरा लिया है। जिसके कारण अब मैं बेमन हो गया हूँ। मेरा मन इच्छा रहित हो गया है। मैं श्रीकृष्ण के प्रेम की जाल में बुरी तरह फंस गया हूँ। लेखक अपनी अपनी विवशता प्रकट करते हुए कहते हैं कि जिस दिन सें मैंने प्रेमी श्रीकृष्ण को देखा हूँ, उसने मेरा मन चुरा लिया है। हर पल कृष्ण एवं राधा की सुदंरता को बिना पलक झपकाए देखते रहते हैं।

द्वितीय छंद

या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँ पुर की तजि डारौं।
आठहुँ सिद्धि नवोनिधि को सुख नन्द की गाइ चराई बिसारौं।।

कवि रसखान अपने दिल की अभिलाषा प्रकट करते हुए कहते हैं कि अगर श्रीकृष्ण की लाठी और कंबल मिल जाए तो मैं तीनों लोक के राज्य का त्याग कर दूँगा। अगर केवल नंद

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

बाबा की गाय चराने को मिल जाए, जिसे कृष्ण चराते थे तो आठों सिध्दियाँ और नौ निधियों के सुख को भी भूला दूँगा।

रसखानी कबौं इन आँखिन सौं ब्रज के बनबाग तड़ाग निहारौं।

कोटिक रौ कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं।।

कवि का कहना है कि जब से मेरी आँखों ने ब्रज के जंगलों, निकुंजों (वन-वाटिका या फुलवारी या उपवन), तालाबों तथा करील (एक प्रकार की काँटेदार झाड़ी), के सघन कुँजों (. झाड़ियों, लताओं आदि से घिरा स्थान; वह जगह जहाँ लताएँ छाई हों) को देखा है, तब से यही इच्छा होती है कि ऐसे मनोहर निकुंजों की सुन्दरता के सामने करोड़ों महल बहुत नीच प्रतीत होते हैं। अर्थात ऐसे कीमती महल को छोड़कर कृष्ण जहाँ रासलीला करते थे, वहीं निवास करूँ।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)—दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. कवि ने स्वयं को बेमन का क्यों कहा है?

(2018C)

उत्तर- कवि रसखान का मन मोहन की छवि में डूब गया है। उस नंद के चहेते वे रसखान के मन का मणि यानी चित हर लिया है, इसलिए कवि अब बिना मन का यानी बेमन हो गया है।

प्रश्न 2. कृष्ण को चोर क्यों कहा गया है?

(पाठ्य पुस्तक, 2018A)

उत्तर- कवि कृष्ण और राधा के प्रेम में मनमुग्ध हो गये हैं। उनकी मनमोहक छवि को देखकर मन पूर्णतः उस युगल में रम जाता है। इसलिए इन्हें लगता है इस देह से मनरूपी मणि को कृष्ण ने चुरा लिया है।

प्रश्न 3.कवि ने माली-मालिन किन्हें और क्यों कहा है?

अथवा, रसखान ने माली-मलिन किन्हें और क्यों कहा है?

(Text Book, 2012A, 2015A, 2015C,2014C)

उत्तर- कवि ने माली-मालिन कृष्ण और राधा को कहा है। क्योंकि, कवि राधा-कृष्ण के प्रेममय युगल को प्रेम-भरे नेत्र से देखा है। यहाँ प्रेम को वाटिका मानते हैं और उस प्रेम-वाटिका के माली-मालिन कृष्ण-राधा को मानते हैं।

प्रश्न 4. रसखान रचित सवैये का भावार्थ अपने शब्दों में लिखें। (पाठ्य पुस्तक, 2012A,2014C)

उत्तर- रसखान रचित सवैये में ब्रजभूमि के प्रति उनका हार्दिक प्रेम प्रकट होता है। सवैये में उन्होंने कहा है कि ब्रजभूमि की एक-एक वस्तु, स्थान, सरोवर, कँटीली झाड़ियाँ सुखदायक हैं क्योंकि यहाँ ब्रह्म के अवतार श्रीकृष्ण अवतरित हुए।

प्रश्न 5. रसखान के द्वितीय दोहे का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट करें? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- प्रस्तुत दोहे में सवैये छन्द में भाव के अनुसार भाषा का प्रयोग अत्यन्त मार्मिक है। सम्पूर्ण छन्द में ब्रजभाषा की सरलता, सहजता और मोहकता देखी जा सकती है। कहीं-कहीं तद्भव और तत्सम के सामासिक रूप भी मिल रहे हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. रसखान के रचनाकाल के समय किसका राज्यकाल था ?

(क) अकबर (ख) हूमायूँ

(ग) जहाँगीर (घ) औरंजेब

उत्तर- (ग) जहाँगीर

प्रश्न 2. किसने कहा था- मुसलमान हरिजनन पै कोटी हिन्दू वारिये ?

(क) निराला (ख) भारतेन्दु हरिशचंद्र

(ग) रामविलास शर्मा (घ) रामचंद्र शुक्ल

उत्तर- (ख) भारतेन्दु हरिशचंद्र

प्रश्न 3. रसखन को पुष्टि मार्ग की किसने शिक्षा दी ?

(क) वल्लभाचार्य (ख) गोकुलनाथ

(ग) गोस्वामी विट्ठलनाथ (घ) गोरखनाथ

उत्तर- (ग) गोस्वामी विट्ठलनाथ

प्रश्न 4. रसखान दिल्ली के बाद कहाँ चले गए ?

(क) बनारस (ख) ब्रजभूमि

(ग) महरौली (घ) हस्थिनापुर

उत्तर- (ख) ब्रजभूमि

प्रश्न5. डॉ. विजयेन्द्र के अनुसार रसखान की मृत्यु कब हुई?

(a) 1616 ई. में (b) 1618 ई. में

(c) 1620 ई० में (d) 1622 ई. में पर

उत्तर-(b) 1618 ई. में

प्रश्न6. 'रसखान' का जन्म कब हुआ?

(a) 1531 ई. में (b) 1533 ई. में

(c) 1535 ई० में (d) 1537 ई. में

उत्तर-(b) 1533 ई. में

प्रश्न7. 'दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता' के आधार पर रसखान का जन्म कहाँ हुआ था ?
(a) पंजाब (b) लाहौर
(c) उत्तर प्रदेश (d) दिल्ली
उत्तर-(d) दिल्ली

प्रश्न8. 'प्रेम अयनि श्री राधिका' में कितने दोहे संकलित है?
(a) दो (b) तीन
(c) चार (d) पाँच
उत्तर-(c) चार

प्रश्न9. 'करील के कुंजन ऊपर वारौं' के अन्तर्गत कितने सवैया संकलितहैं?
(a) एक (b) दो (c) तीन (d) चार
उत्तर-(a) एक

प्रश्न10. 'दानलीला' मे कितने छन्द संकलित हैं?
(a) नो (b) ग्यारह (c) तेरह (d) पन्द्रह
उत्तर-(b) ग्यारह

प्रश्न11. राधा-कृष्ण' के संवाद को किस पद्य-प्रबंध में संकलित किया गया है?
(a) सुजान रसखान (b) अष्टयाम
(c) दानलीला (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(c) दानलीला

प्रश्न12. 'मालिन-माली' किसे कहा गया है? 21 (A)
(a) राधा-कृष्ण (b) सीता-राम
(c) पार्वती-शिव (d) लक्ष्मी-विष्णु
उत्तर-(a) राधा-कृष्ण

प्रश्न13. इस पाठ में 'चितचोर' (चोर) किसे कहा गया है? [19 (C)]
(a) राधा को (b) कृष्ण को (c) रसखान को (d) सभी
उत्तर-(b) कृष्ण को

प्रश्न14. रसखान किस विषय में सिद्ध थे?
(a) सवैया-छन्द में (b) धारा काव्य में
(c) मुक्तक में (d) रीतिमुक्त काव्यधारा में
उत्तर-(a) सवैया-छन्द में

प्रश्न15. 'सुजान रसखान' किनकी रचना है?
(a) सुजान की (b) रसखान की
(c) मियाजान की (d) नसीर की
उत्तर-(b) रसखान की

प्रश्न16. सवैया एवं छंद के सिद्ध कवि थे:
(a) रसखान (b) अनामिका
(c) प्रेमघन (d) जीवनानंद दास
उत्तर-(a) रसखान

प्रश्न17. सम्प्रदायमुक्त कृष्णभक्त कवि कौन थे?
(a) रसखान (b) सुमित्रानंदन पंत
(c) प्रेमघन (d) वीरेन डंगवाल
उत्तर-(a) रसखान

प्रश्न18. 'रसखान' की कृति है :.
(a) प्रेम वाटिका (b) दोहाकोश
(c) मृच्छकटिकम् (d) पृथ्वीराज रासो
उत्तर-(a) प्रेम वाटिका

प्रश्न19. आधुनिक काल के साहित्यकार हैं:
(a) रसखान (b) रैदास
(c) विट्ठलनाथ (d) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
उत्तर- (d) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

प्रश्न20. 'प्रेम-वरन' का अर्थ है:
(a) प्रेम का वर्णन करना
(b) प्रेम के रंग
(c) प्रेम की पूजा करना
(d) प्रेम का अंधा होना
उत्तर- (b) प्रेम के रंग

प्रश्न21. 'माली-मालिन' कौन-सा समास है ?
(a) द्विगु (b) अव्ययीभाव
(c) तत्पुरुष (d) द्वन्द्व
उत्तर- (d)द्वन्द्व

3. पद

अति सूधो सनेह को मारग है
मो अँसुवानिहिं लै बरसौ

लेखक परिचय

लेखक का नाम- घनानंद
जन्म- 1673 ई०
मृत्यु- 1739 ई०, मथुरा में

घनानंद तत्कालीन मुगल बादशाह मोहम्मद शाह रंगीले के यहाँ मीर मुंशी थे। ये अच्छे गायक और श्रेष्ठ कवि थे। कहा जाता है कि ये सुजान नामक नर्तकी से काफी प्रेम करते थे।

Excellence Coaching Institute Guided By - Neeraj Alam

विराग होने पर ये वृंदावन चले गये तथा वैष्णव संप्रदाय में दीक्षित होकर काव्य रचना करने लगे।

1739 ई० में नादिरशाह ने जब दिल्ली पर आक्रमण किया तब उसके सिपाहियों ने मथुरा एवं वृंदावन पर भी धावा बोल दिया। घनानंद को बादशाह का मीरमुंशी समझकर उन्हें सैनिकों ने मार डाला।

रचनाएँ- सुजानसागर, विरहलीला, रसकेलि बल्ली।

कविता परिचय- प्रस्तुत पाठ में घनानंद के दो छंद संकलित है। प्रथम छंद में कवि ने प्रेम के सीधे, सरल और निश्छल मार्ग के विषय में बताया है। तो द्वितीय छंद में विरह वेदना से व्यथित अपने हृदय की पीड़ा को कलात्मक रंग से अभिव्यंजित किया है।

प्रथम छंद

अति सूधो सनेह का मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहाँ साँचे चलैं तजि आपनपौ झझुकैं कपटी जे निसाँक नहीं।।

कवि घनानंद कहते हैं कि प्रेम का मार्ग अति सीधा और सुगम होता है जिसमें थोड़ा भी टेढ़ापन या धूर्तता नहीं होती है। उस पथ पर वहीं व्यक्ति चल सकता है जिसका हृदय निर्मल है तथा अपने आप को पूर्णतः समर्पित कर दिया है।

'घनआनँद' प्यारे सुजान सुनौ यहाँ एक तैं दूसरो आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाटी पढ़े हौ कहौ मन लेहु पै देहु छटाँक नहीं।।

कवि घनानंद कहते हैं- हे सज्जन लोगों ! सुनो, सगुण और निर्गुण से कोई तुलना नहीं है। तुमने तो ऐसा पाठ पढ़ा है कि मन भर लेते हो किन्तु छटाँक भर नहीं देते हो। अतः कवि का कहना है कि गोपियाँ कृष्ण-प्रेम में मस्त होने के कारण उधो की बातों पर ध्यान नहीं देती, बल्कि प्रेम की विशेषता पर प्रकाश डालती हुई कहती है कि भक्ति का मार्ग सुगम होता है, ज्ञान का मार्ग कठिन होता है।

द्वितीय छंद

परकाजहि देह को धारि फिरौ परजन्य जथारथ ह्वै दरसौ।
निधि-नीर सुधा की समान करौ सबही बिधि सज्जनता सरसौ।।

कवि घनानंद कहते हैं कि दूसरे के उपकार के लिए शरीर धारण करके बादल के समान फिरा करो और दर्शन दो। समुद्र के जल को अमृत के समान बना दो तथा सब प्रकार से अपनी सज्जनता का परिचय दो।

'घनआनँद' जीवनदायक हौ कछू मेरियौ पीर हिएँ परसौ।
कबहूँ वा बिसासी सुजान के आँगन मो अँसुवानिहिं लै बरसौ।।

कवि घनानंद का आग्रह है कि उनकी हार्दिक पीड़ा का अनुभव करते हुए उन्हें जीवन रस प्रदान करो, ताकि वह कभी भी अपनी प्रेमिका सुजान के आँगन में उपस्थित हो कर अपने प्रेमरूपी आँसु की वर्षा करें।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)____दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. "मन लेह पै देहु छटाँक नहीं" से कवि का क्या अभिप्राय है? (Text Book 2017A)

उत्तर- कवि कहते हैं कि प्रेमी में देने की भावना होती है लेने की नहीं। प्रेम में प्रेमी अपनी इष्ट को सर्वस्व न्योछावर करके अपने को धन्य मानते हैं। इसमें संपूर्ण समर्पण की भावना उजागर किया गया है।

प्रश्न 2. कवि प्रेममार्ग को 'अति सूधो' क्यों कहता है? इस मार्ग को विशेषता क्या है?

(पाठ्य पुस्तक, 2013A)

उत्तर- कवि प्रेम की भावना को अमृत के समान पवित्र एवं मधुर बताते है। ये कहते हैं कि प्रेममार्ग पर चलना सरल है। इसपर चलने के लिए बहुत अधिक छल-कपट की आवश्यकता नहीं है।

प्रश्न 3. घनानन्द के द्वितीय छंद किसे संबोधित है. और क्यों ? (Text Book)

उत्तर- द्वितीय छंद बादल को संबोधित है। इसमें मेघ की अन्योक्ति के माध्यम से विरह-वेदना की अभिव्यक्ति है। मेघ का वर्णन इसलिए किया गया है कि मेघ विरह-वेदना में आँसु की धारा प्रवाहित करने का जीवंत उदाहरण है।

प्रश्न 4. परहित के लिए ही देह कौन धारण करता है ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा, घनानंद के अनुसार पर-हित के लिए ही देह कौन धारण करता है? स्पष्ट कीजिए।

(पाठ्य पुस्तक, 2016A,2016C)

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

उत्तर- परहित के लिए ही देह बादल धारण करता है। बादल जल की वर्षा करके सभी प्राणियों को जीवन देता है, प्राणियों में सुख-चैन स्थापित करता है। उसके विरह के आँसू, अमृत की वर्षा कर जीवनदाता हो जाता है।

प्रश्न 5. कवि कहाँ अपने आँसुओं को पहुंचाना चाहता है, और क्यों ? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- कवि अपनी प्रेमिका सुजान के लिए विरह-वेदना को प्रकट करते हुए बादल से अपने प्रेम रूपी आँसुओं को पहुंचाने के लिए कहता है। वह अपने आँसुओं को सुजान के आँगन में पहुँचाना चाहता है, क्योंकि वह उसकी याद में पीड़ित है और अपनी व्यथा के आँसुओं से प्रेमिका को भिगो देना चाहता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न1. घनानंद (घन आनंद) किस काल के कवि हैं ?

(a) भक्तिकाल (b) आदिकाल
(c) रीतिकाल (d) आधुनिक काल
उत्तर-(c) रीतिकाल

प्रश्न2. 'सुजानसागर' किसकी कृति है?

(a) मतिराम (b) घनानंद (c) देव (d) केशवदास
उत्तर-(b) घनानंद

प्रश्न3. किसे 'प्रेम की पीर' का कवि कहा जाता है ?

(a) मीरा (b) महादेवी वर्मा (c) घनानंद (d) सूरदास
उत्तर-(c) घनानंद

प्रश्न4. 'लाक्षणिक मूर्तिमत्ता और प्रयोग वैचित्र्य' के कवि कौन हैं ?

(a) तुलसीदास (b) सूरदास (c) बिहारी (d) घनानंद
उत्तर-(d) घनानंद

प्रश्न5. रीतिमुक्त काव्यधारा के सिरमौर कवि किसे कहा जाता है?

(a) बिहारी (b) घनानंद (c) पद्माकर (d) मतिराम
उत्तर-(b) घनानंद

प्रश्न6..घनानंद की भाषा क्या है? 18 (A) I, 21 (A)

(a) अवधी (b) ब्रजभाषा (c) प्राकृत (d) पाली
उत्तर-(b) ब्रजभाषा

प्रश्न7. 'प्रेमधन' किस युग के कवि थे ?

(a) आदिकाल (b) भक्तिकाल
(c) भारतेन्दु युग (d) छायावादी युग
उत्तर-(c) भारतेन्दु युग

प्रश्न8. कवि 'प्रेमधन' के अनुसार भारत में आज कौन-सी वस्तु दिखाईनहीं पड़ती?

(a) भारतीयता (b) कदाचारिता
(c) पत्रकारिता (d) अंग्रेजी
उत्तर- (a) भारतीयता

प्रश्न9. घनानंद किससे प्रेम करते थे?

(a) कलावती नामक नर्तकी से
(b) रेशमा नामक नर्तकी से
(c) सुजान नामक नर्तकी से
(d) सलमा नामक नर्तकी से
उत्तर-(c) सुजान नामक नर्तकी से

प्रश्न10. घनानंद कवि हैं:

(a) पीर के (b) सुख के (c) द्वेष के (d) चित्त के
उत्तर-(a) पीर के

प्रश्न11. मुगल बादशाह मुहम्मदशाह रँगीले के यहाँ क्या काम करते थे?

(a) सलाहकार का (b) मीरमुंशी का
(c) कोषाध्यक्ष का (d) मजदूरी का
उत्तर-(b) मीरमुंशी का

प्रश्न12. परहित्त के लिए देह कौन, धारण करता है?

(a) सूर्य (b) धरती (c) चन्द्रमा (d) बादल
उत्तर-(d) बादल

प्रश्न13. कवि अपने आँसुओं को कहाँ पहुँचाना चाहता है?

(a) सुजान के आँगन में (b) सुजान के दिल में।
(c) सुजान के हथेली पर (d) इनमें सभी
उत्तर-(a) सुजान के आँगन में

प्रश्न14. 'नि:स्वार्थ भाव से, निश्चल होकर अपने को समर्पित कर देना' किसका कथन है?

(a) सुजान का (b) घनानंद का
(c) मुहम्मदशाह का (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(b) घनानंद का

प्रश्न15. घनानंद की महत्त्वपूर्ण रचना है।

(a) सुधा (b) वैराग्य (c) सुजानसागर (d) इनमें सभी
उत्तर-(c) सुजानसागर

प्रश्न16. 'घनानंद ग्रंथावली' का सम्पादन किसने किया था ?

Excellence Coaching Institute Guided By - Nisar Alam

(a) रसखान (b) सुजान (c) नादिरशाह (d) विश्वनाथ मिश्र
उत्तर-(d) विश्वनाथ मिश्र

प्रश्न17. घनानंद की कीर्ति का आधार है:
(a) सुजानहित (b) घन आनंद कवित्त
(c) 'a' और 'b' दोनों (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(c) 'a' और 'b' दोनों

प्रश्न18. 'मो अँसुवानिहिं लै बरसौ' में किसकी बात कही गई है ?
(a) प्रेम वेदना (b) विरह वेदना
(c) 'a' और 'b' दोनों (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(b) विरह वेदना

प्रश्न19. घनानंद के अनुसार, "प्रेम का मार्ग' कैसा होता है?
(a) सीधा और सरल (b) कठिन और जटिल
(c) सीधा और सुखदायी (d) कठिन और दुखदायी
उत्तर- (a) सीधा और सरल

प्रश्न20. कवि प्रेममार्ग को 'अति सूधो' कहता है क्योंकि: [18 (C)]
(a) यहाँ तनिक भी चतुराई काम नहीं करती
(b) यहाँ सच्चाई भी अपना घमंड त्याग कर चलती है
(c) यहाँ कपटी लोग चलने से झिझकते हैं
(d) उपर्युक्त सभी
उत्तर-(d) उपर्युक्त सभी

प्रश्न21. घनानंद किनके द्वारा मारे गए ?[21 (A) II]
(a) सुजान के पहरेदार द्वारा
(b) मुहम्मदशाह के सैनिकों द्वारा
(c) नादिरशाह के सैनिकों द्वारा
(d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(c) नादिरशाह के सैनिकों द्वारा

प्रश्न22. 'घनानन्द' की मृत्यु कब हुई?
(a) 1737 ई. में (b) 1739 ई. में
(c) 1741 ई. में (d) 1743 ई० में
उत्तर-(b) 1739 ई. में

प्रश्न23. कवि ने 'घरजन्य' किसे कहा है?[18 (A) II
(a) कृष्ण (b) सुजान (c) बादल (d) हवा
उत्तर-(c) बादल

प्रश्न24. घनानंद का जन्म हुआ था:
(a) 1689 ई. के आस-पास
(b) 1687 ई. के आस-पास
(c) 1688 ई. के आस-पास
(d) 1690 ई. के आस-पास
उत्तर-(a) 1689 ई. के आस-पास

प्रश्न25. 'रज' का अर्थ है:
(a) धूल (b) गिट्टी (c) कंकड़ (d) पत्थर
उत्तर-(a) धूल

प्रश्न26. घनानंद काव्य में किन शैलियों का प्रयोग मिलता है:
(a) ऋजु शैली (b) वक्र शैली
(c) 'a' एवं 'b' (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(c) 'a' एवं 'b'

प्रश्न27. ऐकांतिक और एकांगी प्रेम के कवि है:
(a) घनानन्द (b) रसखान (c) गुरुनानक (d) प्रेम धन
उत्तर-(a) घनानन्द

प्रश्न28. शंकालु हृदय नहीं कर सकता :
(a) घृणा (b) प्रेम (c) ईर्ष्या (d) अहिंसा
उत्तर-(b) प्रेम

प्रश्न29. घनानंद की भाषा है:
(a) शुद्ध (b) परिष्कृत (c) अशुद्ध
(d) (a) और (b) दोनों
उत्तर-(d) (a) और (b) दोनों

प्रश्न30. 'अति सूधो सनेह को मारग है, जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।' यह पंक्ति किस कवि की है? [19(A) 1, 21 (A)D]
(a) गुरुनानक (b) प्रेमधन
(c) रसखान (d) घनानंद
उत्तर-(d) घनानंद

प्रश्न31, घनानंद कवि हैं:[19 (A) I]
(a) रीतिमुक्त (b) रीतिबद्ध
(c) रीतिसिद्ध (d) छायावादी
उत्तर-(a) रीतिमुक्त

प्रश्न32. 'मो अँसुवनिहि लै बरसौ' कौन कहते हैं ?[20 (A) II]
(a) रसखान (b) गुरुनानक (c) घनानंद (d) दिनकर
उत्तर-(c) घनानंद

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

प्रश्न33. घनानंद ने किस मार्ग को अत्यंत सीधा व सरल कहा है? [19 (C)]

(a) क्रोध (b) प्रेम (c) घृणा (d) कपट

उत्तर-(b) प्रेम

प्रश्न34. वियोग में सच्चा प्रेमी जो वेदना सहता है, उसके चित्त में जो विभिन्न तरंगें उठती है-का चित्रण किया है— [21 (A) I]

(a) घनानंद ने (b) अनामिका ने

(c) रेनर मारिया मिल्के ने (d) वीरेन डंगवाल ने

उत्तर-(a) घनानंद ने

4. स्वदेशी

लेखक परिचय

लेखक- बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

जन्म- 1 सितम्बर 1855 ई0 में मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

मृत्यु- 1922 ई0 में

यह काव्य और जीवन दोनों क्षेत्रों में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को अपना आदर्श मानते थे।

इन्होनें भारत के विभिन्न स्थानों का भ्रमण किया था। 1874 ई0 में इन्होनें मिर्जापूर में रसिक समाज की स्थापना किया। ये साहित्य सम्मेलन के कलकत्ता अधिवेशन के सभापति भी रहे। इनकी रचनाएँ 'प्रेमघन सर्वस्व' में संगृहित हैं।

प्रमुख रचनाएँ- भारत सौभाग्य तथा प्रयाग रामागमन इनके प्रसिद्ध नाटक हैं। इन्होनें 'जीर्ण जनपद' नामक नाटक लिखा जिसमें ग्रामीण जीवन का यर्थाथवादी चित्रण है।

कविता परिचय- प्रस्तुत कविता 'स्वदेशी' प्रेमघन द्वारा लिखित रचनाएँ 'प्रेमघन सर्वस्व' से संकलित है। इन दोहों में नवजागरण का स्वर मुखरित है। दोहों की विषय-वस्तु और काव्य वैभव कविता के स्वदेशी भाव को स्पष्ट करते हैं। कवि की चिंता आज के परिवेश में भी प्रासंगिक है।

सबै बिदेसी वस्तु नर, गति रति रीत लखात।
भारतीयता कछु न अब भारत म दरसात।।

कवि प्रेमघन कहते हैं कि पराधीनता के कारण सर्वत्र विदेशी वस्तुएँ ही दिखाई पड़ती हैं। लोगों के चाल-चलन तथा रीति-रिवाज बदल गए हैं। दुःख है कि लोगों में भारतीयता की भावना मर गई है। देश-प्रेम की भावना देश में कहीं भी दिखाई नहीं देती।

मनुज भारती देखि कोउ, सकत नहीं पहिचान।
मुसल्मान, हिंदू किधौं, कै हैं ये क्रिस्तान।।
पढ़ि विद्या परदेश की, बुद्धि विदेशी पाय।
चाल-चलन परदेश की, गई इन्हैं अति भाय।।

कवि कहता है कि अंग्रजी शासनकाल में हिंदु-मुसलमान दोनों के रहन-सहन, खान-पान, विद्या-व्यवसाय, चाल-चलन तथा आचरण बदल गए हैं। विदेशी भाषा पढ़ने के कारण अपनी संस्कृति, भाषा सबका त्याग कर विदेशी चाल-चलन अपना लिए हैं।

ठटे विदेशी ठाट सब, बन्यो देश विदेस।
सपनेहूँ जिनमें न कहुँ, भारतीयता लेस।।
बोलि सकत हिंदी नहीं, अब मिलि हिंदू लोग।
अंगरेजी भाखन करत, अंग्रेजी उपभोग।।

कवि 'प्रेमघन' देश की दुर्दशा देखकर कहते हैं कि अंग्रेजी शासन के कारण भारतीयों का संस्कार विदेशी हो गया है। स्वदेशी वस्तुएँ नष्ट कर दी गई हैं। विदेशी वस्तुओं तथा भाषा के प्रचार के कारण कहीं भी भारतीयता के लक्षण दिखाई नहीं पड़ते। सभी अपनी सुख-सुविधा के प्राप्ति के लिए अंग्रजी भाषा का व्यवहार करते हैं।

अंगरेजी बाहन, बसन, वेष रीति औ नीति।
अंगरेजी रुचि, गृह, सकल, बस्तु देस विपरित।।
हिन्दुस्तानी नाम सुनि, अब ये सकुचि लजात।
भारतीय सब वस्तु ही, सों ये हाय घिनात।।

कवि 'प्रेमघन' जी कहते हैं कि अंग्रेजी शासनकाल में भारतीयों की मनोदशा इतनी दूषित हो गई है कि वे भारतीय वस्तुओं का उपयोग करना छोड़ विदेशी वस्तुओं का उपयोग करने लगे हैं। इनका हर कुछ विदेशी रंग में रंग चूका है। वे अपने को हिंदुस्तानी कहने में संकुचित महसुस करते हैं तथा स्वदेशी वस्तु देखकर नाक-भौं सिकोड़ने लगते हैं।

देस नगर बानक बनो, सब अंगरेजी चाल।
हाटन मैं देखहु भरा, बसे अंगरेजी माल।।
जिनसों सम्हल सकत नहिं तनकी, धोती ढीली-ढीली।
देस प्रंबध करिहिंगे वे यह, कैसी खाम खयाली।।

कवि कहते हैं कि भारतीय हाट-बाजारों में अंग्रजी भर दिए गये हैं। भारतीय इन वस्तुओं के व्यवसायी बन गए। देश में निर्मित वस्तुओं का लोप हो गया है। देश की कमान वैसे लोगों के हाथ में है, जों स्वयं ढुलमुल विचार के हैं, जिन्हें स्वयं पर भरोसा नहीं है।

दास-वृति की चाह चहूँ दिसि चारहु बरन बढ़ाली।
करत खुशामद झूठ प्रशंसा मानहुँ बने डफाली।।

कवि आश्चर्य प्रकट करते हुए कहते हैं कि ऐसे खोटे विचार वालों से देश की सुरक्षा का आशा करना कितना हास्यपद है। क्योंकि सभी जाति के लोग अपनी आजीविका के लिए खुशामद में झूठी प्रशंसा का ढोल पीटने लगे हैं।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)___दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. कवि समाज के किस वर्ग की आलोचना करता है, और क्यों? (Text Book 2011C,2012A)

उत्तर- उत्तर भारत में एक ऐसा समाज स्थापित हो गया है जो अंग्रेजी बोलने में शान की बात समझता है। अंग्रेजी रहन-सहन, विदेशी ठाट-बाट, विदेशी बोलचाल को अपनाना विकास मानते हैं।

प्रश्न 2. नेताओं के बारे में कवि की क्या राय है? (पाठ्य पुस्तक, 2016A)

अथवा, नेताओं के बारे में कविवर 'प्रेमघन' की क्या राय है ? (2014A,2018A)

उत्तर- आज देश के नेता, देश के मार्गदर्शक भी स्वदेशी वेश-भूषा, बोल-चाल से परहेज करने लगे हैं। अपने देश की सभ्यता-संस्कृति को बढ़ावा देने के बजाय पाश्चात्य सभ्यता से स्वयं प्रभावित दिखते हैं।

प्रश्न 3. 'स्वदेशी' कविता का मूल भाव क्या है? सारांश में लिखिए। (2016A)

उत्तर- स्वदेशी कविता का मूल भाव है कि भारत के लोगों से स्वदेशी भावना लुप्त हो गई है। विदेशी भाषा, रीति-रिवाज से इतना स्नेह हो गया है कि भारतीय लोगों का रुझान स्वदेशी के प्रति बिल्कुल नहीं है। सभी ओर मात्र अंग्रेजी का बोलबाला है।

प्रश्न 4. कवि को भारत में भारतीयता क्यों नहीं दिखाई पड़ती ? (पाठ्य पुस्तक, 2015C,2017A)

उत्तर- कवि को भारत में स्पष्ट दिखाई पड़ता है कि यहाँ के लोग विदेशी रंग में रंगे हैं। खान-पान, बोल-चाल, हाट-बाजार अर्थात् सम्पूर्ण मानवीय क्रिया-कलाप में अंग्रेजियत ही अंग्रेजियत है। अतः कवि कहते हैं कि भारत में भारतीयता दिखाई नहीं पड़ती है।

प्रश्न 5. स्वदेशी कविता के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- प्रस्तुत पद में स्वदेशी भावना को जागृत करने का पूर्ण प्रयास किया गया है। इसमें मृतप्राय स्वदेशी भाव के प्रति रुझान उत्पन्न करने हेतु प्रेरित किया गया है। अतः स्वदेशी शीर्षक पूर्णतः सार्थक है।

प्रश्न 6. कवि ने 'डफाली' किसे कहा है और क्या ? (Text Book, 2011A)

उत्तर- जिन लोगों में दास वृत्ति बढ़ रही है, जो लोग पाश्चात्य सभ्यता संस्कृति की दासता के बंधन में बंधकर विदेशी रीति-रिवाज के बने हुए हैं उनको कवि डफाली की संज्ञा देते हैं क्योंकि वे विदेश की पाश्चात्य संस्कृतिक की, विदेशी वस्तुओं की, अंग्रेजी की झूठी प्रशंसा में लगे हुए हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न1. "प्रेमधन" किस युग के साहित्यकार थे? [16A]

(a) द्विवेदीयुग (b) प्रसादयुग
(c) भारतेन्दुयुग (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(c) भारतेन्दुयुग

प्रश्न2. "जीर्ण जनपद' किसकी कृति है? 21(A)

(a) प्रेमघन (b) श्रीधर पाठक रामनरेश त्रिपाठी
(c) प्रेमचंद (d) नागार्जुन
उत्तर-(a) प्रेमघन

प्रश्न3. "स्वदेशी' शीर्षक पाठ्यपुस्तक में संकलित कविता किस छंद में है?

(a) चौपाई (b) दोहा (c) सोरठा (d) छप्पय
उत्तर-(b) दोहा

प्रश्न4. "बिदेसी' से कवि का क्या तात्पर्य है?

(a) ब्रिटेन (b) अमेरिका (c) फ्रांस (d) डेनमार्क
उत्तर-(a) ब्रिटेन

प्रश्न5. 'स्वदेशी' शीर्षक पाठ में दोहों का संकलन किस पुस्तक से लिया गया है?[18 (C)]

(a) प्रेमधन सर्वस्व (b) भारत सौभाग्य
(c) प्रयाग रामागमन (d) जीर्ण जनपद
उत्तर-(a) प्रेमधन सर्वस्व

प्रश्न6. 'प्रेमधन' ने किस समाज की रचना की?

(a) धनी समाज (b) कलावंत समाज
(c) रसिक समाज (d) भक्त समाज
उत्तर-(c) रसिक समाज

प्रश्न7. 'प्रेमघन' का जन्म हुआ था:

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

(a) मिर्जापुर में (b) लखनऊ में
(c) इलाहाबाद में (d) बनारस में
उत्तर-(a) मिर्जापुर में

प्रश्न8. "प्रेमघन' की काव्य कृति है:
(a) आनन्द अरुणोदय (b) हार्दिक हर्षादर्श
(c) जीर्णजनपद (d) इनमें सभी
उत्तर-(d) इनमें सभी

प्रश्न9. 'अब्र' नाम से इन्होंने किस भाषा में कविता की रचना की?
(a) अरबी (b) हिन्दी
(c) उर्दू (d) मलयालम
उत्तर-(c) उर्दू

प्रश्न10, कवि के अनुसार भारतीय को क्या अच्छा लगने लगा था?
(a) विदेशी चाल-चलन (b) विदेशी वेशभूषा
(c) विदेशी रहन-सहन (d) इनमें सभी
उत्तर-(d) इनमें सभी

प्रश्न11. कवि समाज की किस वर्ग की आलोचना करता है?
(a) दु:ख भोगी (b) विलासिता भोगी
(c) सुविधा भोगी (d) आलस भोगी
उत्तर-(c) सुविधा भोगी

प्रश्न12. 'प्रेमधन का जन्म कब हुआ?
(a) 1853 ई. में (b) 1855 ई. में
(c) 1857 ई. में (d) 1859 ई. में
उत्तर-(b) 1855 ई. में

प्रश्न13. प्रेमघन' की मृत्यु कब हुई?
(a) 1918 ई. में (b) 1920 ई० में
(c) 1922 ई. में (d) 1924 ई० में
उत्तर-(c) 1922 ई. में

प्रश्न14. 'स्वदेशी' के लेखक हैं:
(a) घनानंद (b) प्रेमघन
(c) गुणाकर मुले (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(b) प्रेमघन

प्रश्न15. 'प्रेमघन' ने साप्ताहिक किस पत्रिका का सम्पादन किया?
(a) लालित्प-लहरी (b) नागरी नीरद
(c) आनन्द अरुणोदय (d) मयंक महिमा
उत्तर-(b) नागरी नीरद

प्रश्न16. 'प्रेमवन' की प्रसिद्ध नाट्यकति कौन-सी है?
(a) डार्दिक हर्षादर्श (b) जीर्णजनपद
(c) बृजचन्द पंचक (d) प्रयोग रामागमन
उत्तर-(d) प्रयोग रामागमन

प्रश्न17. 'प्रेमघन' ने इनमें से किस मासिक पत्रिका का सम्पादन किया।
(a) नागरी नौरद (b) प्रयोग रामागमन
(c) आनंदकादम्बिनी (d) आनन्द अरुणोदय
उत्तर-(c) आनंदकादम्बिनी

प्रश्न18. "प्रेमघन' ने मुख्य रूप से किस भाषा में काव्य रचना की?
(a) ब्रज (b) देवनागरी (c) भोजपुरी (d) कन्नड़
उत्तर-(a) ब्रज

प्रश्न19. पराधीन भारत में चारों वर्गों में चाह थी:
(a) कलावृत्ति (b) दासवृत्ति
(c) 'a' और 'b' दोनों (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(b) दासवृत्ति

प्रश्न20. प्रेमयन साहित्य सम्मेलन के किस अधिवेशन के सभापति बने ?
(a) मिर्जापुर के (b) कलकत्ता के
(c) काशी के (d) दिल्ली के
उत्तर-(b) कलकत्ता के

प्रश्न21. प्रेमधन के काव्य में प्राप्त होता है।
(a) भक्ति भावना (b) समाजदशा
(c) देशप्रेम (d) इनमें सभी
उत्तर-(d) इनमें सभी

प्रश्न22. 'रीत' का अर्थ है:
(a) पद्धति (b) स्वभाव (c) लगाव (d) कपड़ा
उत्तर-(a) पद्धति

प्रश्न23. 'भारतीयता का सर्वथा लोप' हो गया। इस बात का किसे दु:ख है?
(a) प्रेमधन को (b) गुरु नानक को
(c) घनानन्द को (d) सभी को
उत्तर-(a) प्रेमधन को

प्रश्न24. भारत की अर्थव्यवस्था जर्जर हो गई, कैसे ?

Excellence Coaching Institute Guided By - Nehal Alam

(a) अंग्रेजी नीति के कारण (b) जलवायु के कारण
(c) मजदूर के कमी के कारण (d) भूकम्प के कारण
उत्तर-(a) अंग्रेजी नीति के कारण

प्रश्न25. भारतीयों में ..... के प्रति कोई आस्था नहीं रह गई है:
(a) अपनी संस्कृति (b) अपना घर
(c) अपनी जाति (d) अपना वंश
उत्तर-(a) अपनी संस्कृति

प्रश्न26. सबै बिदेसी ...... नर गति रति रीत लखात :
(a) वस्तु (b) शरीर (c) बुद्धि (d) कपड़ा
उत्तर-(a) वस्तु

प्रश्न27. भारतीय किस तरह से अंग्रेजी के दास हो गए है?
(a) तन से (b) मन से (c) धन से (d) (a) एवं (b) दोनों से
उत्तर-(d) a एवं b दोनों से

प्रश्न28. वस्तु शब्द है।
(a) स्त्रीलिंग (b) पुस्लिग (c) नपुंसक लिग (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(a) स्त्रीलिंग

प्रश्न29. दास-वृत्ति की चाह था.... चारह बरस बाली:
(a) झूठ (b) मानहु (c) दिसि (d) खाम
उत्तर-(c) दिसि

प्रश्न10. कवि ने समाज के किस वर्ग की आलोचना की है।
(a) निम्न वर्ग की (b) मध्यवर्ग की
(c) सुविधा भोगी वर्ग की (d) इनमें सभी की।
उत्तर-(c) सुविधा भोगी वर्ग की

प्रश्न31. ''प्रेमघन' अपना आदर्श किसे मानते हैं?
(a) महात्मा गाँधी (b) विवेकानन्द
(c) रवीन्द्रनाथ टैगोर (d) भारतेंदु हरिश्चन्द्र
उत्तर-(d) भारतेंदु हरिश्चन्द्र

प्रश्न32. 'हिन्दुस्तानी नाम सुनि, अब ये सकुचि लजात'- पंक्ति किस कविता से उद्धत है?
(a) भारतमाता (b) जनतंत्र का जन्म
(c) अक्षर ज्ञान (d) स्वदेशी
उत्तर-(d) स्वदेशी

प्रश्न33. "स्वदेशी' शीर्षक पाठ के रचनाकार हैं:
(a) रामधन (b) मालधनी (c) श्यामधन (d) प्रेमधन
उत्तर- (d) प्रेमघन

प्रश्न34. 'स्वदेशी' पाठ के अनुसार अब हिंदु लोग मिलने पर आपस में किस भाषा में बात नहीं करते? [19 (C)]
(a) अंग्रेजी (b) बंग्ला (c) हिन्दी (d) तमिल
उत्तर-(c) हिन्दी

प्रश्न35. 'स्वदेशी' कविता संकलित है:
(a) ग्राम्या से (b) ङ्केपात से
(c) रसखान रचनावली से (d) 'प्रेमघन सर्वस्व' से
उत्तर-(d) 'प्रेमघन सर्वस्व' से

प्रश्न36. 'भारत सौभाग्य' किनका प्रसिद्ध नाटक है? [21 (A)]
(a) कुंवर नारायण का (b) प्रेमघन का
(c) अनामिका का (d) जीवनानंद दास का
उत्तर-(b) प्रेमघन का

प्रश्न37. कवि प्रेमघन के अनुसार कौन-सी विद्या पढ़कर लोगों की बुद्धि विदेशी हो गई है?
(a) छल विद्या (b) कपट विद्या
(c) विदेशी विद्या (d) तकनीकी विद्या
उत्तर-(c) विदेशी विद्या

5. भारतमाता

लेखक परिचय

लेखक- सुमित्रानंदन पंत
जन्म- 20 मई 1900 ई०, अलमोड़ा जिला के कौसानी (उत्तराँचल) में,
मृत्यु- 28 दिसंबर 1977 ई०
पिता- गंगादत्त पंत
माता- सरस्वती देवी

पंत जी के माता का निधन इनके जन्म के छः घंटे के बाद हो गया, इसलिए इनका लालन-पालन प्रकृति के गोद में हुआ। इन्होंने प्राथमिक शिक्षा गाँव में तथा माध्यमिक शिक्षा बनारस में पाई। इन्होंने कुछ दिनों तक कालाकांकर जिले में रहने के बाद अपना सारा जीवन इलाहाबाद में बिताया।

प्रमुख रचनाएँ- उच्छवास, पल्लव, वीणा, ग्रंथि, गुंजन, युगांत, युगवानी, ग्राम्या, स्वर्णधूलि, स्वर्णकिरण, युगपथ, चिदंबरा तथा लोकायतन

कविता परिचय- प्रस्तुत कविता 'भारतमाता' पंत जी की कविताओं का संग्रह 'ग्राम्या' से संकलित है। इसमें भारत के दुर्दशा का चित्रण किया गया है।

5. भारतमाता (Bharatmata)

भारतमाता ग्रामवासिनी
खेतों में फैला है श्यामल
धूल-भरा मैला-सा आँचल
गंगा-यमुना में आँसू-जल
मिट्टी की प्रतिमा
उदासिनी।

कवि पंत जी भारतीय ग्रामीणों की दुर्दशा का चित्र प्रस्तुत करते हुए कहते हैं कि भारत की आत्मा गाँवों में निवास करती है। जहाँ खेत सदा हरे-भरे रहते हैं किंतु यहाँ के निवासी शोषण की चक्की में पिसकर मजबूर दिखाई देते हैं। गंगा-यमुना के जल उनकी व्यथा के प्रतिक हैं। सीधे-साधे किसान अपनी दयनीय दशा के कारण अपने दुर्भाग्य पर आँसु बहा रहे हैं और उदास हैं।

दैन्य जड़ित अपलक नत चितवन,
अधरों में चिर नीरव रोदन,
युग-युग के तम से विषण्ण मन
वह अपने घर में
प्रवासिनी।

पंतजी भारतमाता के उन कर्मठ सपूत किसानों की दयनीय दशा एवं दुःखपूर्ण जीवन की करूण-कहानी प्रस्तुत करते हुए कहते हैं कि जमींदारों एवं सूदखोर साहूकारों के शोषण ने इन्हें अति गरीब, चेतनाशून्य बना दिया है। अपने मजबूरी के कारण अपने ऊपर हो रहे अन्याय को सिर झुकाए अपलक देखने को मजबूर हैं। वे अपनी अंदर की पीड़ा अन्दर-ही-अन्दर सहने को मजबूर हैं। सदियों की त्रासदी ने उनके जीवन को निराश बना दिया है। वे अपने घर में अपने अधिकारों से वंचित है।

तीस कोटि संतान नग्न तन,
अर्ध क्षुधित, शोषित, निरस्त्रजन,
मूढ़, असभ्य, अशिक्षित, निर्धन,
नत मस्तक
तरु-तल निवासिनी।

अंग्रेजी शासन की क्रुरता के कारण भारतमाता की तीस करोड़ संतान अर्द्धनग्न तथा अर्द्धपेट खाकर जीवन व्यतित करने को विवश हैं। इनमें प्रतिकार और विरोध करने की शक्ति नहीं है। वे मूर्ख, असभ्य, अशिक्षित, गरीब, पेड़ के नीचे गर्मी, वर्षा तथा जाड़ा का कष्ट सहन करते हैं।

स्वर्ण शस्य पर-पद-तल लंठित,
धरती-सा सहिष्णु मन कुंठित,
क्रंदन कंपित अधर मौन स्मित,
राहु ग्रसित
शरदेन्दु हासिनी।

कवि पंत जी कहते हैं कि जिनकी पकी फसल सोने के समान दिखाई पड़ती है, पराधीनता के कारण वे शोषण के शिकार हैं। वे उनके हर अपमान, शोषण, अत्याचार आदि को सहन करते हुए धरती के समान सहनशील बने हुए हैं। अर्थात् वे अपने जुल्मों का विरोध न करके चुपचाप सहन कर लेते हैं। वे क्रुर शासन से इतने भयभीत हैं कि खुलकर रो भी नहीं सकते। देशवासियों की ऐसी दुर्दशा और विवशता देखकर कवि दुःख से भर जाता है कि जिस देश के वीरों की गाथा संसार में शरदपूर्णिमा की चाँदनी के समान चमकती थी, आपसी शत्रुता के कारण आज ग्रहण लगा अंधकारमय है।

चिंतित भृकुटि क्षितिज तिमिरांकित,
नमित नयन नभ वाष्पाच्छादित,
आनन श्री छाया-शशि उपमित,
ज्ञान-मूढ़
गीता प्रकाशिनी।

कवि पंतजी कहते हैं कि अंग्रेजों के अत्याचार एवं शोषण से लोग उदास, निराश और हताश हैं, यानी वातावरण में घोर निराशा छायी हुई है। देशवासियों की ऐसी मन की स्थिति पर कवि आश्चर्य प्रकट करते हुए कहते हैं कि जिसके मुख की शोभा की उपमा चन्द्रमा से दी जाती थी, या फिर जहाँ गीता जैसे प्रणादायी ग्रंथ की रचना हुई थी, उस देश के लोग अज्ञानता और मूर्खता के कारण गुलाम हैं।

सफल आज उसका तप संयम
पिला अहिंसा स्तन्य सुधोपम,
हरती जन-मन-भय, भव-तम-भ्रम,
जग-जननी
जीवन-विकासिनी।

कवि सफलता पर आशा प्रकट करते हुए कहते हैं कि अहिंसा जैसे महान मंत्र का संदेश देकर लेगों के मन का भय, अज्ञान

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrez Alam

एवं भ्रम का हरण कर भारतमाता की स्वतंत्रता की प्राप्ति का संदेश दिया।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)____दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. सुमित्रानन्दन पंत का जन्म कब और कहाँ हुआ था? (Text Book,2018A,2011C,2012A)

उत्तर- सुमिनानंदन पंत का जन्म 1900 ई० में कौसानी (अल्मोड़ा) उत्तरांचल हुआ था।

प्रश्न 2. कवि की दृष्टि में आज भारतमाता का तप-संयम क्यों सफल है? (Text Book, 2011C)

उत्तर- भारतमाता ने गाँधी जैसे पूत को जन्म दिया और अहिंसा का स्तन्यपान अपने पुत्रों को कराई है। अतः विश्व को अंधकारमुक्त करनेवाली, संपूर्ण संसार को अभय का वरदान देनेवाली भारत माता का तप-संयम आज सफल है।

प्रश्न 3. भारतमाता का हास भी राहुग्रसित क्यों दिखाई पड़ता है? (Text Book, 2016A)

उत्तर- भारतमाता के स्वरूप में ग्राम्य शोभा की झलक है। मुखमंडल पर चन्द्रमा के समान दिव्य प्रकाशस्वरूप हँसी है, मुस्कुराहट है। लेकिन, परतंत्र होने के कारण वह हँसी फीकी पड़ गई है। ऐसा प्रतीत होता है कि चन्द्रमा को राहु ने ग्रस लिया है।

प्रश्न 4. कवि भारतमाता को गीता-प्रकाशिनी मानकर भी ज्ञानमूढ़ क्यों कहता है ? (पाठ्य पुस्तक, 2013C)

उत्तर- परतंत्र भारत की ऐसी दुर्दशा हुई कि यहाँ के लोग खुद दिशाविहीन हो गये, दासता में बंधकर अपने अस्मिता को खो दिये। आत्म-निर्भरता समाप्त हो गई। इसलिए कवि कहता है कि भारतमाता गीता- प्रकाशिनी है, फिर भी आज ज्ञानमुढ़ बनी हुई है।

प्रश्न 5. कविता में कवि भारतवासियों का कैसा चित्र खींचता है ? (पाठ्य पुस्तक, 2014C)

अथवा, "भारतमाता" शीर्षक कविता में पंत जी ने भारतीयों का कैसा चित्र खींचा है?

उत्तर- प्रस्तुत कविता में कवि ने दर्शाया है कि परतंत्र भारत की स्थिति दयनीय हो गई थी। परतंत्र भारतवासियों को नंगे वदन, भूखे रहना पड़ता था। यहाँ की तीस करोड़ जनता शोषित-पीड़ित, मूढ़, असभ्य, अशिक्षित, निर्धन एवं वृक्षों के नीचे निवास करने वाली थी।

प्रश्न 6. भारतमाता अपने ही घर में प्रवासिनी क्यों बनी हुई है? (पाठ्य पुस्तक, 2017)

उत्तर- भारत को अंग्रेजों ने गुलामी की जंजीर में जकड़ रखा था। परतंत्रता की बेड़ी में जकड़ी, काल के कुचक्र में फंसी विवश, भारतमाता चुपचाप अपने पुत्रों पर किये गये अत्याचार को देख रही थी। इसलिए कवि ने परतंत्रता को दर्शाते हुए मुखरित किया है कि भारतमाता अपने ही घर में प्रवासिनी बनी है।

प्रश्न 7. कविता के प्रथम अनुच्छेद में कवि भारतमाता का कैसा चित्र प्रस्तुत करता है?

अथवा, भारतमाता कहाँ निवास करती है?

अथवा, 'भारतमाता' कविता में कवि भारतवासियों का कैसा चित्र खींचता है ?

(Text Book,2011A2013A,2012A)

उत्तर- कविता के प्रथम अनुच्छेद में भारतमाता को ग्रामवासिनी मानते हुए तत्कालीन भारत का यथार्थ चित्रण किया गया है कि भारतमाता का फसलरूपी श्यामल शरीर है, धूल-धूसरित मैला-सा आँचल है। गंगा-यमुना के जल अश्रुस्वरूप हैं। ग्राम्य छवि को दर्शाती हुई भारत माँ की प्रतिमा उदासीन है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

प्रश्न1. सुमित्रानंदन पंत किस युग के कवि हैं?

(a) द्विवेदीयुग (b) भारतेंदु युग

(c) छायावाद युग (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (c) छायावाद युग

प्रश्न2. पंत को किस रचना पर ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ है ?

(a) चिदम्बरा (b) सत्यकाम

(c) लोकायतन (d) स्वर्ण किरण

उत्तर-(a) चिदम्बरा

प्रश्न3. 'भारतमाता' शीर्षक प्रगीत पंत के किस काव्य संकलन से लिया गया है?

(a) गुंजन (b) ग्राम्या (c) युगवाणी (d) युगांत

उत्तर-(b) ग्राम्या

प्रश्न4. 'ग्राम्या' काव्य-संकलन की कविताओं पर किसका प्रभाव है?

(a) यथार्थवाद का (b) अरविंद का

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrez Alam

(c) गाँधी का (d) अध्यात्मवाद का
उत्तर-(a) यथार्थवाद का
प्रश्न5. 'प्रकृति का सुकमार कवि' किसे कहा जाता है?
(a) निराला (b) भारतेंदु (c) जयशंकर प्रसाद (d) पंत
उत्तर-(d) पंत
प्रश्न6. भारतमाता के संबंध में क्या सही है?
(a) शैलवासिनी (b) नगरवासिनी
(c) ग्रामवासिनी (d) विंध्यवासिनी
उत्तर-(c) ग्रामवासिनी
प्रश्न7. 'शरविंदुहासिनी' कौन है?
(a) जनता (b) प्रजा (c) माता (d) भारतमाता
उत्तर- (d) भारतमाता
प्रश्न8. 'गीता प्रकाशिनी' किसके लिए प्रयुक्त है ?
(a) धरतीमाता (b) पृथ्वीमाता
(c) सीतामाता (d) भारतमाता
उत्तर-(d) भारतमाता
प्रश्न9. 'शरतेन्दु' का शाब्दिक अर्थ है:
(a) शरद ऋतु की वर्षा (b) शरद ऋत का सूर्योदय
(c) शरद ऋतु का सूर्यास्त (d) शरद ऋतु का चन्द्रमा
उत्तर-(d) शरद ऋतु का चन्द्रमा
प्रश्न10. 'वंदन' का अर्थ है:
(a) रोना (b) हँसना
(c) गाना (d) कन्द-मूल खाना
उत्तर-(a) रोना
प्रश्न11. 'तप-संयम' कौन-सा समास है?
(a) द्विगु (b) तत्पुरुष (c) कर्मधारय (d) द्वन्द
उत्तर-(d) द्वन्द
प्रश्न12. 'पंत' का जन्म कब हुआ था?
(a) 1900 ई. में (b) 1901 ई. में
(c) 1902 ई० में (d) 1903 ई. में
उत्तर- (d) 1903 ई. में
प्रश्न13. 'पंत' की मृत्यु कब हुई?
(a) 25 नवम्बर, 1975 को
(b) 29 दिसम्बर, 1977 को
(c) 26 जनवरी, 1979 को
(d) 30 फरवरी, 1981 को
उत्तर-(b) 29 दिसम्बर, 1977 को
प्रश्न14. 'पंत' का जन्म कहाँ हुआ था?
(a) पटना साहिब, पटना
(b) कौसानी, अल्मोड़ा
(c) सारण, वैशाली
(d) बुटाटी, राजस्थान
उत्तर-(b) कौसानी, अल्मोड़ा।
प्रश्न15. 'पंत' ने महाकाव्य लिखा:
(a) उच्छ्वास (b) बादल
(c) लोकायतन (d) युगवाणी
उत्तर-(c) लोकायतन
प्रश्न16, 'पत' के पिताजी का क्या नाम था?
(a) रामानंद पंत (b) रामादत्त पंत
(c) गणेश पंत (d) गंगादत्त पंत
उत्तर- (d) गंगादत्त पंत
प्रश्न17. 'पंत' के माताजी का क्या नाम था?
(a) वन्दना देवी (b) सरस्वती देवी
(c) राधा देवी (d) विद्यावती देवी
उत्तर-(b) सरस्वती देवी
प्रश्न18. पंत ने 1916 में किस शीर्षक से कविता लिखी?
(a) गिरजे का घंटा (b) मंदिर की घंटी
(c) दरगाह को चादर (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(a) गिरजे का घंटा
प्रश्न19. 'गंगा-यमुना' को कवि ने किसके मानक के रूप में प्रस्तुत किया है?
(a) भारतमाता के दो हाथों (b) भारतमाता के दो पैरों
(c) भारतमाता के दो आँखों (d) इनमें सभी
उत्तर-(c) भारतमाता के दो आँखों
प्रश्न20. 'तरु-तल-निवासिनी' के माध्यम से कवि ने भारत के निवासियों का कैसा चित्रण किया है?
(a) दीनता का (b) धर्मात्मा का
(c) कटुता का (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(a) दीनता का
प्रश्न21. भारतमाता ने दुनिया को क्या दिया?
(a) सूर्य (b) कंचन (c) पुष्प (d) गीता
उत्तर-(d) गीता
प्रश्न22. भारतमाता कविता में भारत का कैसा चित्र प्रस्तुत किया गया है?

Excellence Coaching Institute Guided By - Nadeem Alam

(a) आदर्श (b) काल्पनिक
(c) यथातथ्य (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(c) यथातथ्य
प्रश्न23.जातीय अस्मिता की दृष्टि से इतिहास का प्रभाव कैसा है ?
(a) विच्छिन (b) अविच्छिन
(c) a" एवं 'b' दोनों (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(b) अविच्छिन
प्रश्न24. कवि के अनुसार भारत माता की आँखें है।
(a) गंगा-यमुना (b) ताप्ती नर्मदा
(c) सतलज-सिन्धु (d) व्यास-चिनाव
उत्तर-(a) गंगा-यमुना
प्रश्न25. तीस कोटि सन्तान .... सन ।
(a) अर्थ (b) मूढ (c) तरू (d) नग्न
उत्तर-(d) नग्न
प्रश्न26. भारतमाता सारे जग की है:
(a) देवी (b) माँ (c) बहन (d) इनमें से सभी
उत्तर-(b) माँ
प्रश्न27. 'गीता' है:
(a) महाकाव्य (b) अरण्यक (c) उपनिषद् (d) वेद
उत्तर-(c) उपनिषद्
प्रश्न28. गीता उपदेश देता है:
(a) कर्म का (b) धर्म का
(c) मोक्ष का (d) अर्थ का
उत्तर-(a) कर्म का
प्रश्न29. भारत माता की आँखे झुकी हुई है।
(a) ईर्ष्या से (b) घृणा से
(c) चिन्ता से (d) अंधकार से
उत्तर-(c) चिन्ता से
प्रश्न30. 'ग्रामवासिनी' कौन-सा समास है:
(a) बहुव्रीहि (b) अव्ययीभाव
(c) कर्मधारय (d) द्विगु
उत्तर-(a) बहुव्रीहि
प्रश्न31. गंगा-यमुना कौन-सा समास है।
(a)द्वंद (b) द्विगु (c) बहुव्रीहि (d) कर्मधारय
उत्तर-(a) द्वंद
प्रश्न32. सैन्य जड़ित अपलक .... चितवन ।
(a) चिर (b) मन (c) नत (d) युग
उत्तर-(c) नत
प्रश्न33. किस रचना पर समित्रानंदन पंत को 'ज्ञानपीठ' पुरस्कार' मिला था ?
(a) युगपथ (b) स्वर्ण किरण (c) युगवाणी (d) चिदम्बरा
उत्तर-(d) चिदम्बरा
प्रश्न34. भारतमाता कहाँ निवास करती है?
(a) शहर (b) पहाड़ (c) गाँव (d) नदी
उत्तर-(c) गाँव
प्रश्न35.सुमित्रानंदन पंत के अनुसार भारतमाता किसकी मूर्ति हैं?
(a) उदास घाटी की (b) सुख समृद्धि की
(c) उदारता की (d) त्याग की
उत्तर-(a) उदास घाटी की
प्रश्न36. 'सफल आज उसका तप संयम, पिला अहिंसा स्तन्य सुधोतम', प्रस्तुत पंक्ति किस कविता की है?
(a) स्वेदशी (क) भारतमाता
(c) जनतंत्र का जन्म (d) हिरोशिमा
उत्तर-(क) भारतमाता

6. जनतंत्र का जन्म

लेखक परिचय

लेखक- रामधारी सिंह दिनकर
जन्म- 23 सितम्बर 1908 ई0 में सिमरिया,
बेगूसराय (बिहार)
मृत्यु- 24 अप्रैल 1974 ई0 में
पिता- रवि सिंह
माता- मनरूप देवी

दिनकर जी की प्रारंभिक शिक्षा गाँव और उसके आस-पास हुई। 1928 ई0 में मोकामा घाट रेलवे हाई स्कुल से मैट्रिक और 1932 ई0 में पटना कॉलेज से इतिहास में बी॰ ए॰ ऑनर्स किया। ये बिहार विश्वविद्यालय में हिंदी के प्रोफेसर एवं भागलपुर विश्वविद्यालय में कुलपति रहे।

प्रमुख रचनाएँ- प्रणभंग, रेणुका, हुंकार, रसवंती, कुरूक्षेत्र, रश्मिरथी, नीलकुसुम, उर्वशी, हारे को हरिनाम, अर्धनारीश्वर, संस्कृति के चार अध्याय, शुद्ध कविता की खोज आदि

कविता परिचय- प्रस्तुत कविता में जनतंत्र के उदय के बारे में दिया गया है। जनतंत्र के राजनीतिक और ऐतिहासिक

Excellence Coaching Institute Guided By - Tarun Alam

अभिप्रायों को कविता में उजागर करते हुए कवि यहाँ एक नवीन भारत का कल्पना करता है जिसमें जनता ही स्वयं सिंहासन पर आरूढ़ होने को है।

6. जनतंत्र का जन्म

सदियों की ठंडी-बुझी राख सुगबुगा उठी।
मिट्टी सोने का ताज पहन इठलाती है।।
दो राह, समय के रथ का घर्घर नाद सुनो।
सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।

भावार्थ- प्रस्तुत पंक्तियाँ राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित पाठ जनतंत्र के जन्म से लिया गया है।

इन पंक्तियों के द्वारा कवि दिनकर ने कहा है कि सदियों की ठंडी और बुझी हुई राख में सुगबुगाहट दिखाई पड़ रही है अर्थात क्रांति की चिनगारी भड़क उठी है। मिट्टी यानी जनता सोने की ताज पहनने के लिए व्याकुल है। राह छोड़ो, समय साक्षी है-जनता के रथ के पहियों की घर्घर आवाज सुनाई दे रही है। सिंहासन खाली करों जनता आ रही है।

जनता ? हाँ, मिट्टी की अबोध मुरतें वहीं,
जाड़े पाले की कसक सदा सहने वाली,
जब अंग-अंग में लगे साँप हो चुस रहे,
तब भी न कभी मुँह खोल दर्द कहने वाली।

भावार्थ-प्रस्तुत पंक्तियाँ राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित पाठ जनतंत्र के जन्म से लिया गया है।

इन पंक्तियों के द्वारा कवि दिनकर ने कहा है कि जनता सचमुच मिट्टी की अबोध मुरतें हैं। वह वह जाड़े की रात में जाड़ा-पाला की कसक (रूक-रूक कर होने वाली पीड़ा) को हमेशा सहती है। वह थोड़ा भी आह नहीं करती है। ठंड से शरीर ऐसा कंपकपाता है कि लगता है शरीर में हजारों साँप डंस रहे हैं। इतना पीड़ा और दुख के बावजूद वह अपनी दुख किसी से नहीं कहती है।

जनता ? हाँ, लंबी-बड़ी जीभ की वहीं कसम,
जनता सचमूच ही बड़ी वेदना सहती है।
सो ठीक, मगर, आखिर, इस पर जनमत क्या है ?
है प्रश्न गुढ़ जनता इस पर क्या कहती है।

भावार्थ- प्रस्तुत पंक्तियाँ राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित पाठ जनतंत्र के जन्म से लिया गया है।

इन पंक्तियों के द्वारा कवि दिनकर ने कहा है कि जनता सचमुच असह्य वेदना को सह कर जीती है फिर भी जीवन में उफ तक नहीं करती है। कवि शपथ लेकर कहता है कि लंबी-चौड़ी जीभ की बातों पर विश्वास किया जाए। जनता सचमूच बहुत ही पीड़ा सहती है। कवि कहता कि जनमत का सही-सही अर्थ क्या है ? कवि इस प्रश्न का उत्तर जानना चाहता है। यह प्रश्न बहुत ही गंभीर है।

मानो जनता हो फुल जिसे एहसास नहीं,
जब चाहो तभी उतार सजा लो दोंनो में।
अथवा, कोई दुधमुही जिसे बहलाने के
जन्तर-मन्तर सिमीत हों चार खिलौनों में ।।

भावार्थ-प्रस्तुत पंक्तियाँ राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित पाठ जनतंत्र के जन्म से लिया गया है।

इन पंक्तियों के द्वारा कवि ने जनता को फुल के समान नहीं देखने और समझने को कहा है। कवि कहता है कि जनता फूल नहीं है कि इसे जब चाहो तब सजा लो या कोई दुधमुही बच्ची नहीं कि इसे दो-चार खिलौने देकर बहला दो। जनता की हृदय सेवा और प्रेम से जीता जा सकता है।

लेकिन, होता भूडोल, बवडंर उठते हैं
जनता तब कोपाकुल हो भृकुटी चढ़ाती है।
दो राह , समय के रथ का घर्घर-नाद सुनो
सिहांसन खाली करो, कि जनता आती है।।

भावार्थ— प्रस्तुत पंक्तियाँ राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित पाठ जनतंत्र के जन्म से लिया गया है।

इन पंक्तियों के द्वारा कवि कहता है कि जनता के पास अपास शक्तियाँ होती है। जनता जब हुंकार भरती है तो भूकंप आ जाता है। बवंडर उठ खड़ा होता है। जनता के हुंकार के सामने कोई टिक नहीं सकता है। जनता की राह को कोई रोक नहीं सकता है। सुनो, जनता रथ पर सवार होकर आ रही है, उसकी राह को छोड़ दो और सिंहासन खाली करो क्योंकि जनता आ रही है।

हुंकारों से महलों की नींव उखड़ जाती
साँसों के बल से ताज हवा में उड़ता है।
जनता की रोके, राह समय में ताव कहाँ ?
जिधर चाहती, काल उधर ही मुड़ता है।।

भावार्थ—प्रस्तुत पंक्तियाँ राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित पाठ जनतंत्र के जन्म से लिया गया है।

इन पंक्तियों के द्वारा कवि दिनकर ने कहा है कि जनता की हुँकार से, जनता की ललकार से महलों की नींव उखड़ जाती

Excellence Coaching Institute Created By - Tanveer Alam

है। जनता की साँसों के बल से राजमुकुट हवा में उड़ते हैं। समय में वह शक्ति नहीं है जो जनता की राह को रोक सके। जनता जैसी चाहती है समय भी वैसा ही करवट लेती है।

अब्दो, शताब्दीयों, सहस्त्राब्द का अंधकार
बिता, गवाक्ष अंबर के दहके जाते हैं।
यह और नहीं कोई, जनता के स्वप्न अजय
चिरते तिमिर का वक्ष उमड़ते आते हैं।

भावार्थ—प्रस्तुत पंक्तियाँ राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित पाठ जनतंत्र के जन्म से लिया गया है।

इन पंक्तियों के द्वारा कवि दिनकर ने कहा है कि वर्षों, सैकड़ों वर्षों, हजारों वर्षों का अंधकारमयी समय बीत गया। यह जनता के स्वप्न है जो अंधकार को चिरते हुए धरा पर उतर रहे हैं।

सबसे विराट जनतंत्र जगत का आ पहुँचा।
तैतिस कोटी-हित सिंहासन तैयार करो
अभिषेक आज राजा का नहीं, प्रजा का है।
तैतिंस कोटी जनता के सिर पर मुकुट धरो।

भावार्थ—प्रस्तुत पंक्तियाँ राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित पाठ जनतंत्र के जन्म से लिया गया है।

इन पंक्तियों के द्वारा कवि कहता है कि भारत में लोकतंत्र का उदय हो रहा है। भारत स्वाधीन हो चूका है। यहाँ लोकतंत्र की स्थाना हो रही है। तैंतीस करोड़ जनता की हीत की बात है। तैंतीस करोड़ सिंहासन तैयार करो क्योंकि अभिषेक राजा का नहीं बल्कि जनता का होनेवाला है। आज का शुभ दिन तैंतिस करोड़ जनता के सिर पर मुकुट रखने का है। उनके लिए आज शुभ दिन है।

आरती लिए तुम किसे ढुढ़ता है मुरख
मंदिरों, राजप्रसादों में, तहखानों में
देवता कहीं सड़कों पर गिट्टी तोड़ रहे
देवता मिलेंगें खेतों में, खलिहानों में।

भावार्थ—प्रस्तुत पंक्तियाँ राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित पाठ जनतंत्र के जन्म से लिया गया है।

इन पंक्तियों के द्वारा कवि का कहना है कि हम आरती लेकर मुर्ख बनकर किसे ढूँढ रहे हैं? मेंदिरों, राजमहलों, तहखानों में देवता नहीं मिलेंगे। वास्तविक देवता तो सड़कों पर गिट्टी तोड़नेवाला मजदूर और खेत-खलिहानों में काम करनेवाला किसना है। अर्थात कवि ने जनता का वास्तिविक देवता कहा है।

फावड़े और हल राजदंड बनने को है
धूसरता सोने में सिंगार सजाती है।
दो राह, समय के रथ का घर्घर नाद सुनो
सिंहासन खाली करो की जनता आती है।

भावार्थ—प्रस्तुत पंक्तियाँ राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित पाठ जनतंत्र के जन्म से लिया गया है।

इन पंक्तियों के द्वारा कवि दिनकर ने कहा है लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि होती है। लोकतंत्र का राजदंड कोई राजपत्र, कोई हथियार या कोई औजार नहीं होता है। लोकतंत्र का मूल राजदंड जनता का हल और कुदाल है। इसी से वह धरती से सोना उगाता है। धरती की धुसरता का सिंगार आज सोना से सजा हुआ है। अर्थात धूल ही स्वर्ण है। रास्ता शीघ्र दो, सिंहासन शीघ्रता से खाली करो, देखो जनता स्वयं आ रही है।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)____दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. कवि की दृष्टि में आज के देवता कौन हैं और वे कहाँ मिलेंगे?

(Text Book,2011A,2011C,2016C,2017A)

उत्तर- कवि ने भारतीय प्रजा, जो खून-पसीना बहाकर देशहित का कार्य करती है, जिसके बल पर देश में सुख संपदा स्थापित होता है, किसान, मजदूर जो स्वयं आहूत होकर देश को सुखी बनाते हैं, को आज का देवता कहा है।

प्रश्न 2. कवि की दृष्टि में समय के रथ का घर्घर-नाद क्या है? स्पष्ट करें।

अथवा, दिनकर की दृष्टि में समय के रथ का घर्घर-नाद क्या है ? स्पष्ट करें। (Text Book 2016A)

उत्तर- कवि ने सदियों से राजतंत्र से शासित जनता की जागृति को उजागर करते हुए समय के चक्र की ओर लोगों का ध्यान आकृष्ट किया है। राजसिंहासन पर प्रजा आरूढ़ होने जा रही है। समय की पुकार ही क्रांति की शंखनाद के रूप में रथ का घर्घर-नाद है।

प्रश्न 3, कवि ने जनता को 'दूधमुंही' क्यों कहा है?

(पाठ्य पुस्तक, 2014C)

Excellence Coaching Institute Guided by - Tabrej Alam

उत्तर- सिंहासन पर आरूढ़ रहने वाले राजनेताओं की दृष्टि में जनता फूल या दूधमुंही बच्ची की तरह है। रोती हुई दूधमुंही बच्ची को शान्त रखने के लिए उसके सामने खिलौने दे दिये जाते हैं। उसी प्रकार रोती हुई जनता को खुश करने के लिए कुछ प्रलोभन दिए जाते हैं।

प्रश्न 4. कवि जनता के स्वप्न का किस तरह चित्र खींचता है?

(पाठ्य पुस्तक, 2017A)

उत्तर- भारत की जनता सदियों से, युगों-युगों से राजा के अधीनस्थ रही है, लेकिन कवि ने कहा है कि चिरकाल से अंधकार में रह रही जनता राजतंत्र को उखाड़ फेंकने के स्वप्न देख रही है। राजतंत्र समाप्त होगा और जनतंत्र कायम होगा। राजा। नहीं बल्कि प्रजा राज करेगी।

प्रश्न 5. “देवता मिलेंगे खेतों में खलिहानों में“ पंक्ति के माध्यम से कवि किस देवता की बात करते हैं और क्यों? (Text Book 2013A,2012A)

उत्तर- प्रश्न के पंक्ति के माध्यम से कवि जनतारूपी देवता की बात करते हैं, क्योंकि कवि की दृष्टि में कर्म करता हुआ परिश्रमी व्यक्ति ही देवतास्वरूप है। मंदिरों-मठों में तो केवल मूर्तियाँ रहती हैं, वास्तविक देवता वे ही हैं जो अपने कर्म तथा परिश्रम से समाज को सुख-समृद्धि उपलब्ध कराते हैं।

प्रश्न 6. कवि के अनुसार किन लोगों की दृष्टि में जनता फूल या दुध मुंही बच्ची की तरह है और क्यों ? कवि क्या कहकर उनका प्रतिवाद करता है?

(Text Book)

उत्तर- अंग्रेजी सरकार भी भारत की जनता को अबोध समरकर कुछ प्रलोभन देकर राजसुख में लिप्त है। वह समझती है कि जनता फूल या दुधमुंही बच्ची की तरह है लेकिन इसके प्रतिकार में कवि ने कहा है कि जब भोली लगनेवाली जनता जाग जाती है, जब उसे अपने में निहित शक्ति का आभास हो जाता है तब राजतंत्र हिल उठता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

प्रश्न1. 'उर्वशी' किसकी कृति है?
(a) निराला (b) दिनकर
(c) महादेवी वर्मा (d) सुमित्रानंदन पंत
उत्तर-(b) दिनकर

प्रश्न2. दिनकर को साहित्य अकादमी पुरस्कार किस कृति पर मिला ?
(a) सामधेनी (b) द्वंद्वगीत
(c) उर्वशी (d) संस्कृति के चार अध्याय
उत्तर- (d) संस्कृति के चार अध्याय

प्रश्न3. दिनकर को ज्ञानपीठ पुरस्कार किस रचना पर प्राप्त हुआ?[20 (A) II]
(a) रश्मिरथी (b) वंशी
(c) परशुराम की प्रतीक्षा (d) तोलकुसुम
उत्तर-(b) वंशी

प्रश्न4. दिनकर ने कविता में 'जनतंत्र का जन्म' शीर्षक कविता में 'दुधमुही' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया है?
(a) अपनी बेटी के लिए
(b) पड़ोस की बच्ची के लिए
(c) समाज के किसी बालिका के लिए
(d) जनता के लिए
उत्तर-(d) जनता के लिए

प्रश्न5. दिनकर किस विश्वविद्यालय के उपकुलपति (कुलपति) बनाएगए थे?
(a) बिहार विश्वविद्यालय (b) पटना विश्वविद्यालय
(c) भागलपुर विश्वविद्यालय (d) मगध विश्वविद्यालय
उत्तर- (c) भागलपुर विश्वविद्यालय

प्रश्न6. जनतंत्र में, कवि के अनुसार राजदण्ड क्या होंगे?
(a) ढाल और तलवार (b) फूल और भौर
(c) फाँबड़े और हल (d) वाघ और भालू
उत्तर-(c) फाँबड़े और हल

प्रश्न7. कवि के अनुसार जनतंत्र के देवता कौन है?
(a) नेता (b) शिक्षक (c) किसान-मजदूर (d) मंत्री
उत्तर-(c) किसान-मजदूर

प्रश्न8. भारत सरकार ने दिनकर को कौन-सा अलंकरण प्रदान किया?
(a) पद्म श्री (b) भारतरत्न (c) अशोक चक्र (d) पद्म विभूषण
उत्तर-(d) पद्म विभूषण

प्रश्न9. 'दिनकर' की प्रमुख काव्य-कृति है:
(a) रेणुका (b) रसवंती (c) कुरुक्षेत्र (d) इनमें सभी
उत्तर-(d) इनमें सभी

प्रश्न10. 'दिनकर' की गद्य-कृति है:

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

(a) अर्धनारीश्वर (b) दिनकर की डायरी
(c) बट पीपल (d) इनमें सभी
उत्तर-(d) इनमें सभी

प्रश्न11. दिनकर जी के पिता का नाम क्या था?
(a) रवि सिंह (b) कैलाश सिंह
(c) मोहित सिंह (d) राजा सिंह
उत्तर-(a) रवि सिंह

प्रश्न12. 'दिनकर' ने अपनी पढ़ाई कहाँ तक की?
(a) इंटरमीडियट (b) बी. ए. ऑनर्स
(c) एम. ए. ऑनर्स (d) पी-एच. डी.
उत्तर-(b) बी. ए. ऑनर्स

प्रश्न13. 'दिनकर' किल कॉलेज के हिन्दी विभागाध्यक्ष के रूप में रहे?
(a) कॉमर्स कॉलेज, पटना
(b) लंगट सिंह कॉलेज, भागलपुर
(c) पटना कॉलेज, पटना
(d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(b) लंगट सिंह कॉलेज, भागलपुर

प्रश्न14. किसे सिंहासन खाली करने की बात कही गई है?
(a) राजतंत्र को (b) सामंतवाद को
(c) 'a' और 'b' दोनों (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(c) 'a' और 'b' दोनों

प्रश्न15. 'दिनकरजी' का निधन कब हुआ?
(a) 21 जनवरी, 1971
(b) 22 फरवरी, 1972
(c) 23 मार्च, 1973
(d) 24 अप्रैल, 1974
उत्तर-(d) 24 अप्रैल, 1974

प्रश्न16. 'जनतंत्र का जन्म के कवि कौन हैं?
(a) रामधारी सिंह 'दिनकर' (b) प्रेमधन
(c) घनानंद (d) अज्ञेय
उत्तर-(a) रामधारी सिंह 'दिनकर'

प्रश्न17. 'दिनकर' का जन्म कब हुआ?
(a) 21 अगस्त, 1906
(b) 23 सितम्बर, 1908
(c)25 अक्टूबर, 1910
(d) 27 नवम्बर, 1912
उत्तर- (b) 23 सितम्बर, 1908

प्रश्न18. 'दिनकर' का जन्म कहाँ हुआ?[19 (A)1]
(a) अल्गोड़ा, जहानाबाद (b) सोनपुर, वैशाली
(c) दानापुर, पटना (d) सिमरिया, बेगूसराय
उत्तर-(d) सिमरिया, बेगूसराय

प्रश्न19. इनकी प्रारंभिक शिक्षा कहाँ से हुई थी?
(a) बंबई से (b) पटना से
(c) गाँव से (d) जिला स्कूल से
उत्तर-(c) गाँव से

प्रश्न20. 'दिनकर' की किस रचना में कर्ण को नायक बनाया गया है ?
(a) उर्वशी (b) रश्मिरथी (c) हुंकार (d) हारे को हरिनाम
उत्तर-(b) रश्मिरथी

प्रश्न21. 'मिट्टी की ओर' कृति है—
(a) पद्ध (b) गद्य (c) काव्य (d) इनमें सभी
उत्तर-(b) गद्य

प्रश्न22. मिट्टी की अवोध मूरतें कौन है?
(a) नेता (b) जनता (c) मंत्री (d) अधिकारी
उत्तर-(b) जनता

प्रश्न23. दिनकर जी के माता का नाम क्या था?
(a) यशोधरा देखो (b) अहिल्या देवी
(c) मनरूप देवी (d) पूलली बाई
उत्तर-(c) मनरूप देवी

प्रश्न24. कवि के अनुसार देवता कहाँ मिलेंगे—
(a) मदिरों में (b) घरों में (c) खेतों में (d) शहरों में
उत्तर-(c) खेतों में

प्रश्न25. जो भगवान को मंदिरों में खोजते है उन्हें कवि ने किससे सम्बोधित किया है:
(a) मूरस्थ से (b) विहान से (c) श्रेष्ठ से (d) दयावान से
उत्तर-(a) मूरस्थ से

प्रश्न26. नैतीस कोटि .....के सिर पर मुकुट धरो—
(a) जनता (b) राजा (c) साभ (d) भगवान
उत्तर-(a) जनता

प्रश्न27. राजप्रसाद कौन समास है?
(a) कर्मधारय (b) अव्ययीभाव (c) द्विगु (d) तत्पुरुष
उत्तर-(d) तत्पुरुष

प्रश्न28. 'नाद' शब्द का अर्थ है:

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

(a) स्वर (b) खिड़की (c) मुकुट (d) अनुभूति
उत्तर-(a) स्वर

प्रश्न29. निम्न में से कौन राज्यसभा के सदस्य बने—
(a) जीवनानंद दास (b) कुंवर नारायण
(c) रामधारी सिंह दिनकर (d) यतीन्द्र मिश्र
उत्तर-(c) रामधारी सिंह दिनकर

प्रश्न30. रामधारी सिंह दिनकर रचित पाठ है: (19(A)
(a) हिरोशिमा (b) जनतंत्र का जन्म
(c) भारत माता (d) मछली
उत्तर-(b) जनतंत्र का जन्म

प्रश्न31. 'सदियों की ठंडी बुझी राख सगबगा उठी, मिट्टी सोने का ताज पहन इठलाती है। यह पंक्ति है:
(a) दिनकर की (b) निराला की
(c) महादेवी की (d) अज्ञेय को
उत्तर-(a) दिनकर की

प्रश्न32. दिनकर किस काल के प्रमुख कवि हैं?
(a) भारतेन्दु युग (b) द्विवेदी युग
(c) कायावाद (d) उत्तर छायावाद
उत्तर-(d) उत्तर छायावाद

प्रश्न33. किसके हुंकारों से महलों की नींव उखड़ जाती है?
(a) शासक (b) राजा (c) विदेशी (d) जनता
उत्तर-(d) जनता

प्रश्न34. दिनकर जी कवि के साथ-साथ:
(a) आलोचक भी थे. (b) गद्यकार भी थे
(c) उपन्यासकार भी थे (d) संगीतकार भी थे
उत्तर-(b) गद्यकार भी थे

प्रश्न35, रामधारी सिंह दिनकर कहाँ के रहने वाले थे?
(a) उत्तर प्रदेश के (b) मध्य प्रदेश के
(c) राजस्थान के (d) बिहार के
उत्तर-(d) बिहार के

प्रश्न36. सदियों की लंबी-बुझी राख सुगवुगा उठी, मिट्टी सोने का ताजपहन इठलाती है-किस कविता की पंक्ति है?
(a) भारतमाता (b) स्वदेशी (c) हिरोशिमा (d) जनतंत्र का जन्म
उत्तर-(d) जनतंत्र का जन्म

7. हिरोशिमा (Hiroshima)

लेखक परिचय

लेखक- सच्चिदानंद हीरानंद वात्सयायन 'अज्ञेय'
जन्म- 7 मार्च 1911 ई॰, कुशीनगर (उत्तर प्रदेश)
मृत्यु- 4 अप्रैल 1987 ई॰
पिता- डॉ॰ हिरानन्द शास्त्री
माता- व्यंती देवी

अज्ञेय का प्रारंभिक शिक्षा लखनऊ में घर पर हुई। उन्होंने मैट्रिक 1925 ई॰ में पंजाब विश्वविद्यालय से, इंटर 1927 ई॰ में मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज से, बी॰ एससी॰ 1929 ई॰ में फोरमन कॉलेज, लाहौर से और एम॰ ए॰ (अंग्रेजी) लाहौर से किया।

प्रमुख रचनाएँ- काव्यः- भग्नदूत, चिंता, इत्यलम, हरी घास पर छन भर, बावरा अहेरी, आँगन के पार द्वार, सदानीरा आदि। कहानीः- विपथगा, जयदोल, ये तेरे प्रतिरूप, छोड़ा हुआ रास्ता, लौटती पगडंडियाँ आदि। उपन्यासः- शेखरः एक जीवनी, नदी के द्विप, अपने अजनबी। यात्रा साहित्यः- अरे यायावर रहेगा याद, एक बूँद सहसा उछली।

कविता परिचय- प्रस्तुत कविता में आधुनिक सभ्यता की मानवीय विभीषिका का चित्रण किया गया है। यह कविता 'अज्ञेय' की 'सदानीरा' कविता संग्रह से संकलित है।

7. हिरोशिमा

एक दिन सहसा
सुरज निकला
अरे क्षितिज पर नहीं,
नगर के चौकः
धूप बरसी
पर अंतरिक्ष से नहीं,
फटी मिट्टी से

कवि कहता है कि एक दिन सबेरे प्रकाश दिखाई पड़ा। यह प्रकाश क्षितिज से निकलते सूरज का नहीं, बल्कि शहर के मध्य में अमेरिका द्वारा गिराए गए बम का था। लोग गर्मी से जलने लगे। यह धूप की गर्मी नहीं थी। यह गर्मी बम विस्फोट से उत्सर्जित किरणों की थी। गर्मी फटी धरती की थी।

छायाएँ मानव-जन की
दिशाहीन
सब ओर पड़ी-वह सुरज
नहीं उगा था पूरब में, वह
बरसा सहसा

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrez Alam

बीचो-बीच नगर के :
काल-सूर्य के रथ के
पहियों के ज्यों अरे टुटकर
बिखर गये हो
दशों दिशा में।

कवि कहता है कि मनुष्य की छायाएँ दिशाहिन हो गई। प्रकाश छिटने लगा, लेकिन यह प्रकाश सूर्य का नहीं, बल्कि मानव के नृशंसता का था, जिसमें मानवता झुलस रही थी। कवि कहता है कि यह नगर के मध्य में मृत्यु रूपी सूर्य के टुटे हुए अरे का प्रकाश था। अतः बम फटते हि विध्वंसक पदार्थ मौत बनकर दशों दिशाओं में नाचने लगे।

कुछ छन का वह उदय-अस्त
केवल एक प्रज्वलित छन की
दृश्य सोख लेने वाली दो पहरी
फिर ?
छायाएँ मानव-जन की
नहीं मिटी लंबी हो-हो कर :
मानव ही सब भाप हो गये।
छायाएँ तो अभी लिखी हैं।
झुलसे हुए पत्थरों पर
उजड़ी सड़कों की गच पर।

कवि कहता है कि बम गिरने के बाद कुछ छन में ही विनाशलीला का दृश्य मन्द पड़ने लगा। दोपहर तक सारी लीला खत्म हो गई तथा मानव शरीर भाप बनकर वातावरण में मिल गया, परन्तु यह दुर्घटना आज भी झुलसे हुए पत्थरों और उजड़ी हुई सडकों पर के रूप में निशानी है।

मानव का रचा हुआ सुरज
मानव को भाप बनाकर सोख गया।
पत्थर पर लिखी हुई यह
जली हुई छाया
मानव की साखी है।

मानव के द्वारा बनाया गया बम मानव को ही भाप में बदलकर मिटा दिया। पत्थर पर लिखी हुई वह जलती छाया अर्थात् विकृत रूप मानव के नृशंसता का गवाह है।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)____दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. कविता के प्रथम अनुच्छेद में निकलने वाला सूरज क्या है ? वह कैसे निकलता है? (Text Book)

उत्तर- कविता के प्रथम अनुच्छेद में निकलने वाला सूरज आण्विक बम का प्रचण्ड गोला है। ऐसा प्रतीत होता है कि वह क्षितिज से न निकलकर धरती फाड़कर निकलता है।

प्रश्न 2. मनुष्य की छायाएं कहाँ और क्यों पड़ी हुई है? (Text Book)

उत्तर- मनुष्य की छायाएँ हिरोशिमा की धरती पर सब ओर दिशाहीन होकर पड़ी हुई हैं। जहाँ-तहाँ घर की दीवारों पर मनुष्य छायाएँ मिलती हैं। टूटी-फूटी सड़कों से लेकर पत्थरों पर छायाएँ प्राप्त होती हैं।

प्रश्न 3. हिरोशिमा में मनुष्य की साखी के रूप में क्या है? (Text Book, 2011C, 2012A)

उत्तर- आज भी हिरोशिमा में साक्षी के रूप में अर्थात् प्रमाण के रूप में जहाँ-तहाँ जले हुए पत्थर, दीवारें पड़ी हुई हैं। यहाँ तक कि पत्थरों पर, टूटी-फूटी सडकों पर, घर की दीवारों पर लाश के निशान, छाया के रूप में साक्षी हैं।

प्रश्न 4. प्रज्वलित क्षण की दोपहरी से कवि का आशय क्या है? (पाठ्य पुस्तक)

उत्तर- हिरोशिमा में जब बम का प्रहार हुआ तो प्रचण्ड गोलों से तेज प्रकाश निकला और वह चारों दिशाओं में फैल गया। इस अप्रत्याशित प्रहार से हिरोशिमा के लोग हतप्रभ रह गये। उन्हें ऐसा लगा कि धीरे-धीरे आनेवाला दोपहर आज एक क्षण में ही उपस्थित हो गया ।

प्रश्न 5. 'हिरोशिमा' कविता से हमें क्या सीख मिलती है? (2018A)

उत्तर- हिरोशिमा कविता मानवीय संवेदना स्थापित करते हुए चेतावनी के रूप में प्रस्तुत है। इस कविता में आधुनिक सभ्यता की दुर्दांत मानवीय विभीषिका का चित्रण है जिससे हमें संदेश मिलता है कि हम विकास-क्रम में मानवता को नहीं भूलें एवं हिंसक प्रवृत्ति पर नियंत्रण करें अन्यथा मानव कल्याण की जगह विनाश लीला से धरती तिलमिला उठेगी।

प्रश्न 6. छायाएं दिशाहीन सब ओर क्यों पड़ती हैं? स्पष्ट करें।

(Text Book, 2012C,2015A)

अथवा, छायाएं दिशाहीन सब ओर क्यों पड़ती है? 'हिरोशिमा' शीर्षक कविता के आधार पर स्पष्ट करें।

(2014A)

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

उत्तर- सूर्य के उगने से जो भी छाया का निर्माण होता है वे सभी निश्चित दिशा में लेकिन बम-विस्फोट से निकले हुए प्रकाश से जो छायाएँ बनती हैं वे दिशाहीन होती हैं। क्योंकि, आण्विक शक्ति से निकले हुए प्रकाश सम्पूर्ण दिशाओं में पड़ता है। उसका कोई निश्चित दिशा नहीं है। बम के प्रहार से मरने वालों की क्षत-विक्षत लाशें विभिन्न दिशाओं में जहाँ-तहाँ पड़ी हुई हैं। ये लाशें छाया-स्वरूप हैं, परन्तु चारों ओर फैली होने के कारण दिशाहीन छाया कही गयी है।

Objective Questions

प्रश्न1. अज्ञेय का जन्म किस प्रदेश में हुआ था?
(a) मध्यप्रदेश (b) उत्तर प्रदेश
(c) छत्तीसगढ़ (d) पंजाब
उत्तर-(b) उत्तर प्रदेश
प्रश्न2. कौन-सी कृति अज्ञेय की नहीं है?
(a) बावरा अहेरी (b) आँगन के पार द्वार
(c) एक बूंद सहसा उछलो (d) मिलनयागिनी
उत्तर-(d) मिलनयागिनी
प्रश्न3. 'उत्तर प्रियदर्शी' किस विधा की रचना है?
(a) नाटक (b) उपन्यास (c) प्रबंधकाव्य (d) कहानी
उत्तर-(a) नाटक
प्रश्न4. हिरोशिमा किस देश में है?120(A) 1, 20 (A)
(a) इटली (b) फ्रांस (c) जापान (d) जर्मनी
उत्तर-(c) जापान
प्रश्न5. 'हिरोशिमा' शीर्षक कविता में 'सूरज' का प्रतीक अर्थ क्या है?
(a) खगोलीय पिंड (b) प्रशॉसित व्यक्ति
(c) प्रचंड क्रोध (d) अणुक्म
उत्तर-(d) अणुक्म
प्रश्न6. 'कुछ क्षण का यह उदय-अस्त।' इसमें कौन-सा अलंकार है?
(a) उपमा (b) रुपक (c) संदेह (d) विरोधाभास एवं विभावना
उत्तर-(d) विरोधाभास एवं विभावना
प्रश्न7. 'हिरोशिमा' शीर्षक कविता में वर्णित सूरज कहाँ निकला?
(a) पूर्वी क्षितिज पर (b) नगर के चौक पर
(c) पूर्वी दिशा में (d) इनमें कहीं नहीं
उत्तर-(b) नगर के चौक पर
प्रश्न8. अज्ञेय के नाम से हिन्दी साहित्य के इतिहास में कौन-सा बाद जुड़ाहुआ है?
(a) प्रगतिवाद (b) लायावाद
(c) प्रयोगवाद (d) हालावाद
उत्तर-(c) प्रयोगवाद
प्रश्न9. कौन-सी कृति अज्ञेय की है?
(a) निशीथ (b) सुबह का तारा
(c) अरे यायावर रहेगा याद (d)गुंजन
उत्तर-(c) अरे यायावर रहेगा याद
प्रश्न10. 'हिरोशिमा' के कवि कौन हैं?
(a) रामधारी सिंह दिनकर (b) कुँवर नारावण
(c) 'अज्ञेय' (d) जीवानंद दास
उत्तर-(c) 'अज्ञेय'
प्रश्न11. 'अज्ञेय' किसका उपनाम है?
(a) सच्चिदानंद वात्स्यायन (b) रामधारी सिंह
(c) बदरी नारायण चौधरी (d) वीरेन डंगवाल
उत्तर-(a) सच्चिदानंद वात्स्यायन
प्रश्न12. 'हिरोशिमा' कहाँ है?
(a) जापान में (b) म्यांमार में
(c) कोरिया में (d) चीन में
उत्तर- (a) जापान में
प्रश्न13 'अज्ञेय' की निबंध कृति है:
(a) भवंति (b) अंतरा (c) त्रिशंकु (d) इनमें सभी
उत्तर-(d) इनमें सभी
प्रश्न14. 'अज्ञेय' को काव्य-संग्रह है:
(a) डरी घास पर क्षण भर (c) आंगत के पार घर
(b) कितनी नायों में कितनी बार (d) इनमें सभी
उत्तर-(d) इनमें सभी
प्रश्न15. 'अज्ञेय' का निधन कब हुआ?
(a) 4 अप्रैल, 1983 (b)14 अप्रैल, 1985
(c) 4 अप्रैल, 1987 (d) 14 अप्रैल, 1989
उत्तर-(c) 4 अप्रैल, 1987
प्रश्न16. 'अज्ञेय' के माताजी का क्या नाम था?
(a) जयंती देवी (b) वंदना देवी
(c) व्यती देवी (d) सरला देवी
उत्तर-(c) व्यंती देवी

Excellence Coaching Institute Guided By - Nasrat Alam

प्रश्न17. कौन-सी कृति अजेय की ?
(a) निशीथ (b) सुबह का तारा
(c) अरे यायावर रहेगा याद (d) गुंजन
उत्तर-(c) अरे यायावर रहेगा याद
प्रश्न18. 'अज्ञेय' का जन्म कब हुआ?
(a) 7 मार्च, 1911
(b) 9 मार्च, 1913
(c) 11 मार्च, 1915
(d) 13 मार्च, 1917
उत्तर-(a) 7 मार्च, 1911
प्रश्न19. 'शेखर : एक जीवनी' अज्ञेय की प्रसिद्ध:
(a) निबंध (b) उपन्यास (c) कहानी संग्रह (d) नाटक
उत्तर-(b) उपन्यास
प्रश्न20. 'अज्ञेय' ने सम्पादन किया :
(a) रूपांबरा (b) पुष्करिणी (c) तार सप्तक (d) इनमें सभी
उत्तर-(d) इनमें सभी
प्रश्न21. जापान के 'हिरोशिमा' नामक नगर पर अणुबम किसने गिराई?
(a) अमेरिका (b) रूस (c) चीन (d) इंग्लैण्ड
उत्तर-(a) अमेरिका
प्रश्न22. अज्ञेय ने अपनी शिक्षा कहाँ तक ग्रहण की?
(a) इंटरमीडिएट (b) बी. ए. ऑनर्स
(c) एम. ए. (d) पी-एच-डी
उत्तर-(c) एम. ए.
प्रश्न23. 'अज्ञेय' का पूरा नाम है:
(a) सच्चिदानंद हीरानंद 'अज्ञेय'
(b) सच्चिदानंद होरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
(c) हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
(d) सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
उत्तर- (b) सच्चिदानंद होरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
प्रश्न24. 'अज्ञेय' के पिताजी का क्या नाम था?
(a) डॉ. हीरानन्द शास्त्री (b) डॉ. सच्चिदानंद शास्त्री
(c) डॉ. कृष्ण शास्यो (d) डॉ. पारसनाथ शास्त्री
उत्तर-(a) डॉ. हीरानन्द शास्त्री
प्रश्न25. 'हिरोशिमा' कविता किसका चित्रण करती है?
(a) प्राचीन सभ्यता को खुशहाली का
(b) आधुनिक सभ्यता के विकास का
(c) प्राचीन सभ्यता की मानवीय विभीषिका का
(d) आधुनिक सभ्यता की दुदाँत मानवीय विभीषिका का
उत्तर-(d) आधुनिक सभ्यता की दुदाँत मानवीय विभीषिका का
प्रश्न26. अज्ञेय का जन्म कब हुआ?
(a) 1910 (b) 1911
(c) 1912 (d) 1913.
उत्तर-(b) 1911
प्रश्न27. 'अज्ञेय' द्वारा रचित 'शाश्वती' :
(a) गारक (b) निबंध (c) उपन्यास (d) काव्य
उत्तर-(b) निबंध
प्रश्न28. कवि के अनुसार अणुवम है।
(a) ग्रह (b) सूरज (c) उपग्रह (d) तारामण्डल
उत्तर-(b) सूरज
प्रश्न29. 'तार-सपाक' का संपादन किया:
(a) जयशंकर प्रसाद (b) महादेवी वर्मा ने
(c) राम इकबाल सिंह 'राकेश ने (d) 'अज्ञेय' ने
उत्तर-(d) 'अज्ञेय' ने
प्रश्न30. हिन्दी कविता में प्रयोगवाद का सूत्रपात किया
(a) महादेवी वर्मा ने (b) राम इकबाल सिंह 'राकेश' ने
(c)दिनकर ने (d) 'अज्ञेय' ने
उत्तर-(d) 'अज्ञेय' ने
प्रश्न31. 'हिरोशिमा' पाठ में नगर के चौक पर निकलने वाला सूरज क्या है?
(a) आग का गोला (b) परमाणु बम
(c) मिसाइल (d) रॉकेट
उत्तर-(b) परमाणु बम
प्रश्न32. दुर्दशा मानवीय विभीषिका का चित्रण करने वाली कविता है:
(a) एक वृक्ष की इत्या (b) अक्षर ज्ञान
(c) हिरोशिमा (d) जनतंत्र का जन्य
उत्तर-(c) हिरोशिमा
प्रश्न33. पत्थर पर लिखी हुई जली हुई छाया किसकी साखी है?
(a) पशु (b) ईश्वर (c) मानव (d) प्रकृति
उत्तर-(c) मानव
प्रश्न34. नदी के द्वीप' किस कवि की रचना है?

Excellence Coaching Institute Guided By - Neeraj Jain

(a) रामधारी सिंह दिनकर
(b) सुमित्रानंदन पंत
(c) कुंवर नारायण
(d) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय
उत्तर-(d) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय

8. एक वृक्ष की हत्या (Ek Vriksh Ki Hatya)

कवि परिचय

कवि- कुँवर नारायण
जन्म- 19 सितम्बर, 1927 ई०, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
मृत्यु- 15 नवम्बर, 2017 ई०

इन्होंने कविता लिखने की शुरुआत सन् 1950 ई० के आस-पास की।

प्रमुख रचनाएँ- चक्रव्यूह, परिवेश : हम तुम, अपने सामने, कोई दूसरा नहीं, इन दिनों (काव्य संग्रह), आत्मजयी, आकारों के आस-पास (कहानी संग्रह), आज और आज से पहले, मेरे साक्षात्कार आदि।

पुरस्कार एवं सम्मान- साहित्य अकादमी पुरस्कार, कुमारन आशान पुरस्कार, व्यास सम्मान, प्रेमचंद पुरस्कार, लोहिया सम्मान, कबीर सम्मान आदि।

कविता परिचय- प्रस्तुत कविता में कवि ने एक वृक्ष के बहाने पर्यावरण, मनुष्य और सभ्यता के विनाश की अन्तर्व्यथा पर मार्मिक विचार प्रकट किया है।

8. एक वृक्ष की हत्या

अबकी घर लौटा तो देखा वह नहीं था-
वहीं बूढ़ा चौकीदार वृक्ष
जो हमेशा मिलता था घर के दरवाजे पर तैनात।

कवि कहता है कि जब वह प्रदेश से घर लौटा तो अपने घर के सामने वाले पुराने पेड़ को न देखकर सोच में पड़ गया कि आखिर वह पेड़ गया कहाँ ? क्योंकि जब कभी घर आता था तो उस पेड़ को चौकीदार की तरह तैनात पाता था।

पुराने चमड़े का बना उसका शरीर
वही सख्त जान
झुर्रियांदार खुरदुरा तना मैलाकुचैला,
राइफिल-सी एक सूखी डाल,
एक पगड़ी फूलपत्तीदार,
पाँवों में फटापुराना जूता,
चरमराता लेकिन अक्खड़ बल-बूता

वह पेड़ अधिक दिनों के होने के कारण अपना हरापन खो चूका था। डालें सूख गई थीं, पत्ती झड़ गये थे। लेकिन पेड़ का उपरी भाग फूल-पत्ती से युक्त था जो पगड़ी के समान प्रतित हो रहा था। पेड़ पुराना होने के कारण उसका तना खुरदुरा था। हर विषम परिस्थितियों में वह पेड़ निर्भीक होकर बहादुर के समान वहाँ खड़ा रहता था।

धूप में बारिश में
गर्मी में सर्दी में
हमेशा चौकन्ना
अपनी खाकी वर्दी में

कवि कहता है कि वह बुढ़ा वृक्ष गर्मी, सर्दी तथा बरसात में हमेशा चौकीदार की तरह खाकी वर्दी में अर्थात् छाल नष्ट होने के कारण हल्के-पीले रंग का दिखाई पड़ता था।

दूर से ही ललकारता '' कौन ? ''
मैं जवाब देता, '' दोस्त ! ''
और पल भर को बैठ जाता
उसकी ठंढी छाँव में
दरअसल शुरू से ही था हमारे अन्देशों में
कहीं एक जानी दुश्मन

कवि कहता है कि जब वह पेड़ के समीप पहुँचता था कि दूर से ही वह चौकिदार के समान सावधान करता था। तात्पर्य यह कि जैसे चौकिदार आनेवालों से जानकारी लेने के लिए पूछता है, वैसे ही वह पेड़ कवि से जानना चाहता है तब कवि अपने को उसका दोस्त कहते हुए उस पेड़ की शीतल छाया में बैठकर सोचने लगता है कि कहीं संवेदनहीन मानव स्वार्थपूर्ति के लिए इसे काट न दें।

कि घर को बचाना है लुटेरों से
शहर को बचाना है नादिरों से
देश को बचाना है देश के दुश्मनों से

कवि कहता है कि घर को बचाना है लुटेरों से, शहर को बचाना होगा हत्यारा से तथा देश को बचाना होगा देश के दुश्मनों से अर्थात् घर, शहर तथा देश तभी सुरक्षित रहेंगे, जब वृक्षों की रक्षा होगी।

बचाना है -
नदियों को नाला हो जाने से
हवा को धुँआ हो जाने से
खाने को जहर हो जाने से :

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrez Alam

बचाना है - जंगल को मरूस्थल हो जाने से,

बचाना है - मनुष्य को जंगल हो जाने से।

कवि आगे कहता है कि नदियों को नाला बनने से, हवा को धुँआ बनने से तथा खाने को जहर बनने से बचाना होगा। इतना हि नहीं जंगल को मरूस्थल तथा मनुष्य को जंगल हो जाने से बचाना होगा। तात्पर्य यह कि पेड़-पौधों की रक्षा नहीं किया जायेगा तो मानव-सभ्यता नहीं बचेगा। इसलिए हम सब किसी मिलकर पर्यावरण को बचाना होगा।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)____दो अंक स्तरीय

1. 'एक वृक्ष की हत्या' कविता में एक रूपक की रचना हई है। रूपक क्या है और यहाँ उसका क्या स्वरूप है? स्पष्ट कीजिए। (Text Book)

उत्तर- रूपक भाव अभिव्यक्ति की एक विधा है। इसमें कवि की कल्पना मूर्तरूप में चित्रित होती है। यहाँ वृक्ष की महत्ता को मूर्त रूप देते हुए उसे एक प्रहरी के रूप में दिखाया गया है।

प्रश्न 2. 'एक वृक्ष की हत्या' कविता विश्व की किस समस्या को उजागर करती है? (2018C)

उत्तर- 'एक वृक्ष की हत्या' कविता संसार की पर्यावरण समस्या को उजागर कर रही है। वन-विनाश के कारण पर्यावरण दूषित हो रहा है, जो अन्ततः मनुष्य के विनाश का कारण बन सकता है।

प्रश्न 3. घर, शहर और देश के बाद कवि किन चीजों को बचाने की बात करता है और क्यों ? (Text Book)

उत्तर- घर, शहर और देश के बाद, कवि नदियों, हवा, भोजन, जंगल एवं मनुष्य को बचाने की बात करता है क्योंकि नदियाँ, हवा, अन्न, फल, फूल जीवनदायक हैं। इनकी रक्षा नहीं होगी तो मनुष्य के स्वास्थ्य की रक्षा नहीं हो सकती है।

प्रश्न 4. कवि को वृक्ष बूढ़ा चौकीदार क्यों लगता था? (Text Book 2012A,2012C,2017A)

उत्तर- कवि एक वृक्ष के बहाने प्राचीन सभ्यता, संस्कति एवं पर्यावरण की रक्षा की चर्चा की है। वृक्ष मनुष्यता, पर्यावरण एवं सभ्यता की प्रहरी है। यह प्राचीनकाल से मानव के लिए वरदानस्वरूप है, इसका पोषक है, रक्षक है। इन्हीं बातों का चिंतन करते हुए कवि को वृक्ष बूढ़ा चौकीदार लगता था।

प्रश्न 5. कविता के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। अथवा, 'एक वृक्ष की हत्या' शीर्षक कविता का भावार्थ लिखें। (Text Book,2013C)

उत्तर- प्रस्तुत कविता में कवि एक पुराने वृक्ष की चर्चा करते हैं। वृक्ष प्रहरी के रूप में कवि के घर के निकट था और वह एक दिन काट दिया जाता है। काम के चिंतन का मुख्य केन्द्र-बिन्दु कटा हुआ वृक्ष ही है। उसी को आधार मानव सभ्यता, मनुष्यता एवं पर्यावरण का क्षय होते हुए देखकर दुखी होते हैं।

प्रश्न 6. 'एक वृक्ष की हत्या' कविता का समापन करते हुए कवि अपने किन अंदेशों का जिक्र करता है और क्यों? (Text Book, 2016A)

उत्तर- कवि को अंदेशा है कि आज पर्यावरण, हमारी प्राचीन सभ्यता, मानवता तक के जानी दुश्मन समाज में तैयार हैं। अंदेशा इसलिए करता है क्योंकि आज लोगों की प्रवृत्ति वृक्षों की काटने की हो गई। सभ्यता के विपरीत कार्य करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, मानवता का ह्रास हो रहा है।

प्रश्न 7. वृक्ष और कवि में क्या संवाद होता था? (Text Book, 2015A,2015C)

उत्तर- कवि जब अपने घर कहीं बाहर से लौटता था तो सबसे पहले उसकी नजर घर के आगे स्थिर खड़ा एक पुराना वृक्ष पर पड़ती। कवि को आभास होता मानो वृक्ष उससे पूछ रहा है कि तुम कौन हो ? कवि इसका उत्तर देता-मैं तुम्हारा दोस्त हैं। इसी संवाद के साथ वह उसके निकट बैठकर भविष्य में आने वाले पर्यावरण संबंधी खतरों का अंदेशा करता है।

Objective Questions

प्रश्न1. एक वृक्ष की हत्या' कविता में कवि मनुष्य को क्या हो जाने से बचाना चाहता है?

(a) नाला हो जाने से (b) धुओं हो जाने से

(c) जहर हो जाने से (d) जंगल हो जाने से

उत्तर-(d) जंगल हो जाने से

प्रश्न2. चक्रव्यूह' के रचनाकार हैं:

(a) कुंवर नारायण (b) नागार्जुन

(c) धर्मवीर भारती (d) नरेन्द्र शर्मा

उत्तर-(a) कुंवर नारायण

प्रश्न3. दूर से कौन ललकारता है?

(a) दुश्मन (b) डाकू

(c) चौकीदार (d) वृक्ष चौकीदार

उत्तर-(d) वृक्ष चौकीदार

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrez Alam

प्रश्न4. कवि के अंदेशों में कौन था?
(a) एक जानी-दुश्मन (b) एक नेता
(c) एक संन्यासी (d) एक दोस्त
उत्तर-(a) एक जानी-दुश्मन
प्रश्न5. कुंवर नारायण का जन्म किस शहर में हुआ था?
(a) कानपुर (b) इलाहाबाद (c) लखनऊ (d) पटना
उत्तर-(c) लखनऊ
प्रश्न6. बचाना है मनुष्य को जंगल हो जाने से इस कथन के माध्यम से कवि मनुष्य के संबंध में क्या सोचता है?
(a) मनुष्य सभ्य है (b) मनुष्य सुसंस्कृत है
(c) मनुष्य निरंतर असभ्य होता जा रहा है
(d) मनुष्य सामाजिक प्राणी है
उत्तर-(c) मनुष्य निरंतर असभ्य होता जा रहा है
प्रश्न7. कुंवर नारायण कैसे कवि हैं ?
(a) रहस्यवादी (b) छायावादी
(c) हालावादी (d) संवेदनशील
उत्तर-(d) संवेदनशील
प्रश्न8. 'एक वृक्ष की हत्या के कवि कौन हैं?
(a) अज्ञेय (b) पंत (c) कुँवर नारायण (d) जीवनानंद दास
उत्तर-(d) जीवनानंद दास
प्रश्न9. 'एक वृक्ष की हत्या' किस काव्य-संग्रह से संकलित है?
(a) इन्हीं दिनों (b) हम-तुम
(c) आमने-सामने (d) चक्रव्यूह
उत्तर-(a) इन्हीं दिनों
प्रश्न10. 'एक वृक्ष की हत्या' पाठ में कवि किसकी रक्षा को कविता का केन्द्र मानते हैं?
(a) वृक्ष की रक्षा (b) मानवता की रक्षा
(c) पृथ्वी की रक्षा (d) वायुमंडल की रक्षा
उत्तर-(b) मानवता की रक्षा
प्रश्न11. बनाना है 'नदियों को
(a) तालाब हो जाने से (b) कुआँ हो जाने से
(c) नाला हो जाने से (d) समुद्र हो जाने से
उत्तर-(c) नाला हो जाने से
प्रश्न12. 'कुंवर नारायण' की काव्य-संग्रह है:
(a) आत्मजयी (b) चक्रव्यूह
(c) परिवेश (d) इनमें सभी
उत्तर-(d) इनमें सभी
प्रश्न13. 'आकारों के आसपास' कुँवर नारायण की कृति है।
(a) कहानी संग्रह (b) काव्य संग्रह
(c) समीक्षात्मक (d) उपन्यास
उत्तर-(a) कहानी संग्रह
प्रश्न14. कुंवर नारायण की समीक्षात्मक रथना है:
(a) मेरे साक्षात्कार (b) आज और आज से पहले
(c) हम तुम (d) कोई दूसरा नहीं
उत्तर-(b) आज और आज से पहले
प्रश्न15. 'से' कौन-सा कारक है?
(a) कर्म (b) अधिकरण
(c) करण (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(c) करण
प्रश्न16. 'धूप' कौन-सा कारक है?
(a) कर्म (b) अधिकरण
(c) करण (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(b) अधिकरण
प्रश्न17.कुंवर नारायण का जन्म कब हुआ?
(a) 17 अगस्त, 1925
(b) 19 सितम्बर, 1927
(c) 21 अक्टूबर, 1929
(d) 23 नवम्बर, 1931
उत्तर-(b) 19 सितम्बर, 1927
प्रश्न18. 'कुंवर नारायण' को किस पुरस्कार से सम्मानित किया गया?
(a) प्रेमचन्द पुरस्कार (b) साहित्य अकादमी पुरस्कार
(c) (a) और (b) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(c) (a) और (b) दोनों
प्रश्न19. कुंवर नारायण की प्रसिद्ध कृति कौन-सी है?
(a) आत्मजयी (b) कालजयी
(c) (A) और (b) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(a) आत्मजयी
प्रश्न20. कवि को वृक्ष कैसा लगता है?
(a) शुद्ध चौकीदार की तरह
(b) शान से खड़ा चौकीदार की तरह
(c) बूढ़ा चौकीदार की तरह
(d) नतमस्तक चौकीदार की तरह
उत्तर-(c) बूदा चौकीदार की तरह

Excellence Coaching Institute Guided By - Manoj Alam

प्रश्न21. कदि के घर लौटने पर दरवाजे पर क्या नहीं देखा?
(a) माँ को (b) पिताजी को
(c) तुलसी के पौधे को (d) बुढ़े चौकोदार वृक्ष को
उत्तर-(d) बुढ़े चौकोदार वृक्ष को
प्रश्न22. 'कुंवर' ने लिखने की शुरूआत कब से की?
(a) 1948 ई. के आसपास
(b) 1950 ई. के आसपास
(c) 1952. के आसपास
(d) 1954 ई. के आसपास
उत्तर-(b) 1950 ई. के आसपास
प्रश्न23. एक वृक्ष की हत्या' किससे जुड़ी हुई है?
(a) मौत से (b) पेड़-पौधों से
(c) पर्यावरण से (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(c) पर्यावरण से
प्रश्न24. एक वृक्ष की हत्या कविता में कवि शहर को किसने बचाने की बात करता है?
(a) लुटेरों से (b) देश के दुश्मनों से
(c) नादिरों से (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(c) नादिरों से
प्रश्न25. जो हमेशा मिलता था ..., के दरवाजे पर तैनात :
(३) महल (b) घर
(c) रामप्रसाद (d) वगीचे
उत्तर-(b) घर
प्रश्न26. कवि बूढ़े वृक्ष की तुलना किससे करता है।
(a) चौकीदार से (b) पुरोहित से
(c) शिक्षक से (d) मजदूर से
उत्तर-(a) चौकीदार से
प्रश्न27. हवा में मात्रा बढ़ रही है।
(a) ऑक्सीजन की (b) कार्बन डाई-ऑक्साइड की
(c) हाइोजन की (d) नाइट्रोजन की
उत्तर-(b) कार्बन डाई-ऑक्साइड की
प्रश्न28.कवि जंगल को क्या होने से बचाना चाहता है?
(a) मैदान (b) मरूस्थल
(c) नदी (d) दानव
उत्तर-(b) मरूस्थल
प्रश्न29. वायु प्रदूषण को रोका जा सकता है:
(a) वृक्ष से (b) जाल से (c) पत्थर से (d) अग्नि से
उत्तर-(a) वृक्ष से
प्रश्न30. वृक्ष काटने से बिगड़ता है:
(a) पर्यावरण (b) घर (c) गाँव (d) शहर
उत्तर-(a) पर्यावरण
प्रश्न31. कवि के अनुसार चौकीदार वस्त्र पहनता है:
(a) साफ-सुथरा (b) मैला कुचला
(c) फटा हुआ (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(b) मैला कुचला
प्रश्न32. कुंवर नारायण कवि है।
(a) ग्राम संवेदना के (b) नगर संवेदना के
(c) ममत्व संवेदना के (d) पितृत्व संवेदना के
उत्तर-(b) नगर संवेदना के
प्रश्न33. "दूर से ही ललकारता, "कौन? मैं जवाब देता, "दोस्त | पंक्ति किस पाठ से है?
(a) एक पक्ष की हत्या (b) स्वदेशी
(c) भारतमाता (d) हमारी नींद
उत्तर-(a) एक पक्ष की हत्या
प्रश्न34. 'एक वृक्ष की हत्या' कविता वृक्ष और कवि के बीच कैसा संबंध है?
(a) शत्रुता (b) मित्रता (c) भक्ति (d) ईर्ष्या
उत्तर-(b) मित्रता
प्रश्न35. कवि को बड़ा चौकीदार वृक्ष हमेशा कहाँ पर मिलता था ?
(a) घर के अंदर (b) चौक पर
(C) दरवाजे पर (d) ऑगन में
उत्तर-(C) दरवाजे पर
प्रश्न36. एक पक्ष की हत्या' शीर्षक कविता वृक्ष की सुखी डाली किसकी तरह थी?
(a) बीमार आदमी की तरह
(b) राइफिल की तरह
(c) कमजोर जादमी को तरह
(d) थके हुए आदमी की तरह
उत्तर-(b) राइफिल की तरह

9. हमारी नींद

लेखक परिचय

लेखक- वीरेन डंगवाल

Excellence Coaching Institute Guided By - Mohd Alam

जन्म- 5 अगस्त, 1947 ई०, टिहरी गढ़वाल जिला के कीर्तिनगर में (उत्तरांचल)

मृत्यु- 28 सितम्बर, 2015 ई०

इन्होंने मुजफ़्फरनगर, सहारनपुर, कानपुर, बरेली, नैनीताल में शुरुआती शिक्षा प्राप्त करने के बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एम० ए० किया।

प्रमुख रचनाएँ- विरेन डंगवाल का पहला कविता संग्रह 'इसी दुनिया में' प्रकाशित हुआ। इसके बाद 'दुष्चक्र में स्रष्टा'। इन्होंने विभिन्न कवियों की कविताओं तथा आदिवासी लोक कविताओं का विशाल मात्रा में अनुवाद किया है।

कविता परिचय- प्रस्तुत कविता 'हमारी नींद' को वीरेन डंगवाल की काव्य संकलन 'दुष्चक्र में स्रष्टा' से लिया गया है। इसमें सुविधा भोगी आराम पसंद जीवन अथवा हमारी बेपरवाहीयां के बाहर विपरित परिस्थितियों से लगातार लड़ते-बढ़ते जानेवाले जीवन का चित्रण करती है।

9. हमारी नींद

मेरी निंद के दौरान
कुछ इंच बढ़ गये पेड़
कुछ सुत पौधे
अंकुर ने अपने नाम मात्र
कोमल सिंगो सें
धकेलना शुरू की
बीज की फुली हुई
छत, भीतर से।

कवि कहते हैं कि मनुष्य सुविधा भोगी बनकर आराम की नींद सोता है लेकिन प्रकृति विकास क्रम को अनवरत जारी रखती है। हमारे नींद के दौरान कुछ इंच पेड़ तथा कुछ सुत पौधे बढ़ जाते हैं। बीज अंकुरित होकर अपनी कोपलों को धकेलना शुरू कर देता है।

एक मक्खी का जीवन-क्रम पुरा हुआ
कई शिशु पैदा हुए, और उनमें से
कई तो मारे गए
दंगे, आगजनी और बमबारी में ।

कवि एक मक्खी के माध्यम से दीन-हीन लोगों के जीवन के दशा के विषय में कहता है कि उसके बच्चे दीनता के कारण या तो मर गये अथवा अत्याचारियों के कोप के शिकार हो गये, जो दंगे आगजनी और बमबारी में मारे गये।

गरीब बस्तीयों में भी
धमाके से हुआ देवी जागरण
लाउडस्पीकर पर।

पुनः कवि कहते हैं कि जहाँ झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले गरीब लोग हैं जो केवल किसी तरह से अपने पेट की आग शांत करने के अपेक्षा कुछ नहीं जानते हैं वहाँ भी विलासी लोग देवी जागरण तथा अन्य ढ़ोंगी कार्यक्रम की आड़ में लाउडस्पीकर बजवाकर ठगने का कार्य करते हैं।

याने साधन तो सभी जुटा लिए हैं अत्याचारियों ने
मगर जीवन हठिला फिर भी
बढ़ता ही जाता आगे
हमारी निंद के बावजूद

कवि कहते हैं कि अत्याचारी सूख-भोग के सारे साधन जमा करने के बावजूद अपने हठी स्वभाव के कारण अन्याय बंद करना नहीं चाहते। उनका जुल्म बढ़ता ही जा रहा है।

और लोग भी है, कई लोग हैं
अभी भी
जो भूले नहीं करना
साफ और मजबुत
इनकार।

कवि कहते हैं कि आज भी वैसे अनेक लोग हैं जो अपनी सुविधा का त्याग करना नहीं चाहते तो जनता अत्याचारियों के जुल्म का विरोध करने से इनकार करना नहीं भूलती।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)___दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. 'हमारी नींद' कविता किस प्रकार के जीवन का चित्रण करती है ? (Text Book)

उत्तर- हमारी नींद कविता सुविधाभोगी, आरामपसंद जीवन अथवा हमारी बेपरवाहियों के बाहर विपरीत परिस्थितियों से लगातार लड़ते हुए बढ़ते जाने वाले जीवन का चित्रण करती है।

प्रश्न 2. कविता के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए। (Text Book)

अथवा, 'हमारी नींद' कविता के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालें। (2013CA, 2014A, 2015A)

उत्तर- यहाँ शीर्षक विषय वस्तु प्रधान हैं। शीर्षक छोटा है और आकर्षक भी है। इसका शीर्षक पूर्णरूप से केन्द्र में चक्कर

Excellence Coaching Institute Created By - Tabrez Alam

लगाता है, जहाँ शीर्षक सुनकर ही जानने की इच्छा प्रकट हो जाती है। अतः सब मिलाकर शीर्षक सार्थक है।

प्रश्न 3. मक्खी के जीवन-क्रम का कवि द्वारा उल्लेख किये जाने का क्या आशय है?

(Text Book ,2013A)

उत्तर- मक्खी के जीवन-क्रम का कवि द्वारा उल्लेख किये जाने का आशय है निम्न स्तरीय जीवन की संकीर्णता को दर्शाना। सृष्टि में अनेक जीवन-क्रम चलता रहता है । मक्खी का जीवन-क्रम केवल सुविधाभोगी एवं परजीवी जीवन का बोध कराता है।

प्रश्न 4. कवि गरीब बस्तियों का क्यों उल्लेख करता है?

(Text Book)

उत्तर- कवि गरीब बस्तियों के उल्लेख के माध्यम से कहना चाहता है कि जहाँ के लोग दो जून रोटी के लिए काफी मसक्कत करने के बाद भी तरसते हैं वहाँ पूजा-पाठ, देवी जागरण जैसा महोत्सव के बहाने कुछ स्वार्थी लोग अपने लाभ के लिए गरीब लोगों का उपयोग करते हैं।

प्रश्न 5. 'हमारी नींद' शीर्षक कविता में कवि ने किन अत्याचारियों का जिक्र किया है, और क्यों?

(Text Book,2011A,2015C,2017A)

उत्तर- कवि यहाँ उन अत्याचारियों का जिक्र करता है जो हमारी सुविधाभोगी, आरामपसंद जीवन से लाभ उठाते हैं। हमारी बेपरवाहियों के बाहर विपरीत परिस्थितियों से लगातार लड़ते हुए बढ़ते जाने वाले जीवित नहीं रह पाते हैं और इस अवस्था में अत्याचारी अत्याचार करने के बाह्य और आंतरिक सभी साधन जुटा लेते हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

प्रश्न1. 'हमारी नींद' शीर्षक कविता किस काव्य संग्रह से ली गई है?
(a) दुश्चक्र में स्रष्टा (b) इसी दुनिया में
(c) गता पते की चिट्ठी (d) मन विहंगम
उत्तर-(a) दुश्चक्र में स्रष्टा

प्रश्न2.बीरेन डंगवाल किस दैनिक पत्र के संपादकीय सलाहकार है?
(a) दैनिक जागरण (b) जनसता
(c) अमर उजाला (d) भास्कर
उत्तर-(c) अमर उजाला

प्रश्न3. इसी दुनिया में किसकी कृति है?
(a) रघुवीर सहाय (b) मुक्तिबोध
(c) केदारनाथ अग्रवाल (d) वीरेन डंगवाल
उत्तर-(d) वीरेन डंगवाल

प्रश्न4. कविता में देवी जागरण कहाँ हुआ?
(a) बाजार में (b) गरीब बस्तियों में
(c) शहर में (d) नगर के बीचों-बीच में
उत्तर-(b) गरीब बस्तियों में

प्रश्न5.कविता में किसका जीवन-क्रम पूरा हुआ उल्लिखित है?
(a) मधुमक्खी का (b) पलंग का
(c) मच्छर का (d) मक्खी का
उत्तर-(d) मक्खी का

प्रश्न6. 'हमारी नींद' के रचयिता कौन हैं?
(a) सुमित्रानंदन पंत (b) वीरेन डंगवाल
(c) रामधारी सिंह दिनकर (d) कुंवर नारायण
उत्तर-(b) वीरेन डंगवाल

प्रश्न7.वीरेन डंगवाल किस विचारधारा के कवि है?
(a) जनवाद (b) रहस्यवादी (c) रीतिवादी (d) सूफी
उत्तर-(a) जनवाद

प्रश्न8. 'हमारी नींद' में 'नीच' किसका प्रतीक है?
(a) हामीद (b) आलस (c) साहस (d) प्रसन्नता
उत्तर-(b) आलस

प्रश्न9. 'दुश्चक्र में स्रष्टा' पुस्तक पर वीरेन डंगवाल को कौन-सा पुरस्कार प्राप्त हुआ?
(a) ज्ञानपीठ (b) सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार
(c) साहित्य अकादमी (d) नोबेल पुरस्कार
उत्तर-(c) साहित्य अकादमी

प्रश्न10. वीरेन डंगवाल को उपाधि दी गई:
(a) डी. लिट्
(b) पद्मभूषण
(c) भारत रत्न
(d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(a) डी. लिट्

प्रश्न11. 'हमारी नीद' कविता के कवि ने किसका उल्लेख किया है?
(a) गरीब किसानों का (b) शहर में चैन से सोने वालों का

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

(c) गरीय बस्तियों का (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(c) गरीय बस्तियों का
प्रश्न12. कवि हमें क्या सलाह देता है?
(a) नींद से सोने की (b) नींद से जगने को
(c) पैर पसारकर सोने की (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(b) नींद से जगने को
प्रश्न13. 'अत्याचारी' का शाब्दिक अर्थ है:
(a) अन्यायी (b) जिही (c) अस्वीकार (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(a) अन्यायी
प्रश्न14. 'देवी जागरण' कौन-सा कारक है?
(a) कर्म (b) कर्ता (c) समादान (d) अपादान
उत्तर-(b) कर्ता
प्रश्न15. 'झगड़ा फसाद' कौन-सा समास है?
(a) द्विगू (b) अव्ययीभाव (c) द्वद (d) तत्पुरुष
उत्तर-(c) द्वंद्व
प्रश्न16. इस जब नींद में होते हैं, तब किसका जीवन-क्रम पूरा हो जाता है
(a) मकड़ी का (b) मछली का
(c) मवखी का (d) मच्छड़ का
उत्तर-(c) मवखी का
प्रश्न17. वीरेन डंगवाल की प्रारंभिक शिक्षा कहाँ से हुई ?
(a) मुजफ्फरनगर (b) सहारनपुर (c) कानपुर (d) इनमें सभी
उत्तर-(d) इनमें सभी
प्रश्न18. इन्होंने किस विश्वविद्यालय से एम.ए. की डिग्री प्राप्त की?
(a) पटना जिश्वविद्यालय (b) इलाहाबाद विश्वविद्यालय
(c) बरेली विश्वविद्यालय (d) लाहौर विश्वविद्यालय
उत्तर-(b) इलाहाबाद विश्वविद्यालय
प्रश्न19. 'दंगे, आगजनी और बमबारी' से किसका चित्रण हुआ है?
(a) सामाजिक यथार्थ का (b) सामाजिक गंदगी का
(c) असामाजिक तत्त्वों का (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(a) सामाजिक यथार्थ का
प्रश्न20. कविता के नये प्रतिमान:
(a) वीरेन डंगवाल (b) श्रीकांत वर्मा
(c) प्रेमघन (d) घनानन्द
उत्तर-(b) श्रीकांत वर्मा
प्रश्न21. 'टिहरी-गढ़वाल' कहाँ अवस्थित है?
(a) असम में (b) पश्चिम बंगाल में
(c) विहार में (d) उत्तराखण्ड में
उत्तर-(d) उत्तराखण्ड में
प्रश्न22.वीरेन डंगवाल का जन्म कब हुआ?
(a) 5 अगस्त, 1947 को
(b) 15 अगस्त, 1948 को
(c) 5 आस्त, 1949 को
(d) 15 अगस्त, 1950 को
उत्तर-(a) 5 अगस्त, 1947 को
प्रश्न23.वीरेन डंगवाल का जन्म कहाँ हुआ था?
(a) राँची, झारखण्ड (b) बिहया, बिहार
(c) आसनसोल, प. बंगाल (d) उत्तराखण्ड
उत्तर-(d) उत्तराखण्ड
प्रश्न24. वरिन डंगवाल का काव्य संग्रह है:
(a) दुरुचक्र में स्रष्टा (b) इसी दुनिया में
(c) (a) और (b) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(b) इसी दुनिया में
प्रश्न25. गरीब बस्तियों में क्या हुआ?
(a) कई शिशु पैदा हुए
(b) दंगे, आगजनी और बमबारी
(c) धमाके से देवी जागरण
(d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(c) धमाके से देवी जागरण
प्रश्न26. वीरेन डंगवाल को किस कृति के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला है?
(a) इसी दुनिया में (b) दुष्चक्र में सुष्या
(b) पहला पुस्तिका (d) कवि ने कहा।
उत्तर-(b) दुष्चक्र में सुष्या
प्रश्न27. परदे श की विद्या पढ़ने का क्या परिणाम हुआ?
(a) सबकी बुद्धि भारतीय हो गई
(b) सबकी बुद्धि विदेशी हो गई
(c) सबकी बुद्धि आध्यात्मिक हो गई
(d) उपर्युक्त सभी
उत्तर-(b) सबकी बुद्धि विदेशी हो गई

10. अक्षर ज्ञान

लेखक परिचय

Excellence Coaching Institute Guided By - Neeraj Alam

लेखक- अनामिका

जन्म- 17 अगस्त 1961 ई०, मुजफ्फरपुर (बिहार)

उम्र- 59 वर्ष

इनके पिता श्यामनंदन किशोर बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर में हिंदी विभाग के अध्यक्ष थे।

कवियित्री अनामिका दिल्ली विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में एम० ए० और पी० एच० डी० करने के बाद सत्यवती कॉलेज दिल्ली में अध्यापन कार्य आरम्भ किया।

प्रमुख रचनाएँ- इन्होंने गद्य और पद्य दोनों में लेखन कार्य किया- गलत पत्तों की चिट्ठी अनुष्टुप पोस्ट-एलिएट पोएट्री तथा स्त्रीत्व का मानचित्र आदि।

कविता परिचय- प्रस्तुत कविता समसामयिक कवियों की चुनी गई कविताओं की चर्चित श्रृंखला 'कवि ने कहा' से संकलित है। इसमें बच्चों के अक्षर-ज्ञान की प्रारंभिक शिक्षण-प्रक्रिया के कौतुकपूर्ण वर्णन चित्रण द्वारा कवियित्री गंभीर आशय व्यक्त करती है।

10. अक्षर ज्ञान

चौखटे में नहीं अँटता
बेटे का 'क'
कबुतर ही है न-
फुदक जाता है जरा-सा !

कवियित्री अनामिका बच्चों के अक्षर ज्ञान के बारे में कहती है कि जब माता-पिता बच्चों के अक्षर सिखाना आरंभ करते हैं तब बाल्यावस्था के कारण बच्चा बड़ी कठिनाई से 'क' वर्ण का उच्चारण कर पाता है।

पंक्ति से उतर जाता है
उसका 'ख'
खरगोस की खालिस बेचैनी में !
गमले-सा टूटता हुआ उसका 'ग'
घड़े-सा लुढ़कता हुआ उसका 'घ'।

इसके बाद 'ख' वर्ण की बारी आती है। इस प्रकार 'ग' तथा 'घ' वर्ण भी सिखता है। लेकिन अबोधता के कारण बच्चा इन वर्णों को क्रम से नहीं बोल पाता। कभी 'क' कहना भूल जाता है तो कभी 'ख'। तात्पर्य यह कि व्यक्ति का प्रारंभिक जीवन सही-गलत के बीच झूलता रहता है। जैसे 'क, ख, ग, घ' के सही ज्ञान के लिए बेचैन रहता है।

'ङ' पर आकर थमक जाता है
उससे नहीं सधता है 'ङ' ।
'ङ' के 'ड' को वह समझता है 'माँ'
और उसके बगल के बिंदू (.) को मानता है
गोदी में बैठा 'बेटा'

कवियित्री कहती है कि अक्षर-ज्ञान की प्रारंभिक शिक्षा पानेवाला बच्चा 'क' वर्ग के पंचमाक्षर वर्ण 'ङ' का 'ट' वर्ग का 'ड' तथा अनुस्वार वर्ण को गोदी में बैठा बेटा मान लेता है। बच्चा को लगता है कि 'ड' वर्ण के आगे अनुस्वार लगने के कारण 'ङ' वर्ण बन गया।

माँ-बेटे सधते नहीं उससे
और उन्हें लिख लेने की
अनवरत कोशिश में
उसके आ जाते हैं आँसु।
पहली विफलता पर छलके आँसु ही
हैं सायद प्रथमाक्षर
सृष्टि की विकास- कथा के।

कवियित्री कहती हैं कि बच्चा 'ङ' वर्ण का सही उच्चारण नहीं कर पाता है। वह बार-बार लिखता है, ताकि वह उसकी सही उच्चारण कर सके, लेकिन अपने को सही उच्चारण करने में असमर्थ जानकर रो पड़ता है। तात्पर्य यह कि अक्षर-ज्ञान जीवन की विकास-कथा का प्रथम सोपान है।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)_____दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. बेटे के आँसू कब आते हैं, और क्यों ?
(Text Book ,2012A,2018A)

अथवा, कवियित्री के अनुसार बेटे को आँसू कब आता है, और क्यों? (2015A)

उत्तर- सीखने के क्रम में बार-बार प्रयास करने पर भी जब बालक विफल हो जाता है तब पहली विफलता पर आँसू आ जाते हैं। क्योंकि कठिनतम प्रयास के बाद विफल होना कष्टदायी स्थिति उत्पन्न करता है।

प्रश्न 2. कविता में 'क' का विवरण स्पष्ट कीजिए।
(Text Book ,2016A)

उत्तर- प्रस्तुत कविता में कवयित्री छोटे बालक द्वारा प्रारम्भिक अक्षर बोध को साकार रूप में चित्रित करते हुए कहती हैं कि 'क' को लिखने में अभ्यास-पुस्तिका का चौखट छोटा पड़

Excellence Coaching Institute Guided By:- Tabrej Alam

जाता है। कर्मपथ भी इसी प्रकार प्रारंभ में फिसलन भरा होता है।

प्रश्न 3. खालिस बेचैनी किसकी है? बेचैनी का क्या अभिप्राय है?

(Text Book)

उत्तर- खालिस बेचैनी खरगोश की है। 'क' सीखकर 'ख' सीखने के कर्मपथ पर अग्रसर होता हुआ साधक की जिज्ञासा बढ़ती है और वह आगे बढ़ने को बेचैन हो जाता है। बेचैनी का अभिप्राय है आगे बढ़ने की लालसा, जिज्ञासा एवं कर्म में उत्साह।

प्रश्न 4. बेटे के लिए 'ङ' क्या है, और क्यों ?

(Text Book)

उत्तर- बेटे के लिए 'ङ' उसको गोद में लेकर बैठने वाली माँ है। माँ स्नेह देती है, प्रेम देती है। 'ङ' भी 'क' से लेकर 'घ' तक सीखने के क्रम के बाद आता है। वहाँ स्थिरता आ जाती है, साधनाक्रम रुक जाता है। ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार कर्मरत बालक माँ की गोद में स्थिर हो जाता है।

10. अक्षर ज्ञान

प्रश्न1. 'बीजाक्षर' किसकी कृति है?
(a) कृष्णा सोबती (b) अर्चना वर्मा
(c) अनामिका (d) स्नेहलता
उत्तर-(c) अनामिका

प्रश्न2. 'गलत पते की चिट्ठी' किस विधा की कृति है?
(a) उपन्यास (b) काव्य संकलन
(c) निबंध (d) कहानी
उत्तर-(b) काव्य संकलन

प्रश्न3. अनुष्टुप' किसकी कृति है?
(a) विवेकी राय (b) अमरकांत
(c) निरूपमा सेवती (d) अनामिका
उत्तर-(d) अनामिका

प्रश्न4. 'अक्षर-ज्ञान' शीर्षक कविता में किस मनोविज्ञान का आधार लिया गया है?
(a) स्त्री मनोविज्ञान (b) बाल मनोविज्ञान
(c) वृद्ध मनोविज्ञान (d) किशोर मनोविज्ञान
उत्तर-(b) बाल मनोविज्ञान

प्रश्न5. 'अजर-जाम किसकी रचना है?
(a) सुमित्रानंदन पंत (b) रामधारी सिंह दिनकर
(c) रेनर मारिया रिल्के (4) अनामिका
उत्तर-(4) अनामिका

प्रश्न6. अनामिका किस काल की कवयित्री है?
(a) रीतिकाल (b) मस्तिकाल
(c) समकालीन (d) आदिकाल
उत्तर-(c) समकालीन

प्रश्न7. चौखटे में बेटे का क्या नहीं अँटता है?
(a) क (b) ख (c) ग (d) घ
उत्तर-(a)क

प्रश्न8. बच्चा कहाँ आकर धमक जाता है?
(a) 'ख' पर (b) 'ग' पर (c) 'घ' पर (d) 'ङ' पर
उत्तर-(d) 'ङ' पर

प्रश्न9. अबोध बालक के अक्षर पाटी पर क्या नहीं अँटता?
(a) क (b) 'ख' (c) ड (d) 'ज'
उत्तर-(a) क

प्रश्न10. किसका ध्यान 'क' लिखते समय कबूतर पर होता है?
(a) कवयित्री (b) अबोध बालक
(c) ज्ञानी (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(b) अबोध बालक

प्रश्न11. बालक " के 'ड' को क्या समझता है?
(a) माँ (b) बालक (c) कवि (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(a) माँ

प्रश्न12. कविता 'अक्षर-ज्ञान' में 'ङ' को क्या कहा गया है?
(a) भाई-बहन (b) माँ-बेटा
(c) पिता-पुत्र (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(b) माँ-बेटा

प्रश्न13. खालिस (खरा या शुद्ध) बेचैनी किसकी है?
(a) माँ की (b) पिता की (c) बेटे की (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(c) बेटे की

प्रश्न14. कविता में 'घ' से किसका बोध कराया गया है?
(a) घड़ी (b) घमंड (c) घंटी (d) घड़ा
उत्तर-(d) घड़ा

प्रश्न15. कवयित्री अनामिका ने इसमें से किसका सम्पादन किया?
(a) कहती है औरतें (b) गलत पते की चिट्ठी
(c) बीजाक्षर (d) अनुष्टुप
उत्तर-(a) कहती है औरतें

Excellence Coaching Institute Guided By - Nabi Alam

प्रश्न16. कवयित्री अनामिका की आलोचनात्मक लेखन है?
(a) कहती है औरतें (b) स्त्रीत्व का मानचित्र
(c) मातृत्व (d) आज की नारी
उत्तर-(b) स्त्रीत्व का मानचित्र
प्रश्न17. कवयित्री अनामिका को किस सम्मान से सम्मानित किया गया?
(a) राष्ट्रभाषा परिषद् पुरस्कार
(b) भारत भूषण अग्रवाल पुरस्कार
(c) गिरजा कु. माथुर पुरस्कार
(d) इनमें सभी
उत्तर-(d) इनमें सभी
प्रश्न18. कवयित्री द्वारा अंग्रेजी में लिखी गई आलोचनात्मक लेखान है।
(a) मेमोरिबल पोएट्री (b) पोस्ट एलिएट पोएट्री
(c) टूथ पोएट्री (d) इनमें सभी
उत्तर-(a) मेमोरिबल पोएट्री
प्रश्न19. विफलता पर छलक पड़ते हैं:
(a) आँसू (b) 'क' (c) पानी (d) 'ख'
उत्तर-(a) आँसू
प्रश्न20. सृष्टि की विकास-कथा का प्रथमाक्षर क्या है?
(a) सफलता की पहली मुस्कान
(b) विफलता के परिणामस्वरूप उत्पन्न क्रोध
(c) विफलता पर छलके आँसू
(d) सफलता पर उमड़ा उत्साह
उत्तर-(c) विफलता पर छलके आँसू
प्रश्न21. अनामिका का जन्म कब हुआ?
(a) 7 अप्रैल, 1959 को
(b) 17 मई, 1960 को
(c) 7 अगस्त, 1961 को
(d) 17 सितम्बर, 1962 को
उत्तर-(c) 7 अगस्त, 1961 को
प्रश्न22. अनामिका का जन्म कहाँ हुआ?
(a) समस्तीपुर, बिहार (b) मुजफ्फरपुर, बिहार
(c) सोनपुर, बिहार (d) परसपुर, विहार,
उत्तर-(b) मुजफ्फरपुर, बिहार
प्रश्न23. अनामिका के पिता का नाम था:
(a) श्यामनंदन किशोर (b) रामानन्द तिवारी
(c) बृजानन्द माथुर (d) दामोदर अग्रवाल
उत्तर-(a) श्यामनंदन किशोर
प्रश्न24. 'खालिस' शब्द है:
(a) ग्रीक (b) फारसी (c) अरबी (d) देवनागरी
उत्तर-(c) अरबी
प्रश्न25. ण् वर्ण है।
(a) संयुक्त वर्ण (b) अन्तःस्थ वर्ण
(c) द्विगुण वर्ण (d) नासिक्य वर्ण
उत्तर-(d) नासिक्य वर्ण
प्रश्न26. हिन्दी किस लिपि में लिखा जाता है:
(a) गुरुमुखी (b) देवनागरी (c) खरोष्ट (d) ब्राह्मणी
उत्तर-(b) देवनागरी
प्रश्न27. कविता में बच्चों को ख से क्या याद आ रहा है?
(a) खरगोश (b) खाना (c) खत्म(d) खौलना
उत्तर-(a) खरगोश
प्रश्न28. कौन-सा वर्ण माँ के गोद में बैठा हुआ प्रतीत होता है?
(a) ङ (b) ढ़ (c) ड़ (d) न
उत्तर-(a) ङ
प्रश्न29. खलिश का अर्थ है:
(a) इच्छा (b) बेचैनी (c) रूकना (d) वैर
उत्तर-(d) वैर
प्रश्न30. 'प्रथमाक्षर' का विपरीतार्थक है।
(a) अंत्याक्षर (b) प्रलय (c) अवरत (d) मुस्कान
उत्तर-(a) अंत्याक्षर
प्रश्न31. 'अक्षर-ज्ञान' कविता में पंक्ति से क्या उतर जाता है?
(a) क (b) ख (c) ग (d) घ
उत्तर-(b) ख
प्रश्न32. 'अक्षर ज्ञान' में किस मनोविज्ञान का आधार लिया गया है?
(a) किशोर मनोविज्ञान (b) स्त्री मनोविज्ञान
(c) बाल मनोविज्ञान (d) शिशु मनोविज्ञान
उत्तर-(c) बाल मनोविज्ञान

11. लौटकर आऊँगा फिर

कवि परिचय

कवि- जीवनानंद दास
जन्म- 17 फरवरी, 1899 ई०, बारीसाल (बांग्लादेश)

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

मृत्यु- 22 अक्टुबर, 1954 ई०

रवीन्द्रनाथ टैगोर के बाँग्ला साहित्य के विकास में जिन लोगों का योगदान है, उनमें सबसे प्रमुख स्थान जीवनानंद दास का है। इन्होंने बंगाल के जीवन में रच बसकर उसकी जड़ों को पहचाना तथा उसे अपनी कविता में स्वर दिया।

प्रमुख रचनाएँ- झरा पालक, धूसर पांडुलिपि, वनलता सेन, महापृथिवि, सातटि तारार तिमिर, जीवननांद दासेर कविता— रूपसी बाँग्ला, बेला अबेला कालबेला, मनविहंगम, आलोक पृथ्वी आदि। उनके निधन के बाद लगभग एक सौ कहानीयाँ तथा तेरह उपन्यास प्रकाशित किए गए।

कविता परिचय- प्रस्तुत कविता 'लौटकर आऊँगा फिर' कवि प्रयाग शुक्ल द्वारा भाषांतरित जीवनानंद दास की कविता है। इसमें कवि का अपनी मातृभूमि तथा परिवेश का उत्कट प्रेम अभिव्यक्त है। कवि ने इस कविता में एक बार फिर जन्म लेने की लालसा प्रकट कर अपनी मातृभूमि के प्रति श्रद्धा प्रकट की है।

11. लौटकर आऊँगा फिर

खेत हैं जहाँ धान के, बहती नदी
के किनारे फिर आऊँगा लौटकर
एक दिन बंगाल में; नहीं शायद
होऊँगा मनुष्य तब, होऊँगा अबाबील

कवि कहता है कि धान के खेत वाले बंगाल में, बहती नदी के किनारे, मैं एक दिन लौटूँगा। हो सकता है मनुष्य बनकर न लौटूँ। अबाबील होकर लौटुँगा।

या फिर कौवा उस भोर का-फुटेगा नयी
धान की फसल पर जो
कुहरे के पालने से कटहल की छाया तक
भरता पेंग, आऊँगा एक दिन!

या फिर कौआ होकर, भोर की फूटती किरण के साथ धान के खेतों पर छाए कुहासे में, कटहल पेड़ की छाया में जरूर आऊँगा।

बन कर शायद हंस मैं किसी किशोरी का;
घुँघरू लाल पैरों में;
तैरता रहुँगा बस दिन-दिन भर पानी में-
गंध जहाँ होगी ही भरी, घास की।

किसी किशोरी का हंस बनकर, घुँघरू जैसे लाल-लाल पैरों में दिन-दिन भर हरी घास की गंध वाली पानी में, तैरता रहुँगा।

आऊँगा मैं। नदियाँ, मैदान बंगाल के बुलायेंगे-
मैं आऊँगा। जिसे नदी धोती ही रहती है पानी
से इसी सजल किनारे पर।

बंगाल की मचलती नदियाँ, बंगाल के हरे भरे मैदान, जिसे नदियाँ धोती हैं, बुलाएँगे और मैं आऊँगा, उन्हीं सजल नदियों के तट पर।

शायद तुम देखोगे शाम की हवा के साथ उड़ते एक उल्लु को
शायद तुम सुनोगे कपास के पेड़ पर उसकी बोली
घासीली जमीन पर फेंकेगा मुट्ठी भर-भर चावल
शायद कोई बच्चा - उबले हुए !

हो सकता है, शाम की हवा में किसी उड़ते हुए उल्लु को देखो या फिर कपास के पेड़ से तुम्हें उसकी बोली सुनाई दें। हो सकता है, तुम किसी बालक को घास वाली जमीन पर मुट्ठी भर उबले चावल फेंकते देखो

देखोगे रूपसा के गंदले-से पानी में
नाव लिए जाते एक लड़के को - उड़ते फटे
पाल की नाव !
लौटते होंगे रंगीन बादलों के बीच, सारस
अँधेरे में होऊँगा मैं उन्हीं के बीच में
देखना !

या फिर रूपसा नदी के मटमैले पानी में किसी लड़के को फटे-उड़ते पाल की नाव तेजी से ले जाते देखो या फिर रंगीन बादलों के मध्य उड़ते सारस को देखो, अंधेरे में मैं उनके बीच ही होऊँगा। तुम देखना मैं आऊँगा जरूर।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)____दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. अगले जन्मों में बंगाल में आने की क्या सिर्फ कवि की इच्छा है? स्पष्ट कीजिए। (Text Book)

उत्तर- अगले जन्मों में बंगाल में आने की प्रबल इच्छा तो कवि की है ही। लेकिन, इसकी अपेक्षा जो बंगालप्रेमी हैं, जिन्हें बंगाल की धरती के प्रति आस्था और विश्वास है, कवि उन लोगों का भी प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

प्रश्न 2. कवि किनके बीच अंधेरे में होने की बात करता है? आशय स्पष्ट कीजिए। (Text Book)

उत्तर- संध्याकाल जब ब्रह्मांड में अंधेरा का वातावरण उपस्थित होने लगता है उस समय सारस के झुंड अपने घोंसलों की ओर लौटते हैं तो उनकी सुन्दरता मन को मोह

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrez Alam

लेती है। यह सुन्दरतम दृश्य कवि को भाता है और इस मनोरम छवि को वह अगले जन्म में भी देखते रहने की बात कहता है।

प्रश्न 3. कवि अगले जीवन में क्या-क्या बनने की संभावना व्यक्त करता है, और क्यों? (Text Book)

उत्तर- कवि को अपनी मातृभूमि प्रेम में विह्वल अर्थात् अशांत होकर चिड़ियाँ, कौवा, हंस, उल्लु, सारस बनकर पुनः बंगाल की धरती पर अवतरित होना चाहते हैं।

प्रश्न 4. कवि किस तरह के बंगाल में एक दिन लौटकर आने की बात करता है?

(Text Book,2011A,2012A,2012C)

उत्तर- बंगाल के घास के मैदान, कपास के पेड़, वनों में पक्षियों की चहचहाहट एवं सारस की शोभा अनुपम छवि निर्मित करते हैं। बंगाल की इस अनुपम, सुशोभित एवं रमणीय धरती पर कवि पुनर्जन्म लेने की बात करते हैं।

प्रश्न 5. 'लौटकर आऊंगा फिर' कविता के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। (Text Book)

उत्तर- यहाँ उद्देश्य के आधार पर शीर्षक रखा गया है। कवि की उत्कट इच्छा मातृभूमि पर पुनर्जन्म की है। इससे कवि के हृदय में मातृभूमि के प्रति प्रेम दिखाई पड़ता है। 'शीर्षक' कविता के चारों ओर घूमती है। शीर्षक को केन्द्र में रखकर ही कविता की रचना हुई है। अतः इन तथ्यों के आधार पर शीर्षक पूर्ण सार्थक है।

11. लौटकर आऊंगा फिर

प्रश्न1. जीवनानंद दास किस भाषा के कवि है?
(a) हिन्दी (b) उड़िया (c) बाँगला (d) मराठी
उत्तर-(c) बाँगला

प्रश्न2. इनमें से कौन-सी कृति जीवनानंद दास की नहीं है?
(a) झरा पालक (b) धूसर पांडुलिपि
(c) वनलता सेन (d) भूमिजा
उत्तर-(d) भूमिजा

प्रश्न3. पुस्तक में संकलित जीवनानंद दास की कविता का हिंदी में अनुवाद किसने किया है?
(a) प्रयाग शुक्ल (b) पंकजविष्ट
(c) वीरेंद्र सक्सेना (d) मणिका मोहिनी
उत्तर-(a) प्रयाग शुक्ल

प्रश्न4. 'सातटि तारार तिमिर' किसकी कृति है?
(a) राजीव सेठ (b) जीवनानंद दास
(c) मणिका मोहिनी (d) कुसुम अंसल
उत्तर-(b) जीवनानंद दास

प्रश्न5. लौटकर आऊँगा फिर' शीर्षक कविता में उल्लू कहाँ बोलता है?
(a) आम के पेड़ पर (b) कपास के पेड़ पर
(c) कचनार के पेड़ पर (d) अमरूद के पेड़ पर
उत्तर-(b) कपास के पेड़ पर

प्रश्न6. लौटकर आऊँगा फिर कविता में कवि का कौन-सा भाव प्रकट होता है?
(a) मातृभूमि-प्रेम (b) धर्म-भाव
(c) संसार की नश्वरता (d) मातृ-भाव
उत्तर-(a) मातृभूमि-प्रेम

प्रश्न7. 'वनलता सेन' किस कवि की श्रेष्ठ रचना है?
(a) रवीन्द्रनाथ ठाकुर (b) जीवनानंद दास
(c) नजरूल इस्लाम (d) जीवानंद
उत्तर-(b) जीवनानंद दास

प्रश्न8. 'लौटकर आऊँगा फिर' का प्रमुख वर्ण्य-विषय क्या है?
(a) बंगाल की प्रकृति (b) बंगाल की संस्कृति
(c) बंग-संगीत (d) बंग-भंग
उत्तर-(a) बंगाल की प्रकृति

प्रश्न9. 'जीवनानन्द दास' को जाना जाता है।
(a) बांग्ला के आधुनिक कवि के रूप में
(b) हिन्दी के साहित्यकार के रूप में
(c) मराठी के हास्य कवि के रूप में
(d) इनमें से सभी
उत्तर-(a) बांग्ला के आधुनिक कवि के रूप में

प्रश्न10. कवि किसके आमंत्रण पर आने की बात करता है?
(a) खेत और खलिहानों के
(b) मजदूर और किसानों के
(c) नदियों और मैदानों के
(d) पिता और पुत्र के
उत्तर-(c) नदियों और मैदानों के

प्रश्न11. कवि अगले जन्म में क्या-क्या बनने की संभावना व्यक्त करताहै?
(a) कौवा, मोर, उल्लू, सारस .
(b) कौवा, हंस, उल्लू, सारस
(c) कौवा, हंस, कोयल, सारस

Excellence Coaching Institute Guided By - Nabee Alam

(d) कौवा, हंस, उल्लू, बाज
उत्तर-(b) कौवा, हंस, उल्लू, सारस
प्रश्न12. कवि किसके बीच अँधेरे में होने की बात करता है?
(a) धान (b) गेहूँ (c) चना (d) सरसों
उत्तर-(d) सरसों
प्रश्न13. 'रुपसा' क्या है?
(a) बंगाल की नदी (b) बंगाल की एक सुन्दर स्त्री
(c) बंगाल का मंदिर (d) बंगाल की चौराहा
उत्तर-(a) बंगाल की नदी
प्रश्न14. जीवनानन्द दास का जन्म कब हुआ?
(a) 1897 ई. में (b) 1989 ई. में
(c) 1899 ई. में (d) 1900 ई. में
उत्तर-(c) 1899 ई. में
प्रश्न15. 'लौटकर आऊँगा फिर' कविता है:
(a) राष्ट्रीय चेतना की (b) राष्ट्रीय धरोहर की
(c) राष्ट्रीय आवाम की (d) राष्ट्रीय सत्ता की
उत्तर-(a) राष्ट्रीय चेतना की
प्रश्न16. 'जीवनानन्द दास' है।
(a) कथाकार (b) नाट्यकार
(c) उपन्यासकार (d) साहित्यकार
उत्तर-(d) साहित्यकार
प्रश्न17. कवि मृत्योपरान्त कहाँ आने की लालसा रखता है?
(a) मातृभूमि बंगाल में (b) मातृभूमि की नदियों किनारे
(c) (a) और (b) दोनों (d) इनमें कोई नहीं
उत्तर-(a) मातृभूमि बंगाल में
प्रश्न18. किसने जीवनानन्द दास की बहुप्रशंसित और प्रसिद्ध कविता का हिन्दी में अनुवाद किया ?
(a) अनामिका (b) प्रयाग शुक्ल
(c) सुमित्रानन्दन पंत (d) रामधारी सिंह 'दिनकर'
उत्तर-(b) प्रयाग शुक्ल
प्रश्न19. 'लौटकर आऊंगा फिर' कविता किस कवि द्वारा भाषांतरित की गई है?
(a) जीवनानंद दास (b) विनोद कुमार शुक्ल
(c) प्रयाग शुक्ल (d) कुँवर नारायण
उत्तर-(c) प्रयाग शुक्ल
प्रश्न20. जीवनानंद दास की किस कविता को प्रबुद्ध आलोचकों द्वारा रवींद्रोत्तर युग की श्रेष्ठतम प्रेम कविता की संज्ञा दी गई है?
(a) मनविहगम (b) वनलता सेन
(c) रुपसी बंग्ला (d) झरा पालक
उत्तर-(b) वनलता सेन
प्रश्न21. कवि किस प्रकार के चावल का वर्णन करता है?
(a) नया (b) भूना हुआ
(c) उबला हुआ (d) टूटा हुआ
उत्तर-(a) नया
प्रश्न22. कवि अगले जन्म में बनना नहीं चाहता है।
(a) मनुष्य (b) जानवर
(c) पक्षी (d) ।' एवं 'b'दोनों
उत्तर-(d) 'a' एवं 'b'दोनों
प्रश्न23. पक्षी अपने घर कब लौटते हैं:
(a) शाम को (b) रात को
(c) सुबह को (d) दोपहर को
उत्तर-(a) शाम को
प्रश्न24. 'गंध जहाँ होगी ही भरी, घास की' किस कवि की पंक्ति है?
(a) वीरेन डंगवाल (b) जीवनानंद दास
(c) अनामिका (d) कुँवर नारायण
उत्तर-(b) जीवनानंद दास
प्रश्न25. 'लौटकर आऊँगा फिर' पाठ के कवि कहाँ लौटने की बात कहते।
(a) बिहार में (b) असम में (c) उड़ीसा में(d) बंगाल में
उत्तर-(d) बंगाल में
प्रश्न26. कवि अगले जन्म में कहाँ लौटकर आने की बात करता है ?
(a) बिहार (b) उड़ीसा (c) बंगाल (d) नेपाल
उत्तर-(c) बंगाल

12. मेरे बिना तुम प्रभु

कवि परिचय

कवि- रेनर मारिया रिल्के
जन्म- 4 दिसम्बर, 1875 ई०, प्राग, ऑस्ट्रिया (अब जर्मनी)
मृत्यु- 29 दिसम्बर, 1936 ई०
पिता- जोसेफ रिल्के

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

माता- सोफिया

इनकी शिक्षा-दीक्षा अनेक बाधाओं को पार करते हुए हुई। इन्होंने प्राग और म्यूनिख विश्वविद्यालय में शिक्षा पाई। संगीत, सिनेमा आदि में इनकी गहरी पैठ थी।

प्रमुख रचनाएँ- प्रमुख कविता संकलन- 'लाइफ एंड सोंग्स', 'लॉरेंस सेक्रिफाइस', 'एडवेन्ट', आदि। कहानी संग्रह- 'टेल्स ऑफ आलमाइटी', उपन्यास- 'द नोट बुक ऑफ माल्टे लॉरिड्स ब्रिज'।

कविता परिचय- प्रस्तुत कविता 'मेरे बिना तुम प्रभु' धर्मवीर भारती के द्वारा हिंदी भाषा में अनुवादित जर्मन कविता है। कवि का मानना है कि बिना भक्त के भगवान भी एकाकी और निरुपाय है। उनका अस्तित्व भक्त की सत्ता पर निर्भर करती है। भक्त और भगवान एक-दूसरे पर निर्भर है।

12. मेरे बिना तुम प्रभु

जब मेरा अस्तित्व न रहेगा, प्रभु, तब तुम क्या करोगे ?
जब मैं - तुम्हारा जलपात्र, टूटकर बिखर जाऊँगा ?
जब मैं तुम्हारी मदिरा सूख जाऊँगा या स्वादहिन हो जाऊँगा ?
मैं तुम्हारा वेश हुँ, तुम्हारी वृति हुँ
मुझे खो कर तुम अपना अर्थ खो बैठोगे ?

कवि कहता है कि हे प्रभु ! जब मैं नहीं रहुँगा तो तुम्हारा क्या होगा ? तुम क्या करोगे ? मैं ही तुम्हारा जलपात्र हुँ, जिससे तुम पानी पीते हो। अगर टूट गया तो या जिससे नशा होता है, तो मेरे द्वारा प्राप्त मदिरा सुख जाएगी अथवा स्वादहीन हो जाएगी। वास्तव में, मैं ही तुम्हारा आवरण हूँ वृति हूँ। अगर नहीं रहा तो तुम्हारी महता ही समाप्त हो जाएगी।

मेरे बिना तुम गृहहीन निर्वासित होगे, स्वागत-विहीन
मैं तुम्हारी पादुका हूँ, मेरे बिना तुम्हारे
चरणों में छाले पड़ जाएँगे, वे भटकेंगे लहूलुहान !

मेरे प्रभु, मैं नहीं रहा तो तुम गृहविहीन हो जाओगे। कौन करेगा तुम्हारी पूजा-अर्चना ? वास्तव में, मैं ही तुम्हारी पादुका हुँ जिसके सहारे जहाँ जाता हुँ तुम जाते हो अन्यथा तुम भटकोगे।

तुम्हारा शान्दार लबादा गिर जाएगा
तुम्हारी कृपा दृष्टि जो कभी मेरे कपोलों की
नर्म शय्या पर विश्राम करती थी
निराश होकर वह सुख खोजेगी
जो मैं उसे देता था-

कवि कहता है कि मुझसे ही तुम्हारी शोभा है। मेरे बिना किस पर कृपा करोगे ? कृपा करने का सुख कौन देगा ? मेरे बिना तुम्हार सुख-साधन विलुप्त हो जाऐंगे, जो मैं तुम्हें देता था।

दूर की चट्टानों की ठंढी गोद में
सूर्यास्त के रंगों में घुलने का सुख
प्रभू, प्रभू मुझे आशंका होती है
मेरे बिना तुम क्या करोगे ?

कवि कहता है कि जब मैं नहीं रहुँगा तो संध्याकालीन अस्त होते सूर्य की सुन्दर लालिमा का वर्णन आखिर कौन करेगा ? क्योंकि उस समय सारा वन प्रांत सूर्य की बिखर रही लाल किरणों के संयोग से अद्भुत प्रतीत होता है। इसलिए कवि को आशंका होती है कि मैं नहीं रहा तो तुम क्या करोगे।

लघु-उत्तरीय प्रश्न (20-30 शब्दों में)—दो अंक स्तरीय

प्रश्न 1. शानदार लबादा किसका गिर जाएगा, और क्यों? (2015A)

उत्तर- कवि के अनुसार भगवत्-महिमा भक्त की आस्था में निहित होता है भक्त, भगवान का दृढ़ आधार होता है लेकिन जब भक्तरूपी आधार नहीं होगा। स्वाभाविक है कि भगवान की पहचान भी मिट जाएगी। भगवान का लबादा अथवा चोगा गिर जाएगा।

प्रश्न 2. कवि किसको कैसा सुख देता था ?

(Text Book)

उत्तर- कवि भगवान की कृपादृष्टि की शय्या है। कवि के नरम कपोलों जब भगवान की कृपादृष्टि विश्राम लेती है, तब भगवान को सुख मिलता है, आनंद मिलता है। अर्थात् भक्त भगवान का कृपापात्र होता है और भक्तरूपी पात्र से भगवान भी सुखी होते हैं।

प्रश्न 3. कवि रेनर मारिया रिल्के ने अपने आप को जलपात्र और मदिरा क्यों कहता है?

(Text Book 2014A,2017A)

उत्तर- कवि अपने को भगवान का भक्त मानता है। भक्त की महत्ता को स्पष्ट करते हुए कवि ने भक्त को जलपात्र और मदिरा कहा है क्योंकि जलपात्र में संग्रहित होकर भगवान अपनी अस्मिता प्राप्त करता है । इसी तरह भक्ति-रस के निकट आकर भगवान इससे प्रसन्न हो जाते हैं।

प्रश्न 4. कवि को किस बात की आशंका है ? स्पष्ट कीजिए। (Text Book 2016C)

Excellence Coaching Institute Created By - Nabee Alam

उत्तर- कवि को आशंका है कि जब ईश्वरीय सत्ता की अनुभूति करानेवाला प्रतीक आधार या भक्त नहीं होगा तब ईश्वर का पहचान किस रूप में होगा ? प्राकृतिक छवि, मानव की हदय का प्रेम, दया, भगवद् स्वरूप है। ये सब नहीं होगा, तब उस परमात्मा का आश्रय क्या होगा, मानव किस रूप में ईश्वर को जान सकेगा इस प्रश्न को लेकर कवि आशंकित है।

प्रश्न 5. कविता के आधार पर भक्त और भगवान के बीच के संबंध पर प्रकाश डालिए।

(Text Book ,2012A)

उत्तर- प्रस्तुत कविता में कहा गया है कि बिना भक्त के भगवान भी एकांकी और निरूपाय हैं। उनकी भगवता भी भक्त की सत्ता पर निर्भर करती है। व्यक्ति और विराट सत्य एक-दूसरे पर निर्भर है।

12. मेरे बिना तुम प्रभु

प्रश्न1. मेरे बिना तुम प्रभु' के लेखक कौन है?
(a) रेनर मारिया रिल्के (b) सुमित्रानंदन पंत
(c) दिनकर (d) अज्ञेय
उत्तर-(a) रेनर मारिया रिल्के

प्रश्न2. रेनर मारिया रिल्के का जन्म कब हुआ?
(a) 4 नवम्बर, 1873 को
(b) 4 जनवरी, 1874 को
(c) 4 दिसम्बर, 1875 को
(d) 4 फरवरी, 1876 को
उत्तर-(c) 4 दिसम्बर, 1875 को

प्रश्न3. रेनर मारिया रिल्के का जन्म कहाँ हुआ?
(a) जापान (b) जर्मनी (c) इंग्लैंड (d) कम्बोडिया
उत्तर-(b) जर्मनी

प्रश्न4. रेनर के पिताजी का क्या नाम था?
(a) पीटर रिल्के (b) जॉनसन रिल्के
(c) विलियम्स रिल्के (d) जोसेफ रिल्के
उत्तर-(d) जोसेफ रिल्के

प्रश्न5. रेनर के माताजी का क्या नाम था?
(a) मरीयम (a) मैरी
(c) सोफिया (d) मारिया
उत्तर-(c) सोफिया

प्रश्न6.भक्त रिल्के प्रभु (ईश्वर) से क्या करता है?
(a) प्रश्न (b) सजदा
(c) प्रार्थना (d) इनमें सभी
उत्तर-(a) प्रश्न

प्रश्न7. रेनर मारिया रिल्के किस भाषा के कवि हैं?
(a) अंग्रेजी (b) फ्रेंच (c) जर्मन (d) ग्रीक
उत्तर-(c) जर्मन

प्रश्न8. रिल्के की 'कहानी-संग्रह है।
(a) लाइफ एण्ड सॉग्स (b) टेल्स ऑफ आलमाइटी
(c) लॉरेंस सेक्रिफाइस (d) एडवेंट
उत्तर-(b) टेल्स ऑफ आलमाइटी

प्रश्न9. रिल्के का कविता 'मेरे बिना तुम प्रभु' है:
(a) भावात्मक रहस्यवाद (b) भक्ति भावात्मक
(c) हास्यात्मक (d) इनमें सभी
उत्तर-(a) भावात्मक रहस्यवाद

प्रश्न10. भक्त कवि अपने को भगवान का क्या मानता है?
(a) जलपात्र (b) सेवक
(c) भक्त (d) अनुयायी
उत्तर-(a) जलपात्र

प्रश्न11. निर्वासित का अर्थ है:
(a) बेघर (b) बिस्तर
(c) भागना (d) मर जाना
उत्तर-(a) बेघर

प्रश्न12. पाठ्यपुस्तक में संकलित रिल्के की कविता का हिन्दी अनुवाद (रूपांतर) किसने किया है?
(a) रघुवीर सहाय (b) धर्मवीर भारती
(c) प्रेमचंद (d) डॉ. संपूर्णानंद
उत्तर-(b) धर्मवीर भारती

प्रश्न13. पाठ्यपुस्तक में संकलित रिल्के की कविता किस भाव की है?
(a) शृंगार (b) वीर
(c) भक्ति (d) अद्भुत
उत्तर-(c) भक्ति

प्रश्न14. भगवान की कृपा दृष्टि कहाँ विश्राम करती थी?
(a) कवि के भाल पर (b) कवि के ओठों पर
(c) कवि के नयनों पर (d) कवि के कपोलों पर
उत्तर-(d) कवि के कपोलों पर

प्रश्न15. कवि किसके स्वादहीन होने की बात करता है?
(a) फल (b) दूध

Excellence Coaching Institute Guided By - Mahnej Alam

(c) मिठाई (d) मदिरा
उत्तर-(d) मदिरा
प्रश्न16. कवि रिल्के के अनुसार मनुष्य के बिना किसका अस्तित्व न रहेगा?
(a) ईश्वर (b) पर्वत
(c) प्रकृति (d) हवा
उत्तर-(a) ईश्वर
प्रश्न17. कवि रिल्के के अनुसार ईश्वर को सर्वशक्तिमान के रूप में किसने प्रतिष्ठित किया है?
(a) ईश्वर ने (b) सृष्टि ने
(c) मनुष्य ने (d) किसी ने नहीं
उत्तर-(c) मनुष्य ने
प्रश्न18. रिल्के की काव्य शैली कैसी है?
(a) गीतात्मक (b) प्रतीकात्मक
(c) भावात्मक (d) कथात्मक
उत्तर-(a) गीतात्मक
प्रश्न19. 'मेरे बिना तुम प्रभु' किस भाषा से अनुवादित है?
(a) अंग्रेजी (b) जर्मन
(c) रूसी (d) फ्रांसीसी
उत्तर-(b) जर्मन
प्रश्न20. 'दूर चट्टानों की ठंडी गोद में' किस कवि की पंक्ति है?
(a) जीवानानंद दास (b) अनामिका
(c) सुमित्रानंदन पंत (d) रेनर मारिया रिल्के
उत्तर-(d) रेनर मारिया रिल्के
प्रश्न21. कवि अपने को भगवान का मानता है:
(a) साथी (b) पादुका
(c) वस्त्र (d) भक्त
उत्तर-(b) पादुका
प्रश्न22. लबादा का अर्थ है:
(a) लाठी (b) परिधान
(c) भक्ति (d) समाज
उत्तर-(b) परिधान
प्रश्न23. रेनर मारिया की मृत्यु कब हुई थी:
(a) 1925 ई. में (b) 1926 ई० में
(c) 1923 ई. में (d) 1924 ई० में
उत्तर-(b) 1926 ई० में
प्रश्न24. भगवान का अस्तित्व समाप्त हो सकता है:
(a) मंदिर न होने पर (b) भक्त न होने पर
(c) ग्रन्थ न होने पर (d) मठ न होने पर
उत्तर-(b) भक्त न होने पर
प्रश्न25. चरणों में छाले पड़ जाएंगे. वे ..... लहुलुहान!
(a) भटकेंगे (b) तुम्हारे
(c) सूर्यास्त (d) चट्टानों
उत्तर-(a) भटकेंगे
प्रश्न26. किसे खोकर ईश्वर अपना अर्थ खो बैठेंगे?
(a) ईश्वर (b) धर्मगुरु
(c) भक्त (d) दानव
उत्तर-(c) भक्त

1. दही वाली मंगम्मा

लेखक- श्रीनिवास
जन्म- कर्नाटक के कोलार में (6 जून 1891 ई0)
मृत्यु- 6 जून 1986 ई0
पूरा नाम- मास्ती वेंकटेश अय्यंगार
यह कन्नड़ साहित्य के प्रतिष्ठित रचनाकारों में से एक थे।
हिन्दी अनुवाद- बी0 आर0 नारायण

पाठ परिचय- पस्तुत कहानी दही वाली मंगम्मा भावना प्रधान कहानी है। इसमें दो पीढ़ियों की भावनाओं को लेखक ने बड़े ही स्वभाविक ढंग से प्रस्तुत किया है। कहानी एक दही बेचने वाली की है, जो परिवार में सब पर अपनी धाक् जमाना चाहती है, जबकि बहु अपने अधिकार का त्याग करना अपना अपमान समझती है। कहानी का आरंभ दही वाली मंगम्मा के दही बेचने से होता है।

सारांश

मंगम्मा अवलूर के समीप वेंकटपुर की रहनेवाली थी और रोज दही बेचने बंगलूर आती थी। वह आते-जाते मेरे पास बैठती और अपनी बातें करती थी।
एक दिन वह मेरे बच्चे को देखकर अपना पुत्र और पति की कहानी कहकर पति को अपनी ओर आकृष्ट करने की रहस्यमयी बातें कहने लगी। आदमी को अपने वश में रखने का तीन-चार अपना अनुभवपूर्ण गुर भी बताया।
पन्द्रह दिन बाद मंगम्मा आई और रोती हुई अपना गृह-कलह तथा बेटा-बहु से अलग होने की दुःखद कहानी सुनाई। इस प्रकार बेटे बहु से विरक्त होकर अपने जोड़े हुए पैसे को अपने साज श्रृंगार पर खर्च करने लगी। इस से वह कुछ लोगों के

Excellence Coaching Institute Guided By - Nabeel Alam

आलोचना के पात्र भी बन गई। बहु भी उसकी जैकेट पर ताना कसने लगी और बात बढ़ने पर दिए गये गहने भी लौटाने को तैयार हो गई।

झगड़े का कारण तो पोते की पीटाई थी लकिन मूल-रूप में सास-बहू की अधिकार सम्बन्धी ईर्ष्या थी । औरत को अकेली जानकर कुछ लोग उसके धन और प्रतिष्ठा पर भी आँखे उठाते थे। रंगप्पा भी ऐसा ही किया, जिसे बहू के पैनी निगाहों ने ताड़ लिया। उसने पोते को उसके पास भेजने का एक नाटक किया। अब मंगम्मा भी पोते के लिए बाजार से मिठाई खरिदकर ले जाने लगी। एक दिन कौवे ने उसके माथे से मिठाई की दाना ले उड़ा। अंधविश्वास के कारण मंगम्मा भयभीत हो उठी। जिसे माँ जी ने बड़े कुशलता से निवारण किया।

बहू के द्वारा नाटकीय ढ़ंग से पोते को दादी के पास भेजने का बहू का मंत्र बड़ा कारगर हुआ। दूरी बढ़ने से भी प्रेम बढ़ता है। मानसिक तनाव घटता है। हुआ भी ऐसा ही। मंगम्मा को भी बहू में सौहार्द, बेटे और पोते में स्नेह नजर आने लगी। बड़े-बूढ़ों ने भी समझाया।

बहू ने मंगम्मा का काम अपने जिम्मे ले लिया। एक दिन दही बेचने के क्रम में नंजम्मा (बहू) आई और मुझे सारी बातें बताई। उसने परिवार का जमा पैसा लुट जाने के भय के कारण बहू बड़ी कुशलता से पुनः परिवार में शांति स्थापित कर लिया। और फिर पहले की तरह रहने लगी।

अंत में लेखक इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि सास और बहू में स्वतंत्रता की होड़ लगी है। उसमें माँ बेटे और पति पत्नि है। माँ बेटे पर से अपना अधिकार नही छोड़ना चाहती है तो बहू पति पर अपना अधिकार जमाना चाहती है। यह सारे संसार का ही किस्सा है।

विषयनिष्ठ प्रश्न—Subjective Questions

प्रश्न 1. मंगम्मा का अपनी बहू के साथ किस बात को लेकर विवाद था?

उत्तर- मंगम्मा ने अपनी बहू नंजम्मा को पोते को लेकर डाँटा था। एक दिन अपने बेटे की किसी गलती पर उनकी माँ नंजम्मा उसे पीट रही थी। पहले तो कुछ देर मंगम्मा चुप रही किन्तु जब रहा न गया तो मंगम्मा ने बहू से कहाँ- "क्यों री राक्षसी इस छोटे से बच्चे को क्यों पीट रही है ?" बस बहू चढ़ बैठी। खूब सुनाई उसने। जब मंगम्मा ने कहा कि मैं तुम्हारे घरवाले की माँ हूँ तो बहू ने भी कहा-"मैं भी इसकी माँ हूँ। मुझे क्या अकल सिखाने चली है ?" बात बढ़ गई। जब मंगम्मा ने बेटे से शिकायत की तो उसने कहा वह अपने बेटे को मारती है तो तुम क्यों उस झगड़े में पड़ती हो? मंगम्मा ने कहा- 'बीबी ने तुझ पर जादू फेरा है बस, उसी दोपहर बहू ने मंगम्मा के बर्तन भांडे अलग कर दिए।

प्रश्न 2. रंगप्पा कौन था और वह मंगम्मा से क्या चाहता था?

उत्तर- रंगप्पा गाँव का आदमी था। बड़ी शौकीन तबीयत का था । कभी-कभार जूआ भी खेलता था। जब उसे पता चला कि मंगम्मा बेटे से अलग रहने लगी है तो वह मंगम्मा के पीछे पड़ गया। एक दिन उससे हाल-चाल पूछा और बोला कि मुझे रुपयों की जरूरत है। दे दो लौटा दूँगा। मंगम्मा ने जब कहा कि पैसे कहाँ हैं तो बोला कि पैसे यहाँ-वहाँ गाड़कर रखने से क्या फायदा दूसरे दिन रंगप्पा ने अमराई के पीछे रोककर बाँह पकड़ ली और कहा- 'जरा बैठो मंगम्मा, जल्दी क्या है ? दरअसल, रंगप्पा लालची और लम्पट दोनों ही था।

प्रश्न 3. बहू ने सास को मनाने के लिए कौन-सा तरीका अपनाया ?

उत्तर- बहू को जब पता चला कि रंगप्पा उसकी सास मंगम्मा के पीछे पड़ गया है तो उसके कान खड़े हो गए। कहीं सास के रुपये-पैसे रंगप्पा न ले ले, इस आशंका से वह बेचैन हो गई। तब उसने योजना बनाई और अपने बेटे से कहा कि जा दादी पास तुझे मिठाई देती है न? अगर मेरे पास आया तो पीटूंगी। बस, बच्चा मंगम्मा के पास आकर रहने लगा। मंगम्मा भी उसे चाहती ही थी। एक दिन पोता जिद कर बैठा कि मैं भी बैंगलोर चलँगा। मंगम्मा क्या करे? माथे पर टोकरा, बगल में बच्चा! मुसीबत हो गई। तब बेटे-बहू ने आकर कहा कि उस दिन गलती हो गई। यूँ कैसे चलेगा? मंगम्मा अब खुशी-खुशी बेटे-बहू के साथ रहने लगी। धीरे-धीरे बहू ने शहर में दही बेचने का धंधा भी अपने हाथ में ले लिया। उसकी मंशा पूरी हो गई।

प्रश्न 4. इस कहानी का कथावाचक कौन है ? उसका परिचय दीजिए।

उत्तर- इस कहानी का कथावाचक लेखक की माँ है। लेखक की माँ प्रस्तुत कहानी का द्वितीय केन्द्रीय चरित्र है। कहानी की कथावस्तु लेखक की माँ के द्वारा ताना-बाना बुना गया है। मंगम्मा जब दही बेचने के लिए आती है तो लेखक के घर

Excellence Coaching Institute Guided By - Neeraj Jain

आती है और बढ़िया दही कुछ-न-कुछ बेचकर जाती है। धीरे-धीरे मगम्मा और लेखक की माँ में घनिष्ठता बढ़ती चली गई। मगम्मा अपने घर-गृहस्थी का सारा हाल सुनाती है और लेखक की माँ उसे कुछ-न-कुछ सुझाव देती है। सास और बहू के अन्तर्कलह से परिवार बिखर जाता है। बेटे को समस्त सुख अर्पित करनेवाला माँ बहू के आते ही बेटे से अलग हो जाती है। मगम्मा के अन्तर्व्यथा को सुनकर लेखक की माँ का मन भी बोझिल हो जाता है। ममता की मूर्तिमान रहनेवाली नारी दुर्गा क्यों बन जाती है। इसका ज्वलंत उदाहरण लेखक की माँ को देखना-सुनना पड़ता है। जब कोई एक दूसरे को पसंद नहीं करता तब छोटी बातें भी बड़ी हो जाती है। मंगम्मा की बातें सुनते-सुनते लेखक की माँ का हृदय द्रवित हो जाता है।

प्रश्न 5. मंगम्मा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तर- मंगम्मा प्रस्तुत कहानी का प्रमुख केन्द्रीय चरित्र है। कहानी की कथावस्तु इसके इर्द-गिर्द ही घूमती रहती है। पति से विरक्त रहनेवाली मंगम्मा शायद कभी ऐसी नहीं सोची होगी कि उसका बेटा पत्नी के दबाव में आकर उसको छोड़ सकता है। पत्नी का शृंगार पति है। मंगम्मा और उसकी बहू इस तथ्य को भली-भाँति समझती है। मंगम्मा दही बेचकर अपना जीवन-यापन करती है। दही लेकर वह अपने गाँव से शहर जाती है। और उसे बेचकर जो आमदनी होती है। उसी में वह कुछ संचय करती है।

वह जानती है कि पैसा ही उसका अपना जमा पूँजी होती है। वह भोली-भाली और सच्चा हृदय वाली नारी है। अपने पोते के प्रति उसका अधिक झुकाव होता है। रंगप्पा द्वारा बार-बार उसका पीछे करने पर भी अपने कर्मपथ से विचलित नहीं होती है। मंगम्मा सम्पूर्ण भारतीय नारीत्व का प्रतिनिधित्व करती है।

प्रश्न 6. मंगम्मा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तर- मंगम्मा कथा-नायिका मंगम्मा की बहू है। वह बहुत तेज-तर्रार है। अपने काम में किसी प्रकार की दखलंदाजी सहन नहीं करती। बेटे की किसी गलती पर जब उसे पीटती और मंगम्मा जब मना करती है तो उस पर चिढ़ बैठती है। कहती है कि मैं बेटे की माँ हूँ-जैसे चाहूँगी रखुंगी। वह अपने पति पर भी काबू रखती है और तर्क से सबको हराती भी है। मंगम्मा जब मखमल का जाकिट पहनती है तो व्यंग्य भी करती है और लेन-देन की बात उठने पर मंगम्मा के लिए गहने-जेवर महिला को वापस ले लेने को भी कह देती है।

नंगम्मा तेज-तर्रार होने के साथ लोगों की कमजोरी जाननेवाली अत्यन्त चतुर भी है जब उसे मंगम्मा द्वारा रुपया-पैसा किसी और को दिए जाने की आशंका होती है तो अपने बेटे को मंगम्मा के पास रहने के लिए भेज देती है और मौका देखकर पति के साथ जाकर माफी माँग लेती है और अपने यहाँ ले आती है। इतना ही नहीं वह धीरे-धीरे मंगम्मा का दही बेचने का धंधा भी खुद शुरू कर देती है।

इस प्रकार नंजम्मा तेज-तर्रार, दूरदर्शी और व्यवहार कुशल नारी है।

विस्तुनिष्ठ प्रश्न

I. सही विकल्प चुनें

प्रश्न 1. दही वाली मंगम्मा के रचयिता हैं ?

(क) सात कौड़ी होता (ख) ईश्वर पेटलीकर

(ग) श्रीनिवास (घ) प्रेमचन्द

उत्तर- (ग) श्रीनिवास

प्रश्न 2. श्रीनिवास साहित्यकार हैं—

(क) गुजराती (ख) कन्नड़ (ग) राजस्थानी (घ) तमिल

उत्तर- (ख) कन्नड़

प्रश्न 3. मंगम्मा बरसों से बारी में दिया करती थी—

(क) दूध (ख) चावल (ग) मछली (घ) दही

उत्तर- (घ) दही

प्रश्न 4. नंजमा मंगम्मा की…………थी।

(क) बेटी (ख) माँ (ग) पुत्र वधू (घ) सास

उत्तर- (ग) पुत्र वधू

प्रश्न 5. श्री निवास का पूरा नाम है—

(क) साँवर दइया (ख) सुजाता

(ग) मास्ती वेंकटेश अय्यंगर (घ) सात कोड़ीहोता

उत्तर- (ग) मास्ती वेंकटेश अय्यंगर

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. रंगप्पा कौन था और वह क्या चाहता था ?

उत्तर- रंगप्पा मंगम्मा के गाँव का जुआड़ी था और मंगम्मा से रुपये चाहता था।

प्रश्न 2. सास-बहू की लड़ाई में मंगम्मा के बेटे ने किसका साथ दिया ?

उत्तर- सास-बहु की लड़ाई में मंगम्मा के बेटे ने अपनी पत्नी का साथ दिया।

प्रश्न 3. मंगम्मा और उसकी बहू नंजम्मा में झगड़ा क्यों हुआ?

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrez Alam

उत्तर- मंगम्मा और उसकी बहू नंजम्मा में पोते की पिटाई को लेकर झगड़ा हुआ।

प्रश्न 4. मंगम्मा की बहू नंजम्मा ने अपनी सास से क्यों समझौता कर लिया ?

उत्तर- मंगम्मा की बहू नंजम्मा ने अपनी सास से इसलिए समझोता कर लिया कि कहीं सास दूसरे व्यक्ति को रुपये न दें।

प्रश्न 5. मंगम्मा कौन थी?

उत्तर- मंगम्मा बारी में दही बेचने वाली थी।

2. ढ़हते विश्वास

लेखक- सातकोड़ी होता

जन्म- उड़ीसा के मयूरभंज स्थान (1929 ई0)

हिन्दी अनुवाद- राजेन्द्र प्रसाद मिश्र

यह उड़िया साहित्य के प्रमुख कलाकार है। शिक्षा समाप्ति के बाद इन्होनें सर्वप्रथम भुवनेश्वर में भारतीय रेल यातायात सेवा के अन्तर्गत रेल समन्वय आयुक्त के पद पर नियुक्त हुए। इसके बाद उड़ीसा सरकार के वाणिज्य एवं यातायात विभाग में विशेष सचिव तथा उड़ीसा राज्य परिवहन निगम के अध्यक्ष पद को सुशोभित किया।

पाठ परिचय—प्रस्तुत पाठ में प्राकृतिक प्रकोप से उत्पन्न समस्या पर प्रकाश डाला गया है। बाढ़ एवं सुखा से त्रस्त जीवन धैर्य तथा साहस के साथ इन समस्याओं का मुकाबला करता है, लेकिन लोगों का विश्वास तब ढहने लगता है, जब बाढ़ का पानी किनारों को लाँघकर गाँव-घरों को अपने आगोश में लेकर आगे बढ़ता है, तो लोगों का भरोसा टुटने लगता है। लोगों को माँ चण्डेश्वरी पर जो विश्वास था, वह भी क्षीण होने लगता है। बार-बार किसी पर विश्वास करके इन्सान ठगा जा चुका है। उसके साथ विश्वासघात हुआ है। अतः अब कोई व्यक्ति किसी पर विश्वास नहीं करना चाहता।

सारांश

प्रस्तुत कहानी 'ढहते विश्वास' चिंतन प्रधान कहानी है। इसमें कहानीकार सातकोड़ी होता ने उड़ीसा के जन-जीवन का चित्र प्रस्तुत किया है। कहानी एक ऐसे परिवार की आर्थिक दुर्दशा से शुरू होती है, जिसका मुखिया लक्ष्मण कलकत्ता में नौकरी करता है, किन्तु उसकी कमाई से परिवार का भरण-पोषण नहीं हो पाता। इसलिए उसकी पत्नि तहसीलदार साहब के घर छिटपुट काम करके उस कमी को पूरा करती है। उसके पास एक बिघा खेत भी है, लकिन बाढ़, सूखा तथा तुफान के कारण वह खेत दुख का कारण बन जाता है।

कई दिनों से लगातार वर्षा होते देखकर लक्ष्मी इस आशंका भयाक्रांत हो गई कि इस बार भी बाढ़ आएगी। तूफान से घर टूट गया था। कर्ज लेकर किसी प्रकार घर की मरम्मत कराती है। तूफान और सूखा से त्रस्त होते हुए भी हल किराए पर लेकर खेती करवाती है। सूखा होने के कारण धान के अंकुर जल गये, फिर भी हार न मानकर बारिश होने पर रोपनी करने का इंतजार किसान कर रहे थे। लकिन लगातार वर्षा होने के कारण बाढ़ आने की चिंता ने लोगों की निन्द हराम कर दी थी। लक्ष्मी का घर देबी नदी के बाँध के निचे था। लक्ष्मी उसी समय ससुराल आई थी, जब दलेई बाँध टुटा था। बाढ़ की भयंकरता के कारण लोगों की खुशी तुराई के फूल की तरह मुरझा गई। चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ था। उस दर्दनाक स्थिति की अनुभूति लक्ष्मी को हो चुकी थी।

इसलिए वह यह सोचकर सिहर उठती है कि यदि पुनः दलेई बाँध टूट जाए तो इस विपत्ति का सामना वह कैसे कर पाएगी, क्योंकि तूफान और सूखा ने कमर तोड़ दी है। पति परदेश में है। तीन बच्चे हैं।

लक्ष्मी वर्षा की निरंतरता से भीषण बाढ़ आने की बात सोचकर दुखी हो रही थी। उसके पति लक्ष्मण कलकत्ता की नौकरी से कुछ पैसे भेज देता था और वह स्वयं तहसीलदार का छिटपुट काम करके बच्चों के साथ अपना भरण-पोषण कर रही थी। भूमि की छोटा टुकड़ा तो प्रकृति-प्रकोप से ही तबाह रहता है।

दलेई बाँध टूटने की विभीषिका तो वह पहले ही देख चुकी थी। वह भयानक अनुभूति रह-रहकर जाग उठती थी। तूफान, सूखा और बाढ़ इन तीन-तीन प्राकृतिक विपदाओं से कौन रक्षा करें ? बाँध की सुरक्षा के लिए ग्रामीण युवक स्वयंसेवी दल बनाकर बाँध की सुरक्षा में संलग्न थे। लक्ष्मी भी बड़े लड़के को बाँध पर भेजकर दो लड़कीयों और एक साल के लड़का के साथ घर पर है।

पूर्व में ऐसी भयानक स्थिति को देखकर भी लोग यहाँ खिसके नहीं। सायद इसी प्रकार नदियों के किनारे नगर और जनपद बनते गये। लक्ष्मी भी पूर्व के आधार पर कुछ चिउड़ा बर्तन-कपड़ा संग्रह कर लिया। गाय, बकरीयों के पगहा खोल दिया।

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

पानी ताड़ की ओर बढ़ा और शोर मच गया। ग्रामीण युवक काम में जुटे थे और लोगों में जोश भर रहे थे तथा लोगों को ऊँचे पर जाने का निर्देश भी दे रहे थे। सब लोगों का विश्वास आशंका में बदल गया। लोग काँपते पैरों से टीले की ओर भागे। स्कूल में भर गये। देवी स्थान भी भर गया। लोग हतास थे अब तो केवल माँ चंडेश्वरी का ही भरोसा है।

लक्ष्मी भी आशा छोड़कर जैसे-तैसे बच्चों को लेकर भाग रही थी क्योंकि बाँध टूट गया था और बाढ़ वृक्ष घर सबों को जल्दी-जल्दी लील रही थी। शिव मंदिर के समीप पानी का बहाव इतना बढ़ गया कि लक्ष्मी बरगद की जटा में लटककर पेड़ पर चढ़ गयी। वह कब बेहोश हो गई। कोई किसी की पुकार सुननेवाला नहीं। टीले पर लोग अपने को खोज रहे थे। स्कुल भी डुब चुका था। अतः लोग कमर भर पानी में किसी तरह खड़े थे।

लक्ष्मी को होश आने पर उसका छोटा लड़का लापता था। वह रो-चिल्ला रही थी, पर सुननेवाला कौन था ? लोगों का विश्वास देवी-देवताओं पर से भी उठ गया क्योंकि इन पर बार-बार विश्वास करके लोग ठगे जा रहे हैं। लक्ष्मी ने पुनः पिछे देखा पर उसकी दृष्टि शून्य थी। फिर भी एक शिशु शव को उसने पेड़ की तने पर से उठा लिया और सीने से लगा लिया, जबकि वह उसके पुत्र का शव नहीं था।

प्रश्न 1. लक्ष्मी कौन थी? उसकी पारिवारिक परिस्थिति का चित्र प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर- लक्ष्मी 'ढहते विश्वास' कहानी की प्रमुख पात्र है। उसका पति (लक्ष्मण) कलकत्ता में नौकरी करता है। पति द्वारा प्राप्त राशि से उसका घर-गृहस्थी नहीं चलता है तो वह तहसीलदार साहब के घर का कामकर किसी तरह जीवन-यापन कर लेती है। पूर्वजों के द्वारा छोड़ा गया एक बीघा खेत है। किसी तरह लक्ष्मी ने उसमें खेती करवायी है। वर्षा नहीं होने से अंकुर जल गये तो कहीं-कहीं धान सूख गये। एकतरफ सूखा तो दूसरी तरफ लगातार वर्षा से लक्ष्मी का हृदय काँप उठठा है। उसे बाढ़ का भयावह दृश्य नजर आने लगता है।

प्रश्न 2. कहानी के आधार पर प्रमाणित करें कि उड़ीसा का जन-जीवन बाढ़ और सूखा से काफी प्रभावित रहा है?.

उत्तर- उड़ीसा का भौगोलिक परिदृश्य ऐसा है कि वहाँ प्रायः बाढ़ और सूखा का प्रकोप होता रहता है। प्रकृति की विकरालता शायद उड़ीसा के लिए ही होता है। प्रस्तुत कहानी सूखा और बाढ़ दोनों का सजीवात्मक चित्रण किया गया है। देबी नदी के तट पर बसा हुआ एक गाँव जहाँ कुछ दिन पहले अनावृष्टि के कारण खेतों में लगी हुई फसलें जल-भुन गई। हताश और विवश ग्रामीण आने वाले भविष्य को लेकर चिन्तित थे कि अचानक अतिवृष्टि होने लगी। लोगों की आंशकाएँ बढ़ गई कि कहीं बाढ़ न आ जाये। नदी का उत्थान बढ़ता जा रहा था। ग्रामीण बाँध टूटे नहीं इसके लिए रात-दिन उसका मरम्मत करने में लग जाते हैं। उन ग्रामीणों के लिए यह पहला बाढ़ नहीं है। वृद्ध लोग पुराने दृश्यों को याद कर संशंकित हो उठते हैं। नदी का प्रवाह बढ़ता जाता है और बाँध टूट जाता है। चारों तरफ पानी फैल जाता है। लोग ऊँचे स्थान पर आश्रय लेते हैं। लोग जीवन-मौत से जुझने लगते हैं। उस क्षेत्र के लोग बाढ़ और सूखा से परिचित हो गये हैं। धीरे-धीरे बाढ़ समाप्त हो जाती है किन्तु उसकी त्रासदी का दंश उन्हें आज भी सहनी पड़ती है।

प्रश्न 3. कहानी में आये बाढ़ के दृश्यों का चित्रण अपने शब्दों में प्रस्तुत करें।

उत्तर- बाढ़ शब्द सुनते ही मन-मस्तिष्क में तरह-तरह के प्रश्न उठने लगते हैं। त्रासदी का ऐसा तांडव जो जीव-जगत को तबाह कर दे। उड़ीसा जैसा प्रदेश प्रायः बाढ-सूखा से त्रस्त रहता . है। प्रस्तुत कहानी में आये हुए बाढ़ का चित्रण बड़ा ही त्राग्दीपूर्ण है। देवी नदी के किनारे स्थित लक्ष्मी का गाँव प्राय: बाढ़ की चपेट में आ जाता है। लगातार वर्षा होने से लक्ष्मी को अन्दर से झकझोर देता है। मनुष्य की आवाज उसके शब्द, आनन्द, कोलाहल सब रेत में दफन हो गये हैं। दलेई बाँध टूटने से नदी का पानी सर्वत्र फैल गया है। चारों तरफ चीत्कार सुनाई पड़ती है। लक्ष्मी के मन में अच्छे-बुरे ख्याल आने लगते हैं। पति की अनुपस्थिति उसे खटकने लगती है। लोग ऊँची जगहों पर शरण पाने के लिए बेतहाशा दौड़ पड़ते हैं। लक्ष्मी अपने बेटे की प्रतीक्षा में बिछड़ जाती है। किसी तरह अपने बच्चों को लेकर वह दौड़ पड़ती है। धारा में उसके पैर उखड़ जाते हैं। बरगद की जंटा पकड़कर किसी तरह पेड़ पर चढ़ जाती है। देखते-देखते बरगद का पेड़ भी डूबने लगता है। लक्ष्मी अपनी साड़ी के आधी-भाग से कमर का बाँध लेती है। वह कुछ ही समय में अचेत हो जाती है। टीले पर चढ़े हुए लोग अपने परिचितों को ढूंढ रहे थे। कोई किसी की सहायता नहीं कर

Excellence Coaching Institute Created By - Neeraj Alam

सकता था। लाश की तरह एक जगह टिकी हुई लक्ष्मी को सहसा होश आ जाता है। वह अपने छोटे बेटे को ढूँढने लगती है। हिम्मत हार चुकी वह अनायास पेड़ की शाखा-प्रशाखा की जोड़ में फंसे एक छोटे बच्चे को उठा लेती है। वह उसका बेटा नहीं है। उसका शरीर फुला हुआ है। फिर भी वह उस नन्हें से बच्चे को अपने स्तन से सटा लेती है।

प्रश्न 4. कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार करें।

उत्तर- रचना-भाव का मुख्य द्वार शीर्षक होता है। शीर्षक रचना की रुख्ता एवं व्यापकता को परिलक्षित करता है। शीर्षक का चयन रचनाकार मुख्यत: घटना, पत्र, घटना-स्थल, उद्देश्य एवं मुख्य विचार-विन्दु के आधार पर करता है। विद्वानों के अनुसार शीर्षक की सफलता, औचित्य एवं मुख्य विचार सार्थकता उसकी लघुता सटीकता मुख्य विचार एवं भाव व्यंजना पर करती है।

आलोच्य कहानी का शीर्षक इस कहानी के मुख्य चरित्र से जुड़ा हुआ है। पूरी कहानी पर लक्ष्मी का व्यक्तित्व और कृतित्व छाया छितराया हुआ है। मेहनत करनेवाली लक्ष्मी पति से दूर रहकर भी अपना भरण-पोषण कर लेती हो पति द्वारा भेजे गये राशि से उसका घर-खर्च नहीं चलता है अत: वह तहसीलदार साहब के घर में काम कर अपने बेटा-बेटी को पालन-पोषण करती है। देबी नदी के किनारे स्थित उसका घर पानी के प्रकोप का हिस्सा है। कभी बाढ़ तो कभी सुखाड़ से त्रस्त वह मातृत्व का अक्षरशः पालन करती हैं।

लगातार वर्षा होने से उसका आत्मविश्वास ढहने लगता है। बीती हुई बातें उसे याद आने लगती है। बाढ़ की त्रासदी आज भी उसके मानस पटल पर अंकित हो उठे आभास होने लगता है। शायद पुन: बाढ़ का प्रकोप न हो जाये। वह नदी में दुआ माँगती है। किन्तु नदी की निष्ठुरता अपने आगोश में ले लेती है। टीले पर जाने की होड़ में वह सबकुछ खो देती है। बगरद के पेड़ पर आश्रय तो पा लेती है। किन्तु उसका छोटा बेटा प्रवाह में बह जाता है। पेड़ की शाखा में फंसा हुआ एक छोटे-से बालक को अपना दूध तो पिला देती है। किन्तु उसका आत्मविश्वास डगमगा जाता है। कथाकार ने कथानक के माध्यम से कहानी के तत्त्वों को सुन्दर रूप से नियोजित किया है। बाढ़ आने के भय से लक्ष्मी एवं उस गाँव के लोगों का जैसे आत्मविश्वास खो जाता है शायद लेखक का मन भी बैठ गया है। अत: उपर्युक्त दृष्टान्तों से स्पष्ट होता है कि प्रस्तुत कहानी का शीर्षक सार्थक और समीचीन है।

प्रश्न 5. लक्ष्मी के व्यक्तित्व पर विचार करें।

उत्तर- लक्ष्मी प्रस्तुत कहानी की प्रधान, नायिका है। वह इस कहानी का केन्द्रीय चरित्र है। एक नारी का जो स्वरूप होता है वह इस कहानी में देखने को मिलता है। जीवनरूपी. रथ का एक चक्र होनेवाली पत्नी की भंगिमा का लक्ष्मी प्रतिनिधित्व करती है। पति के बाहर रहने पर भी वह घर-गृहस्थी का बोझ अपने सिर पर ढोती है। पति द्वारा प्राप्त राशि से जब घर का खर्च नहीं चलता है तब वह तहसीलदार साहब के यहाँ काम कर खर्च जुटाती है। पहले सूखा और फिर बाढ़ के भय से लक्ष्मी सशंकित हो उठती है। उसका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है। विधि के विधान को कौन टाल सकता है। लक्ष्मी को जिस बात का भय था वह उसके सामने आ जाता है। बाढ़ का पानी चारों तरफ फैलने लगता है। लोग ऊची टीले पर दौड़ पड़ते हैं। लक्ष्मी भी अपने बेटा-बेटी लेकर जैसे-तैसे दौड़ पड़ती है। प्रवाह ने उसके पैर उखड़ जाते हैं फिर भी वह हिम्मत नहीं हारती है। किसी तरह वरगद के पेड़ पर आश्रय पा लेती है। उसका छोटा बेटा प्रवाह में बह जाता है। किन्तु एक अन्य छोटे से बालक को अपना दूध पीलाता है। मातृत्व उसका उमड़ जाता है।

प्रश्न 6. गुणनिधि का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर- गुणनिधि गाँव का नौजवान है। कंटक में पढ़ता है। वह साहसी है, उसे अपने सामाजिक दायित्व का बोध है और नेतृत्वगुण संपन्न है। जब गाँव आता है और बाढ़ का खतरा देखता है तो स्वयं सेवक दल का गठन करता है। स्वयं सदा उनके साथ रहकर उनका उत्साह बढ़ाता है-'निठल्लों के लिए जगह भी नहीं है दुनिया में जिस मनुष्य ने काठ-जोड़ी का पत्थर-बाँध बाँध है, वह मनुष्य अभी मरा.थोड़े ही है' खुद पैंट-शर्ट उतार कर काँछ. लगाकर कमर कस कर काम पर रात-दिन जुटा रहता है।

प्रश्न 7. बिहार का जन-जीवन भी बाढ़ और सूखा से प्रभावित होता रहा है। इस संबंध में आप क्या सोचते हैं ? लिखें।

उत्तर- बिहार की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहाँ बाढ़ और सूखा का प्रकोप होना ही है। उत्तरी बिहार एवं दक्षिणी बिहार

की कुछ ऐसी नदियाँ है जो हमेशा बरसात में उफानी रूप ले लेती है। दक्षिण बिहार में बहनेवाली नदियों का जलस्तर कम वर्षा होने पर भी जल्दी ही बढ़ जाती है। ये नदियाँ हिमालय पर्वत से निकलकर मैदानी भाग में कहर ढा देती है। नेपाल से सटे होने एवं राजनीतिक गतिविधियों के कारण उन क्षेत्रों में बाढ़ का प्रायः प्रकोप होता है। हर वर्ष बिहार का कुछ क्षेत्र बाढ़ से बहुत प्रभावित होता है। जानमाल की अपार क्षति होती है। पिछले वर्ष कोशी का ताडव अपना एक अलग इतिहास लिख दिया है। कितने गाँव बह गये। बाढ़ समाप्त हुआ कि महामारी फैल गया। एक तरफ बिहार बाढ़ की चपेट में आ गया तो दूसरी तरफ अनावृष्टि के कारण कई जिले सूखे के चपेट में आ गये। बाढ़ और सूखा की आँखमिचौनी बिहारवासियों के लिए जीवन का अंग बन गया है। बिहारी इन दोनों से अभिशप्त है किन्तु कुछ राजनेता इनके दुःख-दर्द को बाटने के बजाय राजनीति खेल शुरू कर देते हैं। केन्द्र की उदासीनता और राज्य की शिथिलता के कारण बिहारवासी इन त्रासदियों का दंश झेलने के लिए विवश हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न—Objective Questions

I. सही विकल्प चुनें

प्रश्न 1. ढहते विश्वास के रचयिता हैं—
(क) साँवर दइया (ख) सुजाता
(ग) सातकोड़ी होता (घ) श्री निवास
उत्तर- (ग) सातकोड़ी होता

प्रश्न 2. सातकोड़ी होता कथाकार हैं—
(क) तमिल (ख) राजस्थानी
(ग) गुजराती (घ) उड़िया
उत्तर- (घ) उड़िया

प्रश्न 3. लक्ष्मी लक्ष्मण की …………..” थी।
(क) माँ (ख) बेटी (ग) सास (घ) पत्नी
उत्तर- (घ) पत्नी

प्रश्न 4. लक्ष्मण ……………में रहता था।
(क) दिल्ली (ख) भुवनेश्वर (ग) आगरा (घ) कोलकाता
उत्तर- (घ) कोलकाता

प्रश्न 5. लोग हाँफते हुए दौड़ने लगे
(क) नदी की ओर (ख) सड़क की ओर
(ग) टीले की ओर (घ) गाँव की ओर
उत्तर- (ग) टीले की ओर

अतिलघु उत्तरीय पश्न

प्रश्न 1. लक्ष्मी कौन थी?
उत्तर- लक्ष्मी उड़ीसा के एक गृहस्थ परिवार की स्त्री थी जिसका घर देवी बाँध के नीचे था।

प्रश्न 2. सातकोड़ी होता के कथा-साहित्य की विशेषता क्या है ?
उत्तर- सातकोड़ी होता के कथा-साहित्य में उड़ीसा का जन-जीवन पूरी आन्तरिकता के साथ प्रकट हुआ है।

प्रश्न 4. हीराकुंद बाँध कहाँ और किस नदी पर बांधा गया है?
उत्तर- हीराकुंद बाँध उड़ीसा में है और महानदी पर बाँधा गया है।

प्रश्न 5. अच्युत कौन था?
उत्तर-
अच्युत लक्ष्मण-लक्ष्मी का बड़ा बेटा था, कर्मठ और साहसी।

प्रश्न 6. बाढ़ का प्रभाव लोगों पर क्या पड़ा?
उत्तर- लोगों को किसी का भरोसा नहीं रहा। देवी-देवताओं पर से भी लोगों का विशवास उठने लगा।

प्रश्न 7. बाढ़ से घर छोड़ने की आशंका से लक्ष्मी ने क्या तैयारी की?
उत्तर- बाढ़ से घर छोड़ने की आशंका से लक्ष्मी ने एक बोरे में थोड़ा-सा चिवड़ा, कुछ कपड़े और दो-चार बर्तन बाँध कर रख लिए। गाय-बछड़े का पगहा खोल दिया। बकरियों को खोल दिया।

3. माँ

लेखक- ईश्वर पेटलीकर
वास्तविक नाम- ईश्वर मोतीभाई पटेल
जन्म- पेटलाड के समीप पेटली ग्राम में (गुजरात), 9 मई 1916 ई0
मृत्यु- 22 नवंबर 1983 ई0
हिन्दी अनुवाद- गोपाल दास नागर

यह गुजराती भाषा के अति लोकप्रिय कथाकार हैं। श्री पेटलीकर साहित्य के अतिरिक्त सामाजिक और राजनीतक जीवन में भी सक्रिय रह हैं।

पाठ परिचय—प्रस्तुत पाठ 'माँ' एक विचार प्रधान कहानी है। इसमें कहानीकार ने एक माँ की ममता का बड़ा ही मार्मिक चित्रण किया है। माँ के लिए हर बच्चा समान तथा प्रिय होता है, किन्तु माँ का प्रेम उस बच्चे के प्रति अधिक होता है, जो

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

सबसे छोटा होता है। माँ की चार संतान हैं जिनमें दो बड़े पुत्र शहर में नौकरी करते हैं तथा एक बेटी की शादी हो चूकि है और वह अपने ससुराल में है। छोटी बेटी मंगु पागल है। लोग उसे पागलों की अस्पताल में भर्ती करने की सलाह देते हैं, लकिन माँ कहती है कि जिस लाड़-प्यार से माँ सेवा करती है, वैसा लाड़-प्यार अस्पताल में कौन करेगा ? इसलिए अस्पताल में भर्ती नहीं कराती है। उनकी सेवा देख लोग दंग रह जाते हैं।

जितना ध्यान माँ मंगु को रखती है उतना न तो कमाऊ पुत्रों की और न ही शादी-शुदा पुत्री की। लकिन गाँव की ही लड़की कुसुम जब अस्पताल से ठिक होकर वापस घर लौटती है तब माँ भी अपनी पागल पुत्री को अस्पताल भर्ती कराने को राजी हो जाती है। लकिन पुत्री से अलग होते ही उसकी दशा वैसे ही हो जाती है, जैसे पुत्री की थी। कहानीकार ने इस कहानी के माध्यम से यह सिद्ध करना चाहा है कि सच्चा प्रेम माँ की ममता है, जिसके प्रति अधिक ममता होती है, उससे अलग होने पर उसका दिल टुट जाता है।

सारांश

मंगु को पागलों की अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह लोग जब उसकी माँ को देते तो वह एक ही जवाब देती- माँ होकर सेवा नहीं कर सकती तो अस्पताल वाले क्या करेंगे ?

जन्मजात पागल और गूंगी मंगु को जिस तरह पालती-पोसती सेवा करती उसे देखकर सभी माँ की प्रशंसा करते। मंगु के अलावा माँ को तीन संतानें थी। दो पुत्र और एक पुत्री। बेटी ससुराल चली गई थी और पुत्र पढ़-लिखकर शहरी हो गये थे। उनके बाल-बच्चे थे। जब सभी गाँव आते तो माँ उनको भी प्यार करती किन्तु बहुओं को संतोष नहीं होता। वे जलने लगती। कहती- 'मंगु को झुठा प्यार-दुलार कर माँ ने ही अधिक पागल बना दिया है।

आदत डाली होती तो पाखाना-पेशाब का तो ख्याल रखती। डाँट से तो पशु भी सीख लेते हैं। बेटी भी ऐसे हीं बाते सुनाती। पुत्र माँ के भाव को समझते थे इसलिए कुछ नहीं कहते थे।

इसी बीच कुसुम अस्पताल गई और दूसरे महीने ही ठीक हो गई। फिर भी डॉक्टरों के कहने पर एक महिना और रही। गाँव आई तो सभी देखने दौड़े। अब लोग कहने लगे- 'माँ जी, एक बार अस्पताल में मंगु को भर्ती करा के देखो जरूर अच्छी हो जाएगी' इस बार माँ ने विरोध नहीं किया। बड़े बेटे को चिट्ठी भेजवाई। लकिन रात की नींद उड़ गई, मन का चैन छिन गया। कैसे रहेगी मंगु अस्पताल में ? कुछ भी तो सऊर नहीं इसे। चिट्ठी पाकर बड़ा बेटा आ गया। मजिस्ट्रेट से जरूरी कागज तैयार करवाये।

माँ को लगा कि बेटा भी मंगु से छुटकारा चाहता है जो जल्दी-जल्दी करवा रहा है। आखिर जाने का दिन आ गया। उस रात माँ को नींद नही आई। जब मंगु को लेकर घर से बाहर निकलने लगी तो जैसे ब्रह्माण्ड का बोझ उस पर आ गया।

माँ भारी कदमों से अस्पताल में दाखिल हुई। मुलाकात का समय था। एक पागल अपने पति से लिपट गई । बोली- ई भूतनियाँ मुझे अच्छे कपड़े नहीं देतीं उसकी परिचारिका ने हँसकर कहा- 'खा लो, मैं सब दुँगी' माँ को विश्वास हो गया कि ये सब लोग दयालु हैं।

डॉक्टर और मेट्रन आ गई। मंगु का कागज देखा। बेटे ने कहा- 'मेरी मंगु का ठीक से ख्याल रखिएगा।' मेट्रन ने कहा- आपको चिंता करने की जरूरत नहीं। बीच में ही माँ ने कहा- बहन ! यह एकदम पागल है, कोई न खिलाए तो खाती नहीं.....टट्टी की भी सुध नहीं......रोशनी में उसे नींद नहीं आती। कहते-कहते माँ रो पड़ी।

सभी लोग उसकी रूलाई से संजीदा हो गए। मेट्रन ने कहा- धीरज रखें। यह भी कुसुम की तरह ठीक हो जाएगी। यहाँ रात को चार-पाँच बार बिछावन की जाँच होती है। जो सोते नहीं उन्हें दवा देकर सुलाया जाता है। जो खुद नहीं खाते उन्हें मुँह में खिलाया जाता है। माँ की बेकली के आगे मेट्रन की शक्ति लुप्त हो गई।

मंगु को छोड़ माँ-बेटे जब बाहर आए तो दोनों के चेहरे पर शोक के बादल थे। रास्ते भर माँ रोती रही। रात भर माँ यही सोचती रही कि मंगु क्या कर रही होगी ? इतनी ठंड में किसी ने उसे कुछ ओढ़ाया होगा या नहीं ? मंगु के बिना आज माँ का विछावन सुना लगा। बाहर बेटे को भी नींद नहीं आ रही थी। सोच रहा था कि मैं मंगु को अच्छी तरह पालूँगा।

सुबह जब चक्की की आवाज शुरू हुआ तो एक चिख सुनाई पड़ी-'दौड़ो रे दौड़ो ! मेरे मंगु को मार डाला।' बेटा चारपाई से उछल पड़ा। माँ मंगु के श्रेणी में मिल गई थी।

प्रश्न 1. मंगु के प्रति मां और परिवार के अन्य सदस्यों के व्यवहार में जो फर्क है उसे अपने शब्दों में लिखें।

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrez Alam

उत्तर- मंगु जन्म से पागल और गूंगी बालिका थी। माँ के लिए कोई कैसी-भी संतान हो उसकी वात्सल्यता फूट ही पड़ती है। मंगु की देख-रेख करनेवाली माँ को अपनी पुत्री एवं ईश्वर से कोई शिकायत नहीं है। ममता की प्रतिमूर्ति माँ स्वयं अपना सुख को भूलकर-पुत्री के लिए समर्पित हो जाती है। उसकी नींद उड़ गई है। रात-दिन अपनी असहाय बच्ची के लिए सोचती रहती है। मंगु के अलावा माँ के लिए तीन संतानें थीं। वे भी अपनी माँ के व्यवहार से अनमने-सा दुःखी रहते हैं।

माँ को ऐसी बात नहीं कि मंगू के अतिरिक्त अन्य संतानों से लगाव नहीं है परन्तु परिस्थिति ऐसी है कि मंगू के बिना उसका जीवन अधूरा है। दो बेटे के साथ-साथ घर में उनकी बहुएँ और पोते-पोतियाँ भी है। एक अन्य पुत्री जो ससुराल चली गई है। छुट्टियों में जब भी पोते-पोतियाँ आते हैं तो आशा लगाते हैं कि उन्हें दादी माँ का भरपूर प्यार मिलेगा किन्तु माँ का समग्र मातृत्व मंगु पर निछावर हो गया है। मातृत्व के स्नेह में खिंची बहुएँ माँ जी के प्रति अन्याय कर बैठती हैं। माँ के अतिरिक्त परिवार के अन्य सदस्य मंगु को पागलखाना में भर्ती कराकर निश्चित हो जाना चाहते हैं किन्तु माँ बराबर इनका विरोध करती रहती हैं।

माँ जी अस्पताल को गौशाला समझती थीं। इसलिए माँ जी घर में ही डॉक्टरों को बुलाकर इलाज कराती है। लोगों के बहुत कहने-सुनने के बाद वह मंगु को अस्पताल में भर्ती कराकर लौटती तो है किन्तु वह भी मंगु की तरह व्यवहार करने लगती है।

प्रश्न 2. माँ मंगु को अस्पताल में क्यों नहीं भर्ती कराना चाहती? विचार करें?

उत्तर- माँ अस्पताल की व्यवस्था से मन-ही-मन काँप जाती थी। वह लोगों को अस्पताल के लिए गौशालाओं की उपमा देती थीं। मंगु विस्तर पर पाखाना-पेशाब कर देती थी। खिलाने पर ही खाती थी। माँ जी को आत्मविश्वास था कि अस्पताल में डॉक्टर नर्स आदि सभी अपना कोरम पूरा करेंगे। बिस्तर भींगने पर कौन उसके कपड़े और विस्तर बदलेंगे। माँ जी के मन में इन्हीं तरह के विविध प्रश्न उठा करते थे। इन्हीं कारणों से वह मंगु को अस्पताल में भर्ती नहीं कराना चाहती थी।

प्रश्न 3.कुसुम के पागलपन में सुधार देख मंग के प्रति माँ परिवार और समाज की प्रतिक्रिया को अपने शब्दों में लिखें।

उत्तर- कुसुम एक पढ़ने-लिखने वाली लड़की है। उसकी माँ चल बसी है। अचानक वह भी पागल की तरह आचरण करने लगती है। उसे भी टट्टी-पेशाब का ध्यान नहीं रहता है। कुसुम को अस्पतालों में भर्ती की बात सुनकर माँ जी को लगा कि यदि उसकी माँ जीवित होती तो अस्पताल में भर्ती न करने देती। कुसुम अस्पताल में भर्ती कर दी जाती है। डाक्टर, नर्स आदि की देख-रेख में कुसुम धीरे-धीरे ठीक होने लगती है। कुसुम ठीक होने पर घर आती है। सभी उससे मिलने के लिए जाती है। माँ जी उससे विशेष रूप से मिलती है।

कुसुम की बातों से माँ जी का हृदय बदल जाता है। उन्हें भी अस्पताल के प्रति श्रद्धा उत्पन्न हो गई। गाँव के लोगों ने माँ जी को समझाने लगा कि एक बार अस्पताल में भर्ती कराकर तो देख लें। यदि ठीक नहीं हुई तो मंगु को वापस बुला लेंगी। अंत में माँ जी ने भर्ती कराने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने बड़े पुत्र के पास पत्र भेजा। पत्र लिखते ही बड़ा पुत्र आ गया और माँ जी के साथ मंगू को लेकर अस्पताल गया। अस्पताल में भर्ती कराकर माँ जी लौट आती हैं।

प्रश्न 4. कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार करें।

उत्तर- किसी भी कहानी का शीर्षक धुरी होता है जिसके इर्द-गिर्द कहानी घूमती रहती है। किसी भी कहानी के शीर्षक की सफलता औचित्य एवं मुख्य विचार, लघुता, भाव-व्यंजना आदि पर निर्झर है।

आलोच्य कहानी का शीर्षक इस कहानी के मृत्यु कृत्तित्वछाया छितराया हुआ है। समग्र मातृत्व का बोझ सहनेवाली माँ जी इस कहानी का मुख्य पात्र है। जन्म से पागल और गूंगी लड़की की संवा तन-मन से करती है। जन्मदात्री होने का वह अक्षरशः पालन करती है। माँ को अपनी पुत्री और ईश्वर से कोई शिकायत नहीं है। ममता की पूर्तिमूर्ति माँ स्वयं अपना सूख को भूलकर पुत्री के लिए समर्पित हो गई है। घर में बेटी-बेटे-बहू, पोता-पोतियों के साथ उसका संबंध बुरा नहीं है फिर वे माँ जी से खुश नहीं रहते हैं। वे समझते हैं कि माँ जी पागल बेटी के लिए स्वयं पागल हो गई हैं।

पढ़ने-लिखने वाली कुसुम भी जब पागल की तरह आचरण करने लगती है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया जाता है तो मन-ही-मन दुःखी हो जाती है। वे सोचती हैं कि मातृहीन कुसुम आज विवश हो गई है। यदि उसकी माँ होती तो शायद

Excellence Coaching Institute
Guided By - Rahul Alone

अस्पताल में भर्ती नहीं कराने देती है। कुसुम के ठीक होने एवं गाँव के लोगों के कहने-सुनने माँ जी की अंतत: मंगू को अस्पताल में भर्ती करा देती हो किन्तु स्वयं पागल हो जाती है। एक माँ ही अपनी संतान को समझ सकती है। संतान कैसी भी हो किन्तु उसकी ममता में कहीं कोई कमी नहीं आती है। वस्तुतः इन दृष्टान्तों से स्पष्ट होता है कि प्रस्तुत कहानी का शीर्षक सार्थक और समीचीन है।

प्रश्न 5. मंगु जिस अस्पताल में भर्ती की जाती है, उस अस्पताल के कर्मचारी व्यवहार कुशल हैं या संवेदनशील? विचार करें।

उत्तर- मंगु जिस अस्पताल में भर्ती की जाती है उस अस्पताल के कर्मचारी संवेदनशील हैं। अस्पताल कर्मियों का काम मरीजों के साथ अच्छे से व्यवहार करना और सेवा करना है। किन्तु इस अस्पताल के कर्मी व्यवहार कुशल ही नहीं संवेदनशील भी हैं। अस्पताल में अनेक मरीज आते हैं। उन्हें परिजनों से क्या प्रयोजन ? मंगु उनका मरीज अवश्य है किन्तु माँ जी की वात्सलयता और ममत्व से वे प्रभावित हो जाते हैं। वे माँ जी को आश्वस्त कर घर भेजना चाहते हैं कि उनकी बंटी को कोई कष्ट नहीं होगा। माँ जी के रूदन को देखकर डॉक्टर, मेट्रन और परिचारिकाओं कं हृदय भर गये। वे मन-ही-मन सोचने लगे कि किसी पागल का ऐसा स्वजन अभी तक कोई नहीं आया है। एक अधेड़ परिचारिका उसे अपनी बेटी मानने लगती है। ऐसा व्यवहार कोई कर्मचारी नहीं संवेदनशील ही कर सकता है।

प्रश्न 6. माँ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तर- 'माँ' कहानी की नायिका अपने घर की मुखिया और सहनशील नारी है। वह सब कुछ करती है और लोग यदि उसकी आलोचना भी करते हैं तो चुपचाप सुनती है, कुछ कहती नहीं। वह अथक सेविका है। अपनी पागल पुत्री की देखभाल बड़ी लगन से करती है, उसे अपने पास सुलाती, नहलाती-धुलाती, खिलाती और उसका मल मूत्र भी खुशी-खुशी साफ करती है। वह ऊबती नहीं अपितु उसकी जुदाई की आशंका से व्याकुल हो उठती है। वह अपने सभी बच्चों को बहुत प्यार करती है। माँ व्यवहार-कुशल भी है। वह अपनी बहुओं की अपने प्रति शिकायत से परिचित हैं, किंतु परिवार को विखंडित होने से बचाने के लिए कुछ नहीं कहती। उसका व्यवहार सभी लोगों से सौहार्द्रपूर्ण है। माँ अत्यन्त ममतामयी है। ममता के अतिरेक में ही, मंगु की जुदाई सहन नहीं कर पाती और पागल हो जाती है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न—Objective Questions

I. सही विकल्प चुनें

प्रश्न 1. 'माँ' कहानी है—

(क) राजस्थानी (ख) गुजराती (ग) तमिल (घ) उड़िया

उत्तर-(ख) गुजराती

प्रश्न 2. 'माँ' कहानी के रचनाकार हैं

(क) साँवर दइया (ख) श्रीनिवास

(ग) ईश्वर पेटलीकर (घ) सुजाता

उत्तर- (ग) ईश्वर पेटलीकर

प्रश्न 3. मंगु जन्म से ही ..... है।

(क) अंधी (ख) बहरी (ग) पागल (घ) गूंगी

उत्तर- (ग) पागल

प्रश्न 4. मां की .....संतानें थीं।

(क) तीन (ख) दो (ग) पाँच (घ) चार

उत्तर- चार

प्रश्न 5. मंगू को अस्पताल ले जाते समय माँ .....थीं।

(क) प्रसन्न (ख) उदास (ग) पागल (घ) उद्विग्न

उत्तर- (घ) उद्विग्न

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मंगु कौन थी?

उत्तर- मंगु जन्म से पागल और गूंगी लड़की थी।

प्रश्न 2. मंगु की देख-रेख कौन और कैसे करता था? ।

उत्तर- मंगु की देख-रेख उसकी माँ बड़े यत्न से करती थी। वह उसे अपने पास सुलाती, खाना खिलाती और मल-मूत्र साफ करती थी।

प्रश्न 3. मंगु की माँ उसे अस्पताल में क्यों नहीं भर्ती कराना चाहती थी?

उत्तर- मंगु की माँ सोचती थी कि अस्पताल में मंगु की देख-भाल ठीक से न होगी। इसलिए उसे भर्ती कराना नहीं चाहती थी।

प्रश्न 4. अस्पताल में भर्ती कराकर आने के बाद मंगु के भाई ने क्या प्रण किया ?

Excellence Coaching Institute Guided By - Nafees Alam

उत्तर- अस्पताल में भर्ती कराकर आने के बाद मंगु के भाई ने प्रण किया कि वह मंगु पालेगा। बहू मल-मूत्र न धोएगी तो वह स्वयं धोएगा।'

प्रश्न 5. मंगु को अस्पताल में भर्ती करा कर आने के बादं माँ की क्या दशा हई?

उत्तर- मंगु को अस्पताल में भर्ती कराकर आने के बाद माँ रात भर सिसकती रही और सवेरे चीत्कार सुनकर परिवार एवं पड़ोस के लोग घबड़ाकर वहाँ आए तो सबने देखा कि मंगु की माँ खुद पागल हो गई।

प्रश्न 6. ईश्वर पेटलीकर कौन हैं?

उत्तर- ईश्वर पेटलीकर गुजराती के जाने-माने कथाकार हैं।

प्रश्न 7. ईश्वर पेटलीकर के साहित्य की क्या विशेषता है ?

उत्तर- ईश्वर पेटलीकर के साहित्य में गुजरात का समाज, उसके मूल्य, दर्शन आदि साकार होते हैं।

प्रश्न 8. मंगु की माँ उसे अस्पताल में भर्ती कराने को कैसे राजी हुई ?

उत्तर- गाँव की लड़की कुसुम का पागलपन जब अस्पताल जाने से दूर हो गया तो मंगु की माँ मंगु को अस्पताल में भर्ती कराने को राजी हुई।

प्रश्न 9. मंगु को अस्पताल ले जाने के समय माँ की स्थिति कैसी थी?

उत्तर- अस्पताल ले जाने के पूर्व की रात माँ को नींद नहीं आई। उसे लेकर घर से निकलने लगी तो लगा कि ब्रह्माण्ड का भार उसके ऊपर आ गया। आँखों से सावन-भादो शुरू हो गया।

4. नगर

लेखक- सुजाता

वास्तविक नाम- सुजाता रंगराजन

जन्म- तमिलनाडु के चेन्नई में ;3 मई 1935 ई0 द्ध

मृत्यु- 27 फरवरी 2008 ई0

हिन्दी अनुवाद- के0 ए0 जमुना

कहानी का स्त्रोत- नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया

यह तमिल साहित्य के एक प्रमुख लेखक थे।

प्रस्तुत कहानी 'नगर' व्यंग्य प्रधान कहानी है। इसमें कहानीकार ने नगरीय अव्यवस्था पर कटाक्ष किया है किस प्रकार ग्रामीण भोली-भाली जनता के साथ नगर में उपेक्षा एवं बदसलूकी होती है। यह कहानी एक ऐसी लड़की से संबंधित है, जो आज ही मदुरै आई है। उसकी माँ वल्लिअम्माल अपनी पुत्री पाप्पाति के साथ मदुरै स्थित बड़े अस्पताल के बहिरंग रोगी विभाग के बाहर बरामदे पर बैठी प्रतिक्षा कर रही थी। उसकी पुत्री को बुखार था। गाँव के प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र के डॉक्टर ने उसकी जाँच कर उसे एडमिट करवा देने को कहा। वल्लिअम्माल अनपढ़ थी।

वह इतना भी नहीं जानती थी कि पेसेंट किसे कहते हैं ? फिर भी उसे विभिन्न दफतरों में चिट लेकर जाने को कहा जाता है। डॉक्टर के आदेश की अवहेलना कर उसकी पुत्री को एडमिट नहीं किया जाता है। तंग आकर वह वहाँ से विदा हो जाती है। दुसरे दिन जब बड़े डॉक्टर पाप्पाति को अनुपस्थित देखकर जानकारी लेते हैं तो पता चलता है कि वह वहाँ से विदा हो चुकी है। इससे स्पष्ट होता है कि नगर की व्यवस्था अति अस्त-व्यस्त हो गई है, जहाँ पैसे पर खेल होता है। गरीब एवं ग्रामीण के लिए कोई जगह नहीं है।

मदुरै के एक बड़े अस्पताल में वल्लि अम्माल अपनी लड़की पाप्पति के साथ बहिरंग विभाग के बरामदे में बैठी प्रतिक्षा कर रही थी। पाप्पाति को बुखार था। उसे लेकर गाँव के प्राइमरी हेल्थ सेंटर गई तो डॉक्टर ने कहा- 'एक्यूट केस ऑफ मेनिनजाइटिस' फिर बारी-बारी से दुसरे डॉक्टरों ने देखा। बड़े डॉक्टर ने एडमिट करने को कहा। वल्लिअम्माल ने बड़े डॉक्टर की ओर दखकर पूछा- 'बाबुजी बच्ची अच्छी हो जाएगी न ?'

डॉक्टर ने कहा- 'पहले एडमिट करवा लें। इस केस को मैं स्वयं दखुँगा।' डॉ0 धनशेखरण श्रीनिवासन को सारी बात समझाकर बड़े डॉक्टर के पिछे दौड़े। श्रीनिवासन ने वल्लिअम्माल से कहा- ये ले। इस चिट को लेकर सिधे चली जाओ। सीढ़ियों के ऊपर कुर्सी पर बैठे सज्जन को देना। बच्ची को लेटी रहने दो।

वल्लिअम्माल चिट लेकर सीधे चली गई। कुर्सी खाली पड़ी थी। थोड़ी देर बाद सज्जन अपने भांजे को भर्ती करा कर लौटे। सब को लाइन लगाने को कहा। आधे घंटे के बाद वल्लिअम्माल से कहा- इस पर डॉक्टर का दस्तखत नहीं है। दस्तखत करवा कर लाओ। फिर वेतन आदि के बारे में पूछकर चिट देकर कहा- इसे लेकर सीधे जाकर बाएँ मुड़ना। तीर का निशान बना होगा। 48 नंबर कमरे में जाना।

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrez Alam

वल्लिअम्माल को कुछ समझ में नहीं आया। इधर-उधर घूमकर एक कमरे के पास पहुँची। वहाँ के एक आदमी ने चिट ले ली। कुछ देर बाद पाप्पाति का नाम पढ़कर कहा-
इसे यहाँ क्यों लाई ? ले, इसे लेकर सीधे चली जा। और अपने काम में लग गया। वहाँ बड़ी भीड़ थी। एक आदमी ने चिट रखकर आधे घंटे बाद नाम पुकार कर कहा- इस समय जगह नहीं है। कल सवेरे साढ़े सात बजे आना।
वल्लिअम्माल भागी चक्कर काटकर सीढ़ी के पास पहुँची। बगल का दरवाजा बंद था। इसी में उसकी बेटी स्ट्रेचर पर पड़ी दिखाई दी। पास वाले आदमी से गिड़गिड़ा कर बोली- दरवाजा खोलिए। मेरी बेटी अंदर है। उसने कहा सब बंद हो चुका है, तीन बजे आना। इसी बीच एक आदमी ने कुछ पैसे देकर दरवाजा खुलवाया। वल्लि अम्माल भीतर दौड़ी गई और पाप्पाति को कलेजे से लगाए बाहर आई। फिर बेंच पर बैठकर खुब रोई। इसे समझ में नहीं आ रहा था कि अगले सुबह तक क्या करें ? फिर सोचा इसे मामुली बुखार ही तो है। वापस चलती हुँ। वैद्य जी को दिखा दुँगी। माथे पर खड़िया मिट्टी का लेप कर दुँगी और अगर पाप्पाति ठिक हो गई तो वैदीश्वरण जी के मंदिर जाकर भगवान को भेंट चढाऊँगी। वल्लिअम्माल का साईकिल रिक्शा बस अड्डे की ओर बढ़ चला।

प्रश्न 1. लेखक ने कहानी का शीर्षक 'नगर' क्यों रखा? शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करें।

उत्तर- प्रस्तुत कहानी में नगरीय व्यवस्था का चित्रण किया गया है। एक रोगी जो ईलाज के लिए गाँव से नगर आता है किन्तु अस्पताल प्रशासन उसका टोलमटोल कर देता है। उसकी भर्ती नहीं हो पाती है। नगरीय व्यवस्था से क्षुब्ध होकर ही इस कहानी का शीर्षक 'नगरे' रखा गया है।
वर्तमान परिस्थिति में नगरीय जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। अस्पताल के डॉक्टर, कर्मचारी आदि खाना पूर्ति कर अपने जिम्मेदारी से मुक्त हो जाते हैं। अनपढ़ गंवार बल्लि अम्माल नाम की एक विधवा अपनी पुत्री के इलाज के लिए नगर के एक बड़े अस्पताल में आती है। अस्पताल के वरीय चिकित्सक उस रोगी को भर्ती करने का आदेश देते हैं। किन्तु कर्मचारीगण अनदेखी कर देते हैं। वल्लि अम्माल इधर-उधर चक्कर काटती है कि उसकी बेटी का इलाज सही तरीके से हो जाये। कर्मचारियों द्वारा सुबह 7:30 बजे आने की बात पर वलिल अम्माल अपनी बेटी को लेकर अस्पताल से निकल जाती है।

प्रश्न 2. पाप्पाती कौन थी और वह शहर क्यों लायी गयी थी?

उत्तर-पाप्पाति तमिलनाडु के एक गाँव की महिला वल्लि अम्माल की बेटी थी। उसे बुखार आ गया। जब वल्लि अम्माल उसे लेकर गांव के प्राइमरी हेल्थ सेंटर में दिखाने गई तो वहाँ के डॉक्टर ने अगले दिन सुबह ही जाकर नगर के बड़े अस्पताल में दिखाने को कहा। बस वह पाप्पाति को लेकर सुबह की बस से नगर के बड़े अस्पताल में दिखाने पहुंच गई।

प्रश्न 3. बड़े डॉक्टर ने अपने अधीनस्थ डॉक्टरों से पाप्पाति को अस्पताल में भर्ती कर लेने के लिए क्यों कहा? विचार करें।

उत्तर- बड़े डॉक्टर ने पाप्पाति की सावधानी से जाँच की। पलकें उठाकर आँखें देखीं। सिर को घुमा कर देखा, उँगली गाल में गड़ाई। खोपड़ी को अपनी उँगलियों से ठोक-ठोक कर देखा। विदेश से पढ़कर आए थे। अपने अधीनस्थ डॉक्टरों से कहा कि कह दीजिए इसे एडमिट कर लें। इस केस को मैं स्वयं देखूगा। दरअसल, मेनेनजाइटिस में रोगी की संज्ञा प्रायः चली जाती है। इसीलिए डॉक्टर ने एडमिट करने को कहा। अस्पताल के बाहर ऐसे रोगी का इलाज होना कठिन होता है।

प्रश्न 4. बड़े डॉक्टर के आदेश के बावजूद पाप्पाति अस्पताल में भर्ती क्यों नहीं हो पाती?

उत्तर- नगर के बड़े अस्पताल के बड़े डॉक्टर के बावजूद एक्यूट मेनेनजाइटिस से ग्रस्त पाप्पाति अस्पताल में भर्ती नहीं हो सकी इसका कारण सरकारी अस्पताल में व्याप्त टालू प्रवृत्ति, कर्तव्यहीनता, सामान्य व्यक्ति के प्रति सरकारी कर्मचारियों का उपेक्षापूर्ण रवैया और भ्रष्टाचार है। डॉक्टर के चिट देने के बावजूद प्रभारी देर से काम पर लौटा और कहा कि डॉक्टर का दस्तखत नहीं है।
दूसरी जगह के आदमी ने चिट लेने के आधे घंटे बाद कहा कि यहाँ क्यों लाई ? लोगों नं बल्लि अम्माल को सही रास्ता नहीं बताया। किसी ने यह जानने की कोशिश नहीं की कि यह शहर और अस्पताल की स्थिति से परिचित नहीं है और यह जानने का कष्ट भी नहीं किया कि इसकी बेटी को गंभीर बीमारी है या यों ही। एक कर्मचारी ने यह कहकर टरका दिया कि आज जगह नहीं है, कल आना और खोज पूछ होने पर कहा कि यदि बड़े डॉक्टर इंटरेस्टेड हैं, तो यह बताना चाहिए। एक ने

यह कहा कि दरवाजा नहीं खुलेगा, जबकि घूस पाकर दरवाजा खोल दिया। और तो और अधीनस्थ डॉक्टर ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भी स्वयं भर्ती की, पहल नहीं की सिर्फ चिट देकर चलता कर दिया।

प्रश्न 5. वल्लि अम्माल का चरित्र-चित्रण करें।

उत्तर- वल्लि अम्माल-नगर शीर्षक कहानी का केन्द्रीय चरित्र है। वह एक विधवा नारी है जो बीमार बेटी को ईलाज कराने के लिए गाँव से नगर ले आती है। वह पढ़ी-लिखी नहीं है। अस्पताल में उसकी बेटी भर्ती नहीं हो पाती है। बीमार बेटी से चिन्तित वल्लि अम्माल अंधविश्वास में डूब जाती है। उसे लगता है कि बेटी को केवल बुखार है। उसकी आस्था डॉक्टरी में नहीं झाड़-फूंक में है। बेटी को ठीक होने के लिए भगवान से मानते माँगने लाती है। उसे विश्वास है कि ओझा से झाड़-फूंक करवाने पर उसकी बेटी ठीक हो जायेगी। अशिक्षा अंधविश्वास को बढ़ावा देती है। यहाँ वल्लि अम्माल के व्यवहार से सिद्ध हो जाती है।

प्रश्न 1. लेखक ने कहानी का शीर्षक 'नगर' क्यों रखा? शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करें।

उत्तर- प्रस्तुत कहानी में नगरीय व्यवस्था का चित्रण किया गया है। एक रोगी जो ईलाज के लिए गाँव से नगर आता है किन्तु अस्पताल प्रशासन उसका टोलमटोल कर देता है। उसकी भर्ती नहीं हो पाती है। नगरीय व्यवस्था से क्षुब्ध होकर ही इस कहानी का शीर्षक 'नगरे' रखा गया है।

वर्तमान परिस्थिति में नगरीय जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। अस्पताल के डॉक्टर, कर्मचारी आदि खाना पूर्ति कर अपने जिम्मेदारी से मुक्त हो जाते हैं। अनपढ़ गंवार बल्लि अम्माल नाम की एक विधवा अपनी पुत्री के इलाज के लिए नगर के एक बड़े अस्पताल में आती है। अस्पताल के वरीय चिकित्सक उस रोगी को भर्ती करने का आदेश देते हैं। किन्तु कर्मचारीगण अनदेखी कर देते हैं। वल्लि अम्माल इधर-उधर चक्कर काटती है कि उसकी बेटी का इलाज सही तरीके से हो जाये। कर्मचारियों द्वारा सुबह 7:30 बजे आने की बात पर वलिल अम्माल अपनी बेटी को लेकर अस्पताल से निकल जाती है।

प्रश्न 1. लेखक ने कहानी का शीर्षक 'नगर' क्यों रखा? शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करें।

उत्तर- प्रस्तुत कहानी में नगरीय व्यवस्था का चित्रण किया गया है। एक रोगी जो ईलाज के लिए गाँव से नगर आता है किन्तु अस्पताल प्रशासन उसका टोलमटोल कर देता है। उसकी भर्ती नहीं हो पाती है। नगरीय व्यवस्था से क्षुब्ध होकर ही इस कहानी का शीर्षक 'नगरे' रखा गया है।

वर्तमान परिस्थिति में नगरीय जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। अस्पताल के डॉक्टर, कर्मचारी आदि खाना पूर्ति कर अपने जिम्मेदारी से मुक्त हो जाते हैं। अनपढ़ गंवार बल्लि अम्माल नाम की एक विधवा अपनी पुत्री के इलाज के लिए नगर के एक बड़े अस्पताल में आती है। अस्पताल के वरीय चिकित्सक उस रोगी को भर्ती करने का आदेश देते हैं। किन्तु कर्मचारीगण अनदेखी कर देते हैं। वल्लि अम्माल इधर-उधर चक्कर काटती है कि उसकी बेटी का इलाज सही तरीके से हो जाये। कर्मचारियों द्वारा सुबह 7:30 बजे आने की बात पर वलिल अम्माल अपनी बेटी को लेकर अस्पताल से निकल जाती है।

प्रश्न 1. लेखक ने कहानी का शीर्षक 'नगर' क्यों रखा? शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करें।

उत्तर- प्रस्तुत कहानी में नगरीय व्यवस्था का चित्रण किया गया है। एक रोगी जो ईलाज के लिए गाँव से नगर आता है किन्तु अस्पताल प्रशासन उसका टोलमटोल कर देता है। उसकी भर्ती नहीं हो पाती है। नगरीय व्यवस्था से क्षुब्ध होकर ही इस कहानी का शीर्षक 'नगरे' रखा गया है।

वर्तमान परिस्थिति में नगरीय जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। अस्पताल के डॉक्टर, कर्मचारी आदि खाना पूर्ति कर अपने जिम्मेदारी से मुक्त हो जाते हैं। अनपढ़ गंवार बल्लि अम्माल नाम की एक विधवा अपनी पुत्री के इलाज के लिए नगर के एक बड़े अस्पताल में आती है। अस्पताल के वरीय चिकित्सक उस रोगी को भर्ती करने का आदेश देते हैं। किन्तु कर्मचारीगण अनदेखी कर देते हैं। वल्लि अम्माल इधर-उधर चक्कर काटती है कि उसकी बेटी का इलाज सही तरीके से हो जाये। कर्मचारियों द्वारा सुबह 7:30 बजे आने की बात पर वलिल अम्माल अपनी बेटी को लेकर अस्पताल से निकल जाती है।

प्रश्न 6. कहानीकार ने कहानी का शीर्षक 'नगर' क्यों रखा है ? शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करें।

उत्तर- कहानीकार द्वारा कहानी का शीर्षक रखने के कारण अनेक हैं। पहला तो यह है कि कहानी की मुख्य घटना नगर में ही घटती है। दूसरी बात यह है कि कहानी का मूल उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों की कर्तव्यहीनता, लापरवाही, भ्रष्टाचार और आम जनता के प्रति उनकी संवेदनहीनता दिखाना है और इसके लिए नगर स्थित कोई सरकारी बड़ा संस्थान ही हो सकता है।

तीसरी बात यह है कि शास्त्रीय दृष्टि से शीर्षक अत्यंत छोटा और आकर्षक होना चाहिए। इस दृष्टि से भी 'नगर' शीर्षक उपयुक्त है क्योंकि छोटा होने के साथ-साथ यह उत्सुकता-वर्द्धक भी है क्योंकि 'नगर' पढ़ने के साथ ही यह उत्सुकता पैदा होती है कि नगर की कौन-सी घटना, कैसी घटना, किससे संबंधित कथा है। इस प्रकार 'नगर' शीर्षक अत्यन्त उपयुक्त है।

प्रश्न 7. कहानी का सारांश प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर- प्रस्तुत कहानी सुजाता द्वारा रचित है। इसमें कहानीकार नगरीय व्यवस्था को यथार्थ के धरातल पर लाने का अथक प्रयास किया है। इस कहानी की नायिका वल्लि अम्माल अपनी बेटी पाप्पति को ईलाज कराने के लिए गाँव से नगर आता है। यह नगर छोटा नहीं बल्कि अपने आप में अस्तित्व रखता है। मदुरै कभी पांडिय लोगों की 'राजधानी' थी। अंग्रेजों द्वारा मदुरा यूनानी लोगों द्वारा मेदोरो और तमिल लोगों का द्वारा मदुरै कहा जाता है।

नगर के चकाचौंध से प्रभावित अस्पताल के कर्मचारी ठीक ढंग से काम नहीं करते हैं। वे केवल खानापूर्ति में लगे रहते हैं। वरीय चिकित्सक के आदेश के बावजूद भी पाप्पाति अस्पताल में भर्ती नहीं हो पाती है। हताश और विवश वल्लि अम्माल अंधविश्वास के शरण में चली जाती है। नगर से उसका विश्वास उठ जाता है। ओझा से झाड़-फूंक कराकर अपनी बेटी को स्वस्थ रखना चाहती है। वस्तुतः इस कहानी के द्वारा नगरीय व्यवस्था के साथ-साथ मानवीय मूल्यों के शासकों को उद्घाटित किया गया है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न—Objective Questions

प्रश्न 1. 'नगर' कहानी के कथाकार हैं—

(क) साँवर दइया (ख) सुजाता

(ग) ईश्वर पेटलीकर (घ) श्री निवास

उत्तर- (ख) सुजाता

प्रश्न 2. कहानीकार सुजाता का असली नाम है

(क) श्री निवास (ख) महादेवी वर्मा

(ग) सातकोड़ी होता (घ) एस. रंगराजन

उत्तर- (घ) एस. रंगराजन

प्रश्न 3. सुजाता कथाकार हैं—

(क) कन्नड़ (ख) गुजराती (ग) उड़िया (घ) तमिल

उत्तर- (घ) तमिल

प्रश्न 4. बल्लि अम्मला नहीं जानती थी ?

(क) पढ़ना (ख) बोलना

(ग) खेलना (घ) लड़ना

उत्तर-(क) पढ़ना

प्रश्न 5. पहले दिन पाप्पाति को था—

(क) सिर दर्द (ख) जुकाम

(ग) बुखार (घ) कै-दस्त

उत्तर-(ग) बुखार

प्रश्न 6. इस चिट पर ………….. के दस्तखत नहीं हैं ?

(क) वल्लि अम्माल (ख) डॉक्टर (ग) बुखार (घ) कै-दस्त

उत्तर- (ख) डॉक्टर

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. बड़े अस्पताल के डॉक्टर ने पाप्पाति को किस रोग से ग्रस्त बताया ?

उत्तर- बड़े अस्पताल के डॉक्टर ने पाप्पाति को मेनिनजाइटिस का रोगी बताया।

प्रश्न 2. सुजाता किस भाषा की कथाकार हैं ?

उत्तर- सुजाता तमिल की चर्चित कथाकार हैं।

प्रश्न 3. वल्लि अम्माल मदुरै के बड़े अस्पताल में क्यों गई थी?

उत्तर- वल्लि अम्माल अपनी बेटी पाप्पाति को दिखाने के लिए मदुरै के बड़े अस्पताल गई थी। गाँव के डॉक्टर ने उससे यही कहा था।

प्रश्न 4. अस्पताल के आदमी ने वल्लि अम्माल को चिट क्यों लौटा दिया।

उत्तर- अस्पताल में आदमी ने वल्लि अम्माल को यह कहकर चिट लौटा दिया कि इसपर डॉक्टर के दस्तखत नहीं हैं।

प्रश्न 5. भर्ती वाली जगह के आदमी ने वल्लि अम्माल से क्या कहा?

Excellence Coaching Institute Guided By - Tabrej Alam

उत्तर- भर्ती वाली जगह के आदमी ने वल्लि अम्माल से कहा कि अभी जगह नहीं है। कल सबेरे साढ़े सात बजे आना।

प्रश्न 6. बड़े अस्पताल का डॉक्टर कैसा आदमी था ?

उत्तर-

बड़े अस्पताल का डॉक्टर पेशे से कुशल और भला आदमी था। वह पाप्पाति को भर्ती कर उसका इलाज करना चाहता था किंतु भ्रष्टाचारियों के आगे उसकी एक न चली।

5. धरती कब तक घूमेगी

लेखक- साँवर दइया

जन्म- बिकानेर (राजस्थान) ;10 अक्टुबर 1948 ई0द्ध

मृत्यु- 30 जूलाई 1992 ई0

हिन्दी अनुवाद- स्वयं

यह राजस्थानी भाषा के एक प्रमुख कहानीकार हैं। इस कथा का अनुवाद कथाकार ने खुद किया है।

पाठ परिचय—प्रस्तुत कहानी समस्या प्रधान कहानी है, जिसमें एक माँ की दुर्दशा का वर्णन है। पति के मरने के बाद माँ घर का बोझ बन जाती है। किसी तरह दोनों शाम रोटी मिल जाती है, जबकि परिवार भरा-पूरा है। जिस माँ ने सबका देखभाल किया उस माँ की देखभाल करने वाला आज कोई नहीं है।

एक माँ के पेट के कारण तीनों बेटों में बारी बाँध दिया जाता है। इस प्रकार माँ एक के बाद दूसरे, दूसरे के बाद तीसरे में लुढ़कने लगती है। माँ के भोजन के कारण तीनों भाईयों में हमेशा झगड़ा होता था। उसके बाद बड़ा बेटा कैलाश ने अपने दोनों छोटे भाईयों से कहा- 'यह बात अच्छी नहीं लगती कि माँ हर महीने इधर-उधर लुढ़कती रहे, इसलिए हम तीनों ही माँ को हर महीने पचास-पचास रूपये दिया करें, वह स्वयं रोटी पकाएगी-खाएगी।' यह फैसला लेने से पहले तीनों भाईयों में से किसी ने मां से नहीं पूछा । जब तीनों भाईयों ने पचास-पचास रूपये देने का फैसला किया और कहा कि मां अलग खाना बनाकर खाएगी। तो मां ने सोचा कि सिर्फ एक पेट के लिए मेरे बेटों में झगड़ा हो रहा है। अर्थात् दो रोटी के लिए हमेशा घर में कलह लगा रहता है। मां को अपने ही घर में घूटन महसूस हो रही थी। जमीन छोटी हो रही थी। आसमान छोटा हो रहा था। मां ने सोचा कि जब दो रोटी ही खाना है, तो कहीं और जाकर खा लेंगें। ये लाेग भी फ्री में थोड़े ही खिलाते हैं। बदले में इनके बच्चों की देखभाल करनी पड़ती है। यह सोचकर मां अर्थात सीता ने अपना घर छोड़ दिया। जब वह घर छोड़ी तो आसमान साफ दिखाई दे रहा था। रास्ते चौड़ी हो गयी थी। पृथ्वी बड़ी हो गयी थी। उसे घूटन महसूस नहीं हो रहा था।

इस कहानी के माध्यम से कथाकार ने दर्शाया है कि एक मां अपने बच्चे को पालती है, लेकिन उसी मां को सभी बच्चे मिलकर नहीं पालते है। एक मां के पेट के लिए भाईयों में झगड़ा होता है।

प्रश्न 1. सीता अपने ही घर में क्यों घुटन महसूस करती है ?

उत्तर- सीता के पति के मरते ही घर की स्थिति दयनीय हो गई। भाइयों में आपसी भेद उत्पन्न हो गये। वे केवल अपनी पत्नी और संतान में ही सिमट गये हैं। माँ की देख-रेख एवं भरण-पोषण के लिए तीनों भाइयों ने एक-एक महीने का भांज बाँध लिया। सीता किसी भी बेटे के साथ रहती है तो अन्तर्मन से दुःखी ही रहती है। बहुओं की कड़वी बातें उसे चुभती रहती है। अपनी ही संतान से आज वह विक्षुब्ध हो गई है। अपने मन की व्यथा किसी से वह कह नहीं सकती है। यहीं कारण है कि अपने ही घर में उसे घूटन महसूस होती है।

प्रश्न 2. पाली बदलने पर अपने घर दादी माँ के खाने को लेकर बच्चे खुश होते हैं जबकि उनके माता-पिता नाखुशा बच्चे की खुशी और माता-पिता की नाखुशी के कारणों पर विचार करें।

उत्तर- विधवा सीता को उसके बेटों ने बाँट लिया है। तीनों बारी-बारी से एक-एक महीने सीता को खिलाते हैं, सीता उन दिनों उनके यहाँ काम-धाम भी कर देती है। बेटों ने भले अपनी माँ को बाँट लिया है, उससे लगाव नहीं रखते किन्तु सीता ने पोते-पोतियों को नहीं बाँटा है। वह सबको समान रूप से प्यार करती है। इसलिए, बच्चे उससे हिले-मिले रहते हैं। खासकर इस बात से अधिक प्रसन्न होते हैं कि दादी अपनी थाली में उन्हें खिलाती है, उन्हें देखकर खुश होती और डाँट-डपट नहीं करती। दूसरी ओर उनके माता-पिता सीता की बारी उनके यहाँ आते ही नाखुश हो जाते हैं क्योंकि उनका खर्च बढ़ जाता है और उनके बच्चे अपनी दादी के लाड़-प्यार के आगे अपने माता-पिता की जल्दी नहीं सुनते।

प्रश्न 3. 'इस समय उसकी आँखों के आगे न तो अंधेरा था और न ही उसे धरती और आकाश के बीच घुटन हुई।' सप्रसंग व्याख्या करें।

उत्तर- प्रस्तुत पंक्तियाँ साँवर दइया द्वारा रचित 'धरती कब तक घमेगी' शीर्षक कहानी से संकलित है। प्रस्तुत संदर्भ उस समय का है जब सीता के बेटे अपनी जिम्मेवारी से मुक्त होकर पचास रुपये प्रतिमाह खर्च देने के लिए निर्णय लेते हैं। रोटी क्या नहीं कराती है अर्थात् सब कुछ कराती है। रोटी के लिए ही अपनी संतान अपने माता-पिता को यूँ ही जीवन-यापन करने के लिए छोड़ देते हैं।

उन्हें माता-पिता को रोटी नहीं केवल अपनी संतान के लिए चिन्ता रहती है। सीता अपने बेटों के फैसलों से संतुष्ट हो या न हो रात्रि में घर से निकल जाती है। अब वह किसी की उपेक्षा की शिकार नहीं होगी। स्वतंत्र जीवन जीयेगी। खुली हवा में वह साँस लेगी। उसकी आँखों के सामने में अँधेरा था और न ही घुटन। वस्तुतः यहाँ रचनाकार समाज में होनेवाले परिवर्तनों को विशेष रूप से चित्रित किया है। माता-पिता अपने ही संतान के बोझ बनते जा रहे हैं। संतान की ऐसी सोच निश्चय ही एक दिन समाज को नि:शेष कर लेगी।

प्रश्न 4. सीता का चरित्र-चित्रण करें।

उत्तर- सीता जनक की पुत्री और राम की अर्धांगिनी तो नहीं है किन्तु तीन बेटों की एक ऐसी असहाय और विवश माँ है जो उनके लिए बोझ बन गई है। पति के मरने के बाद ही घर में अन्तर्कलह उत्पन्न हो जाता है। आपसी वैमनस्व की परतें जमने लगती है। सीता इन सभी चीजों को देखकर भी मौन रह जाती है। बेटे और बहुओं के दुत्कार उसके हृदय को चोटिल कर देता है फिर भी वह कोई प्रत्युत्तर नहीं देती है। पाली बाँधकर भरण-पोषण करनेवाले अपने बेटों से उसे कोई शिकायत नहीं है।

अन्दर ही अन्दर घूटती रहती है। पति के मरने बाद स्त्री तुच्छ और निराश्रयी हो जाती हो सीता के साथ यह उदाहरण सटीक बैठता है। धरती की तरह सबकुछ सहन करने वाली माँ अपनी संतान का कभी-बुरा नहीं चाहती है। सीता स्वाभिमानीनि है। स्वाभिमान की रक्षा करना वह भली-भाँति जानती है। खर्च देने के नाम पर रात्रि में घर से निकल जाती है। वह मेहनत मजदूरी का अपने जीवन का निर्वहण कर लेगी बेटों से वह खर्च नहीं लेगी।

प्रश्न 5. कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करें।

उत्तर- शीर्षक किसी भी रचना की पृष्ठभूमि है। शीर्षक की सार्थकता उसके आकर्षण में है तथा रचना की पूर्ण व्याख्या में होती है। शीर्षक रचना के मूल भाव का संवहन करता है। राजस्थानी भाषा के प्रमुख कहानीकार साँवर दइया द्वारा रचित 'धरती कब तक घूमेगी' शीर्षक कहानी सामाजिक विडम्बनाओं को चित्रित करती है। धरती अपने किस पर निरन्तर घूमती रहती है आखिर कब तक? कभी-न-कभी तो यह अवश्य रूकेगी। माँ धरती की तरह अपनी संतान के बोझ को सहन कर लेती है किन्तु संतान अपनी माँ का बोझ ढोने में असमर्थ हो जाती है। इस कहानी की प्रधाननायिका सीता है। पति के मरने के साथ ही, वह तुच्छ और निराश्रयी हो जाती है। उसके बेटे उसे बोझ समझने लगते हैं। अपनी पत्नी और बेटे-बेटी में ही मसगूल रहने वाले अपनी माँ को ही भूल जाते हैं। पाली बाँधकर उसके तीनों बेटे निश्चिन्त हो जाते हैं किन्तु इसमें भी वह बोझ लगती है। एक दिन तीनों बेटों ने मिलकर प्रतिमाह पचास रुपये देने का निर्णय लेते हैं। अपने बेटों के निर्णय से सीता प्रधान मन-ही-मन विक्षुब्ध हो जाती है। उसे अब घुटन सहन नहीं हो पाता है। बेटों के इशारों पर वह कितने दिनों तक घूमेगी। अंततः एक दिन रात्रि में घर से निकल जाती है। अतः इन दृष्टान्तों से स्पष्ट होता है कि प्रस्तुत कहानी का शीर्षक सार्थक और सटीक है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न—Objective Questions

प्रश्न 1. 'धरती कब तक घूमेगी' के कहानीकार हैं

(क) सातकोड़ी होता (ख) ईश्वर पेटलीकर

(ग) श्री निवास (घ) साँवर दइया

उत्तर-(घ) साँवर दइया

प्रश्न 2. "धरती कब तक घूमेगी" कहानी है

(क) धार्मिक (ख) मनोवैज्ञानिक

(ग) सामाजिक (घ) ऐतिहासिक

उत्तर-(ग) सामाजिक

प्रश्न 3. "धरती कब तक घूमेगी" की नायिका है

(क) मंगम्मा (ख) पाप्पाति (ग) सीता (घ) वल्लि अम्माल

उत्तर-(ग) सीता

प्रश्न 4. साँवर दइया की कहानी "धरती कब तक घूमेगी" का विषय है—

(क) उड़िया समाज (ख) राजस्थानी समाज

(ग) तमिल समाज (घ) गुजराती समाज

उत्तर-(ख) राजस्थानी समाज

प्रश्न 5. सवाल तो …….. का ही है।

(क) रोटी (ख) मकान (ग) कपड़ा (घ) दूकान

उत्तर-(क) रोटी

प्रश्न 1.'धरती कब तक घूमेगी' कहानी की नायिका कौन है ?

उत्तर-'धरती कब तक घूमेगी' कहानी की नायिका तीन बेटों वाली सीता है।

प्रश्न 2. सांवर दइया की कहानियों की विशेषता क्या-क्या है ?

उत्तर- साँवर दइया की कहानियों की विशेषता है राजस्थानी समाज का यथा तथ्य वर्णन।

प्रश्न 3. 'धरती कब तक घूमेगी' कहानी के रचयिता कौन हैं?

उत्तर- 'धरती कब तक घूमेगी' कहानी के रचयिता साँवर दइया हैं।

प्रश्न 4. 'धरती कब तक घूमेगी' कहानी का उद्देश्य क्या है?

उत्तर- प्रस्तुत कहानी का उद्देश्य है पुराने पारिवारिक मूल्यों का आज के युग में हो रहे क्षरण का चित्रण।

प्रश्न 5. सीता के प्रति उसके बेटों और बहुओं का व्यवहार कैसा था?

उत्तर- सीता के प्रति उसके बेटों और बहुओं का व्यवहार अत्यन्त उपेक्षापूर्ण था।

प्रश्न 6. सीता की आँखों के आगे अंधेरा कब छा गया?

उत्तर-बेटों ने जब तय किया कि वे तीनों हर माह पचास-पचास रुपये देंगे और माँ अपनी रोटी आप बनाएगी तो सीता की आँखों के आगे अंधेरा छा गया।

Excellence Coaching Institute
Guided By - Tabrej Alam